



बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 36 पटना, बुधवार, 15 भाद्र 1945 (श10)
6 सितम्बर 2023 (ई0)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1- नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	2-113
भाग-1-क-स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	---
भाग-1-ख-मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	---
भाग-1-ग-शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	---
भाग-2-बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	---
भाग-3-भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	---
भाग-4-बिहार अधिनियम	---
भाग-5-बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-7-संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।	---
भाग-8-भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-9-विज्ञापन	---
भाग-9-क-वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं	---
भाग-9-ख-निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।	114-188
पूरक	---
पूरक-क	---

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।

पटना उच्च न्यायालय

अधिसूचनाएं

9 मई 2023

सं० 202 नि०:—निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित पदाधिकारियों को, तालिका के स्तंभ-3 में निर्देशित स्थान एवं स्तम्भ 4 में दी गयी स्थानान्तरण श्रृंखला के अन्तर्गत जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्य हेतु स्थानान्तरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	स्थान का नाम जहाँ पदाधिकारी स्थानान्तरित किए गए	स्थानान्तरण श्रृंखला
1.	2.	3.	4.
1.	श्री मनोज कुमार-II अध्यक्ष, बिहार राज्य परिवहन अपीलीय प्राधिकरण, पटना	समस्तीपुर	रिक्त
2.	श्री मनोज कुमार सिंह, निबंधक (निगरानी)	मुजफ्फरपुर	श्री मनोज कुमार सिन्हा के स्थान जो निबंधक (निगरानी), पटना उच्च न्यायालय, पटना के रूप में स्थानान्तरण एवं पदस्थापन हेतु आदेशित है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 202 A: --The following officers named in column no. 2 of the table given below are hereby transferred and posted as District and Sessions Judges at the stations mentioned in column no. 3 of the table against their respective names and in chain as indicated in column no. 4 of the table given below:

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting.	Name of the station where the officer has been transferred	Chain of Transfer
1.	2.	3.	4.
1.	Sri Manoj Kumar II, Chairman, Bihar State Transport Appellate Tribunal, Patna	Samastipur	Since Vacant
2.	Sri Manoj Kumar Singh, Registrar (Vigilance) Patna High Court, Patna	Muzaffarpur	Vice Sri Manoj Kumar Sinha, who is under orders of transfer and posting as Registrar (Vigilance), Patna High Court, Patna.

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

9 मई 2023

सं० 203 नि० :—निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश को, तालिका के स्तंभ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्य करने हेतु स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान जजी सहित	अ) नए स्थान का पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ स्थानांतरित किये गये हैं।
1	2	3
1.	श्री अखिलेश कुमार झा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिवान (सिवान)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
2.	श्री गुरुवेन्द्र सिंह मलहोत्रा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दरभंगा स) दरभंगा
3.	श्री भरत भुषण भसीन विशेष कार्य पदाधिकारी, पटना उच्च न्यायालय, पटना	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) भभुआ स) कैमुर
4.	श्री रणवीर सिंह सदस्य सचिव, बी.एस.सी.एम.एस., पटना उच्च न्यायालय, पटना	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) लखीसराय स) लखीसराय
5.	श्री सुनील कुमार वर्मा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेगुसराय (बेगुसराय)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) सासाराम स) रोहतास
6.	श्री रामाकांत विशेष कार्य पदाधिकारी, (जांच पदाधिकारी) पटना उच्च न्यायालय, पटना	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दरभंगा स) दरभंगा
7.	श्री नलिन कुमार पाण्डेय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, छपरा (सारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) गया स) गया
8.	श्री मनोज कुमार तिवारी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, आरा (भोजपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) अररिया स) अररिया
9.	श्री निरज कुमार -2 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कटिहार (कटिहार)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
10.	सुश्री नमिता सिंह संयुक्त निबंधक (स्थापना) पटना उच्च न्यायालय, पटना।	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
11.	श्री मनकामेश्वर प्रसाद चौबे पीठासीन अधिकारी, विशेष न्यायालय, पेसू एरिया, पटना	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बक्सर स) बक्सर
12.	श्री भुपेन्द्र सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सीतामढ़ी (सीतामढ़ी)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दानापुर स) पटना
13.	श्री मो० रुस्तम विशेष कार्य पदाधिकारी, पटना उच्च न्यायालय, पटना	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना

14.	श्री अभिजीत कुमार विशेष कार्य पदाधिकारी, (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पटना उच्च न्यायालय, पटना	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
15.	श्री अवधेश कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दानापुर (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण
16.	श्री ब्रजेश कुमार सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दानापुर (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) औरंगाबाद स) औरंगाबाद
17.	श्री उमेश कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्णियाँ (पूर्णियाँ)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) रोसड़ा स) समस्तीपुर
18.	श्री सुमन कुमार दिवाकर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, छपरा (सारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दरभंगा स) दरभंगा
19.	श्री शशिकान्त राय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अररिया (अररिया)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दलसिंहसराय स) समस्तीपुर
20.	श्री रविशंकर कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुजफ्फरपुर (मुजफ्फरपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दरभंगा स) दरभंगा
21.	श्री संतोष कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिहारशरीफ (नालंदा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) सिवान स) सिवान
22.	श्री कुमार अमित मनु अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्णियाँ (पूर्णियाँ)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
23.	सुश्री सीमा भारतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण
24.	श्री मुकुन्द कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुजफ्फरपुर (मुजफ्फरपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण
25.	श्री दुष्यंत कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, आरा (भोजपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण
26.	सुश्री मीतु सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) औरंगाबाद स) औरंगाबाद
27.	सुश्री परोतिमा परिहार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, हाजीपुर (वैशाली)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दरभंगा स) दरभंगा
28.	श्री अंकुर गुप्ता विशेष कार्य पदाधिकारी, न्यायिक पदाधिकारी मुख्य न्यायाधीश सचिवालय, पटना उच्च न्यायालय, पटना	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर

29.	श्री शैलेन्द्र कुमार-1 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, समस्तीपुर (समस्तीपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दरभंगा स) दरभंगा
30.	श्री मनीष द्विवेदी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) नवादा स) नवादा
31.	सुश्री मधु अग्रवाल अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दानापुर (दानापुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) शेखपुरा स) शेखपुरा
32.	श्री ब्रजेश कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, समस्तीपुर (समस्तीपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मोतिहारी स) पश्चिमी चम्पारण
33.	श्री विनय शंकर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दरभंगा (दरभंगा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) हिलसा स) नालन्दा
34.	श्री सुनील कुमार-2 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सासाराम (रोहतास)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
35.	श्री शैलेन्द्र कुमार-2 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दलसिंहसराय (समस्तीपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) खगड़िया स) खगड़िया
36.	श्री उमेशमणि त्रिपाठी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सुपौल (सुपौल)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण
37.	श्री राकेश कुमार सिंह-3 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बेगुसराय स) बेगुसराय
38.	श्री निरज किशोर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) आरा स) भोजपुर
39.	श्री बिरेन्द्र कुमार चौबे अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, आरा (भोजपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मधेपुरा स) मधेपुरा
40.	श्री ब्रजेश कुमार पाठक अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, औरंगाबाद (औरंगाबाद)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
41.	श्री आशुतोष कुमार 2 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिहारशरीफ (नालन्दा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मधेपुरा स) मधेपुरा
42.	श्री राहुल कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
43.	श्री कुमार ऋषिकेश अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेगुसराय (बेगुसराय)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मधेपुरा स) मधेपुरा

44.	श्री रविन्द्र कुमार राय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सीतामढ़ी (सीतामढ़ी)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर
45.	श्री संजीव कुमार सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दरभंगा (दरभंगा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बिहारशरीफ स) नालंदा
46.	श्री प्रभात कृष्ण अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दरभंगा (दरभंगा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
47.	श्री देवेन्द्र मिश्रा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मधेपुरा (मधेपुरा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) आरा स) भोजपुर
48.	श्री आशुतोष कुमार सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बक्सर (बक्सर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) भभुआ स) कैमुर
49.	श्री आदित्य सुमन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, खगड़िया (खगड़िया)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) आरा स) भोजपुर
50.	श्री सुनील कुमार सिंह-2 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, आरा (भोजपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) नवगछिया स) भागलपुर
51.	श्री अमित कुमार सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, औरंगाबाद (औरंगाबाद)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
52.	श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गोपालगंज (गोपालगंज)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण
53.	श्री नरेन्द्र पाल सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नवगछिया (भागलपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
54.	श्री सुनील कुमार चौबे अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भभुआ (कैमुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बेगुसराय स) बेगुसराय
55.	श्री अखौरी अभिषेक सहाय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नवगछिया (भागलपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बिहारशरीफ स) नालंदा
56.	सुश्री सुलेखा झा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्णियाँ (पूर्णियाँ)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
57.	श्री उमेश कुमार पाण्डेय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
58.	श्री राजेश कुमार वर्मा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भभुआ (कैमुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) जहानाबाद स) जहानाबाद

59.	श्री प्रशांत कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुंगेर (मुंगेर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
60.	श्री शरद चन्द्र श्रीवास्तव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भागलपुर (भागलपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
61.	श्री रंजन कुमार मिश्रा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्णियाँ (पूर्णियाँ)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
62.	श्री आशुतोष कुमार राय सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिवान	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर
63.	श्री सुनील कुमार-3 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मसौढ़ी (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) सुपौल स) सुपौल
64.	श्री राज कुमार चौधरी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, भागलपुर (भागलपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बाढ़ स) पटना
65.	श्री दिपक कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गोपालगंज (गोपालगंज)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) भागलपुर स) भागलपुर
66.	श्री संजय सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, शेखपुरा (शेखपुरा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बिहारशरीफ स) नालंदा
67.	श्री राजेन्द्र कुमार सिन्हा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कटिहार (कटिहार)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
68.	श्री चन्द्रवीर सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सिवान (सिवान)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
69.	श्री अमित कुमार पाण्डेय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नवादा (नवादा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) हिलसा स) नालंदा
70.	श्री शरद चन्द्र कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, खगड़िया (खगड़िया)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
71.	श्री श्रीराम झा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, लखीसराय (लखीसराय)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दरभंगा स) दरभंगा
72.	श्री संजीव कुमार-1 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मधेपुरा (मधेपुरा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मसौढ़ी स) पटना
73.	श्री संतोष कुमार गुप्ता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बिहारशरीफ (नालंदा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) अररिया स) अररिया

74.	श्री आलोक कुमार पाण्डेय-2 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सासाराम (रोहतास)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
75.	श्री राजेश पाण्डेय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सितामढ़ी (सितामढ़ी)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) जहानाबाद स) जहानाबाद
76.	श्री अजय कुमार-1 सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जहानाबाद (जहानाबाद)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) अररिया स) अररिया
77.	श्री मुकेश कुमार-1 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुजफ्फरपुर (मुजफ्फरपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) कटिहार स) कटिहार
78.	श्री जितेश कुमार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण छपरा, सारण	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पूर्णियाँ स) पूर्णियाँ
79.	श्री रजनीश रंजन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण किशनगंज (किशनगंज)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) दानापुर स) पटना
80.	सुश्री आकांक्षा कश्यप सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समस्तीपुर (समस्तीपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पूर्णियाँ स) पूर्णियाँ
81.	श्री प्रवीण कुमार सिंह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नवादा (नवादा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
82.	श्री अनवर शमीम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बांका (बांका)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
83.	श्री धिरज कुमार भास्कर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पूर्णियाँ	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा
84.	श्री विपिन बिहारी राय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुंगेर (मुंगेर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
85.	श्री मधुकर सिंह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भभुआ, कैमुर	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
86.	श्री धर्मेन्द्र कुमार तिवारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बक्सर, बक्सर	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) भभुआ स) कैमुर
87.	श्री अजय कुमार मल सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
88.	श्री अभय श्रीवास्तव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सहरसा (सहरसा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर

89.	श्री सतीश कुमार झा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेगुसराय (बेगुसराय)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पूर्णियाँ स) पूर्णियाँ
90.	श्री उमां शंकर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सासाराम (रोहतास)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
91.	श्री अभिषेक रंजन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पूर्णियाँ स) पूर्णियाँ
92.	श्री संदीप अग्निहोत्री सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरपुर (मुजफ्फरपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) सुपौल स) सुपौल
93.	श्री रवि कुमार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना (पटना)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) अररिया स) अररिया
94.	श्री दीपक कुमार-2 सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दरभंगा (दरभंगा)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
95.	श्री प्रतिम कुमार रतन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मधुबनी (मधुबनी)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) छपरा स) सारण
96.	श्री धिरेन्द्र कुमार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अररिया (अररिया)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बिहारशरीफ स) नालंदा
97.	श्री सदन लाल प्रियदर्शी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, सितामढ़ी (सितामढ़ी)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) बेगुसराय स) बेगुसराय
98.	श्री छेदी राम सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सासाराम (रोहतास)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना
99.	श्री मिथिलेश कुमार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आरा (भोजपुर)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर
100.	श्री कुमार धिरेन्द्र राजाजी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेतिया (पश्चिमी चम्पारण)	अ) अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ब) पटना स) पटना

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 203 A :---The Additional District and Sessions Judges, named in column no. 2 of the table given below are hereby transferred and posted as Additional District and Sessions Judges in the Judgeship to be stationed ordinarily at the places mentioned in column no. 3 of the table against their respective names :

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting with Judgeship.	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be ordinarily stationed at (c) Name of the Judgeship in which posted on transfer
1.	2.	3.
1.	Sri Akhilesh Kumar Jha A.D.J., Siwan. (Siwan)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
2.	Sri Guruvinder Singh Malhotra A.D.J., Patna. (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Darbhanga c) Darbhanga
3.	Sri Bharat Bhushan Bhasin O.S.D. , Patna High Court, Patna	a) Additional District and Sessions Judge b) Bhabhua c) Kaimur
4.	Sri Ranvir Singh Member Secretary, Bihar State Court Management System, Patna High Court, Patna	a) Additional District and Sessions Judge b) Lakhisari c) Lakhisari
5.	Sri Sunil Kumar Verma A.D.J., Begusarai. (Begusarai)	a) Additional District and Sessions Judge b) Sasaram c) Rohtas
6.	Sri Ramakant O.S.D. (Enquiry Officer), Patna High Court, Patna	a) Additional District and Sessions Judge b) Darbhanga c) Darbhanga
7.	Sri Nalin Kumar Pandey A.D.J., Chapra. (Saran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Gaya c) Gaya
8.	Sri Manoj Kumar Tiwari A.D.J., Ara. (Bhojpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Araria c) Araria
9.	Sri Neeraj Kumar II A.D.J., Katihar. (Katihar)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna

10.	Ms. Namita Singh Joint Registrar (Establishment), Patna High Court, Patna	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
11.	Sri Man Kameshwar Prasad Choubey Presiding Officer, Special Court, PESU Area, Patna.	a) Additional District and Sessions Judge b) Buxar c) Buxar
12.	Sri Bhupendra Singh A.D.J., Sitamarhi (Sitamarhi)	a) Additional District and Sessions Judge b) Danapur c) Patna
13.	Sri Md. Rustam O.S.D., Patna High Court, Patna	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
14.	Sri Abhijit Kumar O.S.D., (Infrastructure), Patna High Court, Patna	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
15.	Sri Awadesh Kumar A.D.J., Danapur. (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Motihari c) East Champaran
16.	Sri Brajesh Kumar Singh A.D.J., Danapur (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Aurangabad c) Aurangabad
17.	Sri Umesh Kumar A.D.J., Purnea (Purnea)	a) Additional District and Sessions Judge b) Rosera c) Samastipur
18.	Sri Suman Kumar Divakar A.D.J., Chapra (Saran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Darbhanga c) Darbhanga
19.	Sri Shashikant Roy A.D.J., Araria (Araria)	a) Additional District and Sessions Judge b) Dalsingsarai c) Samastipur
20.	Sri Ravishankar Kumar A.D.J., Muzaffarpur (Muzaffarpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Darbhanga c) Darbhanga

21.	Sri Santosh Kumar A.D.J., Biharsharif (Nalanda)	a) Additional District and Sessions Judge b) Siwan c) Siwan
22.	Kumar Amit Manu A.D.J., Purnea (Purnea)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
23.	Ms. Seema Bhartiya A.D.J., Patna (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Motihari c) East Champaran
24.	Sri Mukund Kumar A.D.J., Muzaffarpur (Muzaffarpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Motihari c) East Champaran
25.	Sri Dushyant Kumar A.D.J., Ara (Bhojpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Motihari c) East Champaran
26.	Ms. Meetu Singh A.D.J., Patna (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Aurangabad c) Aurangabad
27.	Ms. Protima Parihar A.D.J., Hajipur (Vaishali)	a) Additional District and Sessions Judge b) Darbhanga c) Darbhanga
28.	Sri Ankur Gupta O.S.D. (Judicial Officer), Chief Justice Secretariat, Patna High Court, Patna	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
29.	Sri Shailendra Kumar I A.D.J., Samastipur (Samastipur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Darbhanga c) Darbhanga
30.	Sri Manish Dwivedi A.D.J., Patna (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Nawadah c) Nawadah
31.	Ms. Madhu Agrawal A.D.J., Danapur. (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Sheikhpura c) Sheikhpura

32.	Sri Brajesh Kumar A.D.J., Samastipur (Samastipur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Motihari c) East Champaran
33.	Sri Binay Shankar A.D.J., Darbhanga (Darbhanga)	a) Additional District and Sessions Judge b) Hilsa c) Nalanda
34.	Sri Sunil Kumar II A.D.J., Sasaram (Rohtas)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
35.	Sri Shailendra Kumar II A.D.J., Dalsingsarai (Samastipur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Khagaria c) Khagaria
36.	Sri Umesh Mani Tripathi A.D.J., Supaul (Supaul)	a) Additional District and Sessions Judge b) Bettiah c) West Champaran
37.	Sri Rakesh Kumar Singh III A.D.J., Motihari (East Champaran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Begusarai c) Begusarai
38.	Sri Neeraj Kishore A.D.J., Motihari (East Champaran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Ara c) Bhojpur
39.	Sri Virendra Kumar Choubey A.D.J., Ara (Bhojpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Madhepura c) Madhepura
40.	Sri Brajesh Kumar Pathak A.D.J., Aurangabad (Aurangabad)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
41.	Sri Ashutosh Kumar II A.D.J., Biharsharif (Nalanda)	a) Additional District and Sessions Judge b) Madhepura c) Madhepura
42.	Sri Rahul Kumar A.D.J., Motihari (East Champaran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur

43.	Sri Kumar Rishikesh A.D.J., Begusarai (Begusarai)	a) Additional District and Sessions Judge b) Madhepura c) Madhepura
44.	Sri Ravindra Kumar Ray A.D.J., Sitamarhi (Sitamarhi)	a) Additional District and Sessions Judge b) Samastipur c) Samastipur
45.	Sri Sanjeev Kumar Singh A.D.J., Darbhanga (Darbhanga)	a) Additional District and Sessions Judge b) Biharsharif c) Nalanda
46.	Sri Prabhat Krishna A.D.J., Darbhanga (Darbhanga)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
47.	Sri Devanand Mishra A.D.J., Madhepura (Madhepura)	a) Additional District and Sessions Judge b) Ara c) Bhojpur
48.	Sri Ashutosh Kumar Singh A.D.J., Buxar (Buxar)	a) Additional District and Sessions Judge b) Bhabhua c) Kaimur
49.	Sri Aditya Suman A.D.J., Khagaria (Khagaria)	a) Additional District and Sessions Judge b) Ara c) Bhojpur
50.	Sri Sunil Kumar Singh II A.D.J., Ara (Bhojpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Naugachia c) Bhagalpur
51.	Sri Amit Kumar Singh A.D.J., Aurangabad (Aurangabad)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
52.	Sri Rajendra Kumar Pandey A.D.J., Gopalganj (Gopalganj)	a) Additional District and Sessions Judge b) Bettiah c) West Champaran
53.	Sri Narendra Pal Singh A.D.J., Naugachia (Bhagalpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur

54.	Sri Sunil Kumar Choubey A.D.J., Bhabhua (Kaimur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Begusarai c) Begusarai
55.	Sri Akhauri Abhishek Sahay A.D.J., Naugachia (Bhagalpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Biharshairf c) Nalanda
56.	Ms. Sulekha Jha A.D.J., Purnea (Purnea)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
57.	Sri Umesh Kumar Pandey A.D.J., Motihari (East Champaran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
58.	Sri Rajesh Kumar Verma A.D.J., Bhabhua (Kaimur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Jehanabad c) Jehanabad
59.	Sri Prashant Kumar A.D.J., Munger (Munger)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
60.	Sri Sharad Chandra Srivastava A.D.J., Bhagalpur (Bhagalpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
61.	Sri Ranjan Kumar Mishra A.D.J., Purnea (Purnea)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
62.	Sri Ashutosh Kumar Rai Secretary, D.L.S.A., Siwan (Siwan)	a) Additional District and Sessions Judge b) Samastipur c) Samastipur
63.	Sri Sunil Kumar III A.D.J., Masaurhi (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Supaul c) Supaul
64.	Sri Raj Kumar Choudhary A.D.J., Bhagalpur (Bhagalpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Barh c) Patna

65.	Sri Deepak Kumar A.D.J., Gopalganj (Gopalganj)	a) Additional District and Sessions Judge b) Bhagalpur c) Bhagalpur
66.	Sri Sanjay Singh A.D.J., Sheikhpura (Sheikhpura)	a) Additional District and Sessions Judge b) Biharsharif c) Nalanda
67.	Sri Rajendra Kumar Sinha A.D.J., Katihar (Katihar)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
68.	Sri Chandra Bir Singh A.D.J., Siwan (Siwan)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
69.	Sri Amit Kumar Pandey A.D.J., Nawadah (Nawadah)	a) Additional District and Sessions Judge b) Hilsa c) Nalanda
70.	Sri Sharad Chandra Kumar A.D.J., Khagaria (Khagaria)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
71.	Sri Shree Ram Jha A.D.J., Lakhisarai (Lakhisarai)	a) Additional District and Sessions Judge b) Darbhanga c) Darbhanga
72.	Sri Sanjeev Kumar I A.D.J., Madhepura (Madhepura)	a) Additional District and Sessions Judge b) Masaurhi c) Patna
73.	Sri Santosh Kumar Gupta A.D.J., Biharsharif (Nalanda)	a) Additional District and Sessions Judge b) Araria c) Araria
74.	Sri Alok Kumar Pandey II A.D.J., Sasaram (Rohtas)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
75.	Sri Rajesh Pandey A.D.J., Sitamarhi (Sitamarhi)	a) Additional District and Sessions Judge b) Jehanabad c) Jehanabad

76.	Sri Ajay Kumar I Secretary, D.L.S.A., Jehanabad (Jehanabad)	a) Additional District and Sessions Judge b) Araria c) Araria
77.	Sri Mukesh Kumar I A.D.J., Muzaffarpur (Muzaffarpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Katihar c) Katihar
78.	Sri Jitesh Kumar Secretary, D.L.S.A., Chapra (Saran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Purnea c) Purnea
79.	Sri Rajnish Ranjan Secretary, D.L.S.A., Kishanganj. (Kishanganj)	a) Additional District and Sessions Judge b) Danapur c) Patna
80.	Ms. Akansha Kashyap Secretary, D.L.S.A., Samastipur. (Samastipur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Purnea c) Purnea
81.	Sri Praveen Kumar Singh Secretary, D.L.S.A., Nawadah. (Nawadah)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
82.	Sri Anwar Shamim A.D.J., Banka (Banka)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
83.	Sri Dhiraj Kumar Bhaskar Secretary, D.L.S.A., Purnea (Purnea)	a) Additional District and Sessions Judge b) Biharsharif c) Nalanda
84.	Sri Bipin Bihari Rai A.D.J., Munger (Munger)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
85.	Sri Madhukar Singh Secretary, D.L.S.A., Bhabhua. (Kaimur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
86.	Sri Dharmendra Kumar Tiwari Secretary, D.L.S.A., Buxar (Buxar)	a) Additional District and Sessions Judge b) Bhabhua c) Kaimur

87.	Sri Ajay Kumar Mall Secretary, D.L.S.A., Motihari (East Champaran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
88.	Sri Abhay Srivastava A.D.J., Saharsa (Saharsa)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
89.	Sri Satish Kumar Jha Secretary, D.L.S.A., Begusarai (Begusarai)	a) Additional District and Sessions Judge b) Purnea c) Purnea
90.	Sri Uma Shankar A.D.J., Sasaram (Rohtas)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
91.	Sri Abhishek Ranjan A.D.J., Patna. (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Purnea c) Purnea
92.	Sri Sandeep Agnihotri Secretary, D.L.S.A., Muzaffarpur (Muzaffarpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Supaul c) Supaul
93.	Sri Ravi Kumar A.D.J., Patna (Patna)	a) Additional District and Sessions Judge b) Araria c) Araria
94.	Sri Deepak Kumar II Secretary, D.L.S.A., Darbhanga. (Darbhanga)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
95.	Sri Pritam Kumar Ratan Secretary, D.L.S.A., Madhubani. (Madhubani)	a) Additional District and Sessions Judge b) Chapra c) Saran
96.	Sri Dharendra Kumar Secretary, D.L.S.A., Araria (Araria)	a) Additional District and Sessions Judge b) Biharsharif c) Nalanda
97.	Sri Sadan Lal Priyadarshi A.D.J., Sitamarhi (Sitamarhi)	a) Additional District and Sessions Judge b) Begusarai c) Begusarai

98.	Sri Chhedi Ram Secretary, D.L.S.A., Sasaram. (Rohtas)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna
99.	Sri Mithilesh Kumar Secretary, D.L.S.A., Ara. (Bhojpur)	a) Additional District and Sessions Judge b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur
100.	Sri Kumar Dharendra Rajaji Secretary, D.L.S.A., Bettiah. (West Champaran)	a) Additional District and Sessions Judge b) Patna c) Patna

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

16 मई 2023

सं० 218 नि०:—उच्च न्यायालय के अधिसूचना सं० 203 नि० दिनांक— 09 मई, 2023 जो ज्ञाप सं०— 29798–29851 दिनांक 09 मई, 2023 के तहत निर्गत है जहाँ तक इसका संबंध श्री कुमार अमित मनु, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्णियाँ को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुजफ्फरपुर के रूप में स्थानान्तरित एवं पदस्थापित को एतद् द्वारा वापस समझा जाय।

उपरोक्त अधिसूचना को उक्त हद तक संशोधित समझा जाय।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 16th May 2023

No. 218A:—Court's Notification no. **203A** dated **09th May, 2023** issued under memo no. **29798-29851** dated **09th May, 2023** so far as it relates to the transfer and posting of Sri Kumar Amit Manu, Additional District and Sessions Judge, Purnea as Additional District and Sessions Judge of Muzaffarpur stands recalled.

Court's aforesaid notification stood modified to the above extent.

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

9 मई 2023

सं० 204 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में क्रमशः उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान जहाँ पर वे साधारणतः अधिष्ठित रहेंगे अवर न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया जाता है।

तदोपरान्त, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 11 की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को स्तम्भ-4 में उनके नाम के सामने निर्देशित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान किया जाता है।

साथ ही, उपर्युक्त संहिता की धारा 12 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त पदाधिकारियों को तालिका के स्तम्भ-3 में उनके नाम के सामने निर्देशित जिला के लिए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी भी नियुक्त किया जाता है और दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 9 की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित न्यायिक पदाधिकारियों को उनके नाम के सामने स्तम्भ-4 में अंकित सत्र प्रमण्डल के लिए सहायक सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानांतरण के उपरान्त नियुक्त किये जाते हैं	जिला एवं सत्र प्रमण्डल का नाम
1.	2.	3.	4.
1.	श्री श्री प्रकाश अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बेतिया (पश्चिमी चम्पारण)	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) पटना स) पटना	पटना
2.	श्री विजय किशोर सिंह अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पटना	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) गया स) गया	गया
3.	श्री जितेन्द्र कुमार I अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, किशनगंज	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) आरा स) भोजपुर	भोजपुर
4.	श्री संजीव कुमार II अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, अररिया	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) जमुई स) जमुई	जमुई
5.	श्री ओम शंकर अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, खगड़िया	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) किशनगंज स) किशनगंज	किशनगंज
6.	श्री प्रदीप कुमार चौधरी अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सुपौल	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) मुंगेर स) मुंगेर	मुंगेर
7.	श्री अजय कुमार II अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, आरा (भोजपुर)	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 204A :—The Judicial officers of the rank of Civil Judge (Senior Division), named in column no. 2 of the table given below, are transferred as Subordinate Judges in the Judgeship to be stationed ordinarily at the places mentioned against their names in column no. 3 of the table.

Further, in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974), the High Court is pleased to confer upon the Civil Judges (Senior Division) named in the column no. 2 of the table the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the District noted against their respective names in column no. 4 of the table.

Furthermore, in exercise of the powers conferred under Sub Section (1) of Section (12) of the said Criminal Procedure Code, the officers are also appointed as Chief Judicial Magistrate for the District noted against their respective names in column no. 4 of the table and in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of

Section (9) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is also pleased to appoint the Judicial Officers named in column no. 2 of the table as Assistant Sessions Judge for the Sessions Division noted against their respective names in column no. 4 of the table.

Sl. No.	Name of the officer, designation and present place of posting (with Judgeship)	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily (c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer	Name of the District and Sessions Division
1.	2.	3.	4.
(a)	Sri Shree Prakash Sub Judge-cum-C.J.M., Bettiah (West Champaran)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Patna c) Patna	Patna
(b)	Sri Bijay Kishor Singh Sub Judge-cum-C.J.M., Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Gaya c) Gaya	Gaya
(c)	Sri Jitendra Kumar I Sub Judge-cum-C.J.M., Kishanganj	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Ara c) Bhojpur	Bhojpur
(d)	Sri Sanjeev Kumar II Sub Judge-cum-C.J.M., Araria	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Jamui c) Jamui	Jamui
(e)	Sri Om Shankar Sub Judge-cum-C.J.M., Khagaria	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Kishanganj c) Kishanganj	Kishanganj
(f)	Sri Pradeep Kumar Choudhary Sub Judge-cum-C.J.M., Supaul	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Munger c) Munger	Munger
(g)	Sri Ajay Kumar II Sub Judge-cum-C.J.M., Ara (Bhojpur)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Gopalganj c) Gopalganj	Gopalganj

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

09 मई, 2023

सं० 205नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित असेनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को स्थानांतरित करते हुए, उसी तालिका के स्तम्भ-3 में उनके नाम के सामने निर्देशित जज्जी एवं स्थान जहाँ पर वे साधारणतः अधिष्ठित रहेंगे, अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया जाता है।

पुनः, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 11 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा स्तम्भ-3 में नामित असेनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियां प्रदान किया जाता है, बशर्ते उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्रम सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किये जाते हैं।
1.	2.	3.
1.	श्री विकास मिश्रा अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, मुजफ्फरपुर-पश्चिमी (मुजफ्फरपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सीवान (स) सीवान
2.	श्री अनंत कुमार अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पटना	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गया (स) गया
3.	श्री आदि देव अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पटना	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दरभंगा (स) दरभंगा
4.	श्री राकेश कुमार पाण्डेय अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, आरा (भोजपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सीवान (स) सीवान
5.	श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सासाराम (रोहतास)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुंगेर (स) मुंगेर
6.	श्री आनंद भूषण अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, टेकारी (गया)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) औरंगाबाद (स) औरंगाबाद
7.	श्री अतुल सिन्हा अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, गया	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) जमुई (स) जमुई
8.	सुश्री सबा आलम अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, [वर्तमान में विशेष कार्य पदाधिकारी (कम्प्यूटराईजेशन), पटना उच्च न्यायालय, पटना के पद पर प्रतिनियुक्त]	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) पटना (स) पटना
9.	श्री अमित आनंद अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बेनीपुर (दरभंगा)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) पटना (स) पटना
10.	श्री कुमार कार्तिकेय शाही अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बेतिया (पश्चिमी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) समस्तीपुर (स) समस्तीपुर
11.	श्री नागेश प्रताप सिंह अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, आरा (भोजपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दरभंगा (स) दरभंगा
12.	सुश्री किरण चतुर्वेदी अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बेगूसराय	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सासाराम (स) रोहतास

13.	श्री उमेश प्रसाद पीठासीन पदाधिकारी, श्रम न्यायालय, मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) भागलपुर (स) भागलपुर
14.	श्री स्वर्ण प्रभात अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, औरंगाबाद [वर्तमान में विशेष कार्य पदाधिकारी (प्रस्तुतकर्ता अधिकारी), पटना उच्च न्यायालय, पटना के रूप में कार्यरत]	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दानापुर (स) पटना
15.	श्री ब्रजेश कुमार अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बेतिया (पश्चिमी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) छपरा (स) सारण
16.	श्री प्रणव कुमार भारती निबंधक, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्राधिकरण, दरभंगा	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) भागलपुर (स) भागलपुर
17.	श्री प्रकाश कुमार राय निबंधक, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन प्राधिकरण, गया	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) भागलपुर (स) भागलपुर

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 205A:--The Judicial officers of the cadre of Civil Judge (Senior Division), named in column no. 2 of the table given below are transferred and posted as Sub Judge-cum-A.C.J.M. in the Judgeship to be stationed ordinarily at the station mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is pleased to confer upon the Officers named below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned Districts, provided that they shall work in such a way that their disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the officer, designation and present place of posting (with Judgeship)	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily (c) Name of the Judgeship in which transferred
1.	2.	3.
1.	Sri Vikash Mishra Sub Judge-cum-A.C.J.M., Muzaffarpur –West (Muzaffarpur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Siwan c) Siwan
2.	Sri Anant Kumar Sub Judge-cum-A.C.J.M., Patna	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gaya c) Gaya
3.	Sri Aadi Dev Sub Judge-cum-A.C.J.M., Patna	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Darbhanga c) Darbhanga
4.	Sri Rakesh Kumar Pandey, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Ara (Bhojpur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Siwan c) Siwan

5.	Sri Raghwendra Narayan Singh, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Sasaram (Rohtas)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Munger c) Munger
6.	Sri Anand Bhushan Sub Judge-cum-A.C.J.M., Tekari (Gaya)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Aurangabad c) Aurangabad
7.	Sri Atul Sinha Sub Judge-cum-A.C.J.M., Gaya	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Jamui c) Jamui
8.	Ms. Saba Alam, Sub Judge-cum-A.C.J.M., [Presently posted on deputation as O.S.D. (Computerization), Patna High Court, Patna]	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Patna c) Patna
9.	Sri Amit Anand Sub Judge-cum-A.C.J.M., Benipur (Darbhanga)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Patna c) Patna
10.	Sri Kumar Kartikey Shahi Sub Judge-cum-A.C.J.M., Bettiah (West Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Samastipur c) Samastipur
11.	Sri Nagesh Pratap Singh Sub Judge-cum-A.C.J.M., Ara (Bhojpur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Darbhanga c) Darbhanga
12.	Ms. Kiran Chaturvedi Sub Judge-cum-A.C.J.M., Begusarai	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sasaram c) Rohtas
13.	Sri Umesh Prasad Presiding Officer, Labour Court, Motihari (East Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bhagalpur c) Bhagalpur
14.	Sri Swarn Prabhat Sub Judge-cum-A.C.J.M., Aurangabad [Presently working as O.S.D. (Presenting Officer), Patna High Court, Patna]	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Danapur c) Patna
15.	Sri Brajesh Kumar Sub Judge-cum-A.C.J.M., Bettiah (West Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Chapra c) Saran
16.	Sri Pranav Kumar Bharti Registrar, Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Authority, Darbhanga	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bhagalpur c) Bhagalpur
17.	Sri Prakash Kumar Roy Registrar, Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Authority, Gaya	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bhagalpur c) Bhagalpur

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

9 मई 2023

सं० 206नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित न्यायिक पदाधिकारियों को असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोर्ट) से असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोर्ट) में पदोन्नत करते हुए उसी तालिका के स्तम्भ-3 में दर्शाए गए तरीके से अस्थायी तौर पर अगले आदेश तक पदस्थापित किया जाता है।

पुनः, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा (11) की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा स्तम्भ-3 में नामित न्यायिक पदाधिकारियों को जो अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य

न्यायिक दण्डाधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए हैं, उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियां प्रदान किया जाता है, बशर्ते उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्रम संख्या	पदाधिकारियों का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किये जाते हैं।
I	II	III
1.	श्री राजेश कुमार—V न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, किशनगंज	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) हाजीपुर (स) वैशाली
2.	श्री लाल बिहारी पासवान मुंसिफ, मुंगेर	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुंगेर (स) मुंगेर
3.	श्री अश्वनी कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—सह—अपर मुंसिफ, दरभंगा	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) भागलपुर (स) भागलपुर
4.	श्री विजय कुमार मिश्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, भागलपुर	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) पूर्णिया (स) पूर्णिया
5.	सुश्री भारती कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—सह—अपर मुंसिफ, जमुई	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बेतिया (स) पश्चिमी चम्पारण
6.	सुश्री स्वाति सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, समस्तीपुर	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) समस्तीपुर (स) समस्तीपुर
7.	श्री आनंद कुमार त्रिपाठी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, नवादा	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गोपालगंज (स) गोपालगंज
8.	श्री सचिन कुमार मिश्रा अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, मोहनिया (कैमूर)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सासाराम (स) रोहतास
9.	सुश्री कविता कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—सह—अपर मुंसिफ, पूर्णिया	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दलसिंहसराय (स) समस्तीपुर
10.	श्री शैलेन्द्र कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, मधुबनी	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) छपरा (स) सारण

11.	सुश्री राधा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, सुपौल	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) पूर्णिया (स) पूर्णिया
12.	श्री प्रमोद कुमार महथा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, मुजफ्फरपुर	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गोपालगंज (स) गोपालगंज
13.	श्री राजेश सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, बक्सर	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) औरंगाबाद (स) औरंगाबाद
14.	श्रीमति तनवीर कौर अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, लखीसराय	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बेगूसराय (स) बेगूसराय
15.	श्री राज कपूर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह-अपर मुंसिफ, बेतिया (पश्चिमी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) (स) मुजफ्फरपुर
16.	श्री मुक्तेश मनोहर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, मुंगेर	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुंगेर (स) मुंगेर
17.	सुश्री अनुपमा अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, छपरा (सारण)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) छपरा (स) सारण
18.	श्री मनीष कुमार पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, औरंगाबाद	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) औरंगाबाद (स) औरंगाबाद
19.	सुश्री विभा रानी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, खगड़िया	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) खगड़िया (स) खगड़िया
20.	सुश्री रोमी कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, जहानाबाद	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गया (स) गया
21.	श्री जूनेद आलम मुंसिफ, महनार (हाजीपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) हाजीपुर (स) वैशाली
22.	श्री आशीष कुमार अग्निहोत्री मुंसिफ, डुमरौव (बक्सर)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गया (स) गया
23.	श्री पुनित कुमार तिवारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, शेखपुरा	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) शेखपुरा (स) शेखपुरा

24.	सुश्री नूतन कुमारी मुंसिफ, टेकारी (गया)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गया (स) गया
25.	श्री प्रतिक आनंद द्विवेदी मुंसिफ, मोहनिया (कैमूर)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बेतिया (स) पश्चिमी चम्पारण
26.	श्री राकेश मणि तिवारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—सह—अपर मुंसिफ, गोपालगंज	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) खगड़िया (स) खगड़िया
27.	श्री राजेश कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, बांका	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बांका (स) बांका
28.	श्री अभिमन्यु कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, सहरसा	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सहरसा (स) सहरसा
29.	श्री पुष्पम किशोर मुंसिफ, हाजीपुर (वैशाली)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) हाजीपुर (स) वैशाली
30.	श्री कुमुद रंजन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, आरा (भोजपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) आरा (स) भोजपुर
31.	श्री राकेश कुमार—V न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, सासाराम (रोहतास)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सासाराम (स) रोहतास
32.	श्री भूपेन्द्र नाथ त्रिपाठी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, सीतामढ़ी	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सीतामढ़ी (स) सीतामढ़ी
33.	श्री गौतम कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, अररिया	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) आरा (स) भोजपुर
34.	श्री धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, छपरा (सारण)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) छपरा (स) सारण
35.	सुश्री प्रिया शेखर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, सीवान	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सीवान (स) सीवान
36.	श्री पंकज कुमार तिवारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मोतिहारी (स) पूर्वी चम्पारण

37.	श्री प्रवीण कुमार मालवीय अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, कटिहार	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) कटिहार (स) कटिहार
38.	श्री विवेक चन्द्र वर्मा अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, पूर्णिया	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दलसिंहसराय (स) समस्तीपुर
39.	श्री अमरेन्द्र कुमार राज अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, जमुई	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बेतिया (स) पश्चिमी चम्पारण
40.	श्री सतीश मणि त्रिपाठी मुंसिफ, खगड़िया	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मधुबनी (स) मधुबनी
41.	सुश्री सुरभि श्रीवास्तव मुंसिफ, सासाराम (रोहतास)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सासाराम (स) रोहतास
42.	सुश्री अंकिता जायसवाल अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, हाजीपुर (वैशाली)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) हाजीपुर (स) वैशाली
43.	श्री विवेक कुमार मिश्रा अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, पटना सिटी (पटना)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) पटना सिटी (स) पटना
44.	सुश्री अमृता सिंह मुंसिफ, भभुआ (कैमूर)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) आरा (स) भोजपुर
45.	श्री अभिषेक कुमार अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, दलसिंहसराय (समस्तीपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सीवान (स) सीवान
46.	सुश्री हेना मुस्तफा अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, सीवान	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) छपरा (स) सारण
47.	सुश्री जयश्री कुमारी अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, हिलसा (नालन्दा)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) (स) मुजफ्फरपुर
48.	श्री प्रमोद कुमार अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, बगहा (पश्चिमी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बगहा (स) पश्चिमी चम्पारण
49.	श्री रोशन कुमार अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, दानापुर (पटना)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दानापुर (स) पटना

50.	श्री रवि रंजन अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, नौगछिया (भागलपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) भागलपुर (स) भागलपुर
51.	श्री रंजन कुमार अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, सिकरहाना (पूर्वी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मोतिहारी (स) पूर्वी चम्पारण
52.	श्री तेज कुमार प्रसाद रेलवे दंडाधिकारी, खगड़िया	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मधुबनी (स) मधुबनी
53.	श्री रंजन देव अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, बिरोल (दरभंगा)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दरभंगा (स) दरभंगा
54.	सुश्री श्वेता ग्रेवाल अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, सुपौल	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) झंझारपुर (स) मधुबनी
55.	श्री बिमलेश कुमार अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, मुंगेर	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) हाजीपुर (स) वैशाली
56.	श्री राधे श्याम मुंसिफ, सीतामढ़ी	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सीतामढ़ी (स) सीतामढ़ी
57.	सुश्री प्रीति कुमारी अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, मधुबनी	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मधुबनी (स) मधुबनी
58.	श्री शैलेश कुमार राम अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, भागलपुर	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मधुबनी (स) मधुबनी
59.	श्री सोनू कुमार मुंसिफ-सह-न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, बगहा (पश्चिमी चम्पारण)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) हाजीपुर (स) वैशाली
60.	सुश्री मंजूश्री कुमारी अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, बेगूसराय	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बेगूसराय (स) बेगूसराय
61.	श्री कुमार पंकज अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, खगड़िया	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) खगड़िया (स) खगड़िया
62.	श्री शैलेन्द्र कुमार अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, सीतामढ़ी	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) आरा (स) भोजपुर

63.	श्री राकेश रंजन अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, शेरघाटी (गया)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) जमुई (स) जमुई
64.	सुश्री सिम्मी कुजूर अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, जहानाबाद	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) (स) मुजफ्फरपुर
65.	श्री अमित वैभव अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, अररिया	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) पटना (स) पटना
66.	श्री चन्द्र भूषण राम अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, रोसड़ा (समस्तीपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गोपालगंज (स) गोपालगंज
67.	श्री राजेश कुमार VI अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, बाँका	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) (स) मुजफ्फरपुर
68.	श्री मनीष कुमार III मुंसिफ—सह—न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, शिवहर	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सोनपुर (स) सारण
69.	श्री सिकन्दर पासवान अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, मुजफ्फरपुर—पश्चिमी (मुजफ्फरपुर)	(अ) अवर न्यायाधीश—सह—अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) (स) मुजफ्फरपुर

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 206A :---The Judicial officers of the cadre of Civil Judge (Junior Division), named in column no. 2 of the table given below have been promoted to the cadre of Civil Judge (Senior Division) and on promotion they are appointed and temporarily posted till further orders in the manner as indicated in column no. 3 of the table.

Further, in exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is pleased to confer upon the Judicial Officers named below, who have been appointed as Sub-Judge-cum- A.C.J.M., the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned Districts, provided that they shall work in such a way that their disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the officers, designation and present place of posting (with Judgeship)	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily (c) Name of the Judgeship in which appointed on promotion
I	II	III
1.	Sri Rajesh Kumar V J.M. 1 st Class, Kishanganj	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali at Hajipur
2.	Sri Lal Biharee Paswan Munsif, Munger	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Munger c) Munger
3.	Sri Ashwani Kumar J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Darbhanga	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bhagalpur c) Bhagalpur
4.	Sri Vijay Kumar Mishra Judicial Magistrate 1 st Class, Bhagalpur	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Purnea c) Purnea
5.	Smt. Bharti Kumari J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Jamui	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bettiah c) West Champaran
6.	Ms. Swati Singh Judicial Magistrate 1 st Class, Samastipur	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Samastipur c) Samastipur
7.	Sri Anand Kumar Tripathi Judicial Magistrate 1 st Class, Nawadah	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gopalganj c) Gopalganj
8.	Sri Sachin Kumar Mishra S.D.J.M., Mohania (Kaimur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sasaram c) Rohtas
9.	Ms. Kavita Kumari J.M. 1 st -cum-Addl. Munsif, Purnea	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Dalsingsarai c) Samastipur
10.	Sri Sailendra Kumar J.M., 1 st Class, Madhubani	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Chapra c) Saran
11.	Ms. Radha Kumari Judicial Magistrate 1 st Class, Supaul	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Purnea c) Purnea
12.	Sri Pramod Kumar Mahtha J.M. 1 st Class, Muzaffarpur	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gopalganj c) Gopalganj

13.	Sri Rajesh Singh J.M. 1 st Class, Buxar	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Aurangabad c) Aurangabad
14.	Smt. Tanveer Kaur S.D.J.M., Lakhisarai	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Begusarai c) Begusarai
15.	Sri Raj Kapoor J.M.1 st -cum-Addl. Munsif, Bettiah (West Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Muzaffarpur (East) c) Muzaffarpur
16.	Sri Muktesh Manohar J.M.1 st Class, Munger	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Munger c) Munger
17.	Ms. Anupama S.D.J.M., Chapra (Saran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Chapra c) Saran
18.	Sri Maneesh Kumar Pandey Judicial Magistrate 1 st Class, Aurangabad	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Aurangabad c) Aurangabad
19.	Ms. Vibha Rani Judicial Magistrate 1 st Class, Khagaria	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Khagaria c) Khagaria
20.	Ms. Romi Kumari Judicial Magistrate 1 st Class, Jehanabad	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gaya c) Gaya
21.	Sri Juned Alam Munsif, Mahnar (Hajipur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali
22.	Sri Ashish Kumar Agnihotri Munsif, Dumaron (Buxar)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gaya c) Gaya
23.	Sri Punit Kumar Tiwari Judicial Magistrate 1 st Class, Sheikhpura	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sheikhpura c) Sheikhpura
24.	Ms. Nutan Kumari Munsif, Tekari (Gaya)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gaya c) Gaya
25.	Sri Prateek Anand Dwivedi Munsif, Mohania (Kaimur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bettiah c) West Champaran
26.	Sri Rakesh Mani Tiwari J.M.1 st Class-cum-Addl. Munsif, Gopalganj	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Khagaria c) Khagaria

27.	Sri Rajesh Kumar Singh Judicial Magistrate 1 st Class, Banka	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Banka c) Banka
28.	Sri Abhimanyu Kumar J.M. 1 st Class, Saharsa	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Saharsa c) Saharsa
29.	Sri Pushpam Kishore Munsif, Hajipur (Vaishali)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali
30.	Sri Kumud Ranjan J.M. 1 st Class, Ara (Bhojpur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Ara c) Bhojpur
31.	Sri Rakesh Kumar V Judicial Magistrate 1 st Class, Sasaram (Rohtas)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sasaram c) Rohtas
32.	Sri Bhupendra Nath Tripathi Judicial Magistrate 1 st Class, Sitamarhi	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sitamarhi c) Sitamarhi
33.	Sri Gautam Kumar J.M. 1 st Class, Araria	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Ara c) Bhojpur
34.	Sri Dharmendra Kumar Pandey J.M. 1 st Class, Chapra (Saran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Chapra c) Saran
35.	Ms. Priya Shekhar Judicial Magistrate 1 st Class, Siwan	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Siwan c) Siwan
36.	Sri Pankaj Kumar Tiwari Judicial Magistrate 1 st Class, Motihari (East Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Motihari c) East Champaran
37.	Sri Praveen Kumar Malviya S.D.J.M., Katihar	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Katihar c) Katihar
38.	Sri Vivek Chandra Verma S.D.J.M., Purnea	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Dalsingsarai c) Samastipur
39.	Sri Amrendra Kumar Raj S.D.J.M., Jamui	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bettiah c) West Champaran
40.	Sri Satish Mani Tripathi Munsif, Khagaria	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Madhubani c) Madhubani

41.	Ms. Surabhi Srivastava Munsif, Sasaram (Rohtas)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sasaram c) Rohtas
42.	Ms. Ankita Jaiswal S.D.J.M., Hajipur (Vaishali)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali
43.	Sri Vivek Kumar Mishra S.D.J.M., Patna City (Patna)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Patna City c) Patna
44.	Ms. Amrita Singh Munsif, Bhabhua (Kaimur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Ara c) Bhojpur
45.	Sri Abhishek Kumar S.D.J.M., Dalsingsarai (Samastipur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Siwan c) Siwan
46.	Ms. Hena Mustafa S.D.J.M., Siwan	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Chapra c) Saran
47.	Ms. Jayshri Kumari S.D.J.M., Hilsa (Nalanda)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Muzaffarpur (East) c) Muzaffarpur
48.	Sri Pramod Kumar S.D.J.M., Bagaha (West Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bagaha c) West Champaran
49.	Sri Roshan Kumar S.D.J.M., Danapur (Patna)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Danapur c) Patna
50.	Sri Ravi Ranjan S.D.J.M., Naugachia (Bhagalpur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Bhagalpur c) Bhagalpur
51.	Sri Ranjan Kumar S.D.J.M., Sikrahana (East Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Motihari c) East Champaran
52.	Sri Tej Kumar Prasad Railway Magistrate, Khagaria	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Madhubani c) Madhubani
53.	Sri Ranjan Deo S.D.J.M., Biraul (Darbhanga)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Darbhanga c) Darbhanga
54.	Ms. Shweta Grewal S.D.J.M., Supaul	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Jhanjharpur c) Madhubani

55.	Sri Bimlesh Kumar S.D.J.M., Munger	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali
56.	Sri Radhe Shyam Munsif, Sitamarhi	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sitamarhi c) Sitamarhi
57.	Ms. Priti Kumari S.D.J.M., Madhubani	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Madhubani c) Madhubani
58.	Sri Shailesh Kumar Ram S.D.J.M., Bhagalpur	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Madhubani c) Madhubani
59.	Sri Sonu Kumar Munsif-cum-J.M. 1 st Class, Bagaha (West Champaran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali
60.	Ms. Manjushree Kumari S.D.J.M., Begusarai	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Begusarai c) Begusarai
61.	Sri Kumar Pankaj S.D.J.M., Khagaria	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Khagaria c) Khagaria
62.	Sri Shailendra Kumar S.D.J.M., Sitamarhi	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Ara c) Bhojpur
63.	Sri Rakesh Ranjan S.D.J.M., Sherghati (Gaya)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Jamui c) Jamui
64.	Ms. Simmi Kujur S.D.J.M., Jehanabad	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Muzaffarpur (West) c) Muzaffarpur
65.	Sri Amit Baibhav S.D.J.M., Araria	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Patna c) Patna
66.	Sri Chandra Bhushan Ram S.D.J.M., Rosera (Samastipur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gopalganj c) Gopalganj
67.	Sri Rajesh Kumar VI S.D.J.M., Banka	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Muzaffarpur (East) c) Muzaffarpur
68.	Sri Manish Kumar III Munsif-cum-J.M. 1 st Class, Sheohar	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sonapur c) Saran

69.	Sri Sikandar Paswan S.D.J.M., Muzaffarpur-West (Muzaffarpur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Muzaffarpur (West) c) Muzaffarpur
-----	--	--

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

9 मई 2023

सं० 207 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी, असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोर्ट) को उसी तालिका स्तम्भ-3 में क्रमशः उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान जहाँ पर वे साधारणतः अधिष्ठित रहेंगे न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किए जाते हैं।

पुनः दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा-11 की उप-धारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्नलिखित न्यायिक दंडाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को निम्न तालिका के स्तम्भ-4 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं, और

पुनः उसी दण्ड प्रक्रिया की धारा 12 की उपधारा (3) (अ) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन पदाधिकारी को इसी तालिका के स्तम्भ-5 में उनके नाम के सामने उल्लिखित अनुमंडल के लिए अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी भी पदांकित किया जाता है।

क्रम सं०	पदाधिकारियों का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किए गये हैं।	जिला का नाम	अनुमंडल का नाम
1.	2.	3.	4.	5.
1.	श्री कुमार प्रभाकर, अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जमुई स) जमुई	जमुई	जमुई
2.	सपना रानी, अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, मसौढ़ी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना	पटना सिटी

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 207 A:—The Judicial Officers of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below are hereby appointed as Judicial Magistrate in the Judgeships to be stationed ordinarily at the places mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section 11 of the code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the officers named below, the powers of a Judicial Magistrate 1st Class for the District noted against their names in column no.4 of the table, and

In exercise of the powers conferred under Sub Section (3) (a) of Section 12 of the said Criminal Procedure Code, the Officers are designated as the Sub-Divisional Judicial Magistrate for the Sub-Division noted against their names in column no.5 of the said table.

Sl. No.	Name of the Officers, designation and place of present posting.	(a) Designation at the new station. (b) Place where the Officer is to be stationed at ordinarily (c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Name of the District	Name of the Sub-Division
1.	2.	3.	4.	5.
1.	Sri Kumar Prabhakar, S.D.J.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Jamui (c) Jamui	Jamui	Jamui
2.	Ms. Sapna Rani, S.D.J.M., Masaurhi.	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna	Patna City

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

9 मई 2023

सं० 208 नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारियों (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर मुंसिफ एवं उच्च न्यायालय द्वारा दंडाधिकारी की आवश्यक शक्तियाँ प्रदान किये जाने पर न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पदाधिकारी को आवश्यकतानुसार, बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्ट बिहार एमेंडमेंट ऐक्ट-2013 (ऐक्ट XIV, 2014) द्वारा संबोधित बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्टस ऐक्ट, 1887 (ऐक्ट XII, 1887) की धारा 19 की उपधारा (2) के अन्तर्गत उक्त तालिका के स्तम्भ-4 में यथानिर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के भीतर होने वाले मौलिक वादों की साधारण प्रक्रिया के अधीन निष्पादन की शक्तियाँ प्रदान की जाती है।

सम्बन्धित पदाधिकारी को उसी स्तम्भ-4 में निर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकारी के अन्दर लघुवाद न्यायालय द्वारा संज्ञेय वादों के निष्पादन के लिए ऐसे न्यायालय के न्यायाधीश की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

स्तम्भ-5 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग तबतक नहीं किया जाय जबतक कि वे बिहार राज्य पत्र या जिला राज्यपत्र में अधिसूचित न हो जायें।

क्रम संख्या	पदाधिकारियों का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान जजी सहित	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहा नियुक्त किए गये हैं	नये स्थान पर अधिकारियों को प्रदान की गयी विशेष शक्तियाँ अ) बंगाल, आगरा एण्ड आसाम सिविल कोर्ट ऐक्ट के अंतर्गत (साधारण प्रक्रिया) ब) प्रोविन्सीयल स्मॉल कॉज्ज कोर्टस ऐक्ट 1987 के अंतर्गत
1	2	3	4
1.	प्रिया वर्णवाल न्यायिक दंडाधिकारी—सह— अपर मुंसिफ, छपरा	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) ब) डुमराव स) बक्सर	अ) डुमराव मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) डुमराव मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
2.	श्री संदीप साहिल न्यायिक दंडाधिकारी—सह—अपर मुंसिफ, किशनगंज	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) ब) महनार स) वैशाली	अ) महनार मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) महनार मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ

3.	श्री संजीव कुमार न्यायिक दंडाधिकारी—सह—अपर मुंसिफ, जमुई	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) नरकटियागंज स) पश्चिमी चम्पारण	अ) नरकटियागंज मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) नरकटियागंज मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
4.	श्री विक्की कुमार न्यायिक दंडाधिकारी—सह—अपर मुंसिफ, समस्तीपुर	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) टेकारी स) गया	अ) टेकारी मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) टेकारी मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 208 A:---The Judicial Officers of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below are transferred and posted as Munsif in the judgeship to be stationed ordinarily at the place mentioned in column no. 3 of the table.

As mentioned in column no. 4, the officers are also vested with the powers under Sub-Section (2) of Section-19 of the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Acts, 1887, (Act XII of 1887) as amended by the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Bihar Amendment Act, 2013 (Act 14 of 2014) to try under ordinary procedure original suits of Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

As further mentioned in column no. 4, the officers are also vested with powers of the Court of small causes for the trial of suits cognizable by such a Court with the necessary Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

The powers vested as per column no. 4, should not be exercised by the officers concerned unless it is published in the Bihar Gazette or in the District Gazette.

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be ordinarily stationed at. (c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Special Power with which the Officer is vested at the new station (a) Under the Bengal, Agra and Assam Civil Court Acts (under ordinary procedure). (b) Under the provincial small causes Courts Act, 1987.
1	2	3	4
1.	Ms. Priya Baranwal J.M. 1 st Class-cum- A.M., Chapra	(a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) (b) Dumraon (c) Buxar	(a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Dumraon Munsifi. (b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Dumraon Munsifi.
2.	Sri Sandeep Sahil J.M. 1 st Class-cum- A.M., Kishanganj	(a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) (b) Mahnar (c) Vaishali	(a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Mahnar Munsifi.

			(b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Mahnar Munsifi.
3.	Sri Sanjeev Kumar J.M. 1 st Class-cum- A.M., Jamui	(a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) (b) Narkatiyaganj (c) West Champaran	(a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Narkatiyaganj Munsifi. (b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Narkatiyaganj Munsifi.
4.	Sri Vicky Kumar J.M. 1 st Class-cum- A.M., Samastipur	(a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) (b) Tekari (c) Gaya	(a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Tekari Munsifi. (b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Tekari Munsifi.

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

9 मई 2023

सं० 209 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पुनः दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 11 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) को स्तम्भ-4 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

क्रम संख्या	पदाधिकारियों का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किए गये हैं।	जिला का नाम
1	2	3	4
1.	श्री सुनील कुमार मिश्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—सह— अपर मुंसिफ, मधेपुरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया
2.	श्री जय प्रकाश किस्कू न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, कटिहार	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
3.	श्री आशिष रंजन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी—सह— अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नवादा स) नवादा	नवादा
4.	श्री नरेश महतो न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, लखीसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दरभंगा स) दरभंगा	दरभंगा
5.	श्री प्रदूमन कुमार मुंसिफ, सहरसा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बांका स) बांका	बांका
6.	संगीता कुमारी मुंसिफ, नवादा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जमुई स) जमुई	जमुई

7.	श्री दिवाकर कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, नवादा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जमुई स) जमुई	जमुई
8.	वंदना मुंसिफ, सुपौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
9.	सिया श्रुति मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नवादा स) नवादा	नवादा
10.	श्री शशांक शेखर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बांका स) बांका	बांका
11.	श्री गौरव मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
12.	श्री प्रभात कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बक्सर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीतामढ़ी स) सीतामढ़ी	सीतामढ़ी
13.	रंजना दूबे न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर
14.	श्री रजत दीप न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) डेहरी स) रोहतास	रोहतास
15.	विष्णु प्रिया मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर
16.	सनम हयात न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दानापुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
17.	श्री रोहित सिन्हा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
18.	श्री सुमन कांत झा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
19.	कोमल शांडिल्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
20.	सुरभि सिंघानिया न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
21.	श्री सुशील दत्त न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अरवल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
22.	गेसू न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
23.	विशुद्धा प्रकाश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दानापुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया

24.	पियुष पायल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज
25.	सिप्रा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
26.	श्री शिवम कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
27.	श्री आशुतोष अभिमन्यु न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
28.	श्री सत्यम न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, डेहरी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जमुई स) जमुई	जमुई
29.	श्री विवके कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
30.	श्री पार्थ न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
31.	महविश फातमा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
32.	नीधि जायसवाल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) औरंगाबाद स) औरंगाबाद	औरंगाबाद
33.	श्री सुरभित सहाय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बाढ़	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
34.	श्वेता चौधरी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेखपुरा स) शेखपुरा	शेखपुरा
35.	श्वेता शारदा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सहरसा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया
36.	श्री ऋषभ श्रीवास्तव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बाढ़	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज
37.	श्री राजेश बर्नवाल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बाढ़	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
38.	शुभम त्रिपाठी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, हाजीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर
39.	श्री मुकेश कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, हाजीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
40.	स्वाति सुमन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, हाजीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण

41.	स्वास्ति यादव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) कटिहार स) कटिहार	कटिहार
42.	श्री अभिषेक कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, हाजीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नौगछिया स) भागलपुर	भागलपुर
43.	श्री विकास कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज
44.	श्री अनुराग तिवारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दरभंगा स) दरभंगा	दरभंगा
45.	नौधि नवनीत न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
46.	श्री जन्मेजय चौधरी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, जहानाबाद	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
47.	श्री आलोक कुमार चतुर्वेदी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, जहानाबाद	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
48.	श्री अमित दयाल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
49.	श्री प्रियांशु राज न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिरौल स) दरभंगा	दरभंगा
50.	नंदिनी सुमन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
51.	काजल सोनवाला न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दरभंगा स) दरभंगा	दरभंगा
52.	आरति उपाध्याय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भभुआ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
53.	श्री प्रतिक सागर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नवादा स) नवादा	नवादा
54.	रिचा कश्यप न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, जहानाबाद	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
55.	श्री शोभित सौरभ न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) औरंगाबाद स) औरंगाबाद	औरंगाबाद
56.	अनामिका कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नवादा स) नवादा	नवादा
57.	श्री मनीष राय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, हिलसा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान

58.	सोनल सरोहा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नवादा स) नवादा	नवादा
59.	श्री निलेश भारद्वाज न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, हिलसा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज
60.	कुमारी कनिका यादव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दरभंगा स) दरभंगा	दरभंगा
61.	रिचा राज न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नवादा स) नवादा	नवादा
62.	श्री सुधांशु शेखर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, हिलसा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
63.	कुमारी अनुष्का चतुर्वेदी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मधुबनी स) मधुबनी	मधुबनी
64.	श्री अनुज कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पूर्वी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीतामढ़ी स) सीतामढ़ी	सीतामढ़ी
65.	अदिती झा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
66.	अर्चना कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिहारशरीफ	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
67.	त्रिशा राय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पश्चिमी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
68.	अल्का पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पूर्वी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
69.	श्री शैलेश कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पश्चिमी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज
70.	जूही शर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पूर्वी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
71.	श्री पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पश्चिमी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भभुआ स) कैमूर	कैमूर
72.	अर्पिता दूबे न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
73.	श्री महादेव मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिक्रमगंज स) रोहतास	रोहतास
74.	श्री कुमार शिवम मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेरघाटी स) गया	गया

75.	श्री विवेक कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सिकरहना स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
76.	श्री शिव कुमार सिंदू न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अररिया स) अररिया	अररिया
77.	श्री आदित्य गर्ग न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिक्रमगंज स) रोहतास	रोहतास
78.	गरिमा सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पश्चिमी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
79.	नेहा त्रिपाठी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर (पूर्वी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर
80.	अर्पिता न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
81.	श्री गौरव कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर
82.	श्री स्वेताभ सांडिल्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दाउदनगर स) औरंगाबाद	औरंगाबाद
83.	श्री आशिष कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दाउदनगर स) औरंगाबाद	औरंगाबाद
84.	कृति न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
85.	श्री प्रतिक मिश्रा मुंसिफ, दलसिंगसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर
86.	श्री स्कंद राज न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दलसिंगसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अररिया स) अररिया	अररिया
87.	श्री ओम प्रकाश नारायण सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दलसिंगसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) औरंगाबाद स) औरंगाबाद	औरंगाबाद
88.	श्री श्री निवास शर्मा मुंसिफ, रोसड़ा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
89.	श्री उदय वीर सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, रोसड़ा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अररिया स) अररिया	अररिया
90.	स्वाति प्रियदर्शिनी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
91.	श्री अमित कुमार पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, रोसड़ा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सासाराम स) रोहतास	रोहतास

92.	श्री अभिषेक कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, रोसड़ा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेरघाटी स) गया	गया
93.	कविता अग्रहरी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुंगेर स) मुंगेर	मुंगेर
94.	श्री अनुराग वर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, रोसड़ा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
95.	श्री कुमार सौरभ भानु न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीतामढ़ी स) सीतामढ़ी	सीतामढ़ी
96.	श्री अनूप कुमार मिश्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीतामढ़ी स) सीतामढ़ी	सीतामढ़ी
97.	निष्ठा उपाध्याय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
98.	मो० अफजल खान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सहरसा स) सहरसा	सहरसा
99.	दिप्ती सिंह चौहान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
100.	श्री शशि कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
101.	श्री निशांत कुमार ओझा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
102.	शिखा पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भभुआ स) कैमूर	कैमूर
103.	श्री शिवम सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) रक्सौल, मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
104.	श्री सुचित वाजपेयी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, शेरघाटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
105.	मो० शारिक हैदर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, शेरघाटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
106.	श्री कुमार शुभम न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, शेरघाटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दानापुर स) पटना	पटना
107.	प्रियांस्वी सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
108.	श्री अनूप रावत न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, शेरघाटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण

109.	प्रज्ञा मानस न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुंगेर स) मुंगेर	मुंगेर
110.	श्री कमलेश कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, शेरघाटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
111.	श्री सुशील कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, शेरघाटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
112.	अंजिता सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, समस्तीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सहरसा स) सहरसा	सहरसा
113.	श्री प्रवीण कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) डेहरी स) रोहतास	रोहतास
114.	श्री प्रभात कुमार रंजन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया
115.	श्री तुषार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, नौगछिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
116.	विनीता शंकर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, समस्तीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मधेपुरा स) मधेपुरा	मधेपुरा
117.	श्री सुभाष चंद्र निषाद न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, नौगछिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) कटिहार स) कटिहार	कटिहार
118.	नाजिया खान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जमुई स) जमुई	जमुई
119.	गरिमा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, समस्तीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
120.	रुनेहा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, समस्तीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
121.	प्रज्ञा मिश्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, समस्तीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
122.	शांभवी शंकर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शिवहर स) शिवहर	शिवहर
123.	आस्था भारती न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) नवगछिया स) भागलपुर	भागलपुर
124.	श्री अभय सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बांका	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
125.	श्री प्रफुल्ल कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बांका	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना

126.	प्रेरणा सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जहानाबाद स) जहानाबाद	जहानाबाद
127.	ज्योत्सना ज्योति न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
128.	श्री धनंजय पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बांका	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
129.	श्री अजय कुमार मिश्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेगूसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
130.	श्री विकास कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेगूसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अररिया स) अररिया	अररिया
131.	श्री विनीत कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मंडौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सिकरहना स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
132.	स्वाति सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) लखीसराय स) लखीसराय	लखीसराय
133.	अकिता नेहा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
134.	कृतिका द्विवेदी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भभुआ स) कैमूर	कैमूर
135.	हिमानी शर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
136.	गीतिका त्रिपाठी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, छपरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सासाराम स) रोहतास	रोहतास
137.	श्री हिमांशु भार्गव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, नवादा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोहनिया स) कैमूर	कैमूर
138.	श्री रत्नेश कुमार द्विवेदी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, नवादा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुंगेर स) मुंगेर	मुंगेर
139.	श्री सुदीप पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, औरंगाबाद	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोहनिया स) कैमूर	कैमूर
140.	प्रियांशु शर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
141.	वर्तिका न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुंगेर स) मुंगेर	मुंगेर
142.	श्रुष्टि मांगलिक न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर

143.	श्री सचिन कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, औरंगाबाद	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
144.	अर्चना न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दानापुर स) पटना	पटना
145.	श्री कांवर विरेन्द्र सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) रोसड़ा स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
146.	श्री स्पर्श अग्रवाल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दलसिंगसराय स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
147.	श्वेता शुक्ला न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
148.	प्रज्ञा एश्वर्या न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेरघाटी स) गया	गया
149.	श्री भवानी प्रसाद न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गोपालगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सहरसा स) सहरसा	सहरसा
150.	सुधा रानी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बक्सर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बाढ़ स) पटना	पटना
151.	श्री आशिष कुमार पाण्डेय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गोपालगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
152.	श्री दिनेश मणि त्रिपाठी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिरौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मधेपुरा स) मधेपुरा	मधेपुरा
153.	प्रियंका कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बक्सर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
154.	श्री अमित कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दरभंगा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सहरसा स) सहरसा	सहरसा
155.	श्री राहुल प्रकाश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया
156.	गजाला शबिहा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बक्सर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) लखीसराय स) लखीसराय	लखीसराय
157.	कुमारी डिम्पी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बक्सर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जहानाबाद स) जहानाबाद	जहानाबाद
158.	रीतिका ऋषि न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
159.	पल्लवी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया

160.	श्री सुमित कुमार मुंसिफ, नरकटियागंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
161.	किरण कुमारी चौरसिया न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बगहा स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
162.	कविता कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) कटिहार स) कटिहार	कटिहार
163.	श्री रवि रंजन कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
164.	सोनम कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुंगेर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बांका स) बांका	बांका
165.	श्री आनंद प्रसाद न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
166.	श्री अंकित रंजन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
167.	मोनिका मेहता न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुंगेर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) कटिहार स) कटिहार	कटिहार
168.	भाविका सिन्हा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेगूसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जमुई स) जमुई	जमुई
169.	श्री रोहित कुमार गुप्ता न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, रक्सौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
170.	श्री प्रतिक रंजन चौरसिया न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, रक्सौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मधुबनी स) मधुबनी	मधुबनी
171.	नेहा नय्यर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेगूसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) रक्सौल, मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
172.	श्री बादल कुमार गुप्ता न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, रक्सौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
173.	श्री नजिम अहमद न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बगहा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
174.	मोहिनी कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेगूसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दरभंगा स) दरभंगा	दरभंगा
175.	कल्पना भारती न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेगूसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेरघाटी स) गया	गया
176.	शबनम जवी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेगूसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेरघाटी स) गया	गया

177.	अमृतांशा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, नवादा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
178.	नीहारिका सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, नवादा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जमुई स) जमुई	जमुई
179.	मोनिका कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सहरसा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) कटिहार स) कटिहार	कटिहार
180.	नेहा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, औरंगाबाद	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
181.	श्री प्रमोद कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बगहा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
182.	कनिका शर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, औरंगाबाद	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
183.	श्री प्रिंस भारती न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बगहा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
184.	सुमन चन्द्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीतामढ़ी स) सीतामढ़ी	सीतामढ़ी
185.	निभा आनंद न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दलसिंगसराय स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
186.	कुमारी सावित्री न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
187.	श्री राजन कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अररिया स) अररिया	अररिया
188.	श्री कुमार अभिजीत राय न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बगहा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हिलसा स) नालन्दा	नालन्दा
189.	श्री विनय कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बगहा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
190.	श्री रवि प्रकाश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बगहा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
191.	श्री अनुराग मिश्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पूर्णिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
192.	श्रुति सिन्हा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
193.	अंजली सिन्हा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर

194.	श्री कुशान कुणाल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पूर्णिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
195.	सुगम कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
196.	ईशा राज न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
197.	करिश्मा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
198.	श्री सुरज प्रकाश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, कटिहार	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
199.	श्री अमन कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, कटिहार	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
200.	रिचा रानी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
201.	श्री राजीव शंकर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीतामढ़ी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बगहा स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
202.	श्री अभिषेक कुमार सिंह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीतामढ़ी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बगहा स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
203.	प्रियंका यादव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गोपालगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
204.	मो0 शुएब न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सीतामढ़ी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मधुबनी स) मधुबनी	मधुबनी
205.	श्री शत्रुंजय कुशवाहा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मधुबनी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
206.	श्री गौतम न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मधुबनी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) आरा स) भोजपुर	भोजपुर
207.	प्रतिमा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गोपालगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
208.	श्री आलोक कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेनीपट्टी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जहानाबाद स) जहानाबाद	जहानाबाद
209.	श्री राकेश रंजन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेनीपट्टी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
210.	श्री अनुराग गौरव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेनीपट्टी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा

211.	श्री अजीत कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेनीपट्टी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
212.	आयुषी चौधरी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, गोपालगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सुपौल स) सुपौल	सुपौल
213.	मनिषा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दरभंगा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) आरा स) भोजपुर	भोजपुर
214.	वंदना मधुकर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दरभंगा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हिलसा स) नालन्दा	नालन्दा
215.	मासूम खनम न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पूर्णिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
216.	स्निग्धा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मुजफ्फरपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया
217.	श्री सफदर सलाह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेनीपट्टी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
218.	मो० फहद हुसैन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेनीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) लखीसराय स) लखीसराय	लखीसराय
219.	श्री राजू कुमार साह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, लखीसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिरौल स) दरभंगा	दरभंगा
220.	श्री पप्पू कुमार पंडित न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, लखीसराय	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिरौल स) दरभंगा	दरभंगा
221.	नेहा निहारिका न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दरभंगा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
222.	श्री जय प्रकाश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेनीपट्टी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
223.	मो० गुलाम रसूल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
224.	श्री आशिष नारायण न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सुपौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हिलसा स) नालन्दा	नालन्दा
225.	प्रतिभा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
226.	श्री इंजमामूल हक न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, खगड़िया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) किशनगंज स) किशनगंज	किशनगंज
227.	श्री संतोष कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, डेहरी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर

228.	श्री सोनू सौरभ न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दाउदनगर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
229.	श्री रोहित कुमार वर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
230.	सुधा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) आरा स) भोजपुर	भोजपुर
231.	अमृता नुपूर न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) आरा स) भोजपुर	भोजपुर
232.	श्री प्रशांत कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया
233.	शबा शकील न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
234.	पूजा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
235.	श्री किशोर गौरव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पुपरी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
236.	श्री मनीष चन्द्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मधेपुरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
237.	श्री रोहित कुमार गौरव न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, किशनगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
238.	श्री संजय कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दानापुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेरघाटी स) गया	गया
239.	मोहम्मद सरवर अंसारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, खगड़िया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
240.	श्री आदित्य प्रकाश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, खगड़िया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सुपौल स) सुपौल	सुपौल
241.	रितु कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
242.	सुनीता कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
243.	ज्योति कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
244.	श्री अनुराग न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, खगड़िया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया

245.	श्री उदय कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, खगड़िया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बगहा स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
246.	नैसी कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
247.	श्री राजा साह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, झंझारपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
248.	श्री विनीत कुमार साह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, झंझारपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दानापुर स) पटना	पटना
249.	महजबी नाज न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) लखीसराय स) लखीसराय	लखीसराय
250.	सौम्या सुमन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
251.	सुजाता कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
252.	श्री अनंत कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, जमुई	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बगहा स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
253.	सोनम रानी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, डेहरी (रोहतास)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
254.	उर्मिला आर्य न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अरवल स) जहानाबाद	अरवल
255.	श्री गजेन्द्र कुमार चौरसिया न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, जमुई	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अररिया स) अररिया	अररिया
256.	श्री आशिष आनंद न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, जमुई	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) अररिया स) अररिया	अररिया
257.	श्री रणधीर कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, डेहरी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) किशनगंज स) किशनगंज	किशनगंज
258.	श्री रवि शेखर वाशी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दाउदनगर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
259.	श्री विकास कुमार रंजन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दाउदनगर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
260.	कुमारी प्रिंकी प्रियंका न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
261.	अंकिता राज न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना

262.	श्री प्रणव कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, वीरपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
263.	श्री कुमार शशि न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिरौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
264.	श्री संतोष कुमार साह न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिक्रमगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
265.	गीतांजलि न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
266.	श्री आदित्य कुमार शर्मा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिक्रमगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
267.	वर्षा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
268.	कुमारी मिटू रानी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
269.	श्री सुधीर कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिक्रमगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सुपौल स) सुपौल	सुपौल
270.	श्री अविनाश चन्द्रा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, बिक्रमगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
271.	श्री रोहित रंजन न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सुपौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) रोसड़ा स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
272.	लतिका भारती न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पूर्णिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
273.	अनुराधा कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पूर्णिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
274.	श्री सरोज कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सुपौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हिलसा स) नालन्दा	नालन्दा
275.	कंचन रानी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पूर्णिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
276.	कुमारी सुलोचना न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दरभंगा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
277.	श्री चंदन पासवान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सुपौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर (पश्चिमी) स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
278.	श्री रवि शंकर पासवान न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, सासाराम	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) रोसड़ा स) समस्तीपुर	समस्तीपुर

279.	मेधा मनिषा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, पूर्णिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
280.	प्रियंका कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, कटिहार	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
281.	पिकी कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, कटिहार	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना सिटी स) पटना	पटना
282.	श्री जितेन्द्र कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, शेखपुरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) रोसड़ा स) समस्तीपुर	समस्तीपुर
283.	श्री शैलेन्द्र कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
284.	श्री विशाल सिन्हा न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
285.	किरण कुमारी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, कटिहार	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
286.	श्री पवन कुमार चौधरी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दानापुर स) पटना	पटना
287.	श्री ज्ञान प्रकाश न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
288.	श्री नवीन कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना
289.	श्री प्रदीप कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, अररिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
290.	खुशबू आनंद न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, नवादा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बाढ़ स) पटना	पटना
291.	श्री अजय कुमार न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह- अपर मुंसिफ, दानापुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 9th May 2023

No. 209 A:--The Judicial Officers of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no.2 of the table given below are appointed as Judicial Magistrate in the Judgeship to be stationed ordinarily at the place mentioned in column no.3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to

confer upon the officers named below, the powers of Judicial Magistrate 1st Class for the district noted against their names in column no.4 of the table.

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be ordinarily stationed at. (c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Name of the District
1	2	3	4
1.	Sri Sunil Kumar Mishra J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Madhepura,	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
2.	Sri Jai Prakash Kisku Judicial Magistrate 1 st Class, Katihar	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
3.	Sri Ashish Ranjan J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Nawada (c) Nawada	Nawada
4.	Sri Naresh Mahto J.M. 1 st Class, Lakhisarai	(a) Judicial Magistrate (b) Darbhanga (c) Darbhanga	Darbhangha
5.	Sri Praduman Kumar Munsif, Saharsa	(a) Judicial Magistrate (b) Banka (c) Banka	Banka
6.	Ms. Sangita Kumari Munsif, Nawadah	(a) Judicial Magistrate (b) Jamui (c) Jamui	Jamui
7.	Sri Diwakar Kumar J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Nawadah	(a) Judicial Magistrate (b) Jamui (c) Jamui	Jamui
8.	Ms. Vandana Munsif, Supaul	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
9.	Ms. Siya Shruti Munsif, Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Nawada (c) Nawada	Nawada
10.	Sri Shashank Sheakhar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Banka (c) Banka	Banka

11.	Sri Gaurav Munsif, Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
12.	Sri Prabhat Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Buxar	(a) Judicial Magistrate (b) Sitamarhi (c) Sitamarhi	Sitamarhi
13.	Ms.Ranjana Dubey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Buxar (c) Buxar	Buxar
14.	Sri Rajat Deep J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Dehri (c) Rohtas	Rohtas
15.	Ms. Vishnu Priya Munsif, Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Buxar (c) Buxar	Buxar
16.	Ms. Sanam Hayat J.M. 1 st Class-cum-A.M., Danapur	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
17.	Sri Rohit Sinha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
18.	Sri Suman Kant Jha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
19.	Ms. Komal Shandilya J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
20.	Ms. Surbhi Singhania J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
21.	Sri Sushil Dutt J.M. 1 st Class-cum-A.M., Arwal	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
22.	Ms. Gesu J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
23.	Ms. Vishudha Prakash J.M. 1 st Class-cum-A.M., Danapur	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
24.	Ms. Peeyush Payal J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Gopalganj (c) Gopalganj	Gopalganj

25.	Ms. Sipra Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
26.	Sri Shivam Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Bhagalpur (c) Bhagalpur	Bhagalpur
27.	Sri Ashutosh Abhimannu J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
28.	Sri Satyam J.M. 1 st Class-cum-A.M., Dehri	(a) Judicial Magistrate (b) Jamui (c) Jamui	Jamui
29.	Sri Vivek Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
30.	Sri Parth J.M. 1 st Class-cum-A.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
31.	Ms. Mahvish Fatma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
32.	Ms. Nidhi Jaiswal J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Aurangabad (c) Aurangabad	Aurangabad
33.	Sri Surbhit Sahai J.M. 1 st Class-cum-A.M., Barh	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
34.	Ms. Shweta Choudhary J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Shekhpura (c) Shekhpura	Shekhpura
35.	Ms. Shweta Sharda J.M. 1 st Class-cum-A.M., Saharsa	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
36.	Sri Rishabh Srivastava J.M. 1 st Class-cum-A.M., Barh	(a) Judicial Magistrate (b) Gopalganj (c) Gopalganj	Gopalganj
37.	Sri Rajesh Barnwal J.M. 1 st Class-cum-A.M., Barh	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
38.	Ms. Shubham Tripathi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Hajipur	(a) Judicial Magistrate (b) Buxar (c) Buxar	Buxar

39.	Sri Mukesh Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Hajipur	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
40.	Ms. Swati Suman J.M. 1 st Class-cum-A.M., Hajipur	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
41.	Ms. Svasti Yadav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Katihar (c) Katihar	Katihar
42.	Sri Abhishek Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Hajipur	(a) Judicial Magistrate (b) Naugachia (c) Bhagalpur	Bhagalpur
43.	Sri Vikas Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Gopalganj (c) Gopalganj	Gopalganj
44.	Sri Anurag Tiwari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Darbhanga (c) Darbhanga	Darbhangha
45.	Ms. Nidhi Navneet J.M. 1 st Class-cum-A.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
46.	Sri Janmejay Chaudhary J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jehanabad	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
47.	Sri Alok Kumar Chaturvedi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jehanabad	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
48.	Sri Amit Dayal J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
49.	Sri Priyanshu Raj J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Biraul (c) Darbhanga	Darbhangha
50.	Ms. Nandini Suman J.M. 1 st Class-cum-A.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
51.	Ms. Kajal Sonawala J.M. 1 st Class-cum-A.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Darbhanga (c) Darbhanga	Darbhangha
52.	Ms. Arti Upadhyay J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhabhua	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran

53.	Sri Pratik Sagar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Nawada (c) Nawada	Nawada
54.	Ms. Richa Kashyap J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jehanabad	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
55.	Sri Shobhit Sourav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Aurangabad (c) Aurangabad	Aurangabad
56.	Ms. Anamika Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Nawada (c) Nawada	Nawada
57.	Sri Manish Rai J.M. 1 st Class-cum-A.M., Hilsa	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
58.	Ms. Sonal Saroha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Nawada (c) Nawada	Nawada
59.	Sri Nilesh Bhardwaj J.M. 1 st Class-cum-A.M., Hilsa	(a) Judicial Magistrate (b) Gopalganj (c) Gopalganj	Gopalganj
60.	Ms. Kumari Kanika Yadav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Darbhanga (c) Darbhanga	Darbhangha
61.	Ms. Richa Raj J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Nawada (c) Nawada	Nawada
62.	Sri Sudhanshu Shekhar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Hilsa	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
63.	Ms. Kumari Anushka Chaturvedi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Madhubani (c) Madhubani	Madhubani
64.	Sri Anuj Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur (East)	(a) Judicial Magistrate (b) Sitamarhi (c) Sitamarhi	Sitamarhi
65.	Ms. Aditi Jha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
66.	Ms. Archana Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biharsharif	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran

67.	Ms. Trisha Roy J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur (West)	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
68.	Ms. Alka Pandey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur (East)	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
69.	Sri Shailesh Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur (West)	(a) Judicial Magistrate (b) Gopalganj (c) Gopalganj	Gopalganj
70.	Ms. Juhi Sharma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur (East)	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
71.	Sri Pushpendra Kumar Sharma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur (w)	(a) Judicial Magistrate (b) Bhabhua (c) Kaimur	Kaimur
72.	Ms. Arpita Dubey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
73.	Sri Mahadev Munsif, Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Bikramganj (c) Rohtas	Rohtas
74.	Sri Kumar Shivam Munsif, Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Sherghati (c) Gaya	Gaya
75.	Sri Vivek Kumar Upadhyay J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Sikrahna (c) East Champaran	East Champaran
76.	Sri Shiv Kumar Sintu J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Araria (c) Araria	Araria
77.	Sri Aditya Garg J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Bikramganj (c) Rohtas	Rohtas
78.	Ms. Garima Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur (W)	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
79.	Ms. Neha Tripathi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur(E)	(a) Judicial Magistrate (b) Buxar (c) Buxar	Buxar
80.	Ms. Arpita J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya

81.	Sri Gaurav Kumar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Buxar (c) Buxar	Buxar
82.	Sri Swetabh Shandilya J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Daudnagar (c) Aurangabad	Aurangabad
83.	Sri Ashish Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Daudnagar (c) Aurangabad	Aurangabad
84.	Ms. Kriti J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
85.	Sri Prateek Mishra Munsif, Dalsingsarai	(a) Judicial Magistrate (b) Buxar (c) Buxar	Buxar
86.	Sri Skand Raj J.M. 1 st Class-cum-A.M., Dalsingsarai	(a) Judicial Magistrate (b) Araria (c) Araria	Araria
87.	Sri Om Prakash Narayan Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Dalsingsarai	(a) Judicial Magistrate (b) Aurangabad (c) Aurangabad	Aurangabad
88.	Sri Sri Nivas Sharma Munsif, Roseria	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
89.	Sri Uday Veer Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Roseria	(a) Judicial Magistrate (b) Araria (c) Araria	Araria
90.	Ms. Swati Priyadarshni J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
91.	Sri Amit Kumar Pandey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Roseria	(a) Judicial Magistrate (b) Sasaram (c) Rohtas	Rohtas
92.	Sri Abhishek Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Roseria	(a) Judicial Magistrate (b) Sherghati (c) Gaya	Gaya
93.	Ms. Kavita Agrahari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Munger (c) Munger	Munger
94.	Sri Anurag Verma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Roseria	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran

95.	Sri Kumar Saurabh Bhanu J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Sitamarhi (c) Sitamarhi	Sitamarhi
96.	Sri Anup Kumar Mishra J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Sitamarhi (c) Sitamarhi	Sitamarhi
97.	Ms. Nishtha Upadhyay J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
98.	Md. Afzal Khan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Saharsa (c) Saharsa	Saharsa
99.	Ms. Dipti Singh Chauhan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
100.	Sri Shashi Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
101.	Sri Nishant Kumar Ojha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (East) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
102.	Ms. Shikha Pandey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Bhabhua (c) Kaimur	Kaimur
103.	Sri Shivam Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Raxaul at Motihari (c) East Champaran	East Champaran
104.	Sri Suchit Bajpai J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sherghati	(a) Judicial Magistrate (b) Bhagalpur (c) Bhagalpur	Bhagalpur
105.	Md. Sharique Haider J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sherghati	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
106.	Sri Kumar Shubham J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sherghati	(a) Judicial Magistrate (b) Danapur (c) Patna	Patna
107.	Ms. Priyansvi Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
108.	Sri Anup Rawat J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sherghati	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran

109.	Ms. Pragya Manas J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Munger (c) Munger	Munger
110.	Sri Kamlesh Kumar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sherghati	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
111.	Sri Sushil Kumar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sherghati	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
112.	Ms. Anjita Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Samastipur	(a) Judicial Magistrate (b) Saharsa (c) Saharsa	Saharsa
113.	Sri Praveen Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Dehri (c) Rohtas	Rohtas
114.	Sri Prabhat Kumar Ranjan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
115.	Sri Tushar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Naugachai	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
116.	Ms. Binita Shankar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Samastipur	(a) Judicial Magistrate (b) Madhepura (c) Madhepura	Madhepura
117.	Sri Subhash Chandra Nisad J.M. 1 st Class-cum-A.M., Naugachia	(a) Judicial Magistrate (b) Katihar (c) Katihar	Katihar
118.	Ms. Nazia Khan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Jamui (c) Jamui	Jamui
119.	Ms. Garima Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Samastipur	(a) Judicial Magistrate (b) Bhagalpur (c) Bhagalpur	Bhagalpur
120.	Ms. Sneha Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Samastipur	(a) Judicial Magistrate (b) Bhagalpur (c) Bhagalpur	Bhagalpur
121.	Ms. Pragya Mishra J.M. 1 st Class-cum-A.M., Samastipur	(a) Judicial Magistrate (b) Bhagalpur (c) Bhagalpur	Bhagalpur
122.	Ms. Shambhavi Shankar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Sheohar (c) Sheohar	Sheohar

123.	Ms. Astha Bharti J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Naugachia (c) Bhagalpur	Bhagalpur
124.	Sri Abhay Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Banka	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
125.	Sri Prafull Kumar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Banka	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
126.	Ms. Prerna Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Jehanabad (c) Jehanabad	Jehanabad
127.	Ms. Jyotsana Jyoti J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
128.	Sri Dhananjay Pandey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Banka	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
129.	Sri Ajay Kumar Mishra J.M. 1 st Class-cum-A.M., Begusarai	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
130.	Sri Vikas Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Begusarai	(a) Judicial Magistrate (b) Araria (c) Araria	Araria
131.	Sri Vineet Kumar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Manjhaul	(a) Judicial Magistrate (b) Sikrahana (c) East Champaran	East Champaran
132.	Ms. Swati Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Lakhisarai (c) Lakhisarai	Lakhisarai
133.	Ms. Ankita Neha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Bhagalpur (c) Bhagalpur	Bhagalpur
134.	Ms. Kritika Dwivedi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Bhabhua (c) Kaimur	Kaimur
135.	Ms. Himani Sharma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
136.	Ms. Gitika Tripathi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Chapra	(a) Judicial Magistrate (b) Sasaram (c) Rohtas	Rohtas

137.	Sri Himanshu Bhargav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Nawadah	(a) Judicial Magistrate (b) Mohania (c) Kaimur	Kaimur
138.	Sri Ratnesh Kumar Dwivedi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Nawadah	(a) Judicial Magistrate (b) Munger (c) Munger	Munger
139.	Sri Sudeep Pandey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Aurangabad	(a) Judicial Magistrate (b) Mohania (c) Kaimur	Kaimur
140.	Ms. Priyanshu Sharma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
141.	Ms. Vartika J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Munger (c) Munger	Munger
142.	Ms. Srishti Manglik J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
143.	Sri Sachin Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Aurangabad	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
144.	Ms. Archana J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Danapur (c) Patna	Patna
145.	Sri Kanwar Virender Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Rosera (c) Samastipur	Samastipur
146.	Sri Sparsh Agarwal J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Dalsinghsarai (c) Samastipur	Samastipur
147.	Ms. Shweta Shukla J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
148.	Ms. Pragya Aishwarya J.M. 1 st Class-cum-A.M., Patna City	(a) Judicial Magistrate (b) Sherghati (c) Gaya	Gaya
149.	Sri Bhawanee Prasad J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gopalganj	(a) Judicial Magistrate (b) Saharsa (c) Saharsa	Saharsa
150.	Ms. Sudha Rani J.M. 1 st Class-cum-A.M., Buxar	(a) Judicial Magistrate (b) Barh (c) Patna	Patna

151.	Sri Ashish Kumar Pandey J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gopalganj	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
152.	Sri Dinesh Mani Tripathi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biraul	(a) Judicial Magistrate (b) Madhepura (c) Madhepura	Madhepura
153.	Ms. Priyanka Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Buxar	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
154.	Sri Amit Kumar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Darbhanga	(a) Judicial Magistrate (b) Saharsa (c) Saharsa	Saharsa
155.	Sri Rahul Prakash J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
156.	Ms. Ghazala Shabiha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Buxar	(a) Judicial Magistrate (b) Lakhisarai (c) Lakhisarai	Lakhisarai
157.	Ms. Kumari Dimpy J.M. 1 st Class-cum-A.M., Buxar	(a) Judicial Magistrate (b) Jehanabad (c) Jehanabad	Jehanabad
158.	Ms. Ritika Rishi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
159.	Ms. Pallavi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
160.	Sri Sumit Kumar Munsif, Narkatiyaganj	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (East) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
161.	Ms. Kiran Kumari Chourasia J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Bagaha (c) West Champaran	West Champaran
162.	Ms. Kavita Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Katihar (c) Katihar	Katihar
163.	Sri Ravi Ranjan Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
164.	Ms. Sonam Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Munger	(a) Judicial Magistrate (b) Banka (c) Banka	Banka

165.	Sri Anand Prasad J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
166.	Sri Ankit Rajan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
167.	Ms. Monika Mehta J.M. 1 st Class-cum-A.M., Munger	(a) Judicial Magistrate (b) Katihar (c) Katihar	Katihar
168.	Ms. Bhavika Sinha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Begusarai	(a) Judicial Magistrate (b) Jamui (c) Jamui	Jamui
169.	Sri Rohit Kumar Gupta J.M. 1 st Class-cum-A.M., Raxaul	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
170.	Sri Prateek Ranjan Chaurasia J.M. 1 st Class-cum-A.M., Raxaul	(a) Judicial Magistrate (b) Madhubani (c) Madhubani	Madhubani
171.	Ms. Neha Nayyar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Begusarai	(a) Judicial Magistrate (b) Raxaul at Motihari (c) East Champaran	East Champaran
172.	Sri Badal Kumar Gupta J.M. 1 st Class-cum-A.M., Raxaul	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
173.	Sri Nazim Ahmed J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bagaha	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
174.	Ms. Mohini Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Begusarai	(a) Judicial Magistrate (b) Darbhanga (c) Darbhanga	Darbhanga
175.	Ms. Kalpana Bharati J.M. I-cum-A.M., Begusarai	(a) Judicial Magistrate (b) Sherghati (c) Gaya	Gaya
176.	Ms. Shabnam Zabi J.M. I-cum-A.M., Begusarai	(a) Judicial Magistrate (b) Sherghati (c) Gaya	Gaya
177.	Ms. Amritansha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Nawadah	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (East) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
178.	Ms. Niharika Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Nawadah	(a) Judicial Magistrate (b) Jamui (c) Jamui	Jamui

179.	Ms. Monika Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Saharsa	(a) Judicial Magistrate (b) Katihar (c) Katihar	Katihar
180.	Ms. Neha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Aurangabad	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
181.	Sri Pramod Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bagaha	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
182.	Ms. Kanika Sharma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Aurangabad	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (East) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
183.	Sri Prince Bharti J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bagaha	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (West) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
184.	Ms. Suman Chandra J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Sitamarhi (c) Sitamarhi	Sitamarhi
185.	Ms. Nibha Anand J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Dalsigsarai (c) Samastipur	Samastipur
186.	Ms. Kumari Savitri J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (East) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
187.	Sri Rajan Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Araria (c) Araria	Araria
188.	Sri Kumar Abhijit Rai J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bagaha	(a) Judicial Magistrate (b) Hilsa (c) Nalanda	Nalanda
189.	Sri Vinay Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bagaha	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (East) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
190.	Sri Ravi Prakash J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bagaha	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
191.	Sri Anurag Misra J.M. 1 st Class-cum-A.M., Purnea	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
192.	Ms. Srishti Sinha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (West) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur

193.	Ms. Anjali Sinha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (West) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
194.	Sri Kushan Kunal J.M. 1 st Class-cum-A.M., Purnea	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
195.	Ms. Sugam Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
196.	Ms. Isha Raj J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
197.	Ms. Karishma Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
198.	Sri Suraj Prakash J.M. 1 st Class-cum-A.M., Katihar	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
199.	Sri Aman Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Katihar	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
200.	Ms. Richa Rani J.M. 1 st Class-cum-A.M., Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
201.	Sri Rajeev Shankar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sitamarhi	(a) Judicial Magistrate (b) Bagaha (c) West Champaran	West Champaran
202.	Sri Abhishek Kumar Singh J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sitamarhi	(a) Judicial Magistrate (b) Bagaha (c) West Champaran	West Champaran
203.	Ms. Priyanka Yadav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gopalganj	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
204.	Md. Shuaib J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sitamarhi	(a) Judicial Magistrate (b) Madhubani (c) Madhubani	Madhubani
205.	Sri Shatrunjay Kushwaha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Madhubani	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
206.	Sri Gautam J.M. 1 st Class-cum-A.M., Madhubani	(a) Judicial Magistrate (b) Ara (c) Bhojpur	Bhojpur

207.	Ms. Pratima Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gopalganj	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
208.	Sri Alok Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Benipatti	(a) Judicial Magistrate (b) Jehanabad (c) Jehanabad	Jehanabad
209.	Sri Rakesh Ranjan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Benipatti	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
210.	Sri Anurag Gaurav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Benipatti	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
211.	Sri Ajit Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Benipatti	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (East) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
212.	Ms. Aayushi Chaudhary J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gopalganj	(a) Judicial Magistrate (b) Supaul (c) Supaul	Supaul
213.	Ms. Manisha Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Darbhanga	(a) Judicial Magistrate (b) Ara (c) Bhojpur	Bhojpur
214.	Ms. Vandana Madhukar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Darbhanga	(a) Judicial Magistrate (b) Hilsa (c) Nalanda	Nalanda
215.	Ms. Masoom Khanam J.M. 1 st Class-cum-A.M., Purnea	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
216.	Ms. Snigdha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Muzaffarpur	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
217.	Sri Safder Salah J.M. 1 st Class-cum-A.M., Benipatti	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
218.	Md. Fahad Hussain J.M. 1 st Class-cum-A.M., Benipur	(a) Judicial Magistrate (b) Lakhisarai (c) Lakhisarai	Lakhisarai
219.	Sri Raju Kumar Sah J.M. 1 st Class-cum-A.M., Lakhisarai	(a) Judicial Magistrate (b) Biraul (c) Darbhanga	Darbhanga
220.	Sri Pappu Kumar Pandit J.M. 1 st Class-cum-A.M., Lakhisarai	(a) Judicial Magistrate (b) Biraul (c) Darbhanga	Darbhanga

221.	Ms. Neha Niharika J.M. 1 st Class-cum-A.M., Darbhanga	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
222.	Sri Jay Prakash J.M. 1 st Class-cum-A.M., Benipatti	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (West) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
223.	Md. Gulam Rasul J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
224.	Sri Ashish Narain J.M. 1 st Class-cum-A.M., Supaul	(a) Judicial Magistrate (b) Hilsa (c) Nalanda	Nalanda
225.	Ms. Pratibha Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
226.	Sri Inzmamul Haque J.M. 1 st Class-cum-A.M., Khagaria	(a) Judicial Magistrate (b) Kishanganj (c) Kishanganj	Kishanganj
227.	Sri Santosh Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Dehri	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
228.	Sri Sonu Sawrav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Daudnagar	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
229.	Sri Rohit Kumar Verma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
230.	Ms. Sudha Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Ara (c) Bhojpur	Bhojpur
231.	Ms. Amrita Nupur J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Ara (c) Bhojpur	Bhojpur
232.	Sri Prashant Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
233.	Ms. Saba Shakeel J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
234.	Ms. Pooja Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna

235.	Sri Kishore Gaurav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Poopri	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
236.	Sri Manish Chandra J.M. 1 st Class-cum-A.M., Madhepura	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
237.	Sri Rohit Kumar Gaurav J.M. 1 st Class-cum-A.M., Kishanganj	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
238.	Sri Sanjay Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Danapur	(a) Judicial Magistrate (b) Sherghati (c) Gaya	Gaya
239.	Mohammed Sarvar Ansari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Khagaria	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
240.	Sri Aditya Prakash J.M. 1 st Class-cum-A.M., Khagaria	(a) Judicial Magistrate (b) Supaul (c) Supaul	Supaul
241.	Ms. Ritu Kumari J.M. I-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
242.	Ms. Sunita Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
243.	Ms. Jyoti Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (West) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
244.	Sri Anurag J.M. 1 st Class-cum-A.M., Khagaria	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
245.	Sri Uday Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Khagaria	(a) Judicial Magistrate (b) Bagaha (c) West Champaran	West Champaran
246.	Ms. Nancy Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
247.	Sri Raja Sah J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jhanjharpur	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
248.	Sri Vinit Kumar Sah J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jhanjharpur	(a) Judicial Magistrate (b) Danapur (c) Patna	Patna

249.	Ms. Mahzavi Naj J.M. 1 st Class-cum-A.M., Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Lakhisarai (c) Lakhisarai	Lakhisarai
250.	Ms. Somya Suman J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
251.	Ms. Sujata Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
252.	Sri Anant Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jamui	(a) Judicial Magistrate (b) Bagaha (c) West Champaran	West Champaran
253.	Ms. Sonam Rani J.M. 1 st Class-cum-A.M., Dehri (Rohtas)	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
254.	Ms. Urmila Arya J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Arwal (c) Jehanabad	Arwal
255.	Sri Gajendra Kumar Chaurasiya J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jamui	(a) Judicial Magistrate (b) Araria (c) Araria	Araria
256.	Sri Ashish Anand J.M. 1 st Class-cum-A.M., Jamui	(a) Judicial Magistrate (b) Araria (c) Araria	Araria
257.	Sri Randhir Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Dehri	(a) Judicial Magistrate (b) Kishanganj (c) Kishanganj	Kishanganj
258.	Sri Ravi Shekhar Varshi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Daudnagar	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
259.	Sri Vikash Kumar Ranjan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Daudnagar	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
260.	Ms. Kumari Prinki Priyanka J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
261.	Ms. Ankita Raj J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
262.	Sri Pranav Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Birpur	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna

263.	Sri Kumar Shashi J.M. 1 st Class-cum-A.M., Biraoul	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
264.	Sri Santosh Kumar Sah J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bikramganj	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
265.	Ms. Geetanjali J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
266.	Sri Aditya Kumar Sharma J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bikramganj	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
267.	Ms. Varsha Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
268.	Ms. Kumari Mithu Rani J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
269.	Sri Sudhir Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bikramganj	(a) Judicial Magistrate (b) Supaul (c) Supaul	Supaul
270.	Sri Avinash Chandra J.M. 1 st Class-cum-A.M., Bikramganj	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
271.	Sri Rohit Ranjan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Supaul	(a) Judicial Magistrate (b) Rosera (c) Samastipur	Samastipur
272.	Ms. Latika Bharti J.M. 1 st Class-cum-A.M., Purnea	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
273.	Ms. Anuradha Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Purnea	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
274.	Sri Saroj Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Supaul	(a) Judicial Magistrate (b) Hilsa (c) Nalanda	Nalanda
275.	Ms. Kanchan Rani J.M. 1 st Class-cum-A.M., Purnea	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
276.	Ms. Kumari Sulochana J.M. 1 st Class-cum-A.M., Darbhanga	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda

277.	Sri Chandan Paswan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Supaul	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (West) (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
278.	Sri Ravi Shankar Paswan J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sasaram	(a) Judicial Magistrate (b) Rosera (c) Samastipur	Samastipur
279.	Ms. Medha Manisha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Purnea	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
280.	Ms. Priyanka Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Katihar	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
281.	Ms. Pinki Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Katihar	(a) Judicial Magistrate (b) Patna City (c) Patna	Patna
282.	Sri Jeetendra Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Sheikhpura	(a) Judicial Magistrate (b) Rosera (c) Samastipur	Samastipur
283.	Sri Shailendra Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
284.	Sri Vishal Sinha J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
285.	Ms. Kiran Kumari J.M. 1 st Class-cum-A.M., Katihar	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
286.	Sri Pawan Kumar Chaudhary J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Danapur (c) Patna	Patna
287.	Sri Gyan Prakash J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
288.	Sri Navin Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna
289.	Sri Paradip Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Araria	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
290.	Ms. Khushboo Anand J.M. 1 st Class, Nawadah	(a) Judicial Magistrate (b) Barh (c) Patna	Patna

291.	Sri Ajay Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Danapur	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
------	---	---	------

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

10 मई 2023

सं० 211 नि०:—अपने वर्तमान कर्तव्यों से विरमित होने पर श्री अंजनी कुमार सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बक्सर की सेवायें अध्यक्ष, वाणिज्य कर न्यायाधिकरण, बिहार, पटना के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन सौंपी जाती है, जिनकी प्रतिनियुक्ति की अवधि, अधिकतम तीन वर्षों की होगी।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 10th May 2023

No. 211 A:—On being relieved of his present assignment, the services of Sri Anjani Kumar Singh, District and Sessions Judge, Buxar are placed at the disposal of the State Government in the Department of General Administration, Patna for his appointment as Chairman, Commercial Taxes Tribunal, Patna, on deputation basis for a maximum period of three years.

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

19 मई 2023

सं० 226 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित न्यायिक पदाधिकारियों को असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोर्ट) से असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोर्ट) में पदोन्नत करते हुए उसी तालिका के स्तम्भ-3 में दर्शाए गए तरीके से अस्थायी तौर पर अगले आदेश तक पदस्थापित किया जाता है।

पुनः, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा (11) की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा स्तम्भ-3 में नामित न्यायिक पदाधिकारियों को जो अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए हैं, उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियां प्रदान किया जाता है, बशर्ते उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्रम संख्या	पदाधिकारियों का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानांतरण के उपरांत पदस्थापित किये जाते हैं।
1	2	3
1.	श्री नीरज कुमार पाण्डेय मुंसिफ, सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा)	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सुपौल (स) सुपौल
2.	श्री रोहित कुमार- II इजरायल मुंसिफ, मुजफ्फरपुर	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) (स) मुजफ्फरपुर
3.	सुश्री श्वेता ग्रेवाल अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, सुपौल	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सुपौल (स) सुपौल
4.	श्री बिभूति भूषण मुंसिफ,	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी

जहानाबाद	(ब) अरवल (स) जहानाबाद
----------	--------------------------

ज्ञापांक 29728-29796 दिनांक 09.05.2023 द्वारा निर्गत इस न्यायालय की अधिसूचना संख्या 206नि0 दिनांक 09.05.2023 को सुश्री श्वेता ग्रेवाल के स्थानांतरण एवं पदस्थापन के संबंध में उक्त हद तक संशोधित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 19th May 2023

No. 226A :--The Judicial officers of the cadre of Civil Judge (Junior Division), named in column no. 2 of the table given below have been promoted to the cadre of Civil Judge (Senior Division) and on promotion they are appointed and temporarily posted till further orders in the manner as indicated in column no. 3 of the table.

Further, in exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is pleased to confer upon the Judicial Officers named below, who have been appointed as Sub-Judge-cum- A.C.J.M., the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned Districts, provided that they shall work in such a way that their disposal of Civil and Criminal matters must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the officers, designation and present place of posting (with Judgeship)	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily (c) Name of the Judgeship in which appointed on promotion
1	2	3
1.	Sri Neeraj Kumar Pandey Munsif, Simri Bakhtiyarpur (Saharsa)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Supaul c) Supaul
5.	Sri Rohit Kumar-II Execution Munsif, Muzaffarpur	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Muzaffarpur (East) c) Muzaffarpur
6.	Ms. Shweta Grewal S.D.J.M., Supaul	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Supaul c) Supaul
7.	Sri Bibhuti Bhushan Munsif, Jehanabad	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Arwal c) Jehanabad

The Court's **Notification No.-206 A dated 09.05.2023** issued vide **Memo No. 29728 - 29796 dated 09.05.2023** so far as it relates to transfer and posting of Ms. Shweta Grewal **stands modified** to the above extent.

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

10 मई 2023

सं० 210 नि०—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पुनः दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 11 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तंभ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को स्तंभ-4 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किए गये हैं।	जिला का नाम
1	2	3	4
1	शोभना त्रिपाठी, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, सीतामढ़ी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना

अधिसूचना सं० 189/नि० दिनांक 28.04.2023 जो ज्ञापांक 27365-27390 दिनांक 28.04.2023 के तहत अधिसूचित सुश्री नेहा सिंह, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, कटिहार को न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, पटना के रूप में स्थानांतरण के उपरांत पदस्थापना को एतद् द्वारा वापस लिया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 10th May 2023

No. 210 A :--The Judicial Officer of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below is appointed as Judicial Magistrate in the Judgeship to be stationed ordinarily at the place mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the officer named below, the powers of Judicial Magistrate 1st Class for the district noted against her name in column no. 4 of the table.

Sl. No.	Name of the Officer with designation and present place of posting	a) Designation at the new station b) Place where the officer is to be ordinarily stationed at. c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Name of the District
1	2	3	4
1.	Ms. Shobhana Tripathi, Judicial Magistrate 1 st Class, Sitamarhi	Judicial Magistrate Patna Patna	Patna

The transfer and posting of Ms. Neha Singh, Judicial Magistrate 1st Class, Katihar as Judicial Magistrate 1st Class, Patna notified vide Court's Notification no. 189A dated 28.04.2023 issued vide memo no. 27365-27390 dated 28.04.2023 is hereby recalled.

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

19 मई 2023

सं० 227 नि० :--निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारी (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोर्ट) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर मुंसिफ/इजराय मुंसिफ एवं उच्च न्यायालय द्वारा दंडाधिकारी की आवश्यक शक्तियाँ प्रदान किये जाने पर न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पदाधिकारी को आवश्यकतानुसार, बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्ट बिहार एमेंडमेंट ऐक्ट-2013 (ऐक्ट XIV, 2014) द्वारा संबोधित बंगाल, आगरा एवं आसाम सिविल कोर्ट्स ऐक्ट, 1887 (ऐक्ट XII, 1887) की धारा 19 की उपधारा (2) के अन्तर्गत उक्त तालिका के स्तम्भ-4 में यथानिर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के भीतर होने वाले मौलिक वादों की साधारण प्रक्रिया के अधीन निष्पादन की शक्तियाँ प्रदान की जाती है।

सम्बन्धित पदाधिकारी को उसी स्तम्भ-4 में निर्देशित आर्थिक एवं प्रादेशिक क्षेत्राधिकारी के अन्दर लघुवाद न्यायालय द्वारा संज्ञेय वादों के निष्पादन के लिए ऐसे न्यायालय के न्यायाधीश की शक्तियाँ भी प्रदान की जाती है।

स्तम्भ-4 में दी गयी शक्तियों का प्रयोग तबतक नहीं किया जाय जबतक कि वे बिहार राज्य पत्र या जिला राज्यपत्र में अधिसूचित न हो जायें।

क्रम संख्या	पदाधिकारियों का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	अ) नए स्थान का पदनाम ब) साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किए गए हैं	नये स्थान पर अधिकारी को प्रदान की गयी विशेष शक्तियाँ अ) बंगाल, आगरा एण्ड आसाम सिविल कोर्ट ऐक्ट के अंतर्गत (साधारण प्रक्रिया) ब) प्रोविन्सीयल स्मॉल कॉज्ज कोर्ट्स ऐक्ट 1987 के अंतर्गत
1	2	3	4
1.	श्री रंजीत कुमार । न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, शिवहर	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) शिवहर स) शिवहर	अ) शिवहर मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) शिवहर मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
2.	श्री आशिष रंजन न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह-अपर मुंसिफ, नवादा	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) नवादा स) नवादा	अ) नवादा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) नवादा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
3.	श्री सुभाष कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, मोहनिया	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) मोहनिया स) कैमूर	अ) मोहनिया मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) मोहनिया मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
4.	निवेदिता कुमारी न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, सासाराम	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) सासाराम स) रोहतास	अ) सासाराम मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) सासाराम मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
5.	श्री राकेश कुमार पाण्डेय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, सीतामढ़ी	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) सीतामढ़ी स) सीतामढ़ी	अ) सीतामढ़ी मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) सीतामढ़ी मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
6.	गजाला तसनीम न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, हाजीपुर	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) हाजीपुर स) वैशाली	अ) हाजीपुर मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) हाजीपुर मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ

7.	पल्लवी मौर्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, मुंगेर	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) मुंगेर स) मुंगेर	अ) मुंगेर मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) मुंगेर मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
8.	शैला शुक्ला न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, सहरसा	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) सहरसा स) सहरसा	अ) सहरसा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) सहरसा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
9.	श्री मृत्युंजय सिंह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, मुजफ्फरपुर (पूर्वी)	अ) इजराय मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) स) मुजफ्फरपुर	अ) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) मुजफ्फरपुर (पूर्वी) मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
10.	श्री नसीम नजर न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, बगहा (पश्चिमी चम्पारण)	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) बगहा स) पश्चिमी चम्पारण	अ) बगहा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) बगहा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
11.	वंदना न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, पटना	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) पटना स) पटना	अ) पटना मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) पटना मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
12.	श्री स्वयं श्रीवास्तव न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी—सह—अपर मुंसिफ, पटना	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) पटना स) पटना	अ) पटना मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) पटना मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
13.	श्री पुष्पेंद्र कुमार शर्मा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, भभुआ	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) भभुआ स) कैमूर	अ) भभुआ मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) भभुआ मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
14.	श्री विवेक कुमार उपाध्याय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, सिकरहना	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) सिकरहना स) पूर्वी चम्पारण	अ) सिकरहना मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) सिकरहना मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
15.	गरिमा सिंह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, खगड़िया	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) खगड़िया स) खगड़िया	अ) खगड़िया मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) खगड़िया मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
16.	श्री शशि कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, पटना सिटी	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) पटना सिटी	अ) पटना सिटी मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक

		स) पटना	ब) पटना सिटी मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
17.	श्री अनूप रावत न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, छपरा	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) छपरा स) सारण	अ) छपरा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) छपरा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
18.	प्रेरणा सिंह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, जहानाबाद	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) जहानाबाद स) जहानाबाद	अ) जहानाबाद मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) जहानाबाद मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
19.	हिमानी शर्मा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, छपरा	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) छपरा स) सारण	अ) छपरा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) छपरा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
20.	श्री कानवार विरेन्द्र सिंह न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, रोसड़ा	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) रोसड़ा स) समस्तीपुर	अ) रोसड़ा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) रोसड़ा मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
21.	श्री स्पर्श अग्रवाल न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, दलसिंहसराय	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) दलसिंहसराय स) समस्तीपुर	अ) दलसिंहसराय मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) दलसिंहसराय मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ
22.	आयुषी चौधरी न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी— सह—अपर मुंसिफ, सुपौल	अ) मुंसिफ (असैनिक न्यायाधीश, कनीय कोटि) ब) सुपौल स) सुपौल	अ) सुपौल मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 150000 रुपये तक ब) सुपौल मुंसिफी की स्थानीय सीमाओं के अंतर्गत 1000 रुपये तक लघुवाद की शक्तियाँ

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 19th May 2023

No. 227 A:--The judicial officers of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no. 2 of the table given below are transferred and posted as Munsif/Execution Munsif in the judgeship to be stationed ordinarily at the place mentioned in column no. 3 of the table.

As mentioned in column no. 4, the officers are also vested with the powers under Sub-section (2) of Section-19 of the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Acts, 1887, (Act XII of 1887) as amended by the Bengal, Agra and Assam Civil Courts Bihar Amendment Act, 2013 (Act 14 of 2014) to try under ordinary procedure original suits of Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

As further mentioned in column no. 4, the officers are also vested with powers of the Court of small causes for the trial of suits cognizable by such a Court with the necessary Pecuniary and Territorial Jurisdiction.

The powers vested as per column no. 4, should not be exercised by the officers concerned unless it is published in the Bihar Gazette or in the District Gazette.

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be ordinarily stationed at. (c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Special Power with which the Officer is vested at the new station (a) Under the Bengal, Agra and Assam Civil Court Acts (under ordinary procedure). (b) Under the provincial small causes Courts Act, 1987.
1	2	3	4
1.	Sri Ranjit Kumar I J.M. 1 st Class, Sheohar	(a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) (b) Sheohar (c) Sheohar	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Sheohar Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Sheohar Munsifi.
2.	Sri Ashish Ranjan J.M. 1 st Class-cum- Addl. Munsif, Nawadah	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Nawadah c) Nawadah	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Nawadah Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Nawadah Munsifi.
3.	Sri Subhash Kumar J.M. 1 st Class, Mohania	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Mohania c) Kaimur	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Mohania Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Mohania Munsifi.
4.	Ms. Nivedita Kumari J.M. 1 st Class, Sasaram	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Sasaram c) Rohtas	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Sasaram Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Sasaram Munsifi.
5.	Sri Rakesh Kumar Pandey J.M. 1 st Class, Sitamarhi	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Sitamarhi c) Sitamarhi	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Sitamarhi Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Sitamarhi Munsifi.

6.	Ms. Ghazala Tasneem J.M. 1 st Class, Hajipur	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Hajipur c) Vaishali	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Hajipur Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Hajipur Munsifi.
7.	Ms. Pallavi Maurya J.M. 1 st Class, Munger	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Munger c) Munger	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Munger Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Munger Munsifi.
8.	Ms. Shaila Shukla J.M. 1 st Class, Saharsa	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Saharsa c) Saharsa	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Saharsa Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Saharsa Munsifi.
9.	Sri Mrityunjay Singh J.M. 1 st Class, Muzaffarpur (E)	a) Execution Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Muzaffarpur (East) c) Muzaffarpur	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Muzaffarpur (East) Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Muzaffarpur (East) Munsifi.
10.	Sri Nasim Nazar, J.M. 1 st Class, Bagaha (West Champaran)	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Bagaha c) West Champaran	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Bagaha Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Bagaha Munsifi.
11.	Ms. Vandana J.M. 1 st Class-cum- Addl. Munsif, Patna	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Patna c) Patna	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Patna Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Patna Munsifi.
12.	Sri Swayam Shrivastava J.M. 1 st Class-cum- Addl. Munsif, Patna	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Patna c) Patna	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Patna Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Patna Munsifi.

13.	Sri Pushpendra Kumar Sharma J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Bhabhua	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Bhabhua c) Kaimur	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Bhabhua Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Bhabhua Munsifi.
14.	Sri Vivek Kumar Upadhyay J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Sikrahna	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Sikrahna c) East Champaran	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Sikrahna Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Sikrahna Munsifi.
15.	Ms. Garima Singh J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Khagaria	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Khagaria c) Khagaria	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Khagaria Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Khagaria Munsifi.
16.	Sri Shashi Kumar J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Patna City	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Patna City c) Patna	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Patna City Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Patna City Munsifi.
17.	Sri Anup Rawat J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Chapra	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Chapra c) Saran	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Chapra Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Chapra Munsifi.
18.	Sri Prerna Singh J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Jehanabad	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Jehanabad c) Jehanabad	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Jehanabad Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Jehanabad Munsifi.
19.	Ms. Himani Sharma J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Chapra	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Chapra c) Saran	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Chapra Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Chapra Munsifi.

20.	Sri Kanwar Virender Singh J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Rosera	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Rosera c) Samastipur	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Rosera Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Rosera Munsifi.
21.	Sri Sparsh Agarwal J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Dalsingsarai	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Dalsingsarai d) Samastipur	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Dalsingsarai Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Dalsingsarai Munsifi.
22.	Ms. Aayushi Chaudhary J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Supaul	a) Munsif (Civil Judge, Jr. Div.) b) Supaul c) Supaul	a) Rs.1,50,000/- within the local limits of Supaul Munsifi. b) S.C.C. Powers of Rs. 1000/- within the local limits of Supaul Munsifi.

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

13 जुलाई 2023

सं० 267 नि०:—बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना संख्या— 7/स्था०-05-02/2022 सा०प्रा० 11859 दिनांक 21.06.2023 द्वारा परीक्ष्यमान रूप से असेनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) के रूप में नियुक्त तालिका के स्तम्भ II में उल्लिखित व्यक्ति को तालिका के स्तम्भ III में उल्लिखित स्थान एवं न्यायमंडल में अस्थायी असेनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) के रूप में पदस्थापित किया जाता है।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम	पदस्थापना का स्थान
1.	2.	3.
1.	राखी कुमारी	वैशाली, हाजीपुर

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 13th July 2023

No. 267 A :--The person named in column no. 2 of the table given below who has been appointed on probation as Civil Judge (Junior Division) under notification No. 7/Stha.-05-02/2022 Sa. Pra. 11859 dated 21.06.2023 of the Department of General Administration, Government of Bihar, Patna is posted as temporary Civil Judge (Junior Division) at the station mentioned below in column no. 3 of the table against her name.

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting
1.	2.	3.
1.	Ms. Rakhi Kumari	Vaishali at Hajipur

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

13 जुलाई 2023

सं० 268 नि०:—बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना संख्या— 7/मुक०-08-07/2023 सा०प्र० 11591 दिनांक 19.06.2023 द्वारा परीक्ष्यमान रूप से असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) के रूप में नियुक्त तालिका के स्तम्भ II में उल्लिखित व्यक्ति को तालिका के स्तम्भ III में उल्लिखित स्थान एवं न्यायमंडल में अस्थायी असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) के रूप में पदस्थापित किया जाता है।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम	पदस्थापना का स्थान
1.	2.	3.
1.	श्री आकाश कुमार	गया

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 13th July 2023

No. 268 A: --The person named in column no. 2 of the table given below who has been appointed on probation as Civil Judge (Junior Division) under notification No. 7/Muk.-08-07/2023 Sa. Pra. 11591 dated 19.06.2023 of the Department of General Administration, Government of Bihar, Patna is posted as temporary Civil Judge (Junior Division) at the station mentioned below in column no. 3 of the table against his name.

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting
1.	2.	3.
1.	Sri Akash Kumar	Gaya

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

14 जुलाई 2023

सं० 287 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संवर्ग पदाधिकारी को, तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्य करने हेतु स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान जजी सहित।	अ) नए स्थान का पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी जहाँ स्थानांतरित किये गये हैं।
1.	श्री संदीप कुमार मिश्र, ए.डी.जे. सचिव, जिला विधि प्राधिकार, समस्तीपुर (समस्तीपुर)	(अ) अवर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ब) भोजपुर (स) आरा
2.	श्री संतोष कुमार झा, ए.डी.जे. सचिव, जिला विधि प्राधिकार, पटना (पटना)	(अ) अवर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ब) समस्तीपुर (स) समस्तीपुर
3.	श्री घनश्याम सिंह, ए.डी.जे. सचिव, जिला विधि प्राधिकार, मधुबनी (मधुबनी)	(अ) अवर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (ब) झंझारपुर (स) मधुबनी

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 14th July 2023

No. 287 A : --The Additional District and Sessions Judge rank officers, named in column no. 2 of the table given below are hereby transferred and posted as Additional District and Sessions Judges in the Judgeship to be stationed ordinarily at the places mentioned in column no. 3 of the table against their respective names:

Sl. No.	Name of the officers with designation and present place of posting with Judgeship.	a) Designation at the new station b) Place where the officer is to be stationed at c) Name of the Judgeship in which posted on transfer
1.	2.	3.
1.	Sri Sandeep Kumar Mishra, A.D.J. Secretary, District Legal Services Authority, Samastipur (Samastipur)	(a) Additional District & Sessions Judge (b) Bhojpur (c) Ara
2.	Sri Santosh Kumar Jha, A.D.J. Secretary, District Legal Services Authority, Patna (Patna)	(a) Additional District & Sessions Judge (b) Samastipur (c) Samastipur
3.	Sri Ghanshyam Singh, A.D.J. Secretary, District Legal Services Authority, Madhubani (Madhubani)	(a) Additional District & Sessions Judge (b) Jhanjharpur (c) Madhubani

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

14 जुलाई 2023

सं० 291 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को स्थानान्तरित करते हुए, उसी तालिका के स्तम्भ-3 में उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान जहाँ पर वे साधारणतः अधिष्ठित रहेंगे, अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया जाता है।

पुनः, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 11 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा स्तम्भ-3 में नामित असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान किया जाता है, बशर्ते उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानान्तरण के उपरांत पदस्थापित किये जाते हैं।
1	2	3
1.	श्री मनीष कुमार शाही अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, बेलसंड (सीतामढ़ी)।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सीतामढ़ी (स) सीतामढ़ी
2.	श्री राधे श्याम अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, सीतामढ़ी।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बेलसंड (सीतामढ़ी) (स) सीतामढ़ी

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 14th July 2023

No. 291 A :--The Judicial officers of the rank of Civil Judge (Senior Division), named in column no. 2 of the table given below are transferred and posted as Sub Judge-cum-A.C.J.M. in the Judgeship to be stationed ordinarily at the station mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is pleased to

confer upon the Officers named below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned Districts, provided that they shall work in such a way that their disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the officer, designation and present place of posting (With Judgeship)	a) Designation at the new station b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily c) Name of the Judgeship in which transferred
1.	2.	3.
1.	Sri Manish Kumar Shahi Sub Judge-cum-A.C.J.M., Belsand (Sitamarhi)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sitamarhi c) Sitamarhi
2.	Sri Radhe Shyam Sub Judge-cum-A.C.J.M., Sitamarhi	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Belsand (Sitamarhi) c) Sitamarhi

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

27 जुलाई 2023

सं० 350 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोर्ट) के न्यायिक पदाधिकारी को उनके अनिवार्य सेवानिवृत्ति के बाद सेवा में पुनर्बहाली के परिणामस्वरूप उसी तालिका के स्तम्भ-3 में उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान जहाँ पर वे साधारणतः अधिष्ठित रहेंगी, अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया जाता है।

पुनः, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 11 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्नलिखित न्यायिक पदाधिकारी को उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान किया जाता है, बशर्त उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानांतरण के उपरांत पदस्थापित किये जाते हैं।
1.	श्रीमति संगीता रानी तत्कालीन अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, मंझौल (बेगूसराय)।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बेनीपुर (स) दरभंगा

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 27th July 2023

No. 350 A :--Consequent upon her reinstatement in service vide Notification No.13383 dated 14.07.2023 issued by the Department of General Administration, Government of Bihar, Patna after compulsory retirement, the Judicial officer of the rank of Civil Judge (Senior Division), named in column no. 2 of the table given below is posted as Sub Judge-cum-A.C.J.M. in the Judgeship to be stationed ordinarily at the place mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is pleased to confer upon the Officer named below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned District, provided that she shall work in such a way that her disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the officer, designation and present place of posting (with Judgeship)	(a) Designation at the new station (b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily (c) Name of the Judgeship in which transferred
1	2	3
1.	Smt. Sangeeta Rani the then Sub Judge-cum-A.C.J.M., Manjhaul (Begusarai)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Benipur c) Darbhanga

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

15 जुलाई 2023

सं० 292 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारियों असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित जजी एवं स्थान पर साधारणतः न्यायिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

पुनः दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 11 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारियों असैनिक न्यायाधीश (कनीय कोटि) को स्तम्भ-4 में उनके नाम के सामने अंकित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती हैं।

क्रम संख्या	पदाधिकारियों का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान	अ) नए स्थान का पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किए गये हैं।	जिला का नाम
1	2	3	4
01.	श्री संगम कुमार अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) औरंगाबाद स) औरंगाबाद	औरंगाबाद
02.	सोनाक्षी वर्मा अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, मुजफ्फरपुर (पूर्वी)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
03.	अकांक्षा अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, आरा	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) आरा स) भोजपुर	भोजपुर
04.	श्री राम मनोहर चौधरी रेलवे दंडाधिकारी, कटिहार	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) कटिहार स) कटिहार	कटिहार
05.	श्री मोहम्मद जिसान चांद रेलवे दंडाधिकारी, सोनपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा
06.	श्री प्रसेंजीत सिंह रेलवे दंडाधिकारी, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
07.	श्री राजीव पाण्डेय रेलवे दंडाधिकारी, नरकटियागंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण
08.	श्री गौरी शंकर रेलवे दंडाधिकारी, समस्तीपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर

09.	श्रेया मिश्रा रेलवे दंडाधिकारी, किउल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) लखीसराय स) लखीसराय	लखीसराय
10.	रंजिता कुमारी रेलवे दंडाधिकारी, बरौनी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय
11.	चांदनी गुप्ता मुंसिफ, मोतिहारी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण
12.	शारदा मुंसिफ, बक्सर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर
13.	निवेदिता कुमारी मुंसिफ, सासाराम	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जहानाबाद स) जहानाबाद	जहानाबाद
14.	स्वाति दूबे मुंसिफ, गोपालगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज
15.	श्री मनीष मिश्रा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, मोहनिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) भभुआ स) कैमूर	कैमूर
16.	श्री भोला सिंह मुंसिफ, मुंगेर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मुंगेर स) मुंगेर	मुंगेर
17.	श्री कुमारेण मुंसिफ, मधुबनी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मधुबनी स) मधुबनी	मधुबनी
18.	पूजा कुमारी मुंसिफ, सीवान	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली
19.	श्री बृजनाथ मुंसिफ, बिरौल	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) दरभंगा स) दरभंगा	दरभंगा
20.	श्री राकेश कुमार पाण्डेय मुंसिफ, सीतामढ़ी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) छपरा स) सारण	सारण
21.	श्री कुदूस अंसारी मुंसिफ, गोगरी (खगड़िया)	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
22.	श्री मनोज कुमार पाठक मुंसिफ, बेतिया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) मधेपुरा स) मधेपुरा	मधेपुरा
23.	श्री अरविंद मिश्रा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, मधुबनी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सुपौल स) सुपौल	सुपौल
24.	श्री मनोज कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, भागलपुर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सहरसा स) सहरसा	सहरसा
25.	किरण ओझा सहायक निबंधक, बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) शेखपुरा स) शेखपुरा	शेखपुरा

26.	श्री संजय कुमार सरोज न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, बक्सर	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पूर्णिया स) पूर्णिया	पूर्णिया
27.	श्री महेन्द्र मिश्रा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, गोपालगंज	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) सीवान स) सीवान	सीवान
28.	श्री संदीप चैतन्या मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) गया स) गया	गया
29.	श्री अश्विनी कुमार मुंसिफ, बांका	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) बांका स) बांका	बांका
30.	श्री अनिश कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह-अपर मुंसिफ, गया	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) जहानाबाद स) जहानाबाद	जहानाबाद
31.	श्री अभिषेक कुमार न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-सह-अपर मुंसिफ, शेरघाटी	अ) न्यायिक दण्डाधिकारी ब) पटना स) पटना	पटना

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 15th July 2023

No. 292 A:--The Judicial Officers of the rank of Civil Judge (Junior Division) named in column no.2 of the table given below are appointed as Judicial Magistrate in the Judgeship to be stationed ordinarily at the place mentioned in column no.3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court are pleased to confer upon the officers named below, the powers of Judicial Magistrate 1st Class for the district noted against their names in column no.4 of the table.

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting	a) Designation at the new station b) Place where the officer is to be ordinarily stationed at. c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer.	Name of the District
1	2	3	4
1.	Sri Sangam Kumar S.D.J.M., Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Aurangabad (c) Aurangabad	Aurangabad
2.	Ms. Sonakshi Verma S.D.J.M., Muzaffarpur (East)	(a) Judicial Magistrate (b) Muzaffarpur (c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
3.	Ms. Akanksha S.D.J.M., Ara	(a) Judicial Magistrate (b) Ara (c) Bhojpur	Bhojpur

4.	Sri Ram Manohar Choudhary Railway Magistrate, Katihar	(a) Judicial Magistrate (b) Katihar (c) Katihar	Katihar
5.	Sri Mohammed Zeeshan Chand, Railway Magistrate, Sonepur	(a) Judicial Magistrate (b) Biharsharif (c) Nalanda	Nalanda
6.	Sri Prasenjit Singh Railway Magistrate, Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Bhagalpur (c) Bhagalpur	Bhagalpur
7.	Sri Rajeev Pandey Railway Magistrate, Narkatiyaganj	(a) Judicial Magistrate (b) Bettiah (c) West Champaran	West Champaran
8.	Sri Gauri Shankar Railway Magistrate, Samastipur	(a) Judicial Magistrate (b) Samastipur (c) Samastipur	Samastipur
9.	Ms. Shreya Mishra Railway Magistrate, Kiul	(a) Judicial Magistrate (b) Lakhisarai (c) Lakhisarai	Lakhisarai
10.	Ms. Ranjeeta Kumari Railway Magistrate, Barauni	(a) Judicial Magistrate (b) Begusarai (c) Begusarai	Begusarai
11.	Ms. Chandani Gupta Munsif, Motihari	(a) Judicial Magistrate (b) Motihari (c) East Champaran	East Champaran
12.	Ms. Sharda Munsif, Buxar	(a) Judicial Magistrate (b) Buxar (c) Buxar	Buxar
13.	Ms. Nivedita Kumari Munsif, Sasaram	(a) Judicial Magistrate (b) Jehanabad (c) Jehanabad	Jehanabad
14.	Ms. Swati Dubey Munsif, Gopalganj	(a) Judicial Magistrate (b) Gopalganj (c) Gopalganj	Gopalganj
15.	Sri Manish Mishra J.M. 1 st Class, Mohania	(a) Judicial Magistrate (b) Bhabhua (c) Kaimur	Kaimur
16.	Sri Bhola Singh Munsif, Munger	(a) Judicial Magistrate (b) Munger (c) Munger	Munger
17.	Sri Kumaresh Munsif, Madhubani	(a) Judicial Magistrate (b) Madhubani (c) Madhubani	Madhubani
18.	Ms. Puja Kumari Munsif, Siwan	(a) Judicial Magistrate (b) Hajipur (c) Vaishali	Vaishali
19.	Sri Brijnath Munsif, Biraul	(a) Judicial Magistrate (b) Darbhanga (c) Darbhanga	Darbhanga

20.	Sri Rakesh Kumar Pandey Munsif, Sitamarhi	(a) Judicial Magistrate (b) Chapra (c) Saran	Saran
21.	Sri Kudus Ansari Munsif, Gogari (Khagaria)	(a) Judicial Magistrate (b) Khagaria (c) Khagaria	Khagaria
22.	Sri Manoj Kumar Pathak Munsif, Bettiah	(a) Judicial Magistrate (b) Madhepura (c) Madhepura	Madhepura
23.	Sri Arvind Mishra J.M. 1 st Class, Madhubani	(a) Judicial Magistrate (b) Supaul (c) Supaul	Supaul
24.	Sri Manoj Kumar J.M. 1 st Class, Bhagalpur	(a) Judicial Magistrate (b) Saharsa (c) Saharsa	Saharsa
25.	Ms. Kiran Ojha Assistant Registrar, Bihar State Legal Services Authority, Patna	(a) Judicial Magistrate (b) Sheikhpura (c) Sheikhpura	Sheikhpura
26.	Sri Sanjay Kumar Saroj J.M. 1 st Class, Buxar	(a) Judicial Magistrate (b) Purnea (c) Purnea	Purnea
27.	Sri Mahendra Mishra J.M. 1 st Class, Gopalganj	(a) Judicial Magistrate (b) Siwan (c) Siwan	Siwan
28.	Sri Sandeep Chaitanya Munsif, Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Gaya (c) Gaya	Gaya
29.	Sri Ashwini Kumar Munsif, Banka	(a) Judicial Magistrate (b) Banka (c) Banka	Banka
30.	Sri Anish Kumar J.M. 1 st Class-cum-A.M., Gaya	(a) Judicial Magistrate (b) Jehanabad (c) Jehanabad	Jehanabad
31.	Sri Abhishek Kumar J.M. 1 st Class-cum-Addl. Munsif, Sherghati	(a) Judicial Magistrate (b) Patna (c) Patna	Patna

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

19 जुलाई 2023

सं० 303 नि० :—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित पदाधिकारियों को, तालिका के स्तम्भ-3 में निर्देशित स्थान एवं स्तम्भ-4 में दी गयी स्थानान्तरण शृंखला के अन्तर्गत जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्य हेतु स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान।	स्थान का नाम जहाँ पदाधिकारी स्थानान्तरित किए गए।	स्थानान्तरण शृंखला
1.	2.	3.	4.
1.	श्री निखलेश कुमार त्रिपाठी, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, मधुबनी	बांका	रिक्त
2.	श्री प्रजेश कुमार प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, सिवान	मुंगेर	रिक्त
3.	श्री त्रिलोकी दुबे प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी	पश्चिमी चम्पारण स्थित बेतिया	रिक्त
4.	श्री आनन्द नन्दन सिंह प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, अररिया	बक्सर	रिक्त

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 19th July 2023

No. 303 A :--The following Officers named in column no. 2 of the table given below are hereby transferred and posted as District and Sessions Judges at the stations mentioned in column no. 3 of the table against their respective names and in chain as indicated in column no. 4 of the table given below:

Sl. No.	Name of the Officers with designation and present place of posting.	Name of the station where the officer has been transferred.	Chain of Transfer
1.	2.	3.	4.
1.	Sri Nikhilesh Kumar Tripathi, Principal Judge, Family Court, Madhubani.	Banka	Since Vacant
2.	Sri Prajesh Kumar, Principal Judge, Family Court, Siwan.	Munger	Since Vacant
3.	Sri Triloki Dubey, Principal Judge, Family Court, East Champaran at Motihari.	West Champaran at Bettiah	Since Vacant
4.	Sri Anand Nandan Singh, Principal Judge, Family Court, Araria	Buxar	Since Vacant

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

19 जुलाई 2023

सं० 304नि. :--निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित अवर न्यायाधीश श्रेणी के वरीय कोटि के असैनिक न्यायाधीशों को न्यायिक पदाधिकारियों (असैनिक न्यायाधीश, वरीय कोटि) को उसी तालिका के स्तम्भ-3 में क्रमशः उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान जहाँ पर वे साधारणतः अधिष्ठित रहेंगे अवर न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है।

तदोपरान्त, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 11 की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित वरीय कोटि के अवर न्यायाधीशों को स्तम्भ-4 में उनके नाम के सामने निर्देशित जिला के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी की शक्तियाँ प्रदान की जाती है।

साथ ही उपर्युक्त संहिता की धारा 12 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त पदाधिकारियों को तालिका के स्तम्भ-3 में उनके नाम के सामने निर्देशित जिला के लिए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी भी नियुक्त किया जाता है और दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (अधिनियम 2, 1974) की धारा 9 की उपधारा (3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में उल्लिखित न्यायिक पदाधिकारियों को उनके नाम के सामने स्तम्भ-4 में अंकित सत्र प्रमण्डल के लिए सहायक सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानांतरण के उपरांत नियुक्त किये जाते हैं	जिला एवं सत्र प्रमण्डल का नाम
1	2	3	4
1.	श्री श्यामल कुमार अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, धमदाहा (पूर्णियाँ)	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) पूर्णियाँ स) पूर्णियाँ	पूर्णियाँ
2.	श्री आदित्य पाण्डेय प्रशासी अधिकारी, बिहार न्यायिक अकादमी, पटना	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) हाजीपुर स) वैशाली	वैशाली (हाजीपुर)
3.	श्री विशाल कुमार निबंधक, भू-सम्पदा अपीलीय प्राधिकरण, पटना	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) अरवल स) जहानाबाद	जहानाबाद
4.	श्री अखिलेश कुमार पाण्डेय अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, डुमराँव (बक्सर)	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) पटना स) पटना	पटना
5.	श्रीमति खुशबू श्रीवास्तव अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, मुंगेर	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) मुंगेर स) मुंगेर	मुंगेर
6.	श्री विकाश मिश्रा अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सीवान	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) मधेपुरा स) मधेपुरा	मधेपुरा
7.	श्री संतोष कुमार I अवर न्यायाधीश I-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बक्सर	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) सासाराम स) रोहतास	रोहतास (सासाराम)
8.	श्री अनंत कुमार अवर न्यायाधीश I-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, गया	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) कटिहार स) कटिहार	कटिहार
9.	श्री मनोज कुमार IV अवर न्यायाधीश I-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, झंझारपुर (मधुबनी)	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) मधुबनी स) मधुबनी	मधुबनी
10	श्रीमति क्षिप्रचला अंजली अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बक्सर	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) भभुआ स) कैमूर	कैमूर (भभुआ)

11	श्री मो0 इनाम खान अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, गया	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) गया स) गया	गया
12	श्रीमति सीमा कुमारी अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बक्सर।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) मोतिहारी स) पूर्वी चम्पारण	पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी)
13	श्री सुनील कुमार त्रिपाठी अवर न्यायाधीश, महनार (वैशाली)।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) छपरा स) सारण	सारण (छपरा)
14	श्री आदि देव अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, दरभंगा।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) दरभंगा स) दरभंगा	दरभंगा
15	श्री विकाश झा अवर सचिव-सह-उप विधि परामर्शी, विधि विभाग, बिहार सरकार, पटना।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) जहानाबाद स) जहानाबाद	जहानाबाद
16	श्री गौतम कुमार यादव अवर सचिव-सह-उप विधि परामर्शी, विधि विभाग, बिहार सरकार, पटना।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) सुपौल स) सुपौल	सुपौल
17	श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, अररिया।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) अररिया स) अररिया	अररिया
18	श्री राकेश कुमार पाण्डेय अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सीवान।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) सीवान स) सीवान	सीवान
19	श्री संतोष कुमार- अवर न्यायाधीश, सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा)।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) सहरसा स) सहरसा	सहरसा
20	श्री सिद्धार्थ पाण्डेय अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, शिवहर।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) सीतामढ़ी स) सीतामढ़ी	सीतामढ़ी
21	श्री कन्हैया लाल यादव अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बिहारशरीफ (नालन्दा)।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) बिहारशरीफ स) नालन्दा	नालन्दा (बिहारशरीफ)
22	श्री देव राज अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बलिया (बेगूसराय)।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) बक्सर स) बक्सर	बक्सर

23	श्री सौरभ कुमार वर्मा निबंधक, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्राधिकरण, मुंगेर।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) खगड़िया स) खगड़िया	खगड़िया
24	श्री पंकज कुमार लाल अनुसंधान अधिकारी, किशोर न्याय सचिवालय, पटना उच्च न्यायालय, पटना।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) मुजफ्फरपुर स) मुजफ्फरपुर	मुजफ्फरपुर
25	श्री नरेन्द्र कुमार यादव अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, वयसी (पूर्णिया)।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) लखीसराय स) लखीसराय	लखीसराय
26	श्री मो0 फिरोज अकरम अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, नौगछिया (भागलपुर)।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) भागलपुर स) भागलपुर	भागलपुर
27	श्री कुमार अविनाश अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सहरसा।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) शेखपुरा स) शेखपुरा	शेखपुरा
28	श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, मुंगेर।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) किशनगंज स) किशनगंज	किशनगंज
29	श्री कुमार सुधांशु अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, अरेराज (पूर्वी चम्पारण)	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) शिवहर स) शिवहर	शिवहर
30	श्री मनोरंजन कुमार झा अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पटना।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) आरा स) भोजपुर	भोजपुर (आरा)
31	श्री विमलेंदु कुमार अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, शेरघाटी (गया)	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) बेतिया स) पश्चिमी चम्पारण	पश्चिमी चम्पारण (बेतिया)
32	श्री मानवेन्द्र मिश्रा अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, गोपालगंज।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) गोपालगंज स) गोपालगंज	गोपालगंज
33	श्री आनंद भूषण अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, औरंगाबाद।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) औरंगाबाद स) औरंगाबाद	औरंगाबाद
34	डॉ0 किशोर कुणाल सहायक निदेशक, (शोध और प्रशिक्षण), बिहार न्यायिक अकादमी, पटना।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) समस्तीपुर स) समस्तीपुर	समस्तीपुर

35	श्री विनीत कुमार सिंह अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, गोपालगंज।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) बांका स) बांका	बांका
36	श्री अतुल सिन्हा अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, जमुई।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) जमुई स) जमुई	जमुई
37	श्री चंदन कुमार अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, नवादा।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) नवादा स) नवादा	नवादा
38	श्रीमति सबा आलम विशेष कार्य पदाधिकारी (कम्प्यूटराईजेशन), पटना उच्च न्यायालय, पटना।	अ) अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, ब) बेगूसराय स) बेगूसराय	बेगूसराय

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 19th July 2023

No. 304 A:--The Judicial officers of the rank of Sub Judge (Civil Judge, Senior Division), named in column no. 2 of the table given below are transferred as Subordinate Judge in the Judgeships to be stationed ordinarily at the places mentioned against their respective name in Column No. 3 of the table.

Further, in exercise of the powers conferred under Sub-Section (3) of Section 11 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act-2 of 1974), the High Court is pleased to confer upon the Civil Judges (Senior Division) named in column no. 2 of the table, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the District noted against their respective names in column no. 4 of the table.

Furthermore, in exercise of the powers conferred under Sub Section (1) of Section 12 of the said Criminal Procedure Code the officers are also appointed as Chief Judicial Magistrate for the District noted against their respective names in column no. 4 of the table and in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section 9 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is also pleased to appoint the Judicial Officers named in column-2 of the table as Assistant Sessions Judge for the Sessions Division noted against their respective names in column-4 of the table.

Sl. No.	Name of the officer with designation and present place of posting (with Judgeship)	(a) Designation at the new station/place (b) Place where the officer is to be ordinarily stationed at (c) Name of the Judgeship in which appointed on transfer	Name of the District and Sessions Division
1	2	3	4
1.	Sri Shyamal Kumar Sub Judge-cum-A.C.J.M., Dhamdaha (Purnea)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Purnea c) Purnea	Purnea

2.	Sri Aditya Pandey, Administrative Officer, Bihar Judicial Academy, Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali	Vaishali at Hajipur
3.	Sri Vishal Kumar Registrar, Real Estate Appellate Tribunal, Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Arwal c) Jehanabad	Jehanabad
4.	Sri Akhilesh Kumar Pandey Sub Judge-cum-A.C.J.M., Dumraon (Buxar)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Patna c) Patna	Patna
5.	Ms. Khushboo Srivastava Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Munger	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Munger c) Munger	Munger
6.	Sri Vikash Mishra Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Siwan	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Madhepura c) Madhepura	Madhepura
7.	Sri Santosh Kumar I Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Buxar	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Sasaram c) Rohtas	Rohtas at Sasaram
8.	Sri Anant Kumar Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Gaya	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Katihar c) Katihar	Katihar
9.	Sri Manoj Kumar VI Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Jhanjharpur (Madhubani)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Madhubani c) Madhubani	Madhubani
10	Ms. Kshiprachala Anjalee Sub Judge-cum-A.C.J.M., Buxar	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Bhabhua c) Kaimur	Kaimur at Bhabhua
11	Sri Md. Inam Khan Sub Judge-cum-A.C.J.M., Gaya	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Gaya c) Gaya	Gaya
12	Ms. Seema Kumari Sub Judge-cum-A.C.J.M., Buxar	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Motihari c) East Champaran	East Champaran at Motihari
13	Sri Sunil Kumar Tripathi Sub Judge, Mahnar (Vaishali)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Chapra c) Saran	Saran at Chapra
14	Sri Aadi Dev Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Darbhanga	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Darbhanga c) Darbhanga	Darbhanga
15	Sri Vikash Jha Under Secretary-cum- Deputy Legal Remembrancer, Law Department, Govt. of Bihar, Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Jehanabad c) Jehanabad	Jehanabad

16	Sri Gautam Kumar Yadav Under Secretary-cum- Deputy Legal Remembrancer, Law Department, Govt. of Bihar, Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Supaul c) Supaul	Supaul
17	Sri Shailendra Kumar Singh Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Araria	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Araria c) Araria	Araria
18	Sri Rakesh Kumar Pandey, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Siwan	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Siwan c) Siwan	Siwan
19	Sri Santosh Kumar II Sub Judge, Simri Bakhtiyarpur (Saharsa)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Saharsa c) Saharsa	Saharsa
20	Sri Sidharth Pandey Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Sheohar	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Sitamarhi c) Sitamarhi	Sitamarhi
21	Sri Kanhaiya Lal Yadav Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Biharsharif (Nalanda)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Biharsharif c) Nalanda	Nalanda at Biharsharif
22	Sri Dev Raj Sub Judge-cum-A.C.J.M., Ballia (Beguarai)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Buxar c) Buxar	Buxar
23	Sri Saurav Kumar Verma Registrar , Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement Authority, Munger	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Khagaria c) Khagaria	Khagaria
24	Sri Pankaj Kumar Lal Research Officer, Juvenile Justice Secretariat, Patna High Court, Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Muzaffarpur c) Muzaffarpur	Muzaffarpur
25	Sri Narendra Kumar Yadav Sub Judge-cum-A.C.J.M., Vaisi (Purnea)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Lakhisarai c) Lakhisarai	Lakhisarai
26	Sri Md. Firoz Akram Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Naugachia (Bhagalpur)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Bhagalpur c) Bhagalpur	Bhagalpur
27	Sri Kumar Avinash Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Saharsa	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Sheikhpura c) Sheikhpura	Sheikhpura
28	Sri Raghwendra Narayan Singh, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Munger	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Kishanganj c) Kishanganj	Kishanganj

29	Sri Kumar Sudhansu Sub Judge-cum-A.C.J.M., Areraj (East Champaran)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Sheohar c) Sheohar	Sheohar
30	Sri Manoranjan Kumar Jha Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Ara c) Bhojpur	Bhojpur at Ara
31.	Sri Vimlendu Kumar Sub Judge-cum-A.C.J.M., Sherghati (Gaya)	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Bettiah c) West Champaran	West Champaran at Bettiah
32.	Sri Manvendra Mishra Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Gopalganj	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Gopalganj c) Gopalganj	Gopalganj
33.	Sri Anand Bhushan Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Aurangabad	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Aurangabad c) Aurangabad	Aurangabad
34.	Dr. Kishor Kunal Assistant Director (Research & Training), Bihar Judicial Academy, Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Samastipur c) Samastipur	Samastipur
35.	Sri Vineet Kumar Singh Sub Judge-cum-A.C.J.M., Gopalganj	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Banka c) Banka	Banka
36.	Sri Atul Sinha Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Jamui	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Jamui c) Jamui	Jamui
37.	Sri Chandan Kumar Sub Judge-I-cum-A.C.J.M., Nawadah	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Nawada c) Nawada	Nawada
38.	Ms. Saba Alam O.S.D. (Computerization) Patna High Court, Patna	a) Sub Judge-cum-C.J.M. b) Begusarai c) Begusarai	Begusarai

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

20 जुलाई 2023

सं० 306 नि० :—दिनांक 30.07.2023 को मंजूर होने वाले अपन जिला एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय के लिए श्री शिवा चन्द, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बेगुसराय को दिनांक 30.07.2023 के प्रभाव से मंजूर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित एवं पदस्थापित किया जाता है।

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 20th July 2023

No. 306 A:—Sri Shiva Chand, Additional District and Sessions Judge. Begusarai is transferred and posted as Additional District and Sessions Judge, Manjhaul (Begusarai), on, establishment of the Court of Additional District and Sessions Judge at Manjhaul on 30.07.2023.

By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.

20 जुलाई 2023

सं० 307 नि०:—निम्न तालिका के स्तम्भ-2 में नामित असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को स्थानांतरित करते हुए, उसी तालिका के स्तम्भ-3 में उनके नाम के सामने निर्देशित जजी एवं स्थान जहाँ पर वे साधारणतः अधिष्ठित रहेंगे, अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी के रूप में पदस्थापित किया जाता है।

पुनः, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 11 की उपधारा (3) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उच्च न्यायालय द्वारा स्तम्भ-3 में नामित असैनिक न्यायाधीश (वरीय कोटि) के न्यायिक पदाधिकारियों को उनके पदस्थापन के जिला के क्षेत्राधिकारों के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दण्डाधिकारी की शक्तियां प्रदान किया जाता है, बशर्तें उनके द्वारा निष्पादित दिवानी तथा आपराधिक वादों की संख्या 30:70 के अनुपात में हो।

क्रम संख्या	पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं वर्तमान पदस्थापन का स्थान (जजी सहित)	अ) नये स्थान पर पदनाम ब) पदाधिकारी का साधारणतः अधिष्ठित रहने का स्थान स) जजी का नाम जहाँ स्थानांतरण के उपरांत पदस्थापित किये जाते हैं।
1.	श्री राकेश कुमार-II अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, छपरा (सारण)।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) छपरा (स) सारण
2.	श्री चन्द्र मणि कुमार अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, हाजीपुर (वैशाली)।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) हाजीपुर (स) वैशाली
3.	श्री जितेन्द्र कुमार-I अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, आरा (भोजपुर)।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) आरा (स) भोजपुर
4.	श्री रंजीत कुमार अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, जहानाबाद।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) जहानाबाद (स) जहानाबाद
5.	श्री निशांत कुमार प्रियदर्शी अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, पूर्णियाँ।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) पूर्णियाँ (स) पूर्णियाँ
6.	श्रीमति सरोज कृति अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, नवादा।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) नवादा (स) नवादा
7.	श्री रंधीर कुमार अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, अरवल (जहानाबाद)।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) अरवल (स) जहानाबाद
8.	श्री शक्तिधर भारती अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सासाराम (रोहतास)।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) सासाराम (स) रोहतास
9.	श्री सुकुल राम अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, औरंगाबाद।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) औरंगाबाद (स) औरंगाबाद
10.	श्री दीपक कुमार-III अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, बांका।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) बांका (स) बांका

11.	श्री मनोज कुमार-V अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, दरभंगा।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) दरभंगा (स) दरभंगा
12.	श्री ओम शंकर अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, किशनगंज।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) किशनगंज (स) किशनगंज
13.	श्री अजय कुमार-II अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, गोपालगंज।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) गोपालगंज (स) गोपालगंज
14.	श्री अंजनी कुमार गौड़ अवर न्यायाधीश-सह-मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, मधुबनी।	(अ) अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (ब) मधुबनी (स) मधुबनी

उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।

The 20th July 2023

No. 307 A :--The Judicial officers of the rank of Civil Judge (Senior Division), named in column no. 2 of the table given below are transferred and posted as Sub Judge-cum-A.C.J.M. in the Judgeship to be stationed ordinarily at the station mentioned in column no. 3 of the table.

Further in exercise of the powers conferred under Sub Section (3) of Section (11) of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act 2 of 1974) the High Court is pleased to confer upon the Officers named below, the powers of a Judicial Magistrate of the 1st Class for the concerned Districts, provided that they shall work in such a way that their disposal of Civil and Criminal matter must be in the ratio of 30:70.

Sl. No.	Name of the officer, designation and present place of posting (with Judgeship)	a) Designation at the new station b) Place where the officer is to be stationed at ordinarily c) Name of the Judgeship in which transferred
1	2	3
1.	Sri Rakesh Kumar-II Sub Judge-cum-C.J.M., Chapra (Saran)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Chapra c) Saran
2.	Sri Chandra Mani Kumar Sub Judge-cum-C.J.M., Hajipur (Vaishali)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Hajipur c) Vaishali
3.	Sri Jitendra Kumar-I Sub Judge-cum-C.J.M., Ara (Bhojpur)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Ara c) Bhojpur
4.	Sri Ranjeet Kumar Sub Judge-cum-C.J.M., Jehanabad	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Jehanabad c) Jehanabad
5.	Sri Nishant Kumar Priyadarshi Sub Judge-cum-C.J.M., Purnea	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Purnea c) Purnea

6.	Ms. Saroj Kirti Sub Judge-cum-C.J.M., Nawada	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Nawada c) Nawada
7.	Sri Randhir Kumar Sub Judge-cum-C.J.M., Arwal (Jehanabad)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Arwal c) Jehanabad
8.	Sri Shaktidhar Bharti Sub Judge-cum-C.J.M., Sasaram (Rohtas)	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Sasaram c) Rohtas
9.	Sri Sukul Ram Sub Judge-cum-C.J.M., Aurangabad	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Aurangabad c) Aurangabad
10.	Sri Deepak Kumar-III Sub Judge-cum-C.J.M., Banka	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Banka c) Banka
11.	Sri Manoj Kumar-V Sub Judge-cum-C.J.M., Darbhanga	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Darbhanga c) Darbhanga
12.	Sri Om Shankar Sub Judge-cum-C.J.M., Kishanganj	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Kishanganj c) Kishanganj
13.	Sri Ajay Kumar-II Sub Judge-cum-C.J.M., Gopalganj	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Gopalganj c) Gopalganj
14.	Sri Anjani Kumar Gond Sub Judge-cum-C.J.M., Madhubani	a) Sub Judge-cum-A.C.J.M. b) Madhubani c) Madhubani

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

26 जुलाई 2023

सं० 345 नि०:—माननीय मुख्य न्यायाधीश के आदेशानुसार, श्रीमति दिव्या मिता, अवर न्यायाधीश-सह-अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, गोपालगंज को उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से, श्री पंकज कुमार लाल के स्थान पर, अनुसंधान पदाधिकारी, किशोर न्याय सचिवालय, पटना उच्च न्यायालय, पटना नियुक्त किया जाता है।

**माननीय मुख्य न्यायाधीश आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।**

The 26th July 2023

No. 345 A:—Hon'ble the Chief Justice has been pleased to appoint Ms. Divya Mita, Sub Judge-cum-A.C.J.M., Gopalganj as Research Officer, Juvenile Justice Secretariat, Patna High Court, Patna with effect from the date she assumes charge of her office vice Sri Pankaj Kumar Lal.

**By order of Hon'ble the Chief Justice,
R.P. Mishra, Registrar General.**

27 जुलाई 2023

सं० 351 नि०:—उच्च न्यायालय के अधिसूचना सं० 292 नि० दिनांक 15.07.2023 जो ज्ञाप सं०— 44781-44840 दिनांक 15.07.2023 के तहत निर्गत है जिसका संबंध श्री संगम कुमार, अनुमंडल न्यायिक पदाधिकारी, पटना को न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, औरंगाबाद एवं श्री मोहम्मद जीशान चांद, रेलवे दंडाधिकारी, सोनपुर को न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, बिहारशरीफ के रूप में स्थानान्तरित एवं पदस्थापित से है को एतद् द्वारा वापस लिया जाता है।

**उच्च न्यायालय के आदेश से,
रुद्र प्रकाश मिश्र, महानिबंधक।**

The 27th July 2023

No. 351 A:—The transfer and posting of Sri Sangam Kumar, S.D.J.M., Patna as Judicial Magistrate 1st Class, Aurangabad and Sri Mohammed Zeeshan Chand, Railway Magistrate, Sonapur as Judicial Magistrate 1st Class, Biharsharif notified vide Court's notification no. 292A dated 15.07.2023 issued vide Memo. No. 44781-44840 dated 15.07.2023 is hereby recalled.

**By order of the High Court,
R.P. Mishra, Registrar General.**

बिहार विधान सभा सचिवालय

अधिसूचनाएं

10 अगस्त 2023

सं० 2स्था०-32/2022-2053/वि०स०।--श्री हर्ष प्रताप सिंह, प्रशाखा पदाधिकारी, बिहार विधान सभा सचिवालय, पटना जो वेतन स्तर-09 में प्रतिमाह अंके-53,100/-रूपये वेतन पाते हैं, को वित्त (वै०दा०नि०को०) विभाग, बिहार सरकार, पटना के पत्रांक-1739 (22), दिनांक-19.06.2023 तथा बिहार सेवा संहिता के नियम-230, 240(क) एवं 248(क) के अनुसरण में दिनांक-18.07.2023 से दिनांक-28.07.2023 तक उपार्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है। साथ ही उक्त संहिता के नियम-159 के तहत दिनांक-29.07.2023 एवं 30.07.2023 को सार्वजनिक अवकाश उपभोग करने की अनुमति प्रदान की जाती है। इसके पश्चात् इनके उपार्जित अवकाश कोष में कुल-42 दिनों का अवकाश शेष है।

आदेश से,

उमा शंकर यादव, अवर सचिव।

11 अगस्त 2023

सं० 2स्था०-214/2021-2065/ वि०स०।--श्रीमती महिमा प्रभाकर, प्रशाखा पदाधिकारी, बिहार विधान सभा सचिवालय, पटना जो वेतन स्तर-09 में प्रतिमाह अंके-54,700/- रूपये वेतन पाती हैं को बिहार सेवा संहिता के नियम-220 के उपनियम (ख) के तहत दिनांक-07.08.2023 से 02.02.2024 तक (कुल-180 दिन) मातृत्व अवकाश स्वीकृत किया जाता है। साथ ही उक्त संहिता के नियम-159 के तहत दिनांक-03.02.2024 एवं 04.02.2024 को सार्वजनिक अवकाश उपभोग की अनुमति दी जाती है।

आदेश से,

उमा शंकर यादव, अवर सचिव।

25 अगस्त 2023

सं० 2स्था०-440/2020-2236/वि०स०।--श्री पवन कुमार सिन्हा, निदेशक, बिहार विधान सभा, जो वेतन स्तर-12 में प्रति माह अंके-1,12,400/- रूपये वेतन पाते हैं, को बिहार राज्य सरकारी सेवक एल०टी०सी० नियमावली, 1986 तथा इस संबंध में वित्त विभाग, बिहार सरकार के संकल्प संख्या-8043, दिनांक-11.10.2017 की कंडिका-G के अंतर्गत ब्लॉक वर्ष 2022-25 में एल०टी०सी० सुविधा के तहत दिनांक-30.09.2023 से 07.10.2023 तक देश के अन्दर पटना से अहमदाबाद (गुजरात) एवं अहमदाबाद (गुजरात) से पटना वापसी की यात्रा के निमित्त दिनांक-03.10.2023 से 06.10.2023 तक आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा दिनांक-30.09.2023, 01.10.2023, 02.10.2023 एवं 07.10.2023 को सार्वजनिक अवकाश उपभोग करने की अनुमति प्रदान की जाती है। साथ ही दिनांक-30.09.2023 से 07.10.2023 तक मुख्यालय से बाहर रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा के आदेश से,

उमा शंकर यादव, अवर सचिव।

25 अगस्त 2023

सं० 2स्था०-84/2023-2238/वि०स०।-श्री श्रीरमण सिंह, मुख्य प्रतिवेदक, बिहार विधान सभा, जो वेतन स्तर-13 में प्रतिमाह अंके-1,47,000/- रुपये वेतन पाते हैं, को बिहार राज्य सरकारी सेवक एल०टी०सी० नियमावली, 1986 तथा इस संबंध में वित्त विभाग, बिहार सरकार के संकल्प संख्या-8043, दिनांक-11.10.2017 की कंडिका-G के अंतर्गत ब्लॉक वर्ष 2022-25 में एल०टी०सी० सुविधा के तहत दिनांक-30.09.2023 से 07.10.2023 तक पटना से भेंट द्वारिका (गुजरात) एवं भेंट द्वारिका (गुजरात) से पटना तक की यात्रा के निमित्त दिनांक-03.10.2023 से 06.10.2023 तक आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किया जाता है तथा दिनांक-30.09.2023, 01.10.2023, 02.10.2023 एवं 07.10.2023 को सार्वजनिक अवकाश उपभोग करने की अनुमति प्रदान की जाती है। साथ ही दिनांक-30.09.2023 से 07.10.2023 तक मुख्यालय से बाहर रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा के आदेश से,

उमा शंकर यादव, अवर सचिव।

ग्रामीण विकास विभाग

अधिसूचनाएं

29 अगस्त 2023

सं० ग्रा०वि०-R-503/85/2022-Section-RDD-RDD (COM No-180990)-2035085—श्री मनोज कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, मोहनिया (कैमूर) सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, नावानगर (बक्सर) के विरुद्ध पंचायत समिति के स्तर के 15वें वित्त आयोग मद से क्रियान्वित योजनाओं में एक ही अभिकर्ता को 17 योजनाओं हेतु चयन किया जाना/सभी सामग्री की आपूर्ति हेतु एक भंडर का चयन किया जाना तथा योजनाओं का अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण नहीं किये जाने के आरोप पर जिला पदाधिकारी, कैमूर के पत्रांक-441 दिनांक 20.05.2022 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्री कुमार से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया। जिला पदाधिकारी से प्रतिवेदित आरोप एवं श्री कुमार से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षापरांत आरोप की गंहन एवं विस्तृत जांच हेतु विभागीय कार्यालय आदेश संख्या- 1424319 दिनांक- 03.12.2022 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। उक्त पर संचालन पदाधिकारी का जांच प्रतिवेदन प्राप्त है। प्राप्त जांच प्रतिवेदन पर श्री कुमार का लिखित अभ्यावेदन प्राप्त है।

श्री कुमार के विरुद्ध संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जांच प्रतिवेदन एवं लिखित अभ्यावेदन की समीक्षा विभाग द्वारा की गयी। समीक्षापरांत पाया गया कि श्री कुमार द्वारा सभी 17 योजनाओं का अभिकर्ता के रूप में एक ही व्यक्ति को नियुक्त किया गया। सभी योजनाओं में सामग्री आपूर्ति हेतु अग्रिम राशि का स्थानांतरण "माँ अंजनी इन्टरप्राइजेज, कुल्हरिया, रामगढ़" नामक एजेंसी से किया गया है। श्री कुमार का स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं है।

अतः सम्यक विचारोपरांत श्री मनोज कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, मोहनिया (कैमूर) सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, नावानगर (बक्सर) के विरुद्ध संचयात्मक प्रभाव से "एक वेतन वृद्धि अवरुद्ध करने का दंड (पत्र निर्गत की तिथि से)" अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री मनोज कुमार की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
नन्द किशोर साह, संयुक्त सचिव।

29 अगस्त 2023

सं0 ग्रा0वि0-M-362/20/2022-SECTION 14-RDD-RDD(COM-219986)-2036815—श्रीमती वीणा पाणि, प्रखंड विकास पदाधिकारी, सूर्यपूरा, रोहतास के विरुद्ध वाद संख्या-A 6349/2022 श्री पवन कुमार दूबे एवं श्री सिद्धनाथ चौरसिया बनाम प्रथम अपीलीय प्राधिकार, पंचायती राज विभाग, बिहार, पटना/लोक सूचना पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम- 821115 में दिनांक- 04.08.2022 का पारित आदेश जिसमें अपीलार्थी को सूचनाओं को प्रदान करने में लगभग दो माह का विलंब के आरोप पर राज्य सूचना आयोग के जापांक-5382 दिनांक- 08.09.2020 द्वारा आरोप प्राप्त हुआ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्रीमती वीणा पाणि से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया। राज्य सूचना आयोग से प्राप्त आरोप एवं स्पष्टीकरण की समीक्षा विभाग द्वारा की गयी। समीक्षोपरांत पाया गया कि अपीलार्थी को सूचनाओं को प्रदान करने में लगभग दो माह का विलंब हुआ है जिसके लिए श्रीमती वीणा पाणि दोषी है।

अतः श्रीमती वीणा पाणि, प्रखंड विकास पदाधिकारी, सूर्यपूरा, रोहतास को भविष्य में सचेत रहकर कार्य करने का निदेश दिया जाता है

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
नन्द किशोर साह, संयुक्त सचिव।

समाहरणालय, रोहतास (सासाराम)
(स्थापना शाखा)

आदेश

10 अप्रैल 2023

सं0 05/22-23—प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ी गोला के पत्रांक 1050, दिनांक 31.07.2018 द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि दिनांक 30.07.2018 को अकोढ़ी गोला थाना द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर प्रखंड नाजीर श्री संतोष कुमार सिंह को लगभग 01:00 बजे के आसपास शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया। शाम 07:38 PM बजे थानाध्यक्ष, अकोढ़ी गोला द्वारा दूरभाष पर अल्कोहल जॉच पॉजीटीव की सूचना दी गयी। इस कार्यालय के पत्रांक 689/स्था0, दिनांक 07.08.2018 द्वारा श्री संतोष कुमार सिंह, प्रखंड नाजीर अकोढ़ी गोला द्वारा मद्यपान (शराब) के सेवन में गिरफ्तारी के संबंध में गिरफ्तारी के पश्चात दर्ज हुयी प्राथमिकी की प्रति एवं चिकित्सीय जॉच की प्रति की मांग की गयी। प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ी गोला के पत्रांक 1113, दिनांक 11.08.2018 द्वारा सूचित किया कि श्री संतोष कुमार सिंह (नाजीर) दिनांक 30.07.2018 को शराब पी कर काम करने के आरोप में गिरफ्तार हुए जिन्होंने बेल पर रिहा होने के पश्चात दिनांक 11.08.2018 को योगदान प्रखंड कार्यालय, अकोढ़ी गोला में दिया है। इस संदर्भ में श्री सिंह के योगदान स्वीकार अथवा अस्वीकार करते हुए क्या कार्रवाई की जाए पर मार्गदर्शन की मांग की गयी। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ी गोला के पत्रांक 1138, दिनांक 20.08.2018 द्वारा श्री संतोष कुमार सिंह के गिरफ्तारी के पश्चात दर्ज हुयी प्राथमिकी की प्रति एवं चिकित्सीय जॉच की प्रति उपलब्ध कराया गया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ी गोला से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में इस कार्यालय के आदेश संख्या 52/18-19, संसूचित जापांक 805/स्था0, दिनांक 08.09.2018 से श्री सिंह, प्रखंड नाजीर अकोढ़ीगोला को बिहार सरकारी सेवक आचरण नियमावली 1976 के नियम 4 (i)(iii) एवं (iv) के उल्लंघन के आरोप में तत्कालिक प्रभाव से निलंबित किया गया तथा जिला राजस्व प्रशाखा, रोहतास, सासाराम में मुख्यालय बनाया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ी गोला को श्री सिंह के विरुद्ध आरोप पत्र प्रपत्र 'क' में गठित कर एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। पुनः इस कार्यालय के पत्रांक 832/स्था0, दिनांक 20.09.2018 द्वारा श्री सिंह के विरुद्ध आरोप पत्र प्रपत्र 'क' की मांग बिहार सरकारी सेवकों के विरुद्ध आरोप पत्र का गठन विनियमावली, 2017 के तहत विहित प्रपत्र में साक्ष्य सहित तीन प्रतियों में मांग हेतु स्मारित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ी गोला के पत्रांक 1245, दिनांक 12.09.2018 द्वारा श्री संतोष कुमार सिंह, प्रखंड नाजीर के विरुद्ध आरोप पत्र प्रपत्र 'क' में गठित कर प्राप्त हुआ, जिसे अनुमोदित करते हुए इस कार्यालय के आदेश संख्या- 60/18-19, संसूचित जापांक 914/स्था0, दिनांक 09.10.2018 के द्वारा अपर समाहर्ता, रोहतास, सासाराम को संचालन पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ीगोला को उपस्थापन पदाधिकारी नियुक्त कर विभागीय कार्यवाही संचालन करने हेतु भेजा गया।

अपर समाहर्ता (विभागीय जॉच) -सह- संचालन पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम के पत्रांक 08 (मु0)/वि0जॉच, दिनांक 14.02.2019 से विभागीय कार्यवाही के संचालन के पश्चात मंतव्य प्राप्त हुआ। श्री संतोष कुमार सिंह, तत्कालिन लिपिक -सह- नाजीर, प्रखंड कार्यालय, अकोढ़ी गोला सम्प्रति प्रखंड कार्यालय, कोचस के विरुद्ध गठित आरोप, आरोपी द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण, संचालन पदाधिकारी का मंतव्य का विवरण निम्नवत है:-

श्री संतोष कुमार सिंह, निलंबित लिपिक-सह- नाजीर, प्रखंड कार्यालय, अकोढ़ी गोला मुख्यालय जिला राजस्व प्रशाखा, रोहतास, सासाराम पर निम्न आरोप है :-

1. दिनांक 30.07.2018 को अकोढ़ी गोला प्रखंड कार्यालय में कार्य अवधि में गुप्त सूचना के आधार पर अकोढ़ीगोला थाना द्वारा 01:00 बजे के आसपास शराब के सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया गया एवं 07:38 बजे थानाध्यक्ष अकोढ़ी गोला द्वारा दूरभाष पर अल्कोहल जॉच पॉजीटिव की सूचना दी गयी जो अपने कार्य के प्रति लापरवाही का द्योतक है।
2. श्री संतोष कुमार सिंह, प्रखंड नाजीर द्वारा उपरोक्त कंडिका-1 में वर्णित अनियमितता के आरोप में गिरफ्तार हुए जिनपर अकोढ़ी गोला थाना काण्ड संख्या- 174/18, दिनांक 30.07.2018 उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम, 2016 के नियम 37 (6)(C) दर्ज कर न्यायिक हिरासत में लिये गये।
3. इस प्रकार स्पष्ट है कि श्री संतोष कुमार सिंह, प्रखंड नाजीर, अकोढ़ी गोला द्वारा उपरोक्त कंडिका- 1 में वर्णित अनियमितता एवं अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही का द्योतक है।

इस संदर्भ में आरोपित कर्मी द्वारा स्पष्टीकरण प्राप्त है, जो निम्नवत है :-

मुझसे आरोप प्रपत्र 'क' में निम्नांकित 03 (तीन) कंडिकाओं पर स्पष्टीकरण की मांग की गयी है, जिसमे निम्न बातें श्रीमान् के समक्ष सादर अनुरोध पूर्वक कहना है कि:-

1. दिनांक 30.07.2018 को अकोढ़ी गोला प्रखंड कार्यालय में कार्य अवधि के उपरान्त अल्कोहल नहीं लिया गया था। थानाध्यक्ष (प्रभारी) द्वारा मुझ पर झुठा मुकदमा दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।
2. जिला पदाधिकारी महोदय रोहतास (सासाराम) के संसूचित आदेश संख्या- 52/18-19, संसूचित ज्ञापांक 805/स्था0, दिनांक 08.09.2018 के द्वारा मुझे उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम, 2016 के नियम 36(6) (C) के आलोक में निलंबित किया गया है। उक्त दोनों पत्रों में विरोधाभास प्रतीत होता है। इससे स्पष्ट होता है कि मेरे उपर लगाये गये आरोप बेबुनियाद एवं झुठा है।

3. इस प्रकार मेरे द्वारा किसी प्रकार की अनियमितता एवं अपने कर्तव्य के प्रति कोई लापरवाही नहीं बरती गयी है और ना ही बिहार सरकारी सेवक आचरण नियमावली 1976 के नियम 4 (i) (iii) एवं (iv) का उल्लंघन ही किया गया है।

अतः श्रीमान् से अनुरोध है कि मुझे विभागीय कार्यवाही एवं निलंबन से मुक्त करने की कृपा की जाय।

इस संदर्भ में उपस्थापन पदाधिकारी -सह- प्रखंड विकास पदाधिकारी, अकोढ़ी गोला का मंतव्य प्राप्त है, जो निम्नवत है :-

संतोष कुमार सिंह, लिपिक जो अकोढ़ी गोला थाना काण्ड संख्या 174/18 में शराब पीकर कार्यालय में कार्य करने के आरोपी है तथा जिनपर विभागीय कार्यवाही भवदीय न्यायालय में 09/18 चल रही है पर पूर्व से किसी भी प्रकार के दोष, अनियमितता, भ्रष्टाचार आदि का आरोप नहीं है। श्री सिंह एक शांतचित्त, आज्ञाकारी एवं कर्तव्यनिष्ठ कर्मी है। इन्हें अपने उपर लगाये गये आरोपों के प्रति आत्मग्लानि है एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की शिकायत का मौका नहीं देने का सकारात्मक आश्वासन देते हैं।

संचालन पदाधिकारी का मंतव्य

आरोपी श्री संतोष कुमार सिंह, लिपिक, प्रखंड कार्यालय, अकोढ़ी गोला पर गठित प्रपत्र 'क' में उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम, 2016 के नियम 37 (6)(C) अंकित है, जबकि जिला पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम के आदेश संख्या 58/18-19 ज्ञापांक 805/स्था0, दिनांक 08.09.2018 में उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम 36 (6)(C) अंकित है, जिसमें भिन्नता है। यह एक लिपिकीय भूल है और इसी के आधार पर आरोपी ने उपर लगाये गए आरोप को बेबुनियाद एवं झुठा बताया है। अपने उपर लगाए गए आरोप के विरुद्ध अपने पक्ष में कोई ठोस साक्ष्य आरोपी ने प्रस्तुत नहीं किया है।

अभिलेख में संलग्न कागजात यथा एफ0आई0आर0 तथा पुलिस अवर निरीक्षक, अकोढ़ी गोला थाना के जॉच प्रतिवेदन दिनांक 30.07.2018 एवं उन्ही के द्वारा चिकित्सा पदाधिकारी, सदर अस्पताल, सासाराम को प्रेषित पत्र के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि आरोपी ने शराब का सेवन, कार्यालय अवधि में किया है, जो अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही का द्योतक है। आरोपी पर प्रपत्र 'क' में लगाया गया आरोप सत्य है।

लिपिकों की कमी और आगामी पंचायत निर्वाचन में कार्य की अधिकता को देखते हुए प्रशासनिक हित में अनुशासनात्मक कार्रवाई पर बिना कोई प्रभाव डाले आरोपी श्री संतोष कुमार सिंह, निलंबित लिपिक को इस कार्यालय के आदेश संख्या 41/21-22, संसूचित ज्ञापांक 883/स्था0, दिनांक 16.07.2021 से विभागीय कार्यवाही के अधीन रखते हुए निलंबन से मुक्त किया गया तथा प्रखंड कार्यालय, कोचस में पदस्थापन किया गया।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त मंतव्य के आलोक में आरोपी कर्मी से इस कार्यालय के ज्ञापांक 10/स्था0, दिनांक 04.01.2022 से द्वितीय कारण पृच्छा की मांग की गयी।

आरोपी कर्मी के विरुद्ध अपर समाहर्ता (विभागीय जॉच) -सह- संचालन पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम का अधिगम/अभिमत एवं आरोपी कर्मी द्वारा समर्पित द्वितीय कारण पृच्छा से स्पष्ट है कि इनका जबाब तर्क संगत प्रतीत नहीं होता है। श्री संतोष कुमार सिंह, लिपिक द्वारा अपने द्वितीय कारण-पृच्छा में कोई ऐसा तथ्य/साक्ष्य नहीं दिया गया है कि वे अपने आपको निर्दोष साबित कर सकें।

बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली 1976 के नियम 4 (i) (iii) एवं (iv) से स्पष्ट है कि (i) जिस समय कर्तव्य पर रहे, किसी मादक पेय या औषध के नशे से इस हद तक प्रभावित न रहेगा जिससे कि वह अपने कर्तव्यों को ठीक-ठीक और दक्षतापूर्वक निभाने में असमर्थ हो जाए। (iii) सार्वजनिक स्थान में नशे की अवस्था में उपस्थित न होगा, और (iv) सार्वजनिक स्थान में किसी मादक पेय या औषध का सेवन न करेगा।

बिहार सरकार द्वारा दिनांक 01.04.2016 से बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू किया गया है, परंतु आरोपी कर्मी द्वारा सरकार के आदेश का उल्लंघन किया गया है। अतः श्री संतोष कुमार सिंह, तत्कालीन लिपिक, प्रखंड कार्यालय अकोढ़ी गोला सम्प्रति प्रखंड कार्यालय, कोचस के विरुद्ध प्रमाणित आरोपों के समेकित विवेचना करने पर परिलक्षित होता है कि इनके विरुद्ध वृहद शास्त्रियाँ अधिरोपित की जाय।

अतः मैं धर्मेन्द्र कुमार, भा0प्र0से0, जिला पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 (समय-समय पर यथासंशोधित) के नियम 14 (ix) के तहत श्री संतोष कुमार सिंह, तत्कालीन लिपिक प्रखंड कार्यालय, अकोढ़ी गोला सम्प्रति प्रखंड कार्यालय, कोचस को आदेश निर्गत की तिथि से बृहतर दंड स्वरूप अनिवार्य सेवानिवृत्ति (Compulsory Retirement)

का दंड अधिरोपित करता हूँ। इस आशय की प्रविष्टि श्री संतोष कुमार सिंह के सेवा पुस्त में लाल सियाही से अंकित की जायेगी। साथ ही विभागीय कार्यवाही की प्रक्रिया समाप्त की जाती है।

श्री संतोष कुमार सिंह, तत्कालीन लिपिक प्रखंड कार्यालय, अकोढ़ी गोला सम्प्रति प्रखंड कार्यालय, कोचस से संबंधित पूर्ण विवरण निम्न प्रकार है :-

1. नाम :- श्री संतोष कुमार सिंह
2. पिता का नाम :- स्व० रामजी सिंह
3. पदनाम :- लिपिक
4. जन्म तिथि :- 01-01-1974
5. नियुक्ति की तिथि :- 28-10-1994
6. कार्यालय का नाम :- प्रखंड कार्यालय, कोचस
7. वेतनमान :- वेतन स्तर- 4 (पे मैट्रिक्स 25500-81100)
8. स्थायी पता :- ग्राम- पकड़िहार, पो०- मुठानी, थाना- मोहनिया, जिला- कैमूर (भभुआ)

आदेश,
(ह०) अस्पष्ट, जिला पदाधिकारी।

12 अगस्त 2023

सं० 70/2023-24—अंचल अधिकारी, नोखा के पत्रांक 585, दिनांक 12.09.2015 से श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक, अंचल कार्यालय, नोखा के अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण प्रपत्र 'क' गठित कर प्राप्त हुआ। आरोप पत्र को इस कार्यालय के आदेश संख्या- 79/15-16, संसूचित ज्ञापांक 1203/स्था०, दिनांक 30.12.2015 से अनुमोदित करते हुए भूमि सुधार उप समाहर्ता, सासाराम को संचालन पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी, नोखा को उपस्थापन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

भूमि सुधार उप समाहर्ता, सासाराम—सह— संचालन पदाधिकारी द्वारा विभागीय कार्यवाही के संचालन के पश्चात पत्रांक 710, दिनांक 13.08.2016 से मंतव्य प्राप्त हुआ। श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक, अंचल कार्यालय, नोखा के विरुद्ध गठित आरोप, आरोपी का जबाब/स्पष्टीकरण एवं संचालन पदाधिकारी के मंतव्य का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है :-

क्र०	आरोप	आरोप का विवरण	आरोपी का जबाब/स्पष्टीकरण	संचालन पदाधिकारी का मंतव्य
1	अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित	आप माह अगस्त 2014 से दिसम्बर 2014 एवं जनवरी 2015 से फरवरी 01. 01.2015 से 24.01.2015 तक मार्च 30. 03.2015 से अप्रैल 1, 4, 7, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 18, 19, 20, 21, 25, 28, 29, 30.04.2015 एवं मई 2015, जून 2015, जुलाई 2015, अगस्त 2015, सितम्बर 2015 एवं अक्टूबर 2015 तक अनाधिकृत रूप से कार्यालय से अनुपस्थित रहे। इस प्रकार स्पष्ट है कि आप कर्तव्य के प्रति लापरवाह एवं अनाधिकृत रूप से बिना किसी पूर्व सूचना के कार्यालय से अनुपस्थित रहने के आदि है।	आरोपी कर्मी विभागीय कार्यवाही के दौरान कई बार स्मारित करने के बावजूद भी उपस्थित नहीं हुए और न ही अपना कोई जबाब/स्पष्टीकरण दिया।	अधोहस्ताक्षरी ने बिहार सरकारी सेवक (नियंत्रण, वर्गीकरण एवं अपील) नियमावली, 2005 के सुसंगत नियमों के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित करते हुए आरोपी श्री अनिल कुमार गोंड को नोटिस निर्गत किया गया, जिसका पत्रांक 36, दिनांक 12.01.2016 है, जिसमें कार्यालय में पदस्थापित अनुसेवक मुन्ना कुमार के द्वारा लिखित दिया गया कि आरोपी से मुलाकात नहीं हुई, उनके पिता से मुलाकात हुई उन्होंने कहा कि आरोपी श्री अनिल कुमार गोंड कहा रहता है हमको मालूम नहीं है। आरोपी द्वारा न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर पुनः पत्रांक 109, दिनांक 25.01.2016 के द्वारा अंचलाधिकारी, नोखा को नोटिस तामिला अपने स्तर से कराने हेतु स्मारित किया

2	स्वेच्छाचारिता	अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण आपसे कार्यालय पत्रांक 680, दिनांक 28.11.2014 एवं पत्रांक 709, दिनांक 08.12.2014, पत्रांक 12, दिनांक 05.01.2015 एवं 72, दिनांक 02.02.2015 द्वारा स्पष्टीकरण की मांग की गयी, जिसका कोई जबाब आपके द्वारा अभी तक नहीं दिया गया। यह कृत्य आपके स्वेच्छाचारिता का द्योतक है		गया। इसी पत्र से अंचल अनुसेवक श्री द्वारिका प्रसाद ने नोटिस का तामिला वास्ते भोला प्रसाद को दिनांक 08.02.2016 को कराया। जिसका जबाब अंचलाधिकारी, नोखा अपने पत्रांक 189, दिनांक 14.02.2016 के द्वारा अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध कराया गया है। आरोपी श्री अनिल कुमार गोंड बार-बार नोटिस भेजने के पश्चात न्यायालय में अपने या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित नहीं हुए। अंत में दिनांक 01.03.2016 को पंजीकृत डाक से नोटिस पत्रांक 300, दिनांक 02.03.2016 के द्वारा आरोपी श्री अनिल कुमार गोंड के स्थायी पता— अनिल कुमार गोंड, पिता— स्व० सुर्यमल प्रसाद, मुहल्ला— प्रतपागंज (बौलिया रोड), पो०— सासाराम, थाना— सासाराम, जिला— रोहतास, पिन कोड— 821115 पर भेजा गया इसके बावजूद भी आरोपी उपस्थित नहीं हुए। लगातार अनुपस्थित रहने के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी श्री अनिल कुमार गोंड अपना पक्ष रखना नहीं चाहते हैं या उनके पास कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं जिससे वे अपने आप को निर्दोष साबित कर सकें। अतः श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक, अंचल कार्यालय, नोखा के विरुद्ध कार्यालय में अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने, स्वेच्छाचारिता एवं अपने नियंत्री पदाधिकारी के आदेश का अनुपालन करने में लापरवाही का आरोप स्वतः प्रमाणित होता है।
3	आदेश का अनुपालन में लापरवाही	आपको आदेश/संसूचित ज्ञापांक 191, दिनांक 01.03.2014 से निलाम वाद अभिलेख का निष्पदन हेतु प्रभार सौंपे गये थे। परंतु आपके सरकारी कार्य में उदासीनता एवं लापरवाही के कारण अभिलेख को दिमक चाट गये, जिससे कार्य बाधित रहा।		

संचालन पदाधिकारी के मंतव्य के आलोक में आरोपी कर्म से द्वितीय कारण पृच्छा इस कार्यालय के ज्ञापांक 876/स्था०, दिनांक 30.09.2016 से पूछा गया। आरोपी कर्म द्वारा द्वितीय कारण पृच्छा का कोई जबाब नहीं दिया गया। इस कार्यालय के पत्रांक 764/स्था०, दिनांक 19.06.2021 से अंचल अधिकारी, नोखा से श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक, अंचल कार्यालय, नोखा के उपस्थित/अनुपस्थित रहने के संदर्भ में विस्तृत प्रतिवेदन की मांग की गयी।

अंचल अधिकारी, नोखा के पत्रांक 586, दिनांक 04.07.2022 द्वारा विस्तृत प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया, जिसमें प्रतिवेदित किया गया कि पूर्व में संधारित उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया गया तो पाया कि नवम्बर— 15 से जुलाई 2016 तक उक्त लिपिक का नाम उपस्थिति पंजी में दर्ज है, जिसमें अनुपस्थित दर्शाया गया है। अगस्त— 2016 के बाद उक्त लिपिक का नाम उपस्थिति पंजी में दर्ज नहीं है।

श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक के लगातार अनुपस्थित रहने एवं विभागीय कार्यवाही के निष्पादन के क्रम में उपस्थित नहीं होने, द्वितीय कारण—पृच्छा का जबाब नहीं देने के कारण दैनिक सामाचार पत्र में विज्ञापन के माध्यम से सूचित किया गया कि “अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के आरोप में आपके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित अधिगम में आरोप को स्वतः प्रमाणित का मंतव्य दिया गया। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आपको अंतिम रूप से निदेशित किया गया कि आपके अनाधिकृत अनुपस्थिति के संबंध में कारण पृच्छा एक पक्ष के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निर्धारित अवधि तक स्पष्टीकरण/प्रतिक्रिया अप्राप्त रहने पर समझा जायेगा कि आपको कुछ नहीं कहना है तथा संचालित विभागीय कार्यवाही में प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में समुचित निर्णय लिया जायेगा।” यह विज्ञापन दिनांक 27.08.2022 के प्रभात खबर दैनिक सामाचार पत्र में छपा। विज्ञापन प्रकाशन के एक पक्ष के बाद भी श्री गोंड द्वारा कोई स्पष्टीकरण/प्रतिक्रिया नहीं दिया गया।

निष्कर्ष :-

श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक, अंचल कार्यालय, नोखा के विरुद्ध माह अगस्त— 2014 से अक्टूबर 2015 तक विभिन्न तिथियों एवं अवधि में कार्यालय में बिना पूर्वानुमति के अनुपस्थित रहने के कारण आरोप पत्र गठित किया गया था।

संचालन पदाधिकारी—सह— भूमि सुधार उप समाहर्ता, सासाराम द्वारा अपने मंतव्य में प्रतिवेदित किया गया है कि श्री गोंड द्वारा विभागीय कार्यवाही में कई बार स्मारित किए जाने के बावजूद भी अपने या अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित नहीं हुए। संचालन पदाधिकारी द्वारा

प्राप्त मंतव्य के आलोक में श्री गोंड से द्वितीय कारण-पृच्छा भी किया गया, जिसका जबाब सम्प्रति अप्राप्त है। अभिलेख से स्पष्ट है कि श्री गोंड लगभग विगत 08 (आठ) वर्षों से लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित है।

श्री गोंड के नवम्बर- 2015 से लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के संबंध में कारण-पृच्छा समर्पित करने हेतु दिनांक 27.08. 2022 को प्रेस विज्ञप्ति भी जारी किया गया। प्रेस विज्ञप्ति के पश्चात भी उनके द्वारा अपना पक्ष समर्पित नहीं किया गया।

बिहार सेवा संहिता के नियम- 76 में वर्णित है कि "जबतक कि किसी मामले की खास परिस्थितियों को देखते हुए, राज्य सरकार अन्यथा निर्धारित न करें, सरकारी सेवक, भारत में बाह्य-सेवा को छोड़कर अन्यत्र छुट्टी के साथ या बिना छुट्टी के, कर्तव्य से पाँच वर्ष तक लगातार अनुपस्थित के बाद, सरकारी-नियोजन में नहीं रह जाता है।"

अतः उपरोक्त तथ्यों एवं संचालन पदाधिकारी के जॉच प्रतिवेदन के आलोक में प्रमाणित आरोपों के लिए मैं धर्मेन्द्र कुमार, भा0प्र0से0, जिला दण्डाधिकारी एवं समाहर्ता, रोहतास, सासाराम बिहार सेवा संहिता के नियम- 76 के आलोक में श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक, अंचल कार्यालय, नोखा को आदेश निर्गत की तिथि से सरकारी सेवा से सेवामुक्त करने का दण्ड अधिरोपित करता हूँ। इस आशय की प्रविष्टि श्री अनिल कुमार गोंड के सेवा पुस्त में लाल सियाही से अंकित की जायेगी। साथ ही विभागीय कार्यवाही की प्रक्रिया समाप्त की जाती है।

भविष्य में यदि श्री गोंड कार्यालय में सशरीर उपस्थित होकर अपने सेवा अवधि में वेतन मद से कटौती की गयी राशि की पावती की मांग करते हैं तो इस पर नियमानुसार विचार किया जायेगा।

श्री अनिल कुमार गोंड, निम्न वर्गीय लिपिक, अंचल कार्यालय, नोखा से संबंधित विवरणी निम्न प्रकार है:-

1. नाम	:-	श्री अनिल कुमार गोंड
2. पिता का नाम	:-	स्व0 सुर्यमल प्रसाद
3. पदनाम	:-	निम्न वर्गीय लिपिक
4. जन्म तिथि	:-	25.11.1983
5. नियुक्ति की तिथि	:-	12.04.2013
6. कार्यालय का नाम	:-	अंचल कार्यालय, नोखा
7. वेतनमान	:-	वेतनमान 5200-20200 (ग्रेड पे- 1900/-)
8. स्थायी पता	:-	मुहल्ला- प्रतापगंज (बौलिया रोड), पो0- सासाराम, थाना- सासाराम, जिला- रोहतास, पिन- 821115

आदेश,
(ह0) अस्पष्ट, जिला पदाधिकारी।

ऊर्जा विभाग

पत्रांक प्र01/विविध (का0स्था0)-57/2013-3498

प्रेषक,

अनिल कुमार,
सरकार के उप सचिव।

सेवा में,

सरकार के सभी विभाग के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव।
सरकार के सभी विभागाध्यक्ष।
सभी प्रमंडलीय आयुक्त।
सभी जिलाधिकारी, बिहार।
महालेखाकार (ले0 एवं ह0), बिहार, पटना।
मुख्य डाकपाल/डाक अधीक्षक, जी0पी0ओ0, पटना।

दिनांक 31 अगस्त 2023

विषय:-

ऊर्जा विभाग, बिहार, पटना के कार्यालय स्थानान्तरण के संबंध में।

महाशय,

निदेशानुसार ऊर्जा विभाग, 08. दारोगा राय पथ, पटना स्थित ऊर्जा विभाग के कार्यालय का स्थानान्तरण विद्युत भवन-II, प्रथम तल, बेली रोड, पटना में दिनांक-21.08.2023 से किया गया है।

अतः भविष्य में किसी भी तरह का विभागीय पत्राचार ऊर्जा विभाग, विद्युत भवन-II, प्रथम तल, बेली रोड, पटना के नाम से करने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन,
(ह0) अस्पष्ट, उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 25-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-9-ख

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि ।

सूचना

No. 1010---I, Md. Shadab Anwar (शादाब अनवर) S/O Md Farrukh sear R/O 2/25 Station Road, Near Church, New millat colony, sector-2 P.O+P.S-Phulwarisharif, Patna Bihar, declare vide executive magistrate Patna Sadar, affidavit no. 6396, dated 27/07/23. That I shall be known as Shadab Anwar (शादाब अनवर) for all future purposes.

Md. Shadab Anwar (शादाब अनवर)।

No. 1011---I, Sambhav Singh S/O Sanoj Kumar Singh R/O Sarda Sadan, House no.-31, Road no.-9A, Shivmandir road, Indrapuri, Patna, Pin-800024 declare that vide Affidavit no.-30 on dated 24.06.23. My name in 10th document has been wrongly mentioned as Shambhav and my correct name is Sambhav Singh which are mentioned in all other document. From today onwards instead of Shambhav. I shall be known as Sambhav Singh in Future.

Sambhav Singh.

No. 1012---I, Suchitra Kumari W/o Manoj Kumar, R/o Rupaspur, D.P.S More, Danapur, Patna-801503 declare vide Affidavit No. 12869 dated 12-07-2023 that My Daughter Manya will be known as Manya Sharma for all purposes.

Suchitra Kumari.

No. 1013---I, Suchitra Kumari W/o Manoj Kumar, R/o Rupaspur, D.P.S More, Danapur, Patna-801503 declare vide Affidavit No. 12871 dated 12-07-2023 that My Daughter Navya will be known as Navya Sharma for all purposes.

Suchitra Kumari.

No. 1014---I, Rashmi D/o Satish Kumar R/O Ward no.-3, vill-karhari, P.O.- Phulwari sharif, Patna- 801505 declared vide affidavit no. 4214 dated 23-05-2023 that I will be known as Rashmi Roy for all purposes.

Rashmi.

No. 1015---I, Sudha Singh, W/o Anil Kumar Singh, R/o Village+P.O-Khalpura, Goldenganj, P.S- Chapra, Mufassil Distt-Chapra, Bihar-841211 do hereby solemnly affirm declare as per Aff. No.- 11085 dated 14.06.23 That now I will be known KM SUDHA SINGH for all future purposes.

Sudha Singh.

No. 1018---I, Rishav S/o Binod Kumar Nagbanshi, R/o Langartoli More Opp. Gold House, Bankipur, P.S. Kadamkuan, Sampatchak, Patna (Bihar) 800004 do hereby Solemnly

Affirm and declare as per aff. No-2274 dt. 21-07-2023 that my name is written in all documents and above Aadhar Card No-6906 0486 0923 as Rishav from now I will be known as Rishav Kumar Singh for all future Purposes.

Rishav.

सं० 1019—मैं शबीस्ता खानम (Shabista Khanam) पति— मो० अफाक खान, निवासी जमा बक्स लेन, छोटी इमामबाड़ा भीखनपुर, बिहार, गुमटी नं०—03, इशाकचक, भागलपुर शपथ पत्र सं० 8757 दिनांक 24.07.2023 द्वारा यह घोषणा करती हूँ कि मेरे पुत्र अनस खान (Anas Khan) का माध्यमिक बोर्ड 2022 से उत्तीर्ण प्रमाण पत्र जिसका रॉल नं०—22114966 है, मैं मेरा नाम भूलवश शबीस्ता खान (Shabista Khan) अंकित हो गया है जो कि गलत है जबकि मेरे पुत्र के सारे कागजात जन्म प्रमाण—पत्र, निवास प्रमाण पत्र में मेरा नाम शबीस्ता खानम है जो कि सही है। मैं Shabista Khanam (शबीस्ता खानम) के नाम से जानी एवं पहचानी जाती हूँ।

शबीस्ता खानम (Shabista Khanam)।

No. 1020—I, Satyendra Kumar Singh S/o Late Baikunth Singh R/o Village- Turti, P.O- Munji, P.S- Bikramganj, District- Rohtas Bihar Declare that Vide Affidavit No-359 Dated 19-07-2023 My Son's Name is Wrongly Mentioned is Singh Amit Satyend in place of My son's correct name is Singh Amit Satyendra.

Satyendra Kumar Singh.

सं० 1021—मैं अनुपमा कुमारी पति—राजेश कुमार, निवास ग्राम—खरोज, थाना—सूर्यपुरा, जिला—रोहतास शपथ संख्या 27142, दिनांक 21.07.2023 के अनुसार घोषणा करती हूँ कि मेरी पुत्री स्नेहा कुमारी के शैक्षणिक प्रमाण—पत्र में मेरा नाम अनुपमा पाण्डेय अंकित हो गया है जो गलत है मेरा सही नाम अनुपमा कुमारी है।

अनुपमा कुमारी।

No. 1023—I Arun Kumar Pandey S/o Sri Virendra Pandey res. Of Shanti Nagar, ward no 24, opposite of Motani petrol pump, Post & PS Bettiah, West Champaran. In all my documents, my name has been written as Arun Kumar Pandey, but inadvertently, in my daughter Riya Kumari 's CBSE matriculation certificate my name is written as Arun Pandey. I declare that my correct name is Arun Kumar Pandey. Aff no 12380/06.07.23.

Arun Kumar Pandey.

No. 1024—I, **Pushpa Kumari** W/o Manoj Kumar R/o Shiv Ram Kunj, House No.-6 Road No.-9 Near Gandhi Murti, East Patel Nagar, PS- Shastri Nagar Patna Vide Afd. No. 2904 Dt.- 20.07.23 My Son Avinash Ranjan Passing Certificate/Marksheet My Name Wrongly Mentioned as Pushpa Gupta Instead of Pushpa Kumari.

Pushpa Kumari.

No. 1025— I Murli Prasad Gupta, S/o Late Harihar Prasad Gupta, R/o ward no. 28, Haat Bazaar Road, Near MahabirAsthan, Araria-854311 declare vide affidavit No. 436 dated 07/06/2023 that I am also Known as Murli Prasad Bhagat. That Murli Prasad Bhagat&Murli Prasad Gupta are the names of same person. Although I shall only be known as Murli Prasad Gupta instead of Murli Prasad Bhagat for all documents & for all purposes.

Murli Prasad Gupta.

सं० 1026—मैं **KM RANJANA YADAV** पुत्री रामबिलास यादव ग्राम चौमुखा पोस्ट व थाना विजयीपुर जिला गोपालगंज बिहार की निवासी हूँ। शपथ पत्र संख्या 11310 दिनांक **24.06.2023** द्वारा घोषणा करती हूँ कि मेरा नाम KM RANJANA YADAV है लेकिन NIOS D-EL-ED (2017-19) के अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र में गलती से KM

RANJANA KUMARI हो गया है जो गलत है। जबकि अन्य सभी प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड में KM RANJANA YADAV हैं जो सही हैं। मैं **KM RANJANA YADAV** नाम से जानी पहचानी जाती हूँ।

KM RANJANA YADAV.

No. 1028—I Daya Shankar Pandey S/o late Bhuwaneshwar Pandey R/o-Vill. Marahan P.o sinha opp Gazipur High School marahan sinha Bhojpur Bihar 802316 do hereby solemnly affirm and declare as per aff. no 3002 Dt. 30.05.23 My Name is mentioned in my PPO NO 09/97/B/S/01349/1994 as Daya Shankar Pandey which is wrong as per service discharge book and aadhar no 524341942301 my name is Daya Shankar Pandey which is correct and from now I will be known as Daya Shankar Pandey for all future purpose.

Daya Shankar Pandey.

No. 1029—I, UPENDRA SAHU R/o Flat no. 101, Om Nilay Apartment, Khaitan Gali, behind petrol pump, West Boring Canal Road, Patna-1 declare Vide Affdvt. No.- 665, Dt.- 30/06/2023. That now onwards my son PRINCE shall be known as PRINCE ARYA for all future purposes.

UPENDRA SAHU.

सं० 1030—मैं लक्ष्मण कुमार भारती LAKSHMAN KUMAR BHARTI पिता— स्व० रामदेव भारती निवासी ग्राम+पोस्ट—नरहौ, पानापुर थाना— राजेपुर जिला— पूर्वी चम्पारण पिन कोड— 845430 बिहार शपथ पत्र संख्या 518 दिनांक — 04/08/2023 द्वारा सूचित करता हूँ कि मेरे बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा निर्गत अंक प्रमाण पत्र में मेरा नाम लक्ष्मण कुमार भारती LAKSHMAN KUMAR BHARATI दर्ज हो गया है जो गलत है आधार कार्ड में दर्ज नाम लक्ष्मण कुमार भारती LAKSHMAN KUMAR BHARTI सही है।

लक्ष्मण कुमार भारती।

No. 1031—I, Neta Lal Azad S/o Late Anandi Pd. yadav, R/o Vill.- Hasanganj P.o.- Safiyabad, P.S.-Kasi Bazar, Distt.-Munger do hereby solemnly affirm and declare as per aff. No- 3353 dt.12-06-2023 that my name is written in my son's Sanoj Kumar CBSE Board Admit Card and Marksheet Bearing Roll No-7131352 year 2014 as Neta Lal which is Wrong As per my Aadhar Card My Correct Name is Neta Lal Azad and from now, I will be known as Neta Lal Azad for All Future Purposes.

Neta Lal Azad.

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद्
विद्यापति मार्ग, पटना — 800001

अधिसूचनाएं
27 मई 2023

सं० 668—श्री राम जानकी मंदिर, (माई जी की कुटिया), मोती नगर, सुअरा, जिला—रोहतास, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०—3547 है।

उक्त मंदिर में लगभग 12 बीघा से अधिक भूमि है। उक्त मंदिर की देखभाल हेतु समय-समय पर न्यास समिति का गठन किया जाता रहा है। पूर्व के न्यासधारियों द्वारा अवैध रूप से मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण कराया गया। पर्षद के आदेश दिनांक— 09/11/2002 द्वारा 09 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। तदोपरान्त पुनः नवीन न्यास समिति का गठन दिनांक— 15/07/2008 को किया गया था, जिसके अध्यक्ष के रूप में श्री रविन्द्र सिंह थे। संचिका से स्पष्ट होता है कि उक्त मंदिर की कुछ भूमि थाना सं०—164, खाता सं०—65, ग्राम—सुअरा में है, परन्तु संचिका से स्पष्ट होता है कि उक्त न्यास समिति द्वारा भी न तो पर्षद से कभी कोई पत्राचार किया गया और न ही अधिनियम की धारा—59, 60 और 70 का पालन किया गया। न्यास समिति के एकमात्र सदस्य श्री रामशीष दास जो कि समिति के सचिव थे, उनके द्वारा मंदिर की भूमि का अतिक्रमण या मंदिर की भूमि पर स्थित पेड़ आदि का अवैध रूप से कटाई करने की सूचना पर्षद को कभी-कभी दी गयी।

इसी बीच पर्षद को जानकारी हुई कि मंदिर की जो भूमि अधिग्रहित की गयी है, उस संबंध में कुछ व्यक्तियों के द्वारा भू-अर्जन कार्यालय से षडयंत्र करके मुआवजा की राशि की निकासी की जा रही है। उक्त सूचना प्राप्त होने पर पर्षद के पत्रांक- 923, दिनांक- 17/08/2022 द्वारा भू-अर्जन पदाधिकारी को मंदिर की भूमि के संबंध में मुआवजा राशि का भुगतान नहीं करने के संबंध में निबंधित डाक द्वारा पत्र भेजा गया और पुरानी समिति की निष्क्रियता के कारण पर्षद द्वारा अनुभव किया गया कि एक नयी न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी को निबंधित डाक द्वारा दिनांक- 25/02/2022 को पत्र भेजा गया।

इसी बीच दिनांक- 21/04/2022 को वर्ष 2002 में गठित न्यास समिति के सचिव- श्री महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा पूर्व में लेटर पैड का दुरुपयोग करते हुए पर्षद को पत्र लिखा गया कि श्री रामाशीष दास द्वारा बहुत सी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करा दिया गया है और शीशम के पेड़ काट कर बेच दिया है तथा भू-अर्जन से एक करोड़ रुपये (1,00,00,000/-रु०) की राशि जो मुआवजे में प्राप्त होना था, वह प्रार्थी के प्रयास से रोका गया और अपने प्रार्थना-पत्र में 11 व्यक्तियों के नामों का उल्लेख कर न्यास समिति गठित किये जाने की प्रार्थना की, परन्तु उक्त प्रस्तावित नामों में न तो पिता का नाम है और न ही कोई पता है।

इसी बीच स्थानीय नागरिक श्री रवि कुमार द्वारा दिनांक- 21/02/2023 को पर्षद में एक प्रार्थना-पत्र दिया गया कि उक्त मंदिर और मंदिर के विकास आदि की उचित व्यवस्था हेतु ग्रामीणों की एक आम बैठक दिनांक- 10/11/2022 एवं दिनांक- 17/01/2023 को की गयी, जिसमें 11 व्यक्तियों की न्यास समिति बनाये जाने का प्रस्ताव पास किया गया। अपने प्रार्थना-पत्र के साथ उपरोक्त बैठक की फोटोप्रति दाखिल की है। उक्त सूची अनुमंडल पदाधिकारी को भेजते हुए उनसे उनका मंतव्य और यदि कुछ नामों को जोड़ना या हटाना चाहते हों, तो इस संदर्भ में भी अपना प्रतिवेदन पर्षद में उपलब्ध कराने हेतु पत्र लिखा गया, परन्तु उनके द्वारा कोई भी प्रतिवेदन /सूचना प्राप्त नहीं हुई है। उपरोक्त सभी परिस्थितियों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2002 से लगातार न्यास समिति का कुशल संचालन नहीं होने के कारण अधिकांश भूमि अतिक्रमित हो गयी है, जिसमें बहुत सी लापरवाही वर्ष 2002 और 2008 में गठित न्यास समिति के कार्यों से भी प्रदर्शित होती है और उपरोक्त न्यास समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है। ऐसी स्थिति में न्यास समिति का गठन किये जाने के संबंध में मामले को लंबित रखना उचित प्रतीत नहीं होता है।

श्री गौतम संजय कुमार एवं श्री रवि कुमार आज पर्षद में उपस्थित हैं और उनसे विमर्श के उपरान्त उनका कथन है कि श्री महेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा जो प्रस्ताव दिनांक- 21/04/2022 को भेजा गया है, परन्तु उनके द्वारा स्वयं मंदिर के संबंध में किसी प्रकार का कोई उचित कार्य नहीं किया गया। इसीलिए वर्ष 2008 की समिति में उन्हें नहीं रखा गया, परन्तु श्री महेन्द्र प्रताप द्वारा प्रस्तावित सूची से दो नाम क्रमशः श्री जितेन्द्र सिंह एवं श्री अमरनाथ के नाम पर उनकी सहमति है।

अतः उक्त दोनों नामों को भी शामिल करते हुए तथा आमसभा के प्रस्ताव दिनांक 17/01/2023 में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त मंदिर के दैनिक रागभोग, पूजा-पाठ, भूमि की सुरक्षा, बंदोबस्ती तथा अवैध रूप से जो कब्जे में भूमि हो गयी है, उस भूमि को न्यायिक प्रक्रिया का पालन करते हुए अतिक्रमण मुक्त के संबंध में एक योजना का निरूपण करते हुए अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-24/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चातबिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री राम जानकी मंदिर, (माई जी की कुटिया), मोती नगर, सुअरा, जिला- रोहतास के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री राम जानकी मंदिर, (माई जी की कुटिया) न्यास योजना, मोती नगर, सुअरा, जिला- रोहतास" होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "श्री राम जानकी मंदिर, (माई जी की कुटिया) न्यास समिति, मोती नगर, सुअरा, जिला- रोहतास" जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास समिति एक बैंक खाता मंदिर के नाम से खोले, जिसका संचालन सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय—व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा— 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा— 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप—पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष हेतु गठित की जाती है:-

1. श्री रवि कुमार, पिता—स्व० दुर्गा सिंह—	अध्यक्ष
2. श्री गौतम संजय कुमार, पिता—परमसोत सिंह—	सचिव
3. श्री राम एकबाल मिश्रा—	कोषाध्यक्ष
4. श्री अमरनाथ सिंह	उप सचिव
5. श्री घनश्याम सिंह पिता—स्व० कृष्णा सिंह—	सदस्य
6. श्री जितेन्द्र सिंह—	सदस्य
7. श्री अरविन्द कुमार पिता—स्व० मुरलीधर सिंह—	सदस्य
8. श्री रिषिमुनी पांडे—	सदस्य
9. श्री कमलेश तिवारी, पिता—विश्वनाथ तिवारी—	सदस्य
10. श्री राधाकृष्ण मिश्रा (सुरदास बाबा)—	सदस्य
11. श्री राहुल कुमार सिंह, अधिवक्ता, अनुमंडल डिहरी—	सदस्य

पता—श्री राम जानकी मंदिर (माई जी की कुटिया), मोती नगर, सुअरा, जिला—रोहतास।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री राम जानकी मंदिर, (माई जी की कुटिया), मोती नगर, सुअरा, जिला—रोहतास” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

17 जून 2023

सं० 855—श्री देव सूर्य मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना— देव, जिला—औरंगाबाद, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—3247 है।

यह एक पौराणिक एवं ऐतिहासिक मन्दिर जहाँ प्रतिदिन अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। वार्षिक त्योहारों पर बहुत अधिक भीड़ होती है। उक्त मन्दिर की व्यवस्था हेतु वर्ष 2007 में एक न्यास समिति का गठन किया गया

था। पुनः दिनांक— 27/04/2015 को 11 सदस्यीय समिति का गठन किया था, जिसके अध्यक्ष अनुमण्डल पदाधिकारी, औरंगाबाद हैं। उक्त मन्दिर का औचक निरीक्षण पर्वद के माननीय सदस्य द्वारा दिनांक— 14/02/2022 को किया गया। इस मंदिर के व्यवस्था, यथा— मन्दिर में गंदगी, श्रद्धालुओं से जबरदस्ती पैसा बसूल, श्रद्धालुओं से पैसा दानपेटी में नहीं लेकर परिसर में पंडा द्वारा जबरदस्ती लिया जा रहा था। इस संबंध में न्यास समिति से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। उसके आलोक में अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा अपने पत्र दिनांक— 18/02/2021 में समिति द्वारा लिये गये निर्णय का उल्लेख करते हुए यह सूचना दी गयी कि लगभग 01 करोड़ खर्च करके धर्मशाला का निर्माण, 05 दुकान, मन्दिर में 80 फीट का बरामदा का निर्माण करवाया गया है। नया जेनरेटर आदि का क्रय किया गया। आगे उल्लेख किया कि सचिव, कृष्णा चौधरी का 14 वर्ष का किया गया कार्य सराहनीय है। सीढ़ी की मरम्मत, स्टील के दरवाजे आदि का कार्य किया गया। गंदगी के संबंध में स्पष्टीकरण दिया। मन्दिर में प्रतिदिन प्रातः 4:00 बजे साफ-सफाई होती है। तदनुसार श्रद्धालु की भीड़ से गंदगी होती है, जिसे भीड़ के कम होने पर सफाई कर दी जाती है। एक अन्य तथ्य प्रकाश में आया था कि न्यास समिति के अधीन लगभग 10 लाख रुपये से अधिक नकद है, जो 1, 2, 5 रुपये के सिक्के के रूप में है। काफी प्रयास के बाद कुल 4-5 लाख के सिक्का बैंक द्वारा लिया गया है। वर्तमान में 9-10 लाख रुपये के सिक्के मन्दिर के पास हैं। कार्यरत न्यास समिति का कार्यकाल समाप्त हो रहा था। अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा कार्यरत न्यास समिति को ही अवधि विस्तार दिये जाने की अनुशंसा की गयी। इसी बीच ग्रामीणों द्वारा दिनांक— 17/07/2022 डॉ० राजेन्द्र प्रसाद के हस्ताक्षर से 11 व्यक्तियों की सूची प्राप्त हुई।

एक अन्य सूची आम सभा दिनांक—17/01/2023 एवं दिनांक—18/01/2023 द्वारा भी 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव प्राप्त कराया गया। सभी पक्षों को सुनने के पश्चात् पर्वद के आदेश दिनांक— 30/01/2022 द्वारा आदेश दिया गया था कि सभी सदस्य एक-दूसरे के साथ सहयोग से 11 व्यक्तियों के नाम के प्रस्ताव सहमति पर दें। अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा पुनः पूर्व के पत्रों पर विचार करते हुए 13 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिनांक—20/04/2023 को उपलब्ध कराया है।

उपरोक्त सभी साक्ष्यों पर विचार करते हुए तथा सभी स्थानीय लोगों के बीच आपस में सामंजस्य बना रहे और पूर्व न्यास समिति का कार्य भी काफी संतोषजनक रहा है तथा माननीय सदस्यों, धार्मिक न्यास पर्वद से विचार-विमर्श भी किया गया। सभी तथ्यों पर विचार करते हुए **श्रीमति मंजरी सिंह, सदस्य नगर परिषद्, औरंगाबाद को संरक्षक नामित करते हुये** एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से करने का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक—12/05/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात् बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—32 में एवं धार्मिक न्यास पर्वद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए **श्री देव सूर्य मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना— देव, जिला—औरंगाबाद** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**श्री देव सूर्य मंदिर न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट+थाना— देव, जिला—औरंगाबाद**” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “**श्री देव सूर्य मंदिर न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट+थाना— देव, जिला—औरंगाबाद**” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. बैंक खाते का संचालन अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जाएगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपलब्धता की स्थिति में बैठक की अध्यक्षता, उपाध्यक्ष करेंगे।
14. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
15. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
16. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

श्रीमति मंजरी सिंह, सदस्य नगर परिषद्, औरंगाबाद

- | | |
|---|-----------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, औरंगाबाद | — संरक्षक |
| 2. श्री अमिताभ सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, नावाडीह, औरंगाबाद | — अध्यक्ष |
| 3. श्रीमति ममता सिंह पति- श्री राजन कुमार सिंह, ग्रा०- सुदी बिगहा, पो०+था०- देव | — उपाध्यक्ष |
| 4. श्री विश्वजीत कुमार राय पिता- श्री विश्वनाथ राय, बरई बिगहा, देव, औरंगाबाद | — उपाध्यक्ष |
| 5. श्री रामचन्द्र चौरसिया, ग्रा०- बरई बिगहा, देव, औरंगाबाद | — सचिव |
| 6. श्री सुधीर सिंह पिता- मोहन सिंह, ग्रा०- जंगी मुहल्ला, था०- देव, औरंगाबाद | — सह-सचिव |
| 7. श्री कृष्णा चौधरी, देव गोदाम पर, पो०+था०- देव, औरंगाबाद | — कोषाध्यक्ष |
| 8. श्री लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता पिता- श्री मदन प्रसाद गुप्ता, श्री देव सूर्य मंदिर के सामने | — सह-कोषाध्यक्ष |
| 9. श्री गंगा भास्कर पिता- श्री विष्णु दयाल, ग्रा०- देव, मलहा टोली, औरंगाबाद | — सदस्य |
| 10. श्री सुनील सिंह पिता- श्री राम प्रवेश सिंह, ग्रा०- सुदी बिगहा, पो०+था०- देव | — सदस्य |
| 11. श्री योगेन्द्र सिंह पिता- स्व० सिद्धेश्वर सिंह, ग्रा०- देव सड़क पर, था०+पो०- देव | — सदस्य |

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में "श्री देव सूर्य मंदिर, ग्राम+पोस्ट+थाना- देव, जिला-औरंगाबाद" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलैन / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

24 मई 2023

सं० 617—श्री सतवाहिनी मंदिर, चिल्हकी, अम्बा, जिला-औरंगाबाद, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०-3522 है।

उक्त मंदिर की नियमित व्यवस्था, बंदोबस्ती आदि के लिए 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन दिनांक- 08/01/2010 को करके अधिसूचना निर्गत की गयी। तदोपरान्त उक्त समिति का कार्यकाल संतोषजनक पाते हुए पर्वद के आदेश दिनांक- 29/12/2017 द्वारा तीन वर्ष के लिए विस्तारित कर दिया गया था।

न्यास समिति द्वारा किये गये विकास के संबंध में दिनांक- 21/12/2020 एवं दिनांक- 08/06/2021 को प्रार्थना-पत्र दिया गया, जिसमें उल्लेख किया है कि पूर्व में उक्त मंदिर एक झोपड़ीनुमा थी, जो वर्ष 2011 में तुफान से ध्वस्त हो गया था, जिसका जीर्णोद्धार करके एक विशाल मंदिर का रूप दिया गया है। मंदिर के सौन्दर्यीकरण हेतु चारों तरफ ग्रेनाइट के पत्थर लगाया गया। मंदिर के शिखर पर स्वर्ण कलश का स्थापना कराया गया। मंदिर का आर्किटेक्ट कलकत्ता के कारीगरों द्वारा कराया गया है। मंदिर की आय से सामुहिक आर्दश विवाह, बच्चों के अध्ययन आदि पर व्यय किया जाता है। आगे यह उल्लेख किया गया कि मंदिर निर्माण में लगभग 1 करोड़ ₹० की राशि व्ययकी गयी। समिति द्वारा समर्पित आय-व्यय विवरणी से भी स्पष्ट है कि मंदिर में विकास कार्य दिन-प्रतिदिन किया जा रहा है तथा मंदिर की आय भी उसी अनुपात में बढ़ी है।

न्यास समिति का कार्यकाल समाप्त होने के संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी से मंतव्य की मांग की गयी। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा कार्यरत न्यास समिति में से कुछ सदस्यों के स्थान पर नये सदस्यों के नाम अंकित करते हुए न्यास समिति गठित किये जाने की अनुशंसा की है।

उपरोक्त परिस्थिति में अनुमंडल पदाधिकारी, औरंगाबाद की अनुशंसा के आलोक में मंदिर की व्यवस्था एवं पुजा-पाठ, राग-भोग हेतु एक योजना का निरूपण करते हुए इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-28/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं0- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री सतवाहिनी मंदिर, चिल्हकी, अम्बा, जिला- औरंगाबाद के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री सतवाहिनी मंदिर न्यास योजना, चिल्हकी, अम्बा, जिला- औरंगाबाद” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री सतवाहिनी मंदिर न्यास समिति, चिल्हकी, अम्बा, जिला- औरंगाबाद” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास समिति एक बैंक खाता मंदिर के नाम से खोले, जिसका संचालन सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
11. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
12. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
13. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
14. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।
15. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
16. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष हेतु गठित की जाती है:-

1. अनुमंडल पदाधिकारी	पदेन अध्यक्ष
2. श्री अरविन्द कुमार सिंह	उपाध्यक्ष
3. श्री सिद्धेश्वर विद्यार्थी, वरीय अधिवक्ता	सचिव
4. श्री शिवशंकर पाण्डेय	कोषाध्यक्ष
5. श्री ओम प्रकाश शर्मा	सदस्य
6. श्री देवराज राम	सदस्य
7. श्री मिथिलेश मेहता	सदस्य
8. श्री अवध बिहारी दास,	सदस्य
9. श्री नरसिंह पाण्डेय	सदस्य
10. श्री दिलीप कुमार सिंह	सदस्य
11. श्री युगेश सिंह	सदस्य

पता-श्री सतवाहिनी मंदिर, चिल्हकी, अम्बा, जिला- औरंगाबाद।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में "श्री सतवाहिनी मंदिर, चिल्हकी, अम्बा, जिला- औरंगाबाद" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

24 मई 2023

सं० 605—श्री नागा बाबा की ठाकुरबाड़ी, कदमकुआं, जिला-पटना, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०-644 है।

पुर्व में उक्त ठाकुरबाड़ी का प्रबंधन न्यासधारी, श्री राम भजन दासजी द्वारा की जाती थी। दिनांक- 13/03/1986 को श्री राम भजन दासजी द्वारा पर्षद में एक लिखित प्रार्थना-पत्र देकर ग्यारह सदस्यीय न्यास समिति गठित करने का प्रस्ताव दिया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में श्री नारायण दासजी भक्तमाली, को नामित किया था।

पर्षद द्वारा उक्त समिति की मान्यता अपने आदेश दिनांक- 19/06/1986 द्वारा प्रदान की गयी। इसी बीच पर्षद को सूचना दी गयी कि न्यास समिति के अध्यक्ष एवं सचिव का स्वर्गवास हो गया है। उक्त सूचना के उपरांत पर्षदीय आदेश दिनांक- 30/06/2008 द्वारा अध्यक्ष के रूप में श्री रामचन्द्र खां को मान्यता प्रदान की गयी। तदोपरांत पांच अन्य सदस्यों सम्मिलित करते हुये, नौ सदस्यीय न्यास समिति की सूचना पर्षद को प्रदान की गयी, जिस पर विचारोपरांत पर्षदीय आदेश दिनांक- 30/03/2010 द्वारा अध्यक्ष, श्री खां द्वारा भेजे गये प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया अर्थात् उक्त न्यास समिति को मान्यता प्रदान की गयी। कार्यरत न्यास समिति को नियमित रूप से 08-10 पत्र, अधिनियम की धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करने हेतु प्रेषित किया गया, परंतु न्यास समिति द्वारा कभी भी पर्षदीय आदेशों का अनुपालन नहीं किया गया। इस बीच अध्यक्ष, श्री रामचन्द्र खां के स्वर्गवास दिनांक- 20/04/2022 होने की सूचना पर्षद को प्राप्त हुयी, जिस पर न्यास समिति के सदस्यों को नोटित निर्गत की गयी, तब इस बात की जानकारी पर्षद को हुयी, कि मात्र न्यास समिति के तीन सदस्य ही जीवित हैं, जो स्पष्ट करता है कि उक्त न्यास समिति, गणपूर्ति से भी कम संख्या में रह गयी है। इस बीच पर्षद में श्री राजा राम शरण द्वारा मंदिर में स्वयं को न्यासधारी नियुक्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र, विभिन्न दस्तावेजों के साथ दिनांक- 22/04/2022 एवं दिनांक- 03/05/2022 द्वारा समर्पित किया गया।

उक्त पर न्यास समिति के सदस्यों द्वारा आपत्ति प्रकट किया गया। दोनों पक्षों को विभिन्न तिथियों पर पर्षद में विस्तारपूर्वक सूना गया। चूंकि उक्त संस्था एक धार्मिक संस्था है तथा पर्षद आशा करती है कि सभी सदस्य, एक-दूसरे का सहयोग करके मंदिर के विकास का कार्य करें, जिससे पुर्व में जो त्रुटि हुयी है, वह भविष्य में न हो।

उपरोक्त परिस्थिति पर विचारोपरांत मंदिर के कुशल संचालन हेतु एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-12/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री नागा बाबा की ठाकुरबाड़ी, कदमकुआं, जिला- पटना के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री नागा बाबा की ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, कदमकुआं, जिला— पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री नागा बाबा की ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, कदमकुआं, जिला— पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. उक्त मंदिर के नाम, पुर्व में जो बैंक खाता, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नाला रोड में संचालित है, उस खाता का संचालन, पुर्व अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त से किया जाता था। उसी प्रकार आगे इस खाता का संचालन नवगठित न्यास समिति के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षर द्वारा किया जायेगा। इसमें कोषाध्यक्ष के साथ, उक्त दो सदस्यों में एक का हस्ताक्षर आवश्यक है। न्यास समिति को यह भी निर्देश दिया जाता है, कि विगत वर्ष में मंदिर को जो आय प्राप्त हुयी है, उसका एक अनुमानित आय-व्यय विवरण, यथाशीघ्र समर्पित करें। तदनुसार पर्षद शुल्क का भुगतान भी करें। भविष्य में मंदिर के संबंध में कोई निर्णय और विकास कार्य किया जाना हो, तो उसकी पुर्वानुमति प्राप्त करें तथा यदि कोई स्थायी निर्माण किया जायेगा, तो उसकी सूचना प्रत्येक तीन पर पर्षद को देनी होगी कि क्या व्यय किया जायेगा, क्या निर्माण किया? पर्षद के संज्ञान में अवश्य लाया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपलब्धता की स्थिति में बैठक की अध्यक्षता, उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा— 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा— 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:—

- | | | |
|-----|---|--------------|
| 1. | श्री राजा राम शरण दास, श्री नागा बाबा ठाकुरबाड़ी, कदमकुआं, पटना— अध्यक्ष | |
| 2. | श्री विनोद कुमार शुक्ल
पता— अ०प्रा० न्यायाधीश, 1/डी०, गोविन्द इन्क्लेव,
राम गोविन्द सिंह पथ, कंकड़बाग, पटना— 20 | —उपाध्यक्ष |
| 3. | श्री अशोक कुमार, लोहानीपुर, कदमकुआं, पटना | — सचिव |
| 4. | श्री दयाशंकर तिवारी, बेली रोड, शेखपुरा, पटना— 14 | — उप- सचिव |
| 5. | श्री रतन लाल अग्रवाल पिता— स्व० सागरमल अग्रवाल
पता— ई/1ए, चित्रगुप्त नगर, कंकड़बाग, पटना— 20 | — कोषाध्यक्ष |
| 6. | श्री राजेन्द्र दास, श्री मलूक पीठ, वंशीवट वृंदावन, मथुरा (उ०प्र०) | — सदस्य |
| 7. | श्री विजय सचदेवा, शांति विहार, पार्क रोड, कदमकुआं, पटना | — सदस्य |
| 8. | श्री वैद्यनाथ मिश्र पिता— श्री बिहारी शरण, एम०पी० सिन्हा रोड, कदमकुआं, पटना | — सदस्य |
| 9. | श्रीमति सुशीला देवी शर्मा, आनन्द विहार कॉलोनी, बेली रोड, पटना— 1 | — सदस्य |
| 10. | श्री तुहीन शंकर (अधिवक्ता, उ० न्या०, पटना) | — सदस्य |
| 11. | श्री परेश सक्सेना (आई०पी०एस०) | — सदस्य |

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री नागा बाबा की ठाकुरबाड़ी, कदमकुआं, जिला— पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट— न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलैल / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

16 मई 2023

सं० 519—श्री नारायण शिव-शक्ति मंदिर, ग्राम— न्यू ब्रह्मपुर, आदर्श कॉलोनी, मार्ग संख्या— 04, रामकृष्ण नगर, पोस्ट— न्यू जगनपुरा, अंचल+प्रखंड— संपतचक, अनुमंडल— सदर, जिला— पटना, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा—34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०—4667/22 है।

इस न्यास के संबंध में पर्षद को स्थानीय जनता के एक आवेदन आम सभा की बैठक दिनांक— 25/12/2022 द्वारा प्राप्त हुआ। प्राप्त आवेदन में आम सभा चयनित व्यक्तियों के चरित्र—सत्यापन हेतु पत्र, पर्षदीय पत्रांक— 3732, दिनांक— 30/01/2023 को प्रेषित किया गया। परंतु इसी बीच प्रस्तावित व्यक्तियों द्वारा पुलिस अधीक्षक के कार्यालय से चरित्र—सत्यापन कर पर्षद में उपलब्ध कराया गया। प्रस्तावित नामों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किसी प्रकार की कोई आपत्ति या प्रतिरोध नहीं किया गया है।

उपरोक्त परिस्थिति में श्री नारायण शिव-शक्ति मंदिर की व्यवस्था के लिए एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया जाता है। समिति को निर्देश दिया जाता है कि शीघ्र मंदिर के नाम से बैंक में खाता खोला जाय, जिसका संचालन आम सभा की बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—11/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री नारायण शिव-शक्ति मंदिर, ग्राम— न्यू ब्रह्मपुर, आदर्श कॉलोनी, मार्ग संख्या— 04, रामकृष्ण नगर, पोस्ट— न्यू जगनपुरा, अंचल+प्रखंड— संपतचक, अनुमंडल— सदर, जिला— पटना के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री नारायण शिव-शक्ति मंदिर न्यास योजना, ग्राम— न्यू ब्रह्मपुर, आदर्श कॉलोनी, मार्ग संख्या— 04, रामकृष्ण नगर, पोस्ट— न्यू जगनपुरा, अंचल+प्रखंड— संपतचक, अनुमंडल— सदर, जिला— पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री नारायण शिव-शक्ति मंदिर न्यास समिति, ग्राम— न्यू ब्रह्मपुर, आदर्श कॉलोनी, मार्ग संख्या— 04, रामकृष्ण नगर, पोस्ट— न्यू जगनपुरा, अंचल+प्रखंड— संपतचक, अनुमंडल— सदर, जिला— पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. श्री सहजानंद शर्मा (मा० जिला न्यायाधीश, सेवानिवृत्त) —अध्यक्ष
पिता- बजरंगी सिंह, आदर्श कॉलोनी, रोड नं०-03, पो०-जगनपुरा, था०-रामकृष्ण नगर, पटना।
2. श्री विजय कुमार सिंह पिता- सुरेन्द्र प्रसाद सिंह —उपाध्यक्ष
पता-आदर्श कॉलोनी, रोड नं०-4डी, नियर मेडिसिन, फ़ैक्ट्री, पो०-जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।
3. श्री उदयकांत सिन्हा पिता- रामनन्दन शर्मा —सचिव
पता- आदर्श कॉलोनी, रोड नं०- 03, खेमनीचक, संपतचक, जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।
4. श्री सीताराम प्रसाद सिंह पिता- रामेश्वर सिंह — कोषाध्यक्ष
पता- फ्लैट- 401, महावीर कॉम्प्लेक्स, रोड नं०-2, आदर्श कॉलोनी, जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।
5. श्री संजय कुमार शर्मा पिता- राजेन्द्र प्रसाद शर्मा — सदस्य
पता- आदर्श कॉलोनी, रोड नं०- 03, खेमनीचक, संपतचक, जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।
6. श्री नन्द किशोर सिंह पिता- नथुनी सिंह — सदस्य
पता-निवासी, 3 गोकुल धाम सोसायटी, नई ब्रह्मपुर, जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।
7. श्री विरेन्द्र प्रसाद शर्मा पिता- रामानंद प्रसाद शर्मा — सदस्य
पता- नई ब्रह्मपुर, आदर्श कॉलोनी, रोड नं०- 3/बी, जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।
8. श्री राजेश कुमार पिता- रामानुज शर्मा — सदस्य
पता- पो०- खेमनीचक, थाना- रामकृष्ण नगर, जिला- पटना।
9. श्री अमित कुमार पिता- नंद किशोर सिंह — सदस्य
पता-ऑप उपकार पब्लिक स्कूल, आदर्श कॉलोनी, रोड नं०- 3, खेमनीचक, जगनपुरा, पटना।
10. श्री निर्भय शंकर शर्मा पिता- विजय शंकर शर्मा — सदस्य

- पता— शंकर भवन, नई ब्रह्मपुर, खेमनीचक, जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।
 11. श्री विजय शर्मा पिता— गनौरी शर्मा — सदस्य
 पता— त्रिलोक भवन, आदर्श कॉलोनी, ब्रह्मपुर, संपतचक, जगनपुरा, रामकृष्ण नगर, पटना।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री नारायण शिव-शक्ति मंदिर, ग्राम— न्यू ब्रह्मपुर, आदर्श कॉलोनी, मार्ग संख्या— 04, रामकृष्ण नगर, पोस्ट— न्यू जगनपुरा, अंचल+प्रखंड— संपतचक, अनुमंडल— सदर, जिला— पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:— न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलैल / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
 अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

19 मई 2023

सं० 563—श्री गोपालजी मंदिर, ग्राम— रानीगंज, पोस्ट+थाना— ईमामगंज, जिला—गया, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०—2015/67 है।

उक्त मंदिर में 02.57 एकड़ (04 बीघा 16 कट्ठा 06 धूर) भूमि है। इसकी पूर्व में प्रबंधन स्व० काली पाठक द्वारा की जाती थी। तत्पश्चात उनकी एक मात्र सुपुत्री जानकी देवी एवं उनके स्वर्गवास के पश्चात उनकी एकमात्र मालती देवी द्वारा की जाती रही। सभी पक्षों को सुनने के उपरांत दिनांक— 22/10/2021 को सुनवाई के उपरांत यह पाया गया कि जनसामान्य के चंदा आदि के माध्यम से हिन्दू देवी-देवताओं की प्रतिमा का निर्माण और मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया। परंतु इसी बीच मंदिर में विशेष जाति-संप्रदाय की प्रतिमा के कारण विवाद हुआ, जिस पर किसी जाति विशेष की प्रतिमा स्थापित किये जाने पर रोक लगायी गयी एवं दोनों पक्षों का मिलकर एक-दूसरे के सहयोग से कार्य करने तथा मंदिर के विकास की परामर्श दी गयी। दोनों पक्षों का यह निर्देश दिया गया कि मिलकर ग्यारह व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्षद को उपलब्ध कराये, ताकि एक न्यास समिति का गठन किया जा सके।

उपरोक्त परिस्थिति पर विचारोपरांत ग्रामीणों की एक बैठक दिनांक— 24/05/2022 में प्रस्तावित नामों में कुछ संशोधन के साथ एक योजना का निरूपण करते हुये इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन अस्थायी से एक वर्ष के लिए किया जाता है।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—17/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री गोपालजी मंदिर, ग्राम— रानीगंज, पोस्ट+थाना— ईमामगंज, जिला— गया के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री गोपालजी मंदिर न्यास योजना, ग्राम— रानीगंज, पोस्ट+थाना— ईमामगंज, जिला— गया” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री गोपालजी मंदिर न्यास समिति, ग्राम— रानीगंज, पोस्ट+थाना— ईमामगंज, जिला— गया” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास समिति एक बैंक खाता मंदिर के नाम से खोले, जिसका संचालन सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय—व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा— 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा— 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप—पात्रित होंगे तो, उनकी अहर्ता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:—

- | | |
|---|--------------|
| 1. श्री संतोष कुमार | —अध्यक्ष |
| 2. श्री रंजीत कुमार | —उपाध्यक्ष |
| 3. श्री मनोज कुमार पिता— लक्ष्मी प्रसाद (सेवायत परिवार) | — सचिव |
| 4. श्री मनोज कुमार तिवारी | — उप—सचिव |
| 5. श्री भूदेव कुमार सिंह | — कोषाध्यक्ष |
| 6. श्री परमानंद कुमार | — सदस्य |
| 7. श्री कमलु पासवान | — सदस्य |
| 8. श्री अशोक रजक | — सदस्य |
| 9. श्री अजय कुमार वर्मा | — सदस्य |
| 10. श्री राकेश कुमार | — सदस्य |
| 11. श्री पप्पु सिंह | — सदस्य |

सभी का पता—श्री गोपालजी मंदिर, ग्राम— रानीगंज, पोस्ट+थाना— ईमामगंज, जिला— गया।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री गोपालजी मंदिर, ग्राम— रानीगंज, पोस्ट+थाना— ईमामगंज, जिला— गया” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:— न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

24 मई 2023

सं० 609—बाबा बिटेश्वरनाथ मंदिर, (शिव मंदिर, बिहटा), बिहटा, जिला—पटना, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०—290 है।

पुर्व में मंदिर में 68.84 एकड़ भूमि थी। परंतु भू—हदबंदी कार्रवाई के उपरांत, मंदिर को एक युनिट कुल 18.64 एकड़ भूमि प्राप्त हुयी। इसमें से लगभग 01 बीघा भूमि पुर्व महंत द्वारा कन्या विद्यालय हेतु दान दी गयी थी। मंदिर में राग—भोग, पुजा—पाठ एवं व्यवस्था हेतु दिनांक— 12/01/2007 को ग्यारह सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया। न्यास समिति गठन के उपरांत, न्यास की वस्तुस्थिति, आय—व्यय, विकास आदि की जानकारी पर्षद को नहीं दी गयी। पर्षद द्वारा लगातार पत्राचार किया जाता रहा। न्यास समिति के कार्यकाल समाप्त होने के कारण अंचलाधिकारी से नये नामों की मांग दिनांक— 01/10/2016 को की गयी। इसी बीच न्यास समिति द्वारा मंदिर के संबंध में जीर्णोद्धार संबंधी कुछ फोटोग्राफ समर्पित करते

हुये, आय-व्यय विवरणी एवं पर्षद शुल्क जमा किया गया। न्यास समिति के उपाध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा एक प्रार्थना-पत्र दिनांक- 09/01/2023 को दिया गया कि सचिव, प्रवीण कुमार का स्वर्गवास होने के पश्चात बैंक के खाता का संचालन अवरुद्ध है। श्री अजीत झा द्वारा दिनांक- 10/02/2023 को प्रार्थना-पत्र उपलब्ध कराया गया तथा ग्यारह व्यक्तियों के न्यास समिति गठन का प्रस्ताव दिया गया। साथ ही बैठक दिनांक- 20/01/23 तथा दिनांक- 05/02/2023 की प्रति भी समर्पित की गयी। वर्ष 2011 से 2022-23 तक की आय-व्यय विवरणी, विकास कार्यों का फोटोग्राफ भी समर्पित किया गया।

उपरोक्त दस्तावेज से स्पष्ट होता है कि न्यास समिति, निष्ठा एवं लगन से कार्य कर रही है। स्थानीय लोगों की बैठक दिनांक- 05/02/2023 द्वारा दिये गये प्रस्तावित नाम, जिस पर किसी प्रकार की कोई आपत्ति, पर्षद को आज तक प्राप्त नहीं हुयी है।

तदनुसार मा० सदस्य द्वारा प्रस्तावित नाम पर विचारोपरांत एक योजना का निरूपण करते हुये उक्त मंदिर की व्यवस्था, संपत्ति के प्रबंधन, सुरक्षा-व्यवस्था आदि के अस्थायी रूप से न्यास समिति गठित की जाती है एवं चरित्र-सत्यापन प्राप्त होने तथा कार्य संतोषजनक पाये जाने पर आगे समय विस्तार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-13/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए बाबा बिटेश्वर नाथ मंदिर, (शिव मंदिर, बिहटा), बिहटा, जिला-पटना के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “बाबा बिटेश्वर नाथ मंदिर, (शिव मंदिर, बिहटा) न्यास योजना, बिहटा, जिला- पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “बाबा बिटेश्वर नाथ मंदिर, (शिव मंदिर, बिहटा) न्यास समिति, बिहटा, जिला- पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाता का संचालन न्यास समिति के दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपलब्धता की स्थिति में बैठक की अध्यक्षता, उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्यों

- को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
- पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-
1. श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, विशनपुरा, बिहटा, पटना — अध्यक्ष
 2. श्रीमति डॉ० श्वेता विश्वास पति- मनोज कुमार (सदस्य, जिला परिषद्, पटना) — उपाध्यक्ष
पता- ग्राम+पोस्ट- मसौढ़ा, पालीगंज, जिला- पटना।
 3. श्री रत्नेश कुमार, बिहटा, पटना —सचिव
 4. श्री अजीत झा, बिहटा, पटना —कोषाध्यक्ष
 5. श्री रणधीर कुमार, दिलावरपुर, पटना — सदस्य
 6. श्री अरविन्द कुमार, बिहटा, पटना — सदस्य
 7. श्री महेन्द्र सिंह, विशनपुरा, बिहटा, पटना — सदस्य
 8. श्री सुरेश गुप्ता, बिहटा, पटना — सदस्य
 9. श्री मिथिलेश यादव, अलहनपुरा, बिहटा, पटना — सदस्य
 10. श्री राम प्यारे पासवान, बिहटा, पटना — सदस्य
 11. श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह, बिहटा, पटना — सदस्य
- उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “बाबा बिटेश्वर नाथ मंदिर, (शिव मंदिर, बिहटा), बिहटा, जिला- पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।
- नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलै / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

16 मई 2023

सं० 517—श्री रामजी दास मामराज धर्मशाला,मोलदियार टोला, मोकामा, जिला- पटना,बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०-4673/22 है।

उक्त धर्मशाला का निर्माण 90 वर्ष पूर्व स्व० सुन्दर लालजी ने अपनी पत्नी अन्नपूर्णा देवी के नाम से करवाया था, जो आज रामजी दास मामराज धर्मशाला के नाम से प्रसिद्ध है। धर्मशाला, आम जनता के विवाह-संस्कार एवं अन्य कार्यों में प्रयोग होता है तथा इसमें एक विद्यालय, आनन्द मार्ग प्राइमरी स्कूल के नाम से संचालित है। धर्मशाला, वार्ड नं०- 11, पुराना- 06, हो० सं०- 257 पर अवस्थित है। न्यास, खेसरा- 4079, 4080, कुल 20 डी० भूमि, बड़ी बाजार का निबंधन किया गया। निबंधन के पश्चात आम सभा की बैठक कर, न्यास समिति गठन हेतु प्रस्ताव, दिनांक- 05/01/2023 में दिया गया तथा प्रस्तावित नामों का चरित्र-सत्यापन, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय से निर्गत चरित्र-सत्यापन का फोटोप्रति समर्पित की गयी।

उपरोक्त परिस्थिति में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरांत धर्मशाला की व्यवस्था हेतु एक योजना का निरूपण एवं उसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-17/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चातबिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुएश्री रामजी दास मामराज धर्मशाला, मोलदियार टोला, मोकामा, जिला- पटनाके सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम“श्री रामजी दास मामराज धर्मशाला न्यास योजना, मोलदियार टोला, मोकामा, जिला- पटना”होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम“श्री रामजी दास मामराज धर्मशाला न्यास समिति, मोलदियार टोला, मोकामा, जिला- पटना”जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
 4. **न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।**
 5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
 6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
 7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
 8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
 9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
 10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
 11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
 12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
 13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।
 14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
 15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
 16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
 17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
 18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
- पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-
1. अनुमंडल पदाधिकारी, बाढ़, जिला- पटना —पदेन अध्यक्ष
 2. श्री प्रेम प्रकाश "अधिवक्ता" —सचिव
पता-पिता- स्व० रामस्वरूप सिंह, मोलदियार, पो०+था०- मोकामा, पटना।
 3. श्री भूपेन्द्र नारायण सिंह —कोषाध्यक्ष
पता-पिता- स्व० रामेश्वर प्रसाद सिंह, मोलदियार, पो०+था०- मोकामा, पटना।
 4. श्री पवन कुमार —सदस्य
पता-पिता-स्व० सूर्यनारायण प्रसाद ठठेरा, सकरबार टोला, पो०+था०- मोकामा, पटना।
 5. श्री सुरेन्द्र प्रसाद सिंह — सदस्य
पता- पिता-स्व० अम्बिका सिंह, सकरबार टोला, पो०+था०- मोकामा, पटना।
 6. श्री अनिल प्रसाद सिंह — सदस्य
पता-पिता- स्व० ब्रह्मदेव सिंह, मोलदियार, पो०+था०- मोकामा, पटना।
 7. श्री अशोकर कुमार सिंह — सदस्य
पता-पिता- स्व० कृष्णनंदन सिंह, मोलदियार, पो०+था०- मोकामा, पटना।
 8. श्री अरुण सिंह — सदस्य
पता- पिता- स्व० दामोदर सिंह, मोलदियार, पो०+था०- मोकामा, पटना।
 9. श्री आलोक कुमार सिंह, पता- मोलदियार, पो०+था०- मोकामा, पटना। — सदस्य

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री रामजी दास मामराज धर्मशाला, मोलदियार टोला, मोकामा, जिला—पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:— न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

24 मई 2023

सं० 613—श्री ददियल बाबा की ठाकुरबाड़ी (श्री रामजानकी ठाकुरबाड़ी), पुरानी गोदाम, जिला—गया, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०—637 है।

उक्त ठाकुरबाड़ी के प्रबंधन हेतु 07 सदस्यीय समिति का गठन दिनांक— 19/08/1948 को किया गया था। उक्त ट्रस्ट वसीका की कंडिका— 4 में उल्लेख था कि बाबा संत दास आजीवन महंत रहेंगे और उसके उपरांत उनके चेला श्री राम चरण दास महंत होंगे। आगे यह भी उल्लेख था कि यदि कोई ट्रस्टी, जिसका स्वर्गवास हो जाय या निष्क्रिय हो, तो उनके स्थान पर दुसरे ट्रस्टी का चयन, शेष बचे ट्रस्टी द्वारा बहुमत से किया जायेगा। उनके अनुसार वर्ष 1990 में उपरोक्त ट्रस्ट डीड के आलोक में 07 सदस्यीय न्यास समिति, महंत श्री रामचरण दास, श्री पुरन चंद, श्री माणिकचंद खंडेलवाल, श्री सज्जन सुल्तानियां, श्री शिव नारायण मिश्र, श्री बद्री दास डालमिया एवं श्री प्रभू दयाल सुल्तानियां थे। कालांतर में उपरोक्त 07 सदस्यों में से 06 सदस्यों का स्वर्गवास हो गया, परंतु उनके द्वारा ट्रस्ट डीड की शर्तों के अनुसार, न तो अन्य सदस्यों की नियुक्ति की गयी और न ही कोई न्यास न्यासधारी नियुक्त किया गया।

वर्तमान में श्री सज्जन सुल्तानियां, अकेले उक्त मठ का प्रबंधन कर रहे हैं। उनका कहना है कि मंदिर की व्यवस्था एवं विभिन्न वादों के निष्पादन हेतु न्यास समिति गठित की जाय, क्योंकि वे स्वयं भी काफी वृद्ध हो गये हैं तथा अकेले मंदिर की भूमि की सुरक्षा, राग—भोग, अन्य क्रिया—कलाप उनसे संभव नहीं हो पा रहा है। उनके द्वारा 07 सदस्यीय न्यास समिति गठित किये जाने का प्रस्ताव दिया गया। सभी सदस्यों के आधार कार्ड की छायाप्रति भी संलग्न है। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कोई आपत्ति या कोई अन्य नाम पर्षद को प्राप्त नहीं हुआ है।

उपरोक्त परिस्थिति पर विचारोपरांत श्री सज्जन कुमार सुल्तानिया द्वारा प्रस्तावित नामों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए गठित की जाती है और कार्य संतोषजनक तथा थाना से चरित्र—सत्यापन होने के उपरांत नियमित किये जाने पर विचार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—21/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चातबिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री ददियल बाबा की ठाकुरबाड़ी (श्री रामजानकी ठाकुरबाड़ी), पुरानी गोदाम, जिला—गया के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठनकिया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री ददियल बाबा की ठाकुरबाड़ी (श्री रामजानकी ठाकुरबाड़ी) न्यास योजना, पुरानी गोदाम, जिला— गया” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री ददियल बाबा की ठाकुरबाड़ी (श्री रामजानकी ठाकुरबाड़ी) न्यास समिति, पुरानी गोदाम, जिला— गया” जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास समिति एक बैंक खाता मंदिर के नाम से खोले, जिसका संचालन, दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह—जगह भेंट—पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
 9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
 10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
 11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
 12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
 13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
 14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
 15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
 16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
 17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
 18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
- पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-
1. श्री सज्जन कुमार सुल्तानिया पिता- स्व० दुर्गादत्त सुल्तानिया — अध्यक्ष
पता- के०पी० रोड, पुरानी गोदाम, हरि हलवाई के सामने, गया- 823001, मो०- 9386811115
 2. श्री विपिन कुमार केजरीवाल पिता- श्री ओमप्रकाश केजरीवाल — सचिव
पता- 4/ए/12/923, टेकारी रोड, गोसाई बाग, गया- 823001, मो०- 9431271061
 3. श्री श्याम सुन्दर पोद्दार पिता- श्री जयकिशन पोद्दार — कोषाध्यक्ष
पता- निकट अतिथि होटल गली, गुरुद्वारा रोड, आर०एस०- गया- 823001, मो०-9431264501
 4. श्री रोहित कुमार सरावगी पिता- श्री राजेन्द्र प्रसाद सरावगी — सदस्य
पता-12, के०पी० रोड, बैंक रोड, धामी टोला, पी०एन०बी० बैंक, गया-823001, मो०-9334150773
 5. श्री दीपक कुमार पिता- श्री प्रभाव कुमार सिंघानिया — सदस्य
पता- के०पी० रोड, पुरानी गोदाम, जिला- गया- 823001, मो०- 9134020711
 6. श्री प्रदीप कुमार धानुक पिता- श्री श्याम लाल धानुक — सदस्य
पता- मिडल स्कूल, पुरानी गोदाम गया- 823001, मो०- 9994238751
 7. श्री गोपाल शर्मा पिता- स्व० राधेश्याम शर्मा — सदस्य
पता- गया कॉलेज, रामपुर, जिला- गया- 823001, मो०- 9934019595

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में "श्री दड़ियल बाबा की ठाकुरबाड़ी (श्री रामजानकी ठाकुरबाड़ी), पुरानी गोदाम, जिला-गया" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलै / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

12 जून 2023

सं० 788—श्री राम जानकी बड़ा गादी ठाकुरबाड़ी, औटा, मोकामा, जिला-पटना, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०-4 है।

उक्त ठाकुरबाड़ी की व्यवस्था हेतु वर्ष 1987 में प्रस्ताव के अनुसार 09 सदस्यीय न्यास समिति को मान्यता दी गयी थी। पूर्व में मंदिर के अधीन 59.95 एकड़ भूमि थी, जो भू-हदबंदी में सरकार द्वारा अधिग्रहण की गयी। लगभग 25 बीघा भूमि अधिग्रहण के पश्चात, मंदिर की व्यवस्था एवं राग-भोग, पूजा-पाठ हेतु शेष बची। पूर्व में ठाकुरबाड़ी का प्रबंधन, श्री चंद्रकला दास चेला स्व० रुक्मणी दास द्वारा की जाती रही। उनके द्वारा निबंधित विलेख दिनांक- 20/04/1987 द्वारा 09 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था, जिसमें कई शर्तें थी। वर्ष 1987 की समिति के अधिकांश सदस्यों का निधन हो चुका है। मात्र श्री सतीश सिंह एवं श्री वाल्मीकि सिंह जीवित हैं।

विलेख के शर्त के अनुसार अध्यक्ष, सचिव, सदस्य के स्वर्गवास होने के उपरांत उस स्थान को भरने का प्रावधान किया गया है, परंतु उसकी किसी प्रकार की सूचना पर्वद को नहीं दी गयी। अधिनियम की धारा- 59, 60 एवं 70 का भी नियमित रूप से पालन नहीं किया गया। श्री वाल्मीकि प्रसाद ने आवेदन देकर सूचित किया कि लगभग 35 लाख रुपया व्यय करके मंदिर का जीर्णोद्धार, मार्बल युक्त फर्श, ग्रेनाइट का द्वार, मंदिर के प्रांगण में टाइल्स आदि, पुजारी तथा अन्य साधुओं के निवास हेतु कई कक्षों का निर्माण किया गया है। विकास किये गये कार्यों की फोटोप्रति भी समर्पित की गयी। फोटोग्राफ से स्पष्ट होता है कि मंदिर में संतोषजनक निर्माण किया गया है। मंदिर में साफ-सफाई भी है। एक पुस्तकालय का भी संचालन किया जाता है। ग्रामीणों द्वारा एक आम सभा दिनांक- 03/01/2022 को आहुत कर नामों का चयन कर न्यास समिति गठन हेतु प्रस्ताव दिया गया है।

उपरोक्त परिस्थिति में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरांत अस्थायी रूप से एक वर्ष के लिए मंदिर के कुशल संचालन हेतु एक योजना का निरूपण तथा इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक-13/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्वद की उपविधि सं०- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री राम जानकी बड़ा गादी ठाकुरबाड़ी, औंटा, मोकामा, जिला-पटना के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी बड़ा गादी ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, औंटा, मोकामा, जिला- पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी बड़ा गादी ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, औंटा, मोकामा, जिला- पटना” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाता का संचालन न्यास समिति के दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपलब्धता की स्थिति में बैठक की अध्यक्षता, उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा— 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा— 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
- पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:—
1. श्री राम प्रभात सिंह पिता— स्व० राजेन्द्र प्रसाद सिंह, औंटा, मोकामा, पटना — अध्यक्ष
 2. श्री वाल्मीकि प्रसाद सिंह पिता— स्व० राधेश्याम सिंह, औंटा, मोकामा, पटना —सचिव
 3. श्री सुबोध कुमार पिता— स्व० सोने लाल सिंह, औंटा, मोकामा, पटना —कोषाध्यक्ष
 4. श्री रमेश चंद्र सिन्हा पिता— स्व० शिवनंदन प्रसाद सिंह, औंटा, मोकामा, पटना — सदस्य
 5. श्री वीरेन्द्र कुमार (पुर्व विधायक, वि०वि०स०), औंटा, मोकामा, पटना — सदस्य
 6. श्री प्रभाकर सिंह पिता— स्व० चाणक्य सिंह, औंटा, मोकामा, पटना — सदस्य
 7. श्री सुबोध कुमार पिता— स्व० रामाश्रय सिंह (मुखिया), औंटा, मोकामा, पटना — सदस्य
 8. श्री संजय कुमार पिता— स्व० सारंगधर सिन्हा, औंटा, मोकामा, पटना — सदस्य
 9. श्री अंगेस कुमार अभियंता पिता— स्व० शेषेश्वर सिंह, औंटा, मोकामा, पटना — सदस्य
 10. श्री कृष्णनंदन शर्मा पिता—स्व० सच्चिदानंद शर्मा, औंटा हिसातर, मोकामा, पटना — सदस्य
(मो०— 9508698063)
 11. श्री प्रभात कुमार (अधिवक्ता) पिता— स्व० लक्ष्मी साव, औंटा, मोकामा, पटना — सदस्य
- उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री राम जानकी बड़ा गादी ठाकुरबाड़ी, औंटा, मोकामा, जिला— पटना” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।
- नोट:— न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

3 जून 2023

सं० 727—सूर्य मंदिर एवं सूर्य पोखर मानपुर, जिला— गया, पर्वद के अर्न्तगत निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०— 4565 है। इस न्यास में लगभग 11 ए० 33 डी० जमीन है। उक्त मंदिर तथा मंदिर की व्यवस्था, प्रबंधन हेतु अनुमंडल पदाधिकारी से न्यास समिति गठित किए जाने हेतु नामों की मांग की गई, परन्तु प्रतिवेदन अप्राप्त रहा। इस बीच ग्रामीणों द्वारा एक आम सभा कर 11 व्यक्तियों के नाम का प्रस्ताव पर्वद में कुछ जनप्रतिनिधियों के अनुशंसा के साथ उपलब्ध कराया गया, जिस पर पुनः अनुमंडल पदाधिकारी से मंतव्य की मांग की गई तदोपरान्त अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा पत्रांक— 1593, दिनांक— 28/10/2022 के द्वारा प्राप्त सूची में कुछ नाम को जोड़ते हुए अपना प्रस्ताव दिनांक— 14/11/2022 को उपलब्ध कराया। आम सभा द्वारा प्राप्त प्रस्ताव का चरित्र सत्यापन हेतु भी संबंधित थाने को पत्र भेजा गया, परन्तु चरित्र सत्यापन अप्राप्त है, अतः मामले को अतः ज्यादा लंबित रखना उचित नहीं पाते हुए आम सभा व अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा प्राप्त नामों पर विचारोपरान्त एक योजना का निरूपण करते हुए निम्न न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए करने का निर्णय लिया गया।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक— 24/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्वद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए “सूर्य मंदिर एवं सूर्य पोखर मानपुर, जिला— गया” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “सूर्य मंदिर एवं सूर्य पोखर न्यास योजना, मानपुर, जिला— गया” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “सूर्य मंदिर एवं सूर्य पोखर न्यास समिति, मानपुर, जिला— गया” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. बैंक खाते का संचालन अध्यक्ष/सचिव/कोषाध्यक्ष में से कोषाध्यक्ष को अनिवार्य रूप से रखते हुए अध्यक्ष एवं सचिव में से किसी एक के द्वारा संयुक्त हस्ताक्षर से संचालित किया जाएगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपलब्धता की स्थिति में बैठक की अध्यक्षता, उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-
01. अनुमंडल पदाधिकारी, गया — पदेन अध्यक्ष
02. श्री इन्द्र देव विद्रोही, (पूर्व पार्षद), पिता- स्व० रामशरण महतो, मानपुर, गया —कार्यकारी अध्यक्ष
(मो०- 9508927083)
03. श्री कृष्ण मांझी, पिता- श्री रामअवतार मांझी, मानपुर, गया — उपाध्यक्ष
04. श्री मुन्ना कुमार, पिता-चिंतामणी प्रसाद, मानपुर, पटवा टोली, गया (9801917200) —उपाध्यक्ष
05. श्री अवध बिहारी कुमार, सुरहरी भदेजा, मानपुर, गया (मो०-9097389311) —सचिव
06. श्री राकेश कुमार पांडे पिता- स्व० रामनारायण पांडे (मो०- 9852857027) —कोषाध्यक्ष
07. श्री मनोज कुमार (पार्षद) पिता- स्व० महेन्द्र साव, सुढी टोला, गया (मो०- 9430034759) —सदस्य
08. श्री धर्मेन्द्र कुमार, उप प्रमुख, मानपुर, गया (मो०- 9708228124) —सदस्य
09. श्री वीरेन्द्र कुमार, लखीबाग, मानपुर, गया (मो०- 9955080924) — सदस्य
10. श्री प्रकाश राम, पिता- स्व० चमारी राम (मो०- 9852200244) — सदस्य
11. एस०डी०पी०ओ०, मानपुर, गया — सदस्य

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “सूर्य मंदिर एवं सूर्य पोखर मानपुर, जिला— गया” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:— न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

7 अप्रैल 2022

सं० 69—श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, शेरपर बरबीघा, जिला—शेखपुरा एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास के रूप में पर्वद से निबंधित न्यास है जिसकी निबंधन सं०—2214 है।

इस न्यास की व्यवस्था हेतु 9 सदस्यीय न्यास समिति का गठन वर्ष 2003 में दिनांक—16/08/2003 को किया गया था। वर्ष 2012 तक समिति ठीक-ठाक काम करती रही और उस समय आय-व्यय विवरणी संबंधी रजिस्टर दाखिल करते हुए यह कथन किया गया कि 1,00,000 रु० मंदिर के नाम से संचालित बैंक के (खाता सं०—15424, पंजाब नेशनल बैंक) में जमा था। इसी बीच तत्कालिन न्यास समिति के सचिव श्री नवल किसोर सिंह द्वारा पासबुक वगैरह अपने कब्जे में लेकर सभी प्रकार के बंदोबस्ती आदि स्वयं अकेले करने लगे और उससे वसूली भी नकद रूप में प्राप्त करने लगे और उसे समिति के समक्ष कभी नहीं रखा गया। इस संबंध में शिकायत-पत्र भी पर्वद में दाखिल किया था, वर्तमान में पूर्व न्यास समिति के 3 सदस्य क्रमशः श्री विनय कुमार, श्रीमती निर्मला देवी, एवं चमरू पासवान जो सचिव के साथ सहयोग करते थे उनलोगों ने न्यास समिति से इस्तिफा दे दिया है तथा सचिव नवल किशोर सिंह का भी स्वर्गवास वर्ष 2020 में हो चुका है तथा एक अन्य सदस्य श्री अजय कुमार सिंह का भी स्वर्गवास हो गया है। संचिका पर तत्कालिन सचिव द्वारा दाखिल आय-व्यय विवरणी पूर्ण रूप से अस्पष्ट है। आय की स्पष्ट राशि का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जो स्पष्ट करता है कि मंदिर की भूमि तथा मंदिर से होनेवाली आय का दुरुपयोग किया गया परन्तु चूंकि तत्कालिन सचिव का स्वर्गवास हो चुका है। इसलिए कोई कार्रवाई उनके विरुद्ध किया जाना सही नहीं है।

उपरोक्त स्थिति स्पष्ट करती है कि उक्त न्यास समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है और कार्य समिति भी अल्पमत में है चूंकि 9 में से 3 सदस्य त्याग-पत्र दे चुके हैं और 2 सदस्यों का स्वर्गवास हो चुका है और न्यास समिति बनाये जाने हेतु पर्वद के पत्र के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक 689, दिनांक 12/08/2021 द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव भेजा गया है और उक्त प्रस्तावित नामों का चरित्र सत्यापन भी संबंधित थाने से दिनांक 29/01/2022 को प्राप्त हो चुका है, परन्तु सूची से स्पष्ट होता है। कि कुछ सदस्य सगे भाई हैं जो श्री महेश्वर सिंह के पुत्र हैं एवं रामानुग्रह सिंह के पुत्र हैं और एक ही परिवार के 2 सदस्यों को समिति में रखा जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। अतः मंदिर संचालन हेतु एक समिति का गठन करते हुये योजना का निरूपण किया जाता है।

योजना

1. श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, ग्राम—शेरपर, बरबीघा, जिला—शेखपुरा न्यास में निहित सम्पत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए निरूपित योजना का नाम **श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, शेरपर, बरबीघा** होगा और इसके कार्यान्वयन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **श्री राम जानकी ठाकुर बाड़ी न्यास समिति, शेरपर, बरबीघा** होगा, जिसमें ठाकुरबाड़ी न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा। इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य होगा कि श्री राम जानकी का पूजा-अर्चना, राग-भोग, उत्सव-समैया आदि समुचित ढंग से सम्पादित करेंगे।

2. न्यास की आय — व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली परख होगी।

3. मन्दिर से प्राप्त होनेवाली समग्र राशि का लेखा संधारण किया जायेगा। न्यास समिति किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर न्यास की आय संधारित करेगी। न्यास के खाते का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या उपाध्यक्ष दोनों में से कोई एक के संयुक्त हस्ताक्षर से होगा। कोषाध्यक्ष न्यास के आय व्यय के लेखा के संधारण के लिए उत्तरदायी होंगे।

4. न्यास समिति न्यास की हस्तांतरित/अवक्रमित भूमि यदि कोई हो तो उसकी वापसी के लिए सही नियमानुकूल कार्रवाई करेगी।

5. न्यास समिति, अधिनियम एवं उपविधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास की आय-व्यय की विवरणी बजट, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त, न्यास शुल्क सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से या अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक साल में कम से कम 4 बार अवश्य होगी। बैठक का कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति के कोई सदस्य अपने कर्तव्यों के निर्वहन में विफल रहेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो उनके सदस्य रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

8. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन अथवा संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

9. न्यास समिति का कोई सदस्य यदि अपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे या न्यास के प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से लाभ उठाते पाये जायेंगे तो उनकी सदस्यता समाप्त हो जायेगी।

9. मंदिर में आने वाले भक्तों का विशेष कर महिला भक्तों की सुविधा का ख्याल समिति द्वारा रखा जायेगा।

10. न्यास समिति को न्यास की भूमि भू-सम्पतियों के किसी भी प्रकार के अन्तरण का अधिकार नहीं होगा।

उक्त योजना को मुर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित न्यास समिति 05 वर्ष के लिए कार्यरत होगी—

1. अनुमंडल पदाधिकारी, शेखपुरा	अध्यक्ष
2. श्री रामाशीष सिंह पिता स्व० उपेन्द्र सिंह	उपाध्यक्ष
3. श्री धर्मेन्द्र कुमार पिता स्व० रामानुग्रह सिंह	सचिव
4. श्री अजय कुमार सिंह, पिता श्री महेश्वर सिंह	कोषाध्यक्ष
5. श्री सुनिल कुमार सिंह, पिता—श्री गणेश सिंह	सदस्य
6. श्रीमती शोभा देवी, पति—श्री शिबु रविदास	सदस्य
7. श्री चंद्रभानु शर्मा, पिता—श्री अर्जुन शर्मा	सदस्य

सभी का पता ग्राम— शेरपुर, बरबीघा, जिला— शेखपुरा।

समिति को निर्देश दिया जाता है कि मंदिर के नाम से जो पुराना खाता था उसको शीघ्र चालू करें और खाते से किसी प्रकार की निकासी कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या उपाध्यक्ष दोनों में से कोई एक के संयुक्त हस्ताक्षर से ही किया जायेगा।

उपरोक्त संस्था में गांव नारायणपुर मौजा में 6.73 डी० जमीन है और शेरपुर में 87 डिसमिल जमीन है। उपरोक्त सभी भूमि की बंदोबस्ती करने का एकमात्र अधिकार न्यास समिति को होगा और उक्त बंदोबस्ती अधिक से अधिक 2 वर्ष के लिए की जा सकती है। बंदोबस्ती की राशि सचिव या कोषाध्यक्ष को देकर रसीद प्राप्त की जायेगी और मंदिर के नाम बैंक के खाते में पैसा जमा करेंगे। मंदिर से संबंधित यदि कोई दावा न्यायालय में दाखिल करना है या चल रहा है तो समिति आपस में बैठकर निर्णय लेगी की समिति की तरफ से उस मुकदमें में कौन सदस्य उपस्थित होंगे और वही समिति की तरफ से वकालतनामा दाखिल कर मुकदमें आदि की पैरवी करेंगे तथा समिति को मंदिर की भूमि के संबंध में किसी प्रकार का विक्रय करने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक की पर्षद से कोई अनुमति प्राप्त न कर ली जाए।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

18 मार्च 2023

सं० 4335—परमहंस लक्ष्मीनारायण मंदिर (सेवा न्यास), ग्राम+पोस्ट+थाना— वनगाँव, जिला—सहरसा, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—4114/11 है।

परमहंस लक्ष्मी नारायण मन्दिर, वनगाँव की स्थापना गोस्वामी लक्ष्मीनाथ परमहंसजी द्वारा की गयी थी। उक्त मन्दिर की व्यवस्था हेतु दिनांक— 16/05/2010 को एक न्यास समिति का गठन किया गया, जिसका नाम परमहंस लक्ष्मी गोसाई सेवा न्यास रखा गया। लिखित दस्तावेज द्वारा न्यास पत्र तैयार किया गया। ग्रामीणों द्वारा उक्त मन्दिर की सूचना पर्षद को दी गयी, जिसको सार्वजनिक धार्मिक न्यास पाते हुए बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित किया गया, जिसकी निबंधन संख्या— 4114/11 है। उक्त मन्दिर की व्यवस्था हेतु दिनांक— 21/07/2011 को ग्रामीणों के प्रस्ताव पर 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया, परन्तु तत्कालीन अध्यक्ष, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के भ्रमण के क्रम में गठित न्यास समिति के विरुद्ध ग्रामीणों में काफी रोष पाया गया, जिसपर सभी पक्षों को सुनकर उनकी उपस्थिति में पर्षदीय आदेश दिनांक— 07/02/2012 द्वारा उक्त न्यास समिति से संबंधित अधिसूचना को निरस्त किया गया। तदोपरांत श्री अरविन्द झा को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया और पुनः नये सिरे से न्यास समिति गठन किये जाने का निर्देश दिया गया है, परन्तु विषम परिस्थितिवश कोई आदेश नहीं पारित हो सका और न अस्थायी न्यासधारी द्वारा कोई पत्राचार किया गया।

दिनांक— 16/11/2021 को श्री अरविन्द खां द्वारा अपने प्रार्थना-पत्र के साथ दिनांक— 18/09/2021 को आयोजित आमसभा में उपस्थित ग्रामीणों तथा उक्त बैठक में लिये गये प्रस्ताव जिसमें 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव न्यास समिति गठन किये जाने हेतु भेजा गया है। उक्त नामों को चरित्र—सत्यापन हेतु संबंधित थाना को दिनांक— 24/12/2021, दिनांक— 23/12/2021, दिनांक— 04/04/2022 एवं दिनांक— 15/06/2022 को पत्र व स्मार—पत्र भेजा गया। उक्त पत्र के आलोक में थानाध्यक्ष द्वारा प्रस्तावित नामों का चरित्र—सत्यापन दिनांक— 16/01/2023 को भेजा गया। उक्त प्रतिवेदन में 06 व्यक्ति क्रमशः श्री कुमोद चौधरी, श्री शम्भू नाथ मिश्र, श्री मोहन जी खां, श्री अरविन्द खां, श्री अश्विनी कुमार झा, एवं श्री हिरेन्द्र कुमार झा को सही पाया तथा उनके विरुद्ध कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं पायी गयी।

साथ ही श्री भोलानाथ खां की अध्यक्षता में दिनांक— 07/05/2022 को बैठक आहुत की गयी। उक्त बैठक में प्रस्तावित 12 नामों पर स्वमेव चरित्र—सत्यापन कराके, प्रस्तावित नामोंका चरित्र—सत्यापन प्रतिवेदन भेज गया। पूर्व में जो अरविन्द खां की अध्यक्षता में बैठक की गयी, उनके द्वारा पर्षद में उपस्थित होकर दिनांक—13/02/2023 को आम—सभा की बैठक दिनांक—07/05/2022 को स्वयं—भू न्यास समिति तथा आमंत्रित सदस्यों की बैठक संबंधी प्रस्ताव की प्रति, मौजा—वनगाँव के खतियान की फोटोप्रति, जिसमें खाता संख्या—1406 के 10 खेसरा, जो गैरमजरूआ और अंतिम कॉलम में

बकब्जे श्री लक्ष्मी नारायण ठाकुर जी बेलगान के साथ दिनांक-26/02/1895 को निरशुल झा द्वारा 07 क 03 धुर भूमि का खेसरा संख्या-9506, 9508, श्री जागेश्वर प्रसाद झा के पक्ष में विक्रयनामा की प्रति समर्पित की गयी और निवेदन किया गया कि प्रस्तावित नामों की न्यास समिति गठित की जाए, जिससे मन्दिर की सुव्यवस्था एवंसंपत्ति की देख-रेख, पूजा-पाठ नियमित रूप से हो सके।

उपरोक्त प्रस्ताव पर किसी व्यक्ति द्वारा किसी प्रकार की आपत्ति पर्षद में प्राप्त नहीं है। चूंकि विगत 10 वर्षों में किसी न्यास समिति का गठन नहीं होने के कारण मन्दिर के संबंध में कोई जानकारी पर्षद को नहीं प्राप्त हो रही थी तथा मन्दिर से प्राप्त होने वाली राशि और मन्दिर में क्या विकास आदि का कार्य किया गया है, इस कारण पर्षद के निरीक्षक द्वारा दिनांक-17/02/2011 को निरीक्षण किया गया था, जिसमें यह पाया गया था कि मन्दिर के बाहर एक बड़ा गेट है, इसमें सभी दानदाता के नाम का उल्लेख है और बहुत सी दुकान है। मन्दिर लगभग 51 फीट ऊँचा तथा 100X100 वर्गफीट में विस्तृत है। मन्दिर का कार्य पुरा हो चुका है और नक्कासी का कार्य बाकी है। पूरब की तरफ बाबा की कुटी, संस्कृत उच्च विद्यालय, फुस की कुटियानुमा सिमेन्टेड कुटिया है तथा एक सांस्कृतिक मंचनुमा कक्ष निर्मित है। एक ओर संग्रहालय और दुसरी ओर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है। मन्दिर को चंदा, पोखर में मछली पालन का ठेका, हाट-बाजार, तथा कैम्पस में स्थित दुकान किराया आदि से लगभग 05 लाख से अधिक की आय होती है।

उपरोक्त सभी परिस्थितियों पर विचारोपरान्त मन्दिर की सुरक्षा, व्यवस्था हेतु एक योजना को निरूपण करते हुए अस्थायी रूप से प्रस्तावित नामों की न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया जाता है।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-14/02/2023 के आलोक में बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं0-43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए **परमहंस लक्ष्मीनारायण मंदिर सेवा न्यास, ग्राम+पोस्ट+थाना- वनगाँव, जिला-सहरसा** की सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति अस्थायी रूप से गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“परमहंस लक्ष्मीनारायण मंदिर सेवा न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट+थाना- वनगाँव, जिला- सहरसा”** होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“परमहंस लक्ष्मीनारायण मंदिर सेवा न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट+थाना- वनगाँव, जिला-सहरसा”** जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. **न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।**
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की सरकारी कार्यों में व्यस्तता होने पर उपाध्यक्ष बैठक आहुत करेंगे तथा बैठक की अध्यक्षता करने का अधिकार होगा, परंतु शर्त यह होगी कि उसके पूर्व अध्यक्ष को बैठक की सूचना एवं बैठक में लिये जाने वाले निर्णयों की सूचना समय-समय पर लिखित रूप से अवश्य दी जायेगी।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा— 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा— 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक न्यास समिति अस्थायी रूप से गठित की जाती है। कार्य संतोषजनक पाये जाने पर नियमित किया जायेगा:—

1. जिला पदाधिकारी, सहरसा	— अध्यक्ष
2. श्री भोलानाथ खाँ पिता— स्व० सत्यनारायण खाँ	— उपाध्यक्ष
3. श्री मोहन जी खाँ पिता— श्री उदय शंकर खाँ	— उपाध्यक्ष
4. प्रो० कुमोद चौधरी पिता— स्व० रामचन्द्र चौधरी	— सचिव
5. श्री हिरेंद्र कुमार झा उर्फ मून्ना जी पिता— स्व० ललितेश्वर झा	— कोषाध्यक्ष
6. श्री अश्विनी कुमार झा पिता— स्व० गौरीशंकर झा	— सदस्य
7. श्री अरविन्द खाँ पिता— श्री अनिरुद्ध खाँ	— सदस्य
8. श्री शम्भूनाथ मिश्र पिता— स्व० जीवनाथ मिश्र	— सदस्य
9. श्री जवाहर मिश्र पिता— स्व० लाल बहादुर मिश्र	— सदस्य
10. श्री रूपेश कुमार झा पिता— श्री शंभूनाथ झा	— सदस्य
11. श्री लक्ष्मण खाँ पिता— स्व० घनानन्द खाँ	— सदस्य

सभी का पता—ग्राम+पोस्ट+थाना— वनगाँव, जिला— सहरसा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “परमहंस लक्ष्मीनारायण मंदिर सेवा न्यास, ग्राम+पोस्ट+थाना— वनगाँव, जिला— सहरसा” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:— न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन / विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य,अप्रभावी वो क्षेत्राधिकार से बाहर होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

21 फरवरी 2023

सं० 3989—श्री शिव-शक्ति मंदिर,ग्राम—चिल्कीपुर, पोस्ट—फरीद, थाना—रहुई, जिला—नालंदा,बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—4635/22 है।

उक्त मंदिर का जीर्णोद्धार वहां के स्थानीय लोगों द्वारा आपसी सहयोग, चंदा आदि की राशि से प्रारंभ किया गया, जो पूर्ण हो चुका है। मंदिर में प्रतिमा भी स्थापित की जा चुकी है। स्थानीय जनता द्वारा 11 व्यक्तियों की न्यास समिति गठित किये जाने हेतु प्रस्ताव दिनांक— 26/03/2022 को पर्षद में समर्पित किया गया। उक्त प्रस्तावित नामों की सूची अनुमंडल पदाधिकारी को पर्षदीय पत्रांक— 1385, दिनांक— 19/07/2022 द्वारा प्रेषित करते हुये, उनसे मंतव्य की मांग की गयी, परंतु कोई प्रतिवेदन अप्राप्त रहा। पुनः स्मार—पत्र दिनांक— 22/11/2022 द्वारा प्रेषित किया गया, परंतु उसका प्रतिउत्तर भी अप्राप्त है।

प्रस्तावित नामों का चरित्र—सत्यापन संबंधित थाना से करवाया गया, जिसके आलोक में थानाध्यक्ष का प्रतिवेदन दिनांक— 17/10/2022, दिनांक— 14/12/2022 एवं दिनांक— 16/12/2022 द्वारा पर्षद को प्राप्त हुआ, जिसमें उल्लेख किया गया कि प्रस्तावित नामों में से किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं है तथा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भी प्रस्तावित नामों के संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गयी है।

उपरोक्त परिस्थिति पर विचार करते हुये उक्त मंदिर में राग—भोग एवं पुजा—पाठ आदि की व्यवस्था हेतु एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु प्रस्तावित नामों की न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—17/01/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री शिव-शक्ति मंदिर, ग्राम—चिल्कीपुर, पोस्ट—फरीद, थाना—रहुई,

जिला-नालंदा की सम्पत्तियों की सुरक्षा, संरक्षण तथा सुप्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री शिव-शक्ति मंदिर न्यास योजना, ग्राम-चिल्कीपुर, पोस्ट- फरीद, थाना- रहुई, जिला-नालंदा” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री शिव-शक्ति मंदिर न्यास समिति, ग्राम- चिल्कीपुर, पोस्ट- फरीद, थाना- रहुई, जिला-नालंदा” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन तीन सदस्यों (अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा, जिसमें एक सदस्य के रूप में कोषाध्यक्ष रहेंगे तथा अध्यक्ष या सचिव में से कोई एक सदस्य के संयुक्त हस्ताक्षर से किसी भी राशि की निकासी की जा सकेगी।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिरकी गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक प्रेषण प्रतिवर्ष करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में अध्यक्ष के सभी दायित्व का निर्वहन उपाध्यक्ष सम्पादित करेंगे।
14. न्यास में अवस्थित सभी दुकानों, किरायेदारों तथा शाखा मठ, विद्यालय का किराया/आय की संग्रह का दायित्व सचिव एवं सह-सचिवों का होगा। ये न्यास की आय को संकलन कर कोषाध्यक्ष को हस्तगत करायेंगे तथा कोषाध्यक्ष उपरोक्त राशि को न्यास के खाते में जमा करेंगे। इस कार्य में पुरी पारदर्शिता स्थापित की जायेगी।
15. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
16. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

श्री संजीव कुमार सिंह पिता- स्व० महेश्वर सिंह-	संरक्षक
1. श्री अशोक कुमार पिता- स्व० कृष्णा प्रसाद-	अध्यक्ष
2. श्री कुमार मंगलम पिता- श्री योगेन्द्र सिंह-	उपाध्यक्ष
3. श्रीमति अर्चना सिंह पति- श्री संजीव कुमार सिंह-	सचिव
4. श्री अरुण कुमार पिता- बिलट राय-	कोषाध्यक्ष
5. श्री कौशलेन्द्र कुमार सिंह पिता-श्री देवेन्द्र नाथ सिंह-	सदस्य
6. श्री सुधीर कुमार पिता-श्री श्रद्धा सिंह-	सदस्य
7. श्री जैकी कुमार पिता- श्री संतोष कुमार सिंह-	सदस्य
8. श्री सुशांत कुमार सिंह पिता-श्री नवीन कुमार सिंह-	सदस्य
9. श्री प्रह्लाद कुमार पिता-श्री मसुदन पासवान-	सदस्य
10. श्री रंजन बिंदु पिता- श्री जगलाल बिंदु-	सदस्य

उपरोक्त सभी का पता—ग्राम— चिल्कीपुर, पोस्ट— फरीद, थाना— रहुई, जिला—नालंदा।

उक्त आदेश के आलोक में “श्री शिव-शक्ति मंदिर, ग्राम— चिल्कीपुर, पोस्ट— फरीद, थाना— रहुई, जिला—नालंदा” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन / विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

7 जून 2023

सं० 757—श्री ठाकुर जी लक्ष्मीनारायण मंदिर (अतिमीगंज मंदिर), अतिमीगंज, जिला— रोहतास, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०—1249/63 है।

पूर्व में उक्त मंदिर की देख-भाल न्यासधारी गोविन्द दास द्वारा की जाती थी, जिनका स्वर्गवास वर्ष 1989 में हो गया था। तदोपरान्त अंचलाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी बनाया गया। उक्त मंदिर में 12 ए० भूमि है। तदोपरान्त उक्त मंदिर की देख-भाल कर रहे साधू श्री कुरेशाचार्य को दिनांक— 24/05/1990 को अस्थायी न्यासधारी बनाया गया, परन्तु आदेश का पालन नहीं करने के कारण उन्हें भी वर्ष 1994 में अपसारित करते हुए पुनः अंचलाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी बनाया गया है और इस दौरान कुरेशाचार्य मंदिर में ही रह कर अपना जीवन-यापन करते थे। दिनांक 01/03/2016 को पर्षद में उपस्थित होकर कुरेशाचार्य द्वारा प्रार्थना-पत्र दिया गया कि वर्ष 2003 से मंदिर को छोड़कर तीर्थाटन पर गये थे। 12 वर्ष पश्चात् लौटने पर उन्हें जानकारी प्राप्त हुई कि मंदिर के खाता संख्या— 196, प्लॉट संख्या— 1873 की भूमि अधिग्रहण की गयी है, जिसका मुआवजा राशि लगभग 71 लाख है, एक षडयंत्र के तहत प्राप्त करने का प्रयास एक फर्जी व्यक्ति “रामेश्वराचार्य” द्वारा किया जा रहा है। उक्त सूचना पर पत्रांक— 644, दिनांक— 07/11/2017 द्वारा भू-अर्जन पदाधिकारी को मुआवजा भुगतान पर रोक लगाया गया और उसकी सूचना उन्हें दी गयी तथा उक्त फर्जी व्यक्ति रामेश्वराचार्य के विरुद्ध लिखित शिकायत की गयी कि वह अपराधिक व्यक्ति है, वह दिनारा थाना काण्ड संख्या—49/2001 में हत्या का अभियुक्त भी है और उक्त व्यक्ति के द्वारा राजस्व कार्यालय से षडयंत्र के तहत भूमि को अपने नाम से वायत के रूप में इन्द्राज करा लिया गया है। जबकि उक्त रामेश्वराचार्य को कभी भी पर्षद द्वारा साधू/महंत/न्यासधारी या किसी पद के लिए कोई मान्यता नहीं दी गयी है। न उनके द्वारा पर्षद में आजतक कोई कागजात पर्षद में अपने महंती के संबंध में दाखिल किया गया। पर्षद के रोक के बावजूद भी वह राशि भू-अर्जन कार्यालय के षडयंत्र के तहत कन्सोलिटेड बाउचर के माध्यम से भुगतान कर दिया गया है। नियमानुसार उक्त भुगतान बैंक खाता में भी नहीं किया गया है और न पर्षद को इसकी कोई जानकारी दी गयी।

पर्षद के पत्र द्वारा उक्त फर्जी रामेश्वराचार्य को पर्षद के समक्ष उपस्थित होकर भुगतान प्राप्त करने के अधिकार के संबंध में स्पष्टीकरण की मांग की गयी। परन्तु यह कभी पर्षद में उपस्थित नहीं हुए और फर्जी निकासी के संबंध में पर्षद के आदेश दिनांक— 20/06/2022 द्वारा गृह विभाग, बिहार सरकार को एवं प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग, बिहार सरकार को भेजी गयी, परन्तु खेद की बात है कि किसी अधिकार के पास कोई रिपोर्ट या कार्रवाई के संबंध में कोई सूचना पर्षद को नहीं दी गयी।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक— 25/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात्, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में एवं जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री ठाकुर जी लक्ष्मीनारायण मंदिर (अतिमीगंज मंदिर), अतिमीगंज, जिला— रोहतास” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री ठाकुर जी लक्ष्मीनारायण मंदिर (अतिमीगंज मंदिर) न्यास योजना, अतिमीगंज, जिला— रोहतास” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री ठाकुर जी लक्ष्मीनारायण मंदिर (अतिमीगंज मंदिर) न्यास समिति, अतिमीगंज, जिला— रोहतास” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
11. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
12. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष, आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|---|----------------------|
| 1. अंचलाधिकारी, नासरीगंज | -पदेन अध्यक्ष। |
| 2. श्री प्रयाग राम, पिता- स्व० छटु राम | -कार्य वाहक अध्यक्ष। |
| 3. श्री त्रिलोकी नाथ तिवारी, पिता- स्व० वशिष्ठ तिवारी | -उपाध्यक्ष। |
| 4. श्री रंजीत कुमार सिंह, पिता- स्व० हरिहर सिंह | -सचिव। |
| 5. श्री अवधेश साह, पिता- स्व० जदु साह | -कोषाध्यक्ष। |
| 6. श्री सुरेश विश्वकर्मा, पिता- स्व० राम एकबाल विश्वकर्मा | -सदस्य। |
| 7. श्री अनिल राम, पिता- श्री मुन्द्रिका राम | -सदस्य। |
| 8. श्रीमति रेणू देवी, पिता- स्व० जानकी सिंह | -सदस्य। |
| 9. श्री बैजनाथ चौधरी, पिता- स्व० फेंका चौधरी | -सदस्य। |
| 10. श्री काशी चन्द्रवंशी, पिता- श्री कामेश्वर राम | -सदस्य। |
| 11. थानाध्यक्ष, नासरीगंज | -सदस्य। |

सभी का पता-ग्राम- अतिमीगंज, पो०- महादेवा, थाना- नासरीगंज, जिला- रोहतास।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री ठाकुर जी लक्ष्मीनारायण मंदिर (अतिमीगंज मंदिर) न्यास योजना, अतिमीगंज, जिला-रोहतास" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/ बदलैल/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

7 जून 2023

सं० 759—श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम— सेनारी, पो०— खटाँगी, जिला— अरवल, जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबन्धित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबन्धन सं०— 4577/21 है।

उक्त मंदिर में 09 दान—पत्र के माध्यम से तथा कुछ क्रय दस्तावेज के आधार पर 03 ए० से अधिक भूमि मंदिर के नाम से है। साथ ही 15 धुर जमीन मौजा— उपाहरा, जिला— औरंगाबाद, जो अरवल की सीमा पर है, जिसका थाना— संख्या— 243, तौजी नं०— 2741, खाता संख्या— 54, प्लॉट संख्या— 238 एवं जिला— अयोध्या (फैजाबाद) उत्तर प्रदेश में थाना नं०— 243, नजुल— 506, मि०— 5—18—8 के चेक नं०— 03 कुल एरिया— 1233 वर्गफीट पर दो मंजिला मकान, जो वर्तमान मठ का ही भाग है। उक्त मंदिर का संचालन पूर्व तत्कालीन महंत द्वारा दिनांक— 13/01/1995 को गठित न्यास समिति द्वारा की जाती रही है, परन्तु वर्तमान में न्यास समिति के 04 सदस्यों का स्वर्गवास हो चुका है और दो सदस्य काफी वृद्ध और शारीरिक रूप से असक्षम हो गये हैं। उक्त न्यास समिति के एक मात्र सदस्य के रूप में रमेश शर्मा जी हैं, जो आज पर्षद के समक्ष उपस्थित हैं। न्यास समिति बनाये जाने हेतु अंचलाधिकारी से नामों की मांग की गयी थी, परन्तु अंचलाधिकारी के द्वारा किसी प्रकार का प्रस्ताव नहीं दिया गया। इस बीच ग्रामीणों द्वारा पूर्व में की गयी आम सभा दिनांक— 26/03/2017 एवं दिनांक— 09/06/2019 को की गयी। दिनांक— 09/06/2019 को 09 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव न्यास समिति गठन किये जाने हेतु दिया गया। जो पर्षद में दिनांक— 07/10/2020 को प्राप्त कराया गया है और उक्त प्रस्तावित समिति के बारे में किसी प्रकार की कोई आपत्ति किसी स्थानीय नागरिक द्वारा नहीं दाखिल की गयी है। पूर्व न्यास समिति के एक मात्र सदस्य रमेश शर्मा का भी मतव्य है कि प्रस्तावित न्यास समिति में से ही न्यास समिति का गठन किया जाय।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं पर विचारोपरान्त अंचलाधिकारी द्वारा प्रस्ताव नहीं भेजे जाने के कारण आमसभा द्वारा प्रस्तावित नामों की ही न्यास समिति गठन किये जाने का एक मात्र आधार है।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त मंदिर की व्यवस्था हेतु एक योजना का निरूपण करते हुए इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से किया जाता है। चरित्र सत्यापन प्राप्त होने पर व कार्य संतोषजनक पाये जाने पर विचार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक— 27/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में एवं जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम— सेनारी, पो०— खटाँगी, जिला— अरवल”, के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी न्यास योजना, ग्राम— सेनारी, पो०— खटाँगी, जिला— अरवल”, होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी न्यास समिति, ग्राम— सेनारी, पो०— खटाँगी, जिला— अरवल”, होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह—जगह भेंट—पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
11. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।

12. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।
14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष, आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अहर्ता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--|------------|
| 1. श्री रमेश शर्मा, पिता- स्व० सकलदेव सिंह | अध्यक्ष |
| 2. श्री राधेमोहन शर्मा, पिता- स्व० रामरतन शर्मा | उपाध्यक्ष |
| 3. श्री पंकज कुमार बत्स, पिता- स्व० ललन शर्मा | सचिव |
| 4. श्री अंजनी कुमार, पिता- स्व० रत्नेश्वर शर्मा | कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री विनोद कुमार, पिता- स्व० दीनानाथ सिंह | सदस्य |
| 6. श्री योगेश शर्मा, पिता- स्व० ईश्वरी प्र० सिंह | सदस्य |
| 7. श्री अकलु राम, पिता- स्व० घोच राम | सदस्य |
| 8. श्री कारु यादव, पिता- स्व० चन्द्रदेव यादव | सदस्य |
| 9. थानाध्यक्ष, सेनारी | सदस्य |

सभी का पता-ग्राम- सेनारी, पो०- खटाँगी, जिला- अरवल।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम- सेनारी, पो०- खटाँगी, जिला-अरवल", के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/ बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

12 जून 2023

सं० 783—श्री राम लला ठाकुरबाड़ी, कोनी कुटी, जिला-अरवल, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०-1332 है।

उक्त मंदिर से निबंधित समर्पणनामा, दिनांक- 22/02/1899 द्वारा 84.68 एकड़ भूमि श्री हीरा सिंह द्वारा दान की गयी थी। उक्त मंदिर पर्वद में वर्ष 1967 से निबंधित है। दानदाता के वंशजों द्वारा अवैध रूप से बहुत-सी भूमि का स्थानान्तरण कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अवैध विक्रय को निरस्त करने हेतु स्वत्व वाद सं०- 14/95 एवं 31/95 समर्पित किया गया, जिसमें दिनांक- 24/04/2022 को डिक्री हुआ तथा कोनी कुटी के खाता- 77, 70, 94, 177, 211 के विभिन्न खेसरा की 12.5 एकड़ भूमि से संबंधित विक्रय-पत्र निरस्त किया गया और यह भूमि मंदिर की संपत्ति घोषित की गयी।

पर्वद में दानदाता परिवार के डॉ० हेमंत कुमार द्वारा दिनांक- 10/04/2022 एवं दिनांक- 17/04/2022 को प्रार्थना-पत्र समर्पित किया कि न्यास समिति का गठन किया जाय। प्रार्थी द्वारा प्रार्थना किया गया कि वे स्वयं भी राशि व्यय कर, मंदिर के जीर्णोद्धार करने के इच्छुक हैं, परंतु स्थानीय ग्रामीणों की आपत्ति डॉ० हेमंत कुमार द्वारा उपरोक्त स्वत्व वाद में निर्णय के विरुद्ध अपील वाद में पैरवी की जाती है। इस संबंध में प्रार्थी से स्पष्टीकरण की मांग भी की गयी थी, किंतु उनके द्वारा कोई स्पष्टीकरण नहीं समर्पित किया गया है।

ग्रामीणों द्वारा समर्पित खतियान के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि खाता- 3 एवं 61 में 12 एकड़ भूमि खाता संख्या- 70 में 17, 18 एकड़, खाता- 94 में 46.79 एकड़, कुल- 84.68 एकड़ भूमि ठाकुरबाड़ी के नाम का इन्द्राज है। इस संबंध में अंचलाधिकारी द्वारा दिनांक- 31/08/1995 को प्रतिवेदन समर्पित किया गया। प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि लगभग 26.18 एकड़ भूमि पर 29 व्यक्तियों के नाम डिमान्ड खोल दिया गया है तथा खाता- 3 की 80 डी० भूमि पर Duplicate खतियान के आधार पर डिमांड खोला गया है।

पर्षदीय आदेश दिनांक- 18/01/2023 द्वारा उपरोक्त भूमि पर यथास्थिति बनाये रखने अर्थात् उक्त भूमि के क्रय-विक्रय, स्थायी, अस्थायी निर्माण पर रोक लगायी गयी है। ग्रामीणों द्वारा जमाबंदी वाद संख्या- 75/ए०सी०/2022, 125 व्यक्तियों के विरुद्ध लाया गया है तथा प्रथम अपील वाद सं०- 06/2021 भी लाया गया। उनका कहना है कि शीघ्र न्यास समिति का गठन किया जाय, ताकि न्यास समिति उपरोक्त दोनों विचाराधीन वादों में समुचित रूप से पैरवी कर मंदिर की भूमि को सुरक्षित कर सके।

उपरोक्त संदर्भ में ग्रामीणों द्वारा दिनांक- 14/02/2023 को आम बैठक आहुत कर 10 नामों का चयन तथा बैठक की फोटो समर्पित की गयी हैं।

उपरोक्त परिस्थिति में मंदिर की भूमि से संबंधित वादों में पैरवी करने, स्वत्व वाद द्वारा 12.5 एकड़ भूमि की सुरक्षा तथा बंदोवस्ती तथा मंदिर के नियमित राग-भोग, पूजा-पाठ हेतु एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

तदनुसार मा० सदस्य द्वारा प्रस्तावित नाम पर विचारोपरांत एक योजना का निरूपण करते हुये उक्त मंदिर की व्यवस्था, संपत्ति के प्रबंधन, सुरक्षा-व्यवस्था आदि के अस्थायी रूप से न्यास समिति गठित की जाती है एवं चरित्र-सत्यापन प्राप्त होने तथा कार्य संतोषजनक पाये जाने पर आगे समय विस्तार किया जायेगा।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक-13/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चातबिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री राम लला ठाकुरबाड़ी, कोनी कुटी, जिला- अरवल के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठनकिया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री राम लला ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, कोनी कुटी, जिला- अरवल" होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "श्री राम लला ठाकुरबाड़ी न्यास समिति, कोनी कुटी, जिला- अरवल" जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. न्यास के खाता का संचालन न्यास समिति के दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
6. दान-दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। अध्यक्ष की अनुपलब्धता की स्थिति में बैठक की अध्यक्षता, उपाध्यक्ष करेंगे।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
17. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-
 1. अंचलाधिकारी, कलेर, जिला- अरवल —पदेन अध्यक्ष
 2. श्री हरेराम विद्यार्थी पिता-स्व० अर्जुन राम —सचिव
 3. श्री राम ईश्वर सिंह पिता- स्व० रामदेवी यादव —कोषाध्यक्ष
 4. श्री कृष्णा रजवार पिता- स्व० भीखर रजवार —सदस्य
 5. श्री लाल मोहन यादव पिता- स्व० गोवर्द्धन यादव — सदस्य
 6. श्री लछुमण यादव पिता- स्व० रामप्रवेश यादव — सदस्य
 7. श्री नंदकिशोर यादव पिता- स्व० सीताराम यादव — सदस्य
 8. श्री भोला रजवार पिता- स्व० राम राज रजवार — सदस्य
 9. श्री राकेश ठाकुर पिता- श्री राजेन्द्र ठाकुर — सदस्य
 10. श्री सुरेश साव पिता- स्व० रगुन साव — सदस्य

सभी का पता-श्री राम लला ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, कोनी कुटी, जिला- अरवल।

न्यास समिति को यह भी निर्देश दिया जाता है कि आपस में बैठक कर 02 व्यक्तियों का चुनाव कर मंदिर की भूमि से संबंधित वाद में नियमित रूप से पैरवी करेंगे तथा आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारी और न्यायालय में प्रार्थना-पत्र तथा स्वत्व वाद में पारित निर्णय दिनांक- 14/04/2012 के आलोक में जो भूमि का विक्रय-पत्र निरस्त करते हुये मंदिर की घोषित की गयी है, उसकी बंदोवस्ती न्यास समिति करेगी एवं उसमें अवरोध करने का किसी भी व्यक्ति को कोई अधिकार नहीं होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में "श्री राम लला ठाकुरबाड़ी न्यास योजना, कोनी कुटी, जिला- अरवल"के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलैल / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

3 अप्रैल 2023

सं० 34—श्री दुर्गा मंदिर, कुरहा, जिला- बेगुसराय, पर्षद से निबंधित न्यास है, जिसकी निबंधन सं०- 3271 है।

इस सार्वजनिक मंदिर के संचालन, व्यवस्था, रागभोग, पूजा-पाठ, व मंदिर की भूमि पर स्थित दुकान आदि के संबंध में व्यवस्था हेतु एक न्यास समिति का गठन वर्ष 2005 में किया गया था। उक्त समिति में से 04 सदस्य निस्क्रिय हो गये हैं, अतः नयी न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक है, इस संबंध में कार्यरत न्यास समिति के द्वारा 12 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे अंचल अधिकारी द्वारा भी अपने पत्र पत्रांक- 1015, दिनांक- 07.12.2021 द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को तथा अनुमंडल पदाधिकारी ने अपने पत्र 16.12.2021 द्वारा पर्षद को उपलब्ध कराया।

इस बीच ग्रामीणों द्वारा पूर्व न्यास समिति के अनेक तरह के आरोप लगाये जा रहे थे, इनका मुख्य आरोप था कि मंदिर की आय पूर्व रूप से छुपाया जा रहा है। इनके द्वारा भी एक आम सभा करके 11 व्यक्तियों की नयी न्यास समिति का प्रस्ताव पर्षद को दिनांक 23.11.2022 को दाखिल किया गया।

पूर्व न्यास समिति द्वारा अपने कार्यकाल में किये गये कार्यों की सूची पर्षद में दिनांक 27.12.2021 को दाखिल की गयी तथा कुछ फोटोग्राफ भी दाखिल किये गये थे। फोटोग्राफ से मंदिर की स्थिति काफी स्वच्छ और अच्छी प्रतीत होती है तथा दुकान आदि का निर्माण भी किया गया है, कुछ और अन्य छोटे-मोटे कार्य किये गये हैं, इसका कोई विवरण नहीं दिया गया है। न्यास समिति के कार्य में पारदर्शिता नहीं है, फिर भी चूंकि न्यास समिति ने अपने प्रयास से मंदिर को एक विशाल

स्वच्छ रूप दिया है, अतः पूर्व न्यास समिति के कुछ सदस्यों को तथा ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित कुछ नामों को मिला कर उक्त मंदिर की व्यवस्था एवं संचालन हेतु एक योजना का निरूपण करते हुए निम्न न्यास समिति का गठन **अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए** किया जाता है और संतोषजनक पाये जाने पर कार्यकाल आगे विस्तार किये जाने पर विचार किया जायेगा।

मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो **बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है**, का प्रयोग करते हुए **“श्री दुर्गा मंदिर, कुरहा, जिला- बेगुसराय,”** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री दुर्गा मंदिर, कुरहा, जिला- बेगुसराय,”** योजना होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का **“श्री दुर्गा मंदिर, कुरहा, जिला- बेगुसराय,”** होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति, न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, साधु सत्संग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति कर सकेंगे एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और दान, पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए प्रत्येक वर्ष न्यास की बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे (अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष करेंगे) और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | | |
|---|---|------------|
| 1. श्री मोहन यादव, पिता- आनंदी यादव | — | अध्यक्ष। |
| 2. श्री उपेन्द्र प्र० यादव, पिता- स्व० रामखेलावन यादव | — | उपाध्यक्ष। |

3. श्री कुशो तांती, पिता— राम तांती	—	सचिव।
4. श्री मनीष कुमार, पिता— संजय कुमार	—	कोषाध्यक्ष।
5. श्री जवाहर लाल ठाकुर, पिता— कलेश्वर ठाकुर	—	सदस्य।
6. श्री ऋषिदेव यादव, पिता— रामेश्वर यादव	—	सदस्य।
7. श्री रामाशीष पोद्दार, पिता— महेन्द्र पोद्दार	—	सदस्य।
8. श्री मुकेश कुमार, पिता— उदय शंकर प्रसाद	—	सदस्य।
9. श्री राकेश कुमार, पिता— स्व० ब्रह्मदेव यादव	—	सदस्य।
10. श्री नंदकिशोर साह, पिता— बहादुर साह	—	सदस्य।
11. थानाध्यक्ष, साहपुर कमाल	—	सदस्य।

सभी का पता— ग्राम— कुरहा, पो०— साहेबपुर कमाल, थाना— साहेबपुर कमाल, जिला— बेगुसराय, पिन— 851217

पूर्व न्यास समिति के अध्यक्ष, श्री उपेन्द्र प्र० यादव के संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी से रिपोर्ट की मांग की गयी है कि क्या उनके द्वारा निर्मित मकान मंदिर की भूमि पर है या कहीं अन्य है, उसकी स्थल जाँच कर रिपोर्ट समर्पित करें और यदि रिपोर्ट में यह पाया जाता है कि उनके द्वारा भी मंदिर की भूमि पर निर्माण किया गया है तो फिर शीघ्र बिना किसी और नोटिस के न्यास समिति से उनको हटा दिया जायेगा। मनीष कुमार काउन्टर केश जो प्रथम सूचना रिपोर्ट जो दर्ज करायी है उसकी प्रति दाखिल करें तदोपरान्त उस पर निर्णय लिया जायेगा।

न्यास समिति किसी भी व्यक्ति को मंदिर से संबंधित भूमि, दुकान किराये आदि पर देते हैं तो उसकी सूचना शीघ्र पर्षद को दे, चूंकि पूर्व न्यास समिति के द्वारा ऐसा कोई कार्य नहीं किया गया है, जिसके कारण उन पर कोई गंभीर आरोप आर्थिक मामले के संबंध में लगाया गया है।

न्यास समिति को ही मठ की सम्पूर्ण भूमि को बंदोबस्ती करने का अधिकार रहेगा तथा जो अतिक्रमण में भूमि है उसको मुक्त कराने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों और न्यायालयों में प्रार्थना-पत्र और मुकदमा दाखिल करने के लिए अधिकृत किया जाता है।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मठ/मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य—काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 01 वर्ष का होगा। शेष सदस्यों का चरित्र सत्यापन प्राप्त होने पर एवं न्यास समिति का कार्य संतोषजनक पाये जाने पर आगे विचार किया जायेगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “ श्री दुर्गा मंदिर, कुरहा, जिला— बेगुसराय,” के नाम से ही रहेगा, इसमें किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

6 अप्रैल 2023

सं० 65—**श्री गिद्धेश्वरनाथ मंदिर, खैरा, जिला— जमुई,** जो पर्षद में वर्ष 1985 से सार्वजनिक धार्मिक न्यास के रूप में निबंधित है, जिसकी निबंधन सं०— 2806 है।

उक्त मंदिर की व्यवस्था हेतु समय-समय पर न्यास समिति का गठन किया जाता रहा है। पूर्व न्यास समिति का गठन दिनांक— 21.09.2016 को किया गया था। समिति के कार्यरत रहने के दौरान कोषाध्यक्ष द्वारा त्याग-पत्र दे दिया गया था तथा सचिव का स्वर्गवास हो गया था। न्यास समिति के अध्यक्ष, अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा अपने पत्र दिनांक— 02.10.2019 के माध्यम से 03 व्यक्तियों को समिति में रखे जाने हेतु प्रस्ताव दिया था, जिसे पर्षद द्वारा अपने आदेश दिनांक— 04.08.2020 द्वारा अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी गयी थी। उक्त न्यास समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा न्यास समिति गठन किये जाने हेतु पुनः 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में जिला पदाधिकारी, जमुई को रखा गया है, परन्तु चूंकि जिला पदाधिकारी के पास प्रशासनिक व अन्य बहुत से कार्य होते हैं, जिस कारण वह पर्याप्त रूप से समय मंदिर में नहीं दे पाते हैं। इसलिए अनुमंडल पदाधिकारी को अध्यक्ष के रूप में मान्यता देते हुए पर्षद के आदेश दिनांक 24.02.2023 के आलोक में निम्न न्यास समिति का गठन **अस्थायी रूप से** किया जाता है, तथा एक योजना का निरूपण किया जाता है।

मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो **बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है,** का प्रयोग करते हुए “**श्री गिद्धेश्वरनाथ मंदिर, खैरा, जिला— जमुई,**” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**श्री गिद्धेश्वरनाथ मंदिर, खैरा, जिला— जमुई,**” योजना होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास

- समिति का "श्री गिद्धेश्वरनाथ मंदिर, खैरा, जिला- जमुई," होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति, न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, साधु सत्संग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसी में) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति कर सकेंगे एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और दान, पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए प्रत्येक वर्ष न्यास की बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे (अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष करेंगे) और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | | |
|---|---|-------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, जमुई | — | अध्यक्ष। |
| 2. अंचलाधिकारी, जमुई | — | उपाध्यक्ष। |
| 3. श्री श्री वीरो यादव, पिता- स्व० खुशी यादव
पता- ग्राम+पो०- बड़ीबाग। | — | सचिव। |
| 4. श्री श्री महादेव सिंह, पिता- स्व० मथुरा सिंह,
पता-ग्राम+पो०- केवाला फारियता। | — | कोषाध्यक्ष। |
| 5. श्री रमेश साह, पिता- स्व० बेचन साह
पता-ग्राम- पकरी, पो०- भौड़। | — | सदस्य |
| 6. श्री दयानंद पाण्डेय, पिता- श्री नथुनी पाण्डेय
पता- ग्राम- फतेहपुर, पो०-बड़ीबाग। | — | सदस्य। |
| 7. श्री गिरधारी यादव, पिता- स्व० पारो यादव
पता- ग्राम-मेडियातरी, पो०- चन्द्रशैली। | — | सदस्य। |
| 8. श्री शंकर पासवान, पिता- स्व. केशो पासवान,
पता-ग्राम- मीमाईन, पो०- चन्द्रशैली। | — | सदस्य। |

9.	श्री आसीस तांती, पिता— स्व० सरयुग तांती, पता— ग्राम— हरणी, पो०—खेलारी।	—	सदस्य।
10.	श्री रंजीत श्रीवास्तव, पिता— सत्यप्रकाश ना० सिंह पता— ग्राम+पो०—चन्द्रशैली।	—	सदस्य।
11.	श्री पंकज सिंह, पिता— स्व० योगेन्द्र सिंह, पता— ग्राम+पो०— बड़ाबाँध।	—	सदस्य।

सभी का जिला— जमुई।

न्यास समिति को ही मठ की सम्पूर्ण भूमि को बंदोबस्ती करने का अधिकार रहेगा तथा जो अतिक्रमण में भूमि है उसको मुक्त कराने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों और न्यायालयों में प्रार्थना—पत्र और मुकदमा दाखिल करने के लिए अधिकृत किया जाता है।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मठ/मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य—काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 01 वर्ष का होगा। शेष सदस्यों का चरित्र सत्यापन प्राप्त होने पर एवं न्यास समिति का कार्य संतोषजनक पाये जाने पर आगे विचार किया जायेगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “ जमुई जिलान्तर्गत श्री गिद्धेश्वरनाथ मंदिर, खैरा, जिला—जमुई,”के नाम से ही रहेगा, इसमें किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/ बदलैल/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं० 282—प्राचीन शंकर जी मंदिर, भांगर, सिसवन, जिला—सिवान, पर्वद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०— 4676 है।

इस न्यास से संबंधित संचिका पर्वद में वर्ष 1987 के पूर्व से विचाराधीन है। पर्वद को सूचना प्राप्त हुई थी कि श्री कृष्ण भारती द्वारा मठ की सम्पत्ति को बेचा जा रहा है, अतः इस संबंध में स्पष्टीकरण की मांग उनसे वर्ष 1987 में की गयी थी, परन्तु न तो वह उपस्थित हुए और न ही उनके द्वारा कोई स्पष्टीकरण दाखिल किया गया और बार—बार स्मार—पत्र दिये जाने के पश्चात भी वह उपस्थित नहीं हुए। संचिका से स्पष्ट होता है कि उक्त मंदिर में लगभग 133 बीघा जमीन थी। वर्ष 1972 में तत्कालिन महंत द्वारा जो आय—व्यय विवरणी दी गयी थी उसमें उल्लेख किया गया था कि लगभग 88 बीघा जमीन दियारा में है, परन्तु मठ से संबंधित किसी व्यक्ति के उपस्थित नहीं होने के कारण व कार्यालय की लापरवाही से संचिका वर्ष 2006 के बाद कभी उपस्थापित नहीं की गयी। दिनांक 15/07/2021 को उक्त मंदिर की व्यवस्था के संबंध में श्री भीमल यादव व लगभग 400 व्यक्तियों के हस्ताक्षर से एक प्रार्थना—पत्र दिया गया, जिसमें उल्लेख किया है कि सर्वे 1917 के अनुसार उक्त मठ की देखभाल पूर्व में महंत रामचंद्र भारती करते थे और उनके अति वृद्ध हो जाने पर उनके शिष्य रामदयाल भारती बने जो बाल—ब्रह्मचारी थे, और उनके स्वर्गवास के पश्चात उनके शिष्य जीतन भारती बने और वह भी बाल—ब्रह्मचारी थे, जो स्पष्ट करता है कि मंदिर में बाल—ब्रह्मचारी की परम्परा से महंत बनते थे। समय—समय पर मंदिर मरम्मत, यज्ञ आदि का आयोजन किया जाता रहा, जिसमें जनता भी बड़ी संख्या में भाग लेती रही है। जीतन भारती अपने शिष्य के यहां चम्पारण गये और वहीं उनका स्वर्गवास हो गया। ग्रामीणों द्वारा वहां से उनके शव को सिवान लाया गया और वहीं उनका अंतिम संस्कार ग्रामीणों द्वारा किया गया।

इसी बीच कृष्णकांत भारती जो नाबालिक 13—14 वर्ष की उम्र के थे भिक्षाटन करते हुए गांव में आये, अतः ग्रामीणों द्वारा उन्हें मंदिर में पूजा—पाठ के लिए रखा गया और मंदिर की भूमि को ग्रामीणों द्वारा जोत—बो कर मंदिर का खर्च आदि चलाया जाता रहा। कुछ वर्षों के बाद उक्त कृष्णकांत भारती ने अवैध रूप से राशि लेकर के मंदिर की भूमि पर कब्जा कराना प्रारंभ कर दिया और गांव से एक लड़की को लेकर के भाग गये और वर्तमान में उन्हें 04 पुत्र और 01 पुत्री है। ग्रामीणों के प्रार्थना—पत्र पर अंचल अधिकारी से भी मंदिर की व्यवस्था के संबंध में रिपोर्ट की मांग की गयी।

जिसमें अंचल अधिकारी के द्वारा अपने रिपोर्ट पत्रांक 276 दिनांक 14/03/2022 द्वारा यह उल्लेख किया कि खतियान में थाना सं०—507, खाता सं०—1222 तथा खाता सं०—171, 172 की कुल 08 बीघा 12 कट्ठा 18 धुर एवं 04 बीघा 08 कट्ठा 15 धुर भूमि वर्तमान महंत/न्यासधारी रामचंद्र भारती चेला राम दयाल भारती के नाम इन्द्राज है। आगे उल्लेख किया है कि उक्त भूमि में से लगभग 09 एकड़ भूमि पर अवैध रूप से कुछ व्यक्तियों द्वारा कब्जा करा लिया गया है।

जबकि ग्रामीणों के द्वारा खतियान की प्रति दाखिल की गयी है, जिससे स्पष्ट होता है कि थाना सं०—507 के खाता सं०—1222 पर शंकर जी ब्रह्मस्थान महंत रामचंद्र भारती कुल 15 खेसरा में कुल 18 बीघा 10 कट्ठा 10 धुर खाता सं०—170, जिसमें मालिक का नाम महाराज गुरु महादेव तथा असामी के कॉलम में रामकिशुन पांडे, खेसरा सं०—15, 16 का 01 बीघा 18 कट्ठा 04 धुर तथा खाता सं०—171, खेसरा सं०—33 एवं 33/3010 कुल 08 बीघा 12 कट्ठा 18 धुर महंत रामचंद्र भारती चेला रामदयाल भारती खाता सं०—172 में 06 खेसरा की कुल 04 बीघा 08 कट्ठा 15 धुर में रामचंद्र भारती एवं उसी थाना नं० 507 में खाता सं०—960 के 05 खेसरा में कुल 03 बीघा 01 कट्ठा 11 धुर की भूमि रामचंद्र भारती चेला रामदयाल भारती एवं खाता

सं०-1154, खेसरा सं०-100 कुल 0.0.11 कट्टा एवं खाता सं०-1199 के दो खेसरा 35 एवं 33/3046 कुल एरिया 0.9.8 कट्टा महंत रामचंद्र भारती चेला-रामदयाल भारती के नाम से इन्द्राज है, जो स्पष्ट करता है कि अंचल अधिकारी के द्वारा अपनी रिपोर्ट में खाता सं०-1199, 1154, 960 का कोई उल्लेख नहीं किया गया है और यह भी एक स्वीकृत तथ्य है कि उक्त रामचंद्र भारती का स्वर्गवास लगभग 80 वर्ष पूर्व हो चुका है और किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा उक्त भूमि पर अपना कोई दावा भी नहीं किया गया है और वर्षों पूर्व जिस व्यक्ति का स्वर्गवास हो चुका है, उसके नाम को खतियान में इन्द्राज रखना उचित नहीं है और यह भी स्वीकृत तथ्य है कि उक्त रामचंद्र भारती उपरोक्त प्राचीन शंकरजी धाखड़ मठ के न्यासधारी/महंत थे, जैसा कि खाता सं०-1222 का इन्द्राज ही स्पष्ट करता है ।

पिछले लगभग 40 वर्षों से उक्त मंदिर की भूमि और उससे होने वाली आय का बंदरबांट न्यासधारी द्वारा या ग्रामीण द्वारा किया जाता रहा है।

उपरोक्त परिस्थितियों में ग्रामिणों द्वारा प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त पर्षद की सूनवाई दिनांक 22.02.2023 को मंदिर के सम्पूर्ण विकास, भूमि की सुरक्षा हेतु अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। चरित्र सत्यापन प्राप्त होने तथा कार्य संतोषजनक पाये जाने पर समिति का आगे समय विस्तार भी किया जा सकता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “प्राचीन शंकर जी मंदिर, भांगर, सिसवन, जिला-सिवान,” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “प्राचीन शंकर जी मंदिर, भांगर, सिसवन, जिला-सिवान,” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “प्राचीन शंकर जी मंदिर, भांगर, सिसवन, जिला-सिवान,” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने

- वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. अंचल अधिकारी- सिसवन, सीवान	—	अध्यक्ष
2. श्री भीमल यादव, पिता-स्व० रामसकल यादव		कार्यवाहक अध्यक्ष
3. श्री ललन यादव, पिता-बांके यादव		उपाध्यक्ष
4. श्री बच्चा लाल सेठ, पिता-शिवनन्दन सेठ		कोषाध्यक्ष
5. श्री राजदेव यादव, पिता-स्व० गोपीचन्द्र यादव		सचिव
6. श्री उमेश भगत, पिता-स्व० रामदेव भगत		सदस्य
7. श्री बलिराम महतो, पिता-स्व० बकसर महतो		सदस्य
8. श्री जगलाल शर्मा, पिता-स्व० गणेश शर्मा		सदस्य
9. श्री हरिशंकर प्रसाद, पिता-स्व० मनन प्रसाद		सदस्य
10. श्री उदय शंकर राम, पिता-स्व० चन्द्रमा राम		सदस्य
11. श्री राम ईश्वर सिंह, पिता-स्व० सत्यनारायण सिंह		सदस्य

सभी का पता- ग्राम+पो०- भांगर, थाना- सिसवन, जिला-सीवान।

न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि शीघ्र प्रकाशन के उपरान्त मंदिर के नाम से बैंक खाता खोला जाए और जिसका संचालन सचिव और कोषाध्यक्ष के माध्यम से संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा और मंदिर की सभी भूमि की बंदोबस्ती खुले डाक द्वारा की जायेगी, जो व्यक्ति पहले से मंदिर की भूमि की बंदोबस्ती करते हैं, अगर बाजार मूल्य पर बंदोबस्ती करने के लिए तैयार हैं तो उन्हें प्राथमिकता दी जाए। यह भी निर्देश दिया जाता है कि मंदिर की किसी भूमि पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया है, उस संबंध में विस्तृत सूचना दें, जिससे कि उनके खिलाफ कार्यवाई की जा सके।

अध्यक्ष, अंचल अधिकारी सरकारी कर्मी हैं, अतः उनकी अनुपस्थिति में बैठक आदि का आयोजन करने का अधिकार उपाध्यक्ष को रहेगा, परन्तु शर्त यह रहेगी कि बैठक की पूर्व सूचना अंचल अधिकारी, अध्यक्ष को अवश्य दे देंगे तथा बैठक के उपरान्त जो प्रस्ताव पर निर्णय लिया जायेगा, उसकी भी प्रति अंचल अधिकारी को अवश्य उपलब्ध करा देंगे।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य-काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 01 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "प्राचीन शंकर जी मंदिर, भांगर, सिसवन, जिला-सिवान," के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्यवाई की जा सकती है।

आदेश से,

अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं० 265-—श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, अभयपुर, जिला- लखीसराय, पर्षद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-2880 है।

उक्त मठ में निबंधित समर्पणनामा के आलोक में कुल 79 बी० 13 क० 10 धुर जमीन है, जो मौजा राजपुरा, मौजा-कुमरपुर वर्तमान जिला-मुंगेर, मौजा-खुदीवन, कस्बा, लोसघानी टाल, चौकरा जिला-लखीसराय में है।

उपरोक्त सभी मौजा दोनों जिला के बाउण्ड्री पर स्थित है। उक्त मन्दिर और मन्दिर के संबंध में भूमि का दान वर्ष 1925 में काली सिंह, कुलदीप सिंह और पोखन सिंह द्वारा किया गया था। जिसमें काली सिंह दानकर्ता मन्दिर और भूमि का प्रबंधन आदि का कार्य करते थे। काली सिंह के स्वर्गवास के पश्चात् रामस्वरूप सिंह जो उनके परिवार से आते थे, उनके द्वारा मन्दिर का प्रबंधन और देख-भाल किया जाता था। तदोपरान्त रासबिहारी सिंह, धरनीधर सिंह द्वारा उक्त कार्य राग-भोग आदि किया जाता था। पर्षद द्वारा धरनीधर सिंह को निबंधन के समय न्यासधारी/सेवायत के रूप में मान्यता दी गयी थी। इस संबंध में अंचलाधिकारी द्वारा अपने पत्रांक-3924 दिनांक-02.12.1988 द्वारा ठाकुरबाड़ी की जमीन के संबंध में अपनी रिपोर्ट दी थी, जिसमें उल्लेख किया था कि ठाकुरबाड़ी के नाम से जमाबन्दी 75 चलता है। जिसमें मौजा कसबा में थाना नं०-63 खाता नं०-23 कुल 10 खेसरा में कुल मिलाकर 10 बी० 01 क० 10 धुर जमीन है तथा मौजा-चौकरा, लोसघानी टाल में थाना नं०-75 खाता नं०-275, 236 की 05 खेसरा में कुल 22 बी० 08 क० जमीन है तथा धरनीधर सिंह द्वारा पर्षद में दिनांक-04.02.1989 को एक प्रार्थना-पत्र दिया गया था कि मौजा राजपुर में 33 बी० 04 क० भूमि ठाकुरबाड़ी की है, परन्तु उसपर अवैध लोगों का कब्जा है। जिस संबंध में स्वत्व वाद 39/1968 विचाराधीन है। मौजा कुमरपुर की भूमि पहाड़ से घिरी

हुई है, जिसमें रैयत वस गया है। उपजाऊ भूमि के रूप में 01 बी0 10 क0 भूमि है। प्रियवत्त सिंह द्वारा पत्र दिनांक-02.09.1992 द्वारा पर्षद को यह जानकारी दी गयी थी कि इनके पिता धरनीधर सिंह का स्वर्गवास दिनांक-23.11.1991 को हो गया है। पर्षद द्वारा उक्त प्रियवत्त सिंह को पत्र लिखकर मन्दिर और मन्दिर की भूमि की व्यवस्था धरनीधर सिंह के बार किस व्यक्ति द्वारा की जा रही है, इस बात की सूचना मांगी गयी और जबतक अंचलाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी पर्षद के आदेश दिनांक-19.07.1993 के आलोक में पत्रांक-1476 दिनांक-10.09.1993 द्वारा नियुक्त किया गया। परन्तु इसके पूर्व दिनांक-18.04.1992 को अजय कुमार नामक व्यक्ति द्वारा आय-व्यय विवरणी दाखिल की गयी थी। जिस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण की मांग पर्षद के पत्र दिनांक-18.05.1994 द्वारा की गयी। पुनः दिनांक-15.04.1995 को पत्र लिखा गया कि दिनांक-25.05.1995 को पर्षद में उपस्थित होकर रशिद आमदनी खर्च आदि का दस्तावेज लेकर उपस्थित हो। पुनः पर्षद द्वारा दिनांक-23.09.1997 को अजय कुमार को पत्र लिखा गया, जिस संदर्भ में दिनांक-29.09.1997 को पर्षद में उपस्थित होकर 1000/- रुपये पर्षद शुल्क के रूप में जमा करते हुए वर्ष 1994-95 से 1996-97 तक की आय-व्यय विवरणी दाखिल की गयी। उसके बाद अजय कुमार द्वारा नियमित तरीके से वर्ष के अन्तराल के बाद एकाध वर्ष की आय-व्यय विवरणी और पर्षद शुल्क जमा कर औपचारिकता पूर्ण कर दी गयी, परन्तु संचिका पर उन्हें न्यासधारी बनाये जाने का कोई आदेश नहीं है और चूंकि उनके द्वारा आय-व्यय विवरण दाखिल की जा रही है। अतः उन्हें आय-व्यय विवरण नहीं दाखिल करने के संबंध में दिनांक-20.04.2000 को अधिनियम की धारा 28 (2) के तहत न्यासधारी के पद से अपसारित करने की मांग की गयी। पर्षद द्वारा अजय कुमार को समय-समय पर अधिनियम की धारा 59, 60, 70 के तहत पालन करने संबंधी पत्राचार किया जाता रहा है और अजय कुमार द्वारा उपरोक्त पत्राचार के आलोक में कभी पर्षद में उपस्थित होकर पर्षद शुल्क के रूप में कुछ राशि जमा कर दी जाती रही, परन्तु नियमित रूप से उक्त कार्य नहीं किया जाता रहा। इसी बीच पर्षद को जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त अजय कुमार द्वारा ठाकुरबाड़ी की बहुत सी भूमि का बिक्रय किया जा रहा है और जिस संबंध में बिक्रय विलेख दिनांक-06.08.2020 की प्रति भी दाखिल की गयी और समर्पणनामा में भी स्पष्ट प्रावधान था कि मन्दिर की भूमि को सेवायत का बेचने का अधिकार नहीं है। यदि ऐसा करते हैं तो उन्हें हटाया जा सकता है।

अतः उन्हें निबंधित डाक द्वारा लगाये गये आरोपों के संबंध में स्पष्टीकरण की मांग पर्षद द्वारा की गयी, परन्तु वह न तो कभी उपस्थित हुए और न स्पष्टीकरण दाखिल किया। अतः पर्षद के आदेश दिनांक-23.08.2021 द्वारा अजय कुमार को मन्दिर की सभी प्रकार के कार्य भूमि आदि की बन्दोबस्ती पर रोक लगाया गया तथा उनके द्वारा किये गये बिक्रय-पत्रको शुन्य माना गया और अंचलाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त करते हुए मन्दिर की भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार के दाखिल-खारिज बिना क्षेत्राधिकार के आधार पर किये गये बिक्रय-पत्र के आधार पर नहीं करने संबंधी पत्र लिखा गया। चूंकि उक्त अजय कुमार मन्दिर की भूमि को बेचने के संबंध में किसी प्रकार की कोई अनुमति जो अधिनियम की धारा 44 के तहत आवश्यक शर्त है, नहीं जारी की गयी। इसी बीच ग्रामीणों तथा समर्पणकर्ता के परिवार के वंशजों द्वारा आमसभा कर दिनांक-18.11.2020 को न्यास समिति बनाये जाने के संबंध में प्रस्ताव दिया तथा अजय कुमार सिंह को पुनः निबंधित डाक द्वारा दिनांक-24.11.2021 को उपस्थित होने की नोटिस जारी की गयी, परन्तु वह पुनः दिनांक-24.11.2021 को न तो उपस्थित हुए और न किसी प्रकार का कोई स्पष्टीकरण दाखिल किया तथा ग्रामीणों द्वारा दिये गये प्रस्ताव को अंचलाधिकारी को भेजकर उसपर उनका मंतव्य या कुछ अन्य नाम जोड़ना या हटाना चाहते हो तो उस संबंध में पत्र लिखा गया तथा दिनांक-17.02.2022 को समर्पणनामा के आलोक में समर्पणनामा में उल्लेखित भूमि के संबंध में संबंधित अपर जिला पदाधिकारी, राजस्व एवं अंचलाधिकारी को पत्र लिखा गया कि उक्त भूमि की किसी प्रकार से दाखिल-खारिज नहीं किया जाए। चूंकि पर्षद द्वारा कोई अनुमति किसी व्यक्ति को बिक्रय करने का नहीं दिया गया है तथा प्रस्तावित नामों को चरित्र सत्यापन हेतु थाना को भेजे जाने का निर्देश दिया गया तथा भूमि पर होने वाले निर्माण पर रोक लगा दी गयी।

पर्षद के उपरोक्त आदेश के आलोक में यह स्पष्ट होता है कि अजय कुमार को पर्याप्त सूचना उनके विरुद्ध लगाये गये आरोपों की और उस संबंध में स्पष्टीकरण दाखिल करने के लिए दी गयी, परन्तु वह पर्षद में कभी उपस्थित नहीं हुए और न वर्ष 2019-20 से आजतक किसी प्रकार की कोई मन्दिर की आय-व्यय, बजट, शुल्क दाखिल किया गया और प्रस्तावित नामों का सत्यापन रिपोर्ट थाना के माध्यम से प्राप्त हो चुका है।

उपरोक्त परिस्थिति में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त पर्षद की सूनवाई दिनांक 16.02.2023 को उक्त मन्दिर और मन्दिर की व्यवस्था, विकास, बन्दोबस्ती हेतु एक न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए किये जाने का निर्णय लिया गया।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दूधार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं0- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए "श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, अभयपुर, जिला- लखीसराय," के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, अभयपुर, जिला- लखीसराय," होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, अभयपुर, जिला- लखीसराय," होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--|--------------|
| 1. श्री पंकज कुमार सिंह | — अध्यक्ष। |
| 2. श्री सुधांशू हलधर | — उपाध्यक्ष। |
| 3. श्री सुजीत कुमार (वंशज दाता परिवार) | — सचिव |
| 4. श्री अभिनव कुमार | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री मनीष कुमार | — सदस्य |
| 6. श्री प्रभाकर सिंह | — सदस्य |
| 7. श्री राजीव रंजन | — सदस्य |
| 8. श्री संजय कुमार | — सदस्य |
| 9. श्री कुणाल कुमार | — सदस्य |
| 10. श्री प्रभाकर कुमार | — सदस्य |

सभी का पता— ग्राम+पो0— अभयपुर, थाना— पीरी बाजार, जिला— लखीसराय।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य—काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 01 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, अभयपुर, जिला— लखीसराय,” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं० 267—श्री राम जानकी मन्दिर, लाल दियारा, जिला-लखीसराय, पर्षद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-3778 है।

उक्त मन्दिर में लगभग 20 बी० भूमि है। इस न्यास के संचालन हेतु पूर्व में दिनांक-27.06.2013 को अनुमण्डल पदाधिकारी की अध्यक्षता में न्यास समिति का गठन किया गया था, परन्तु बिडम्बना है कि मन्दिर के नाम की भूमि में बन्दोबस्ती काफी कम दर पर की जाती थी और वह पैसा भी या तो नजारात में जमा कर दिया जाता था या उनका कोई हिसाब-किताब नहीं संलग्न किया जाता था, जिसे पर्षद द्वारा लगभग 20 पत्र भेजे जाने के पश्चात् पहली बार अनुमण्डल पदाधिकारी के द्वारा अपने पत्रांक-170 दिनांक-06.04.2021 द्वारा पर्षद को जानकारी दी गयी है कि मन्दिर के नाम से खाता ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में खोला गया है, जिसका खाता नं०-18562191006678 है। अनुमण्डल पदाधिकारी ने ज्ञापांक-763, दिनांक-28.06.2022 द्वारा यह जानकारी दी की वर्ष 2022-23 की बन्दोबस्ती लगभग 3,58,000/- (तीन लाख अठावन हजार) रु० में की गयी है, परन्तु पुनः वही गलती दोहराते हुए उक्त राशि को नजारात में जमा कर दिया गया है। जबकि मन्दिर के नाम बैंक खाता है तब नजारात में जमा किये जाने का क्या औचित्य है। जबकि यह सर्वविदित है कि सरकारी खजाने में एक बार पैसा जमा हो जाने के बाद उसकी निकासी के लिए काफी लम्बी प्रक्रिया है।

दिनांक 16.02.2023 को पर्षद की सूनवाई में उपस्थित ग्रामीण आकाश कुमार, राजकमार महतो, सूनील सिंह, नवीन कुमार, शैलेश कुमार द्वारा मन्दिर का फोटोग्राफ पर्षद के समक्ष प्रस्तुत किया गया, उन फोटो को देखने से पर्षद सदस्य को मन में बड़ी वेदना हुई कि जिस मन्दिर में 19-20 बी० जमीन हो और उस मन्दिर की स्थिति क्या है, उस मन्दिर पर एक ध्वज भी नहीं है और मन्दिर की दिवार पर अधिकांश संख्या में पेड़, झाड़ी-झंझार लगे गया है, जो मन्दिर को पूर्ण रूप से ध्वस्त करने के लिए काफी है और यह स्थिति मन्दिर की चाहरदिवारी तथा आस-पास के वातावरण की है। पूर्व में न्यास समिति का कार्यकाल पूर्ण रूप से असंतोषजनक रहा है। चूंकि मन्दिर के विकास और जीर्णोद्धार का किसी प्रकार की कोई कार्य नहीं हुआ, जबकि उस न्यास समिति के अध्यक्ष, अनुमण्डल पदाधिकारी स्वयं थे। अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा पत्रांक-1175, दिनांक-24.11.2022 द्वारा न्यास समिति गठन हेतु नामों का प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्तावित नामों में एक नाम शशिकान्त कुमार का है, जिनके द्वारा मन्दिर की भूमि की बन्दोबस्ती ली गयी है। अतः इन्हें सदस्य के रूप में रखा जाना उचित प्रतीत नहीं होता है और प्रस्ताव भी 13 व्यक्तियों का है, जबकि न्यास समिति अधिक से अधिक 11 व्यक्तियों की बनायी जा सकती है।

उपरोक्त परिस्थिति में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त पर्षद की सूनवाई दिनांक 16.02.2023 को उक्त मन्दिर और मन्दिर की व्यवस्था, जीर्णोद्धार, विकास, हेतु एक न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए किये जाने का निर्णय लिया गया। कार्य संतोषजनक होने पर आगे विचार किया जायेगा।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री राम जानकी मन्दिर, लाल दियारा, जिला-लखीसराय,” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी मन्दिर, लाल दियारा, जिला-लखीसराय,” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी मन्दिर, लाल दियारा, जिला-लखीसराय,” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पत्रद को सम्यक प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पत्रद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पत्रद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--|--------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, लखीसराय | — अध्यक्ष |
| 2. श्री शैलेन्द्र सिंह पिता— श्रीकान्त सिंह | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री आकाश कुमार पिता— इन्द्रदेव प्रसाद सिंह | — सचिव |
| 4. श्री सुनील सिंह, पे0—स्व0 रामकृपा सिंह | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री राज कुमार महतो, पे0— स्व0 गणेश महतो | — सदस्य |
| 6. श्री गुड्डू सिंह, पे0— स्व0 रामनरेश सिंह | — सदस्य |
| 7. श्री विनय सिंह पे0— स्व0 नवल सिंह | — सदस्य |
| 8. श्री नवीन सिंह पे0— सियाशरण सिंह | — सदस्य |
| 9. श्री नन्दलाल यादव पे0— स्व0 धनिक यादव | — सदस्य |
| 10. श्री रौशन सिंह पे0— स्व0 जुगेश्वर सिंह | — सदस्य |
| 11. थानाध्यक्ष, पीपरिया | — सदस्य |

सभी का पता—ग्राम— लाल दियारा पूर्वी, पो0— खुटहा, थाना— पिपरिया, जिला— लखीसराय।

मन्दिर में पूजा-पाठ, राग-भोग आदि का कार्य के लिए मुरारी सिंह व बृजनन्दन सिंह को मान्यता दी जाती है। तथा समिति को निर्देश दिया जाता है कि समिति का प्रकाशन होने के शीघ्र बाद मन्दिर के नाम से राष्ट्रीयकृत बैंक में या मन्दिर के आस-पास जो बैंक हो उसमें खाता खोला जाए, जिसका संचालन दो व्यक्ति के संयुक्त हस्ताक्षर अध्यक्ष/सचिव में से एक और कोषाध्यक्ष से किया जायेगा और पूर्व में जो मन्दिर के नाम से जो खाता ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स में संचालित है, उसमें मन्दिर से संबंधित राशि जमा हो जाने के पश्चात् उस खाते को बन्द कर उस खाते की राशि मन्दिर के नाम से खोले जाने वाले नये खाते में जमा की जायेगी क्योंकि उक्त बैंक राष्ट्रीयकृत नहीं है।

अध्यक्ष, अनुमंडल पदाधिकारी सरकारी कर्म हैं, अतः उनकी अनुपस्थिति में बैठक आदि का आयोजन करने का अधिकार उपाध्यक्ष को रहेगा, परन्तु शर्त यह रहेगी कि बैठक की पूर्व सूचना अनुमंडल पदाधिकारी, अध्यक्ष को अवश्य दे देंगे तथा बैठक के उपरान्त जो प्रस्ताव पर निर्णय लिया जायेगा, उसकी भी प्रति अनुमंडल पदाधिकारी को अवश्य उपलब्ध करा देंगे।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य—काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 01 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “श्री राम जानकी मन्दिर, लाल दियारा, जिला—लखीसराय,” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं० 271—चंडी स्थान, मूंगेर, जिला—मूंगेर, पर्वद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—2502 है।

समय—समय पर उक्त मन्दिर की पूजा—पाठ, राग—भोग, व्यवस्था के लिए न्यास समिति का गठन किया जा रहा है। पर्वद के आदेश दिनांक—31.10.2016 ज्ञापांक—2178 द्वारा 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था। उक्त समिति के कोषाध्यक्ष की वर्ष 2020 में स्वर्गवास हो गया, परन्तु विषयम परिस्थितिवश किसी कोषाध्यक्ष की नियुक्ति न्यास समिति द्वारा नहीं की गयी। इसी बीच नंदन बाबा द्वारा समिति के विरुद्ध आरोप लगाते हुए प्रार्थना—पत्र दाखिल किया गया। जिसके संबंध में समिति से स्पष्टीकरण की मांग की गयी और जिसकी सुनवाई दिनांक—18.02.2022 को की गयी। उक्त तिथि को न्यास समिति के सचिव तथा पुजारी पंडा समाज की ओर से संजय बाबा, चंदन कुमार, देव पंडा उपस्थित थे। उन सभी के द्वारा शिकायतकर्ता नंदन बाबा के विरुद्ध ही मन्दिर की चाँदी की पादुका को उठाकर ले जाने की बात कही गयी, जिसे सरकारी दबाब पड़ने पर उनके द्वारा वापस किया गया और दुकान के निर्माण में भी 03 सदस्यीय समिति जिसमें एक दुकानदार, एक पंडा तथा एक सेवादर सदस्य की देख-रेख में निर्माण किया गया और यह भी कथन किया गया कि मन्दिर में पूजा—पाठ, राग—भोग, नियमित रूप से बहुत सुन्दर ढंग से होता है और कार्यरत न्यास समिति ने पिछले 05 वर्षों में काफी विकास का कार्य किया है और लगाये गये आरोप द्वेष की भावना से किया गया है।

अतः शिकायत में बल नहीं पाते हुए, उसे निरस्त कर दिया गया और इसी बीच चूंकि न्यास समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो गया था, अतः जिला पदाधिकारी से न्यास समिति गठन किये जाने हेतु नामों के प्रस्ताव की मांग पत्र दिनांक—08.07.2022 द्वारा की गयी, जिसके आलोक में जिला पदाधिकारी द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव अपने पत्रांक—1404, दिनांक—18.08.2022 द्वारा पर्वद को उपलब्ध कराया गया। साथ ही दिनांक—02.05.2022 को समिति की बैठक उसमें लिये गये प्रस्ताव की प्रति भी संलग्न कर भेजा गया। जिसमें कुछ संशोधन करते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा नामों का प्रस्ताव भेजा गया।

उपरोक्त परिस्थिति में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त पर्वद की सुनवाई दिनांक 02.03.2023 को इस न्यास की सुव्यवस्था हेतु एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “चंडी स्थान, मूंगेर, जिला—मूंगेर,” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “चंडी स्थान, मूंगेर, जिला—मूंगेर,” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “चंडी स्थान, मूंगेर, जिला—मूंगेर,” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह—जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | |
|--|--------------------|
| 1. जिला पदाधिकारी-मुंगेर | — अध्यक्ष (पदेन) |
| 2. अपर समाहर्ता -मुंगेर | — उपाध्यक्ष (पदेन) |
| 3. अनुमण्डल पदाधिकारी- सदर मुंगेर | — सदस्य (पदेन) |
| 4. श्री सौरभ निधि-चण्डीस्थान, मुंगेर | — सचिव |
| 5. श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल -चण्डीस्थान, मुंगेर | — कोषाध्यक्ष |
| 6. श्री शिव कुमार रूंगटा-चण्डीस्थान, मुंगेर | — सदस्य |
| 7. श्री संजय कुमार, अधिवक्ता-चण्डीस्थान, मुंगेर | — सदस्य |
| 8. श्री अमर कुमार सिंह, ग्राम-मिल्की थाना-गंगटा, जिला-मुंगेर | — सदस्य |
| 9. श्री अनिल कुमार सिंह, दलहट्टा पूल, लाल दरवाजा, जिला- मुंगेर | — सदस्य |
| 10. थानाध्यक्ष, वासुदेवपुर ओपी0 मुंगेर | — सदस्य |
| 11. मुखिया, ग्राम पंचायत, महुली, मुंगेर | — सदस्य |

ज्ञात हो कि पूर्व में न्यास के खाते का संचालन पूर्व सचिव, निर्मल कुमार जालान तदोपरान्त सागर यादव एवं कोषाध्यक्ष, शिव कुमार रूंगटा के संयुक्त हस्ताक्षर से होता था, परन्तु वर्तमान समिति में उक्त दोनों व्यक्तियों के स्थान पर सचिव, सौरभ निधि और कोषाध्यक्ष, कृष्ण कुमार अग्रवाल को नियुक्त किया गया है। अतः न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि न्यास के खाता में उपरोक्त संशोधन करवाते हुए उपरोक्त व्यक्तियों के माध्यम से खाता का संचालन भविष्य में करेंगे। परन्तु 10,000/- रुपये से अधिक की कोई भी राशि की निकासी करने के पूर्व उसकी लिखित सूचना अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी को न्यास समिति अवश्य देंगी। न्यास समिति को यह भी निर्देश दिया जाता है कि वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 की आय-व्यय विवरणी तथा पर्षद शुल्क शीघ्र पर्षद में जमा कराये।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य-काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 05 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "चंडी स्थान, मुंगेर, जिला-मुंगेर," के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलौन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं0 275—श्री ढेरनाथ महादेव मठ, शरमा, जिला-लखीसराय, पर्षद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं0- 50 है।

उक्त मठ की व्यवस्था हेतु समय-समय पर न्यास समिति का गठन किया जाता रहा है, अंतिम बार दिनांक 28/05/2015 को न्यास समिति का गठन किया गया था। उक्त न्यास समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो गया है तथा

न्यास समिति के सदस्यों के बीच आपस में भी सामंजस्य नहीं था, अतः सभी पक्षों को सुनने के उपरान्त दिनांक 24/11/2021 को नयी न्यास समिति बनाये जाने का निर्णय लिया गया और नयी न्यास समिति गठन किये जाने तक अंचल अधिकारी को अस्थायी रूप से न्यासधारी बनाया गया था तथा अंचल अधिकारी से न्यास समिति गठन किये जाने हेतु नामों के प्रस्ताव की मांग भी की गयी। ग्रामीणों द्वारा एक बैठक कर अंचल अधिकारी की अध्यक्षता में 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव अपने पत्रांक 549 दिनांक 09/06/2022 को पर्वद में उपलब्ध कराया, जिसका चरित्र सत्यापन हेतु प्रस्तावित नामों को संबंधित थाने को भेजा गया और थाने के द्वारा प्रस्तावित नामों में से धर्मवीर कुमार, पिता-स्व० आदित्य सिंह, तेतरघाट थाना कांड सं०-86/21 अन्तर्गत धारा 307 व अन्य धाराओं में दर्ज होने की सूचना दी। अतः पर्वद द्वारा निर्णय लिया गया कि धर्मवीर कुमार के प्रस्तावित नामों पर विचार किया जाना उचित नहीं है।

उपरोक्त परिस्थिति में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरांत पर्वद की सूनवाई दिनांक 16.02.2023 को उक्त मंदिर की व्यवस्था तथा मंदिर की भूमि के प्रबंधन व मंदिर के विकास आदि के लिए एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्वद को प्रदत्त अधिकार जो **बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है,** का प्रयोग करते हुए **“ढेरनाथ महादेव मठ, शरमा, जिला-लखीसराय,”** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री ढेरनाथ महादेव मठ, शरमा, जिला-लखीसराय,”** होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री ढेरनाथ महादेव मठ, शरमा, जिला-लखीसराय,”** होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक् प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:—
- | | |
|---|---------------|
| 1. अंचल अधिकारी | अध्यक्ष |
| 2. श्री शंभू सिंह, पिता—स्व० बालगोविन्द सिंह | उपाध्यक्ष |
| 3. श्री अर्जुन सिंह, पिता—स्व० खोपड़ी सिंह | सचिव |
| 4. श्री सत्येन्द्र कुमार, पिता—कृष्णनंदन सिंह | कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री सचिन देव वर्मन सिंह, पिता—साधु सिंह | सह कोषाध्यक्ष |
| 6. श्री मुकेश कुमार, पिता—नुनु लाल सिंह | सदस्य |
| 7. श्री गुलशन कुमार, पिता—फुलन सिंह | सदस्य |
| 8. श्री रामदेव सिंह, पिता—विशो सिंह | सदस्य |
| 9. श्री बबन कुमार, पिता—रामकरण सिंह | सदस्य |
| 10. श्री जितेन्द्र महतो, पिता—दासो महतो | सदस्य |
| 11. श्री मसुदन मांझी, पिता—वेगन मांझी | सदस्य |

सभी का पता— ग्राम+पो०— शरमा, थाना— तेतरहाट, जिला— लखीसराय, पिन— 811311

गठित न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि मंदिर के नाम से जो बैंक खाते का संचालन किया जा रहा है, उसका संचालन वर्तमान में नवनियुक्त उपाध्यक्ष श्री शंभू सिंह एवं कोषाध्यक्ष श्री सत्येन्द्र कुमार के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा, इस संबंध में पत्र बैंक को भी लिखा जाए तथा न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि पूर्व न्यास समिति द्वारा जो वर्ष 2019-20 तक की आय-व्यय विवरणी दाखिल की गयी थी, उसमें पर्षद के बकाया शुल्क के रूप में जो राशि थी, जिस संबंध में पत्र भी जारी किया गया था उसे शीघ्र जमा करायी जाए, 40,946/-रु० तथा वर्ष 2020-21 से 2021-22 की आय-व्यय विवरणी भी दाखिल की जाए, तदनुसार पर्षद शुल्क भी जमा की जाए।

अध्यक्ष, अंचल अधिकारी सरकारी कर्मी है, अतः उनकी अनुपस्थिति में बैठक आदि का आयोजन करने का अधिकार उपाध्यक्ष को रहेगा, परन्तु शर्त यह रहेगी कि बैठक की पूर्व सूचना अंचल अधिकारी, अध्यक्ष को अवश्य दे देंगे तथा बैठक के उपरान्त जो प्रस्ताव पर निर्णय लिया जायेगा, उसकी भी प्रति अंचल अधिकारी को अवश्य उपलब्ध करा देंगे।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य—काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 05 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “श्री ढेरनाथ महादेव मठ, शरमा, जिला—लखीसराय,” के नाम में किसी प्रकार कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा

तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं० 278—मोतीराम पालीराम असरगंज धर्मशाला, असरगंज, जिला— मुंगेर, पर्षद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक पूर्त न्यास है, जिसकी निबंधन सं०— 4637 है।

उक्त धर्मशाला की सम्पत्ति निबंधित समर्पणनामा दिनांक— 03.01.1942 एवं 25.01.1947 द्वारा सार्वजनिक पूर्त प्रयोजन के लिए समर्पित की गई थी, जिसमें कुछ व्यक्तियों द्वारा उक्त भूमि को अवैध रूप से हड़पने के उद्देश्य से षडयंत्र के तहत कुछ दस्तावेजों का निस्पादन भी कर लिया गया था, जिसपर विस्तार पूर्वक सुनवाई उपरान्त पर्षद के आदेश दिनांक— 30.06.2022 द्वारा इनके दावे को निरस्त करते हुए सम्पत्ति को सार्वजनिक घोषित की जा चुकी है और उक्त धर्मशाला का निबंधन भी किया जा चुका है, जिसकी निबंधन सं०— 4637 है। उक्त धर्मशाला की व्यवस्था हेतु ग्रामीणों द्वारा एक आम सभा दिनांक— 27.08.2022 को आयोजित की गई, जिसमें लगभग 150 से अधिक व्यक्ति उपस्थित हुए और उक्त बैठक सेवानिवृत्त अभीयंता सीताराम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उक्त बैठक में 11 व्यक्तियों की न्यास समिति उक्त धर्मशाला की व्यवस्था हेतु प्रस्तावित की गई, बैठक तथा प्रस्ताव की प्रति पर्षद में दिनांक— 03.09.2022 को दाखिल की गई, जिस पर प्रस्तावित नामों का चरित्र सत्यापन कराया गया, चरित्र सत्यापन रिपोर्ट भी पर्षद में दिनांक— 15.10.2022 को प्राप्त हो चुकी है। उक्त नामों के संबंध में किसी प्रकार की कोई अन्य आपत्ति पर्षद में आज तक दाखिल नहीं की गई है।

उपरोक्त परिस्थितियों में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त पर्षद की सुनवाई दिनांक 20.02.2023 को इस न्यास की सुव्यवस्था हेतु एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०— 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “मोतीराम पालीराम असरगंज धर्मशाला, असरगंज, जिला—मुंगेर,” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा

तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“मोतीराम पालीराम असरगंज धर्मशाला, असरगंज, जिला—मुंगेर,”** होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“मोतीराम पालीराम असरगंज धर्मशाला, असरगंज, जिला— मुंगेर,”** होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. श्री वकील प्रसाद साह, पिता-स्व० केसो साह-असरगंज	—	अध्यक्ष
2. श्री केदार प्रसाद साह, पिता-स्व० मोहन प्रसाद साह-असरगंज	—	उपाध्यक्ष
3. डा० राकेश कुमार, पिता-श्री महेन्द्र प्रसाद मंडल-असरगंज	—	सचिव
4. श्री आनन्द सिंघानियाँ, पिता-स्व० सीता राम सिंघानियाँ-सुजागंज, भागलपुर-	—	उपसचिव
5. श्री कैलाश पंजियार, पिता-स्व० दीप नारायण पंजियार-असरगंज	—	कोषाध्यक्ष
6. श्री गोपाल प्रसाद, पिता-स्व० राम पाण्डे-असरगंज	—	सदस्य
7. श्री कोकाय प्रसाद साह, पिता-स्व० ओहारी साह-असरगंज	—	सदस्य
8. श्री सुभाष कुमार, पिता-श्री नरेश साह-असरगंज	—	सदस्य
9. डा० श्याम सुन्दर पोद्दार, पिता-स्व० कालेश्वर पोद्दार-असरगंज	—	सदस्य

10. श्री राम सेवक चौधरी, पिता—श्री कमल चौधरी—रहमतपुर बाँसा — सदस्य
 11. श्री सुमन, पिता—श्री गंगा रजक—बिक्रमपुर — सदस्य

सभी का पता— सा0+पो0+थाना— असरगंज, जिला— मुंगेर।

न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि धर्मशाला तथा धर्मशाले की आयोजन हेतु जो खाते की भूमि है उसकी बंदोबस्ती आदि से प्राप्त आय को बैंक में धर्मशाले के नाम से खाता खोलकर जमा की जाएगी और उस खाते का संचालन अध्यक्ष या सचिव में से एक व्यक्ति जैसा न्यास समिति निर्णय ले तथा दूसरा व्यक्ति कोषाध्यक्ष के रूप में सयुक्त हस्ताक्षर से संचालित करेंगे, तथा समिति को धर्मशाला और धर्मशालें में आयोजन हेतु समर्पित भूमि को किसी प्रकार से क्रय—विक्रय करने का कोई अधिकार नहीं होगा। वह अधिक से अधिक कृषि भूमि को 02 वर्ष तक के लिए अधिकृत रहेगी तथा धर्मशाले आदि की व्यवस्था हेतु सुचारु रूप से चले और उसके जिर्णोद्धार आदि में पर्षद से अनुमति लेकर राशि खर्च करेंगे और धर्मशाले में भी रजिस्टर का सधारण करेंगे की धर्मशाले का उपयोग किन व्यक्तियों के द्वारा और कितनी राशि और किन तिथि को कि गई उसका स्पष्ट विवरण होना चाहिए।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य—काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 05 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “मोतीराम पालीराम असरगंज धर्मशाला, असरगंज, जिला— मुंगेर,” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/ बदलन/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,

अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं0 273—श्री राम जानकी मंदिर, तरवारा मठ, जिला—सिवान, पर्षद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं0—2747 है।

उक्त मठ की व्यवस्था हेतु समय—समय पर न्यासधारियों की नियुक्ति तथा उनको मान्यता पर्षद द्वारा दी जाती रही है। पूर्व महंत रघुनाथ दास को निबंधित डाक द्वारा पर्षद के समक्ष उपस्थित होने, आय का विवरण, बजट, पर्षद शुल्क जमा करने हेतु लगातार पत्र पर्षद के द्वारा जारी किया जाता रहा, परन्तु न तो वह कभी उपस्थित हुए और न ही कभी आय—व्यय विवरणी दाखिल की गयी। समाहर्ता, सिवान द्वारा भी अपने पत्रांक 912 दिनांक 15/02/2011 द्वारा यह सूचना दी गयी कि राम जानकी मंदिर की सम्पत्ति पुजारी के द्वारा दुरुपयोग की जा रही है, इस संबंध में ग्रामीण श्री रामरतन पासवान व अन्य के द्वारा शिकायत की गयी, जिसका निरीक्षण भी अंचल अधिकारी से दिनांक 16/05/2010 को कराया गया है, जिसमें यह पाया गया कि मंदिर की भूमि आवास, दुकान और खेती के रूप में 59 व्यक्तियों का कब्जा है और न्यास में कुल लगभग (4. 10.18) जमीन है तथा वर्तमान में महेश जी तिवारी द्वारा अवैध रूप से मठाधीष बनकर दुरुपयोग किया जा रहा है। जिला पदाधिकारी के उपरोक्त पत्र के आलोक में महेश जी तिवारी से स्पष्टीकरण की मांग पर्षद के आदेश दिनांक 31/03/2011 के आलोक में की गयी।

महेश जी तिवारी द्वारा अपना स्पष्टीकरण समर्पित करते हुए कथन किया कि वह महंत रघुनाथ दास के चेले हैं और उन्होंने लगाये गये आरोपों में से कुछ को स्वीकार किया और कुछ को अस्वीकार किया और कथन किया गया कि जानकारी नहीं होने के कारण पर्षद में उन्होंने कोई आय—व्यय विवरणी या पर्षद शुल्क नहीं दाखिल किया है और कथन किया कि मोख्तारनामा बनाकर रघुनाथ दास ने प्रार्थी को चेला बनाया है और उनके गुरु के स्वर्गवास के पश्चात स्थानीय संतो द्वारा चादर, पगड़ी देकर न्यासी नियुक्त किया गया तथा उल्लेख किया कि महंत रघुनाथ दास का स्वर्गवास वर्ष 1994 में हो गया है, जबकि उनके पक्ष में निस्पादित मोख्तारनामा से यह स्पष्ट पाया गया कि उन्हें केवल मंदिर का किराया वसूली और मुकदमें में देख—रेख करने हेतु मोख्तारनामा निस्पादित किया गया है और चूंकि निस्पादनकर्ता का स्वर्गवास हो चुका है, लिहाजा उस मोख्तारनामा का भी आस्तित्व समाप्त हो गया है और उक्त मंदिर विरक्त बैरागी सम्प्रदाय का स्थान है, जबकि महेश जी तिवारी गृहस्थ और पत्नी परिवार वाले व्यक्ति हैं। उक्त आधार पर उनके स्पष्टीकरण को असंतोषजनक पाते हुए अस्वीकृत कर दिया गया और एक न्यास समिति का गठन किया गया था। महेश जी तिवारी ने जिला न्यायाधीश, सिवान के यहां मिस0 केश नं0—13/13 और मिस0 केश नं0—12/13 दाखिल किया जो सुनवाई के उपरान्त दिनांक 22/02/2020 को प्रार्थी वादी को न्यासधारी पाया गया और पर्षद के आदेश दिनांक 27/02/2012 को निरस्त किया गया। पर्षद द्वारा उक्त आदेश के विरुद्ध मा0 उच्च न्यायालय में विविध अपील सं0— 483/21 दाखिल किया गया जो अभी वर्तमान में विचाराधीन है।

यह स्वीकृत तथ्य है कि उक्त मंदिर शहर के बीचों—बीच स्थित है और यहां बार—बार पर्षद को शिकायत प्राप्त हो रही थी, कि पूर्व में न्यास समिति और न्यासधारियों का दावा करने वालों के बीच विवाद के कारण पूरा मंदिर जीर्णोद्धार स्थिति में हो गया और मंदिर की भूमि पर जो 59 किरायेदार थे, उनके द्वारा भी किसी प्रकार का कोई किराया का भुगतान नहीं किया गया और अधिकांश लोगों के द्वारा दो—दो, चार—चार मंजिल तक का दुकान/मकान बना कर प्रयोग किया जा रहा है। उपरोक्त शिकायत पर पर्षद के आदेश के परिपेक्ष्य में निरीक्षक द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया।

निरीक्षक द्वारा अपनी रिपोर्ट दिनांक 21/10/2022 को समर्पित की गयी और उसके साथ कुछ फोटोग्राफ भी दाखिल किये गये हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि मंदिर पूर्ण रूप से गिर चुका है, केवल खंडहर के रूप में बचा है और भगवान की मूर्ति को एक टीन के शेड में रखा गया है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 04 बीघा भूमि पर लगभग 60 व्यक्तियों के द्वारा कब्जा कर उस पर दुकान/मकान बनाकर अपने कब्जे में लेकर उपयोग कर रहे हैं और 18 कट्टा भूमि खेती की है, जिस पर भी कुछ लोगों के द्वारा कब्जा कर खेती की जा रही है और न्यासी का दावा करने वाले महेश जी तिवारी द्वारा स्वीकार किया गया कि चार दुकाने उनकी भी मंदिर के प्रांगण में हैं। यह भी तथ्य आया कि कुछ किरायेदारों द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को उक्त भूमि, दुकान किराये पर देकर के बड़ी राशि किराये के रूप में ली जा रही है, इस संबंध में महेश जी तिवारी को निबंधित डाक द्वारा नोटिस जारी कर आज की तिथि निर्धारित करते हुए उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। यहां यह भी उल्लेख करना आवश्यक है कि मंदिर की भूमि पर जी.बी. थाना भी स्थित है, इस संबंध में स्थल निरीक्षण के समय यह पाया गया कि पूर्व महंत द्वारा मात्र 02 कट्टा जमीन थाने के लिए दिया गया था (यद्यपि कि उक्त भूमि देने के संबंध में पर्षद से अधिनियम की धारा-44 के अन्तर्गत कोई अनुमति नहीं ली गयी थी) परन्तु थाने द्वारा भी लगभग 09-10 कट्टा भूमि पर कब्जा कर लिया गया है, अर्थात् जो अवैध रूप से वाहन वगैरह पकड़े जाते हैं, उनको भी उसी प्रांगण में रखा गया है।

उपरोक्त परिस्थितियां यह स्पष्ट करती हैं कि उपस्थित किरायेदारों द्वारा दाखिल किये गये पट्टे संबंधी विलेख पूर्ण रूप से अप्रभावी और शुन्य है। उक्त विलेख के आधार पर किसी प्रकार का कोई अधिकार किरायेदारी या कब्जा करने का अधिकार उनको नहीं है।

उपरोक्त परिस्थितियों में न्यायालय द्वारा दिये गये आदेश एवं न्यासी द्वारा दाखिल प्रार्थना-पत्र तथा अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त पर्षद की सूनवाई दिनांक 23.02.2023 को इस न्यास की सुव्यवस्था हेतु अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिये एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। चरित्र सत्यापन प्रतिवेदन प्राप्त होने एवं कार्य संतोषजनक पाये जाने पर समिति का आगे समय विस्तार पर विचार किया जायेगा।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो **बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है,** का प्रयोग करते हुए **“श्री राम जानकी मंदिर, तरवारा मठ, जिला-सिवान,”** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **श्री राम जानकी मंदिर, तरवारा मठ, जिला-सिवान,** होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री राम जानकी मंदिर, तरवारा मठ, जिला-सिवान,”** होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अहर्ता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. श्री महेश जी तिवारी	—	अध्यक्ष
2. अंचल अधिकारी — पंचरूखी, सीवान	—	उपाध्यक्ष
3. श्री विजेन्द्र कुमार सिंह	—	सचिव
4. श्री अनील कुमार, पिता-स्व० छोटे लाल साह	—	कोषाध्यक्ष
5. श्री शंभू राम, पिता-स्व० जयनारायण राम	—	सदस्य
6. श्री राकेश कुमार मांझी, पिता-नन्दकिशोर मांझी	—	सदस्य
7. श्री दुर्गेश कुमार पासवान	—	सदस्य
8. श्री कृष्णा साह, पिता-प्रेमी साह	—	सदस्य
9. श्री योगेन्द्र प्रसाद, पिता-श्री भरत साह	—	सदस्य
10. श्री महेश कुमार साह, पिता-स्व० भगवान साह	—	सदस्य

सभी का पता— ग्राम+पो०— तरबारा, थाना— जी०वी० नगर, जिला— सीवान।

न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी से शीघ्र मंदिर के पास स्थित अन्य दुकान, निवास स्थान आदि के किराये का दर (वर्तमान स्का० फिट) या धुर जो निर्धारित हो, उसकी प्रति प्राप्त करें और प्राप्त कर उसी आलोक में अधिनियम की धारा-51 के अन्तर्गत न्यासी व महंत को यह निर्देश दिया जाता है कि नये सिरे से बाजार मूल्य के आधार पर किरायेदारी फिक्स करते हुए सभी किरायेदारों को नोटिस जारी कर किराये का भुगतान न्यास समिति के कोषाध्यक्ष/सचिव को करें या सभी मंदिर के नाम से खोले जाने वाले खाते में जमा करें तथा न्यासी को निर्देश दिया जाता है कि जो खेती की भूमि है उसकी बंदोबस्ती खुले डाक द्वारा नये सिरे से करें और पूर्व के जिन व्यक्तियों के द्वारा बंदोबस्ती पर ली गयी है उनको भी अधिकार होगा कि वह डाक में शामिल होकर के अपना डाक बोले और जो अधिकांश बोली बंदोबस्ती के रूप में देगा उसी को डाक दिया जाए।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्य-काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 01 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि "श्री राम जानकी मंदिर, तरबारा मठ, जिला-सिवान," के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,

अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

25 अप्रैल 2023

सं० 280—श्री महावीर जी मंदिर, राजनगर, जिला-मधुबनी, पर्वद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०-3892 हैं।

पूर्व में स्वयंभू समिति मंदिर की देखभाल, भूमि का प्रबंधन आदि का कार्य करती थी, परन्तु समिति द्वारा किसी प्रकार का कोई पत्राचार मंदिर की आय-व्यय विवरणी, बजट, पर्वद शुल्क अधिनियम की धारा 59, 60 और 70 का कोई पालन नहीं किया गया, अतः न्यास समिति गठन हेतु अंचल अधिकारी से 11 व्यक्तियों के नामों के प्रस्ताव की मांग की गयी थी और उक्त के आलोक में दिनांक 18/04/2022 को एक बैठक आयोजित कर 09 व्यक्तियों के नाम पर प्रस्ताव ग्राम पंचायत मुखिया की अध्यक्षता में की गयी, जिसकी प्रति संलग्न करते हुए अंचल अधिकारी द्वारा अनुमोदन हेतु अपने ज्ञापांक 694 दिनांक 17/06/2022 द्वारा नामों का प्रस्ताव दिया गया तथा उक्त प्रस्तावित नामों का चरित्र सत्यापन रिपोर्ट भी संबंधित थाने से करायी गयी और जो 11 नामों का प्रस्ताव है उस प्रस्तावित नामों पर किसी प्रकार की कोई आपत्ति किसी

भी ग्रामीण द्वारा नहीं दाखिल की गयी है। संचिका पर महंत नकु दास द्वारा दिनांक 30/09/1937 को निस्पादित समर्पणनामा की प्रति जो कैथी भाषा में है उपलब्ध है।

उपरोक्त परिस्थितियों में प्रस्तावित नामों पर विचारोपरान्त पर्षद की सूनवाई दिनांक 20.02.2023 को मंदिर की व्यवस्था रागभोग, पूजा-पाठ आदि हेतु अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिये एक न्यास समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। समिति का कार्य यदि संतोषजनक पाया गया तो आगे कार्यकाल बढ़ाये जाने पर विचार किया जा सकता है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की उप विधि सं०- 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री महावीर जी मंदिर, राजनगर, जिला-मधुबनी,” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक् विकास हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री महावीर जी मंदिर, राजनगर, जिला-मधुबनी,” होगा और इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री महावीर जी मंदिर, राजनगर, जिला-मधुबनी,” होगी, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्तियों के संधारण एवं संचालन का अधिकार रहेगा।
2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक् संचालन सुनिश्चित करेगी।
3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर (यदि पूर्व से न्यास के नाम से खाता संचालित हो, तो उसमें) जमा किया जायेगा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा। न्यास के खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उनके साथ सचिव या अध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।
4. मठ/मंदिर परिसर में जगह-जगह भेंटपात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।
5. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।
6. मठ परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ख्याल रखा जायेगा और मठ की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।
7. न्यास समिति द्वारा मठ/मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।
8. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ/मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।
9. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक् प्रेषण करेगी।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।
11. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
12. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा।
13. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों/निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।
14. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मठ के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।
15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा-11, एवं भारतीय दंड संहिता की धारा- 428 व 429 के तहत दंडनीय अपराध है। अतः न्यास/मंदिर/मठ आदि में रहने वाले गोवंश एवं अन्य पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कार्य करना जिससे किसी पशु के प्रति क्रूरता एवं परिणाम वध/मृत्यु होता हो या ऐसे कार्यों को बढ़ावा मिलता हो ऐसा कोई कार्य कोई भी न्यासधारी/सेवायत/महंत या न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।
16. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

उपर्युक्त योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | | |
|---|---|---------|
| 1. श्री राम लखन राय, पिता-श्याम राय- गाँधी चौक | — | अध्यक्ष |
| 2. श्री पंकज कुमार महतो, पिता-सुदिष्ट महतो- नेहरू चौक | — | सचिव |

3. श्री मृत्युंजय कुमार कुंदन, पिता—स्व० कपील राय—केशव नगर	—	कोषाध्यक्ष
4. श्री श्रवण कुमार साह, पिता—स्व० राधे साह—गाँधी चौक	—	सदस्य
5. श्री दयानंद गुप्ता, पिता—स्व० लक्ष्मी प्र० गुप्ता—राजनगर	—	सदस्य
6. श्री सविता कुमारी (वर्तमान मुखिया)— मिर्जापुर	—	सदस्य
7. श्री विश्वनाथ राय, पिता—स्व० महावीर राय— मिर्जापुर	—	सदस्य
8. श्री मिथिलेश नायक, पिता—स्व० रामचंद्र नायक— गाँधी चौक	—	सदस्य
9. श्री मनोहर साफी, पिता—सत्यनारायण साफी— लेहरी बाजार	—	सदस्य

सभी का पता— सा०+पो०+थाना— राजनगर, जिला— मधुबनी।

न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि मंदिर के समर्पणनामे की प्रति हिन्दी टाईप करा कर दाखिल करें तथा अन्य व्यक्तियों द्वारा मंदिर में दान की गयी भूमि है, उसे भी संचिका पर उपलब्ध कराये, जिससे स्पष्ट उल्लेख किया जा सके कि मंदिर में कुल कितनी भूमि है।

न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि शीघ्र समिति का प्रकाशन के पश्चात बैंक में मंदिर के नाम से खाता खोली जाए, जिसका संचालन अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा, (अध्यक्ष या सचिव में से कोई एक जैसा न्यास समिति आपस में निर्णय करे)।

न्यास समिति को पूर्ण रूप से अधिकार होगा की नये सिरे से मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती करें तथा पुराना बकाया राशि की बसूली करें।

उपरोक्त वर्णित अस्थायी न्यास समिति का कार्य—काल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 01 वर्ष का होगा।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में संबंधित भूमि “श्री महावीर जी मंदिर, राजनगर, जिला—मधुबनी,” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तान्तरण/ बदलाने/विक्रय/पट्टा/लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

संशोधित अधिसूचना

18 मार्च 2023

सं० 4341—श्री श्री 108 राम जानकी ठाकुरवाड़ी, ग्राम+पो०— अकबरपुर, अंचल— कहलगाँव, जिला— भागलपुर, पर्वद में निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०— 892 है।

इस मंदिर के सुप्रबंधन हेतु पर्वदीय अधिसूचना ज्ञापांक— 3158, दि०— 14.12.2022 द्वारा 07 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया था, परन्तु टंकण भूल के कारण प्रस्तावित नाम श्री नवनीत कुमार सिन्हा, पिता— विजय प्रसाद राम के स्थान पर श्री समीर कुमार सिन्हा टंकण हो गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि श्री समीर कुमार सिन्हा जो मंदिर की भूमि की बन्दोबस्ती लिए हैं और उन पर बन्दोबस्ती की राशि भी बकाया है, उनके नाम को क्रम सं०— 03 पर टंकित कर दिया गया है, जबकि न तो श्री समीर कुमार सिन्हा का नाम अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा प्रस्तावित किया गया है और न ही दिनांक 09.11.2022 को वह स्वयं उपस्थित थे, और न ही उनके नाम पर विचार किये जाने का कोई औचित्य या प्रस्ताव है।

इस संबंध में श्री नवनीत कुमार सिन्हा द्वारा एक प्रार्थना—पत्र दिनांक— 02.01.2023 दिया गया।

अतः उपरोक्त के आलोक में पर्वद के आदेश दिनांक— 09.11.2022 में क्रम सं०— 03 पर श्री समीर कुमार सिन्हा के स्थान पर अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा प्रस्तावित नाम श्री नवनीत कुमार सिन्हा का सुधार किया गया। तदनुसार पर्वदीय अधिसूचना ज्ञापांक— 3158, दिनांक— 14.12.2022 में क्रम सं०— 03 पर टंकित श्री समीर कुमार सिन्हा के स्थान पर सुधार करते हुए श्री नवनीत कुमार सिन्हा, पिता— श्री विजय प्रसाद राम के रूप में संशोधित किया जाता है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

अधिसूचनाएं

26 जून 2023

सं० 971—श्री श्री माँ भगवती देवी मंदिर, ग्राम+पो०—मदनपुर, थाना— नौरंगिया, जिला—पश्चिम चम्पारण जो पर्वद में सार्वजनिक धार्मिक न्यास के रूप में वर्ष 2008 से निबंधित है जिसकी निबंधन संख्या— 3885 है। राजस्व कार्यालय के कर्मी द्वारा दिनांक—20.03.2023 को पर्वद में उपस्थित होकर खाता सं०— 53, खेसरा सं०— 222 रकवा— 02 डि० जमीन गैर मजरूआ आम है, पर मंदिर स्थित बताया जबकि पूर्व न्यासधारी द्वारा निबंधित समर्पणनामा में खाता सं०—49, 51, 53 में कुल 02 एकड़ 13 डि० जमीन देवोत्तर भूमि के रूप में बताया है। श्री ललन दास द्वारा प्रार्थना—पत्र दिया गया कि श्री हरीचरण दास ने प्रार्थी को अपना शिष्य माना है और उनका स्वर्गवास दिनांक 15/05/2010 को हो गया है और उनका श्राद्ध—कर्म उनके द्वारा किया गया है। ललन दास लगभग 12 वर्षों तक उक्त मंदिर के संबंध में न्यासधारी के रूप में कार्य कर रहे हैं। जबकि श्री ललन दास द्वारा कभी पर्वद में उपस्थित होकर न तो किसी प्रकार का कोई पत्राचार किया गया या कोई आय—व्यय विवरणी, बजट, पर्वद शुल्क आदि जमा किया गया और न ही किसी प्रकार के मंदिर में विकास के संबंध में क्या

कार्यवाही की गयी। दिनांक 17/06/2022 को श्री ललन दास द्वारा उपस्थित होकर कुछ कागजात दाखिल किया गया, जिस पर विचारोपरान्त कुछ शर्तों के साथ उन्हें अस्थायी न्यासधारी के रूप में मान्यता दी गयी तथा श्री ललन दास द्वारा दिनांक 17/08/2022 को पहली बार मंदिर की आय 2,00,000/-रु० दिखाते हुए विवरणी दाखिल की गयी।

पर्षदीय आदेश के आलोकमें निरीक्षक द्वारा दिनांक 31/12/2022 को उक्त मंदिर का स्थल निरीक्षण किया गया और जांच प्रतिवेदन के अनुसार मंदिर में दुर्व्यवस्था व्याप्त है और इसके निरीक्षण के समय निरीक्षक के समक्ष श्रीमति अर्पणा सिंह, मुखिया, श्री अरविंद राम, एवं श्री उपेन्द्र यादव द्वारा भी मंदिर की स्थिति के बारे में अवगत कराया गया। वर्णित सभी व्यक्तियों को पर्षद के समक्ष उपस्थित होकर मंदिर की व्यवस्था व दुर्व्यवस्था के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु नोटिस जारी की गयी, जिस पर दिनांक 20/03/2023 को सभी पक्षों को विस्तारपूर्वक सुना गया।

दिनांक-23.05.2023 को सुनवाई के दौरान श्री ललन दास द्वारा यह आरोप लगाया गया कि उनके साथ श्री प्रशांत चौबे व श्री कन्हैया लाल मिश्र तथा कुछ अन्य ग्रामीणों, जिसमें मुखिया, श्री अरविंद राम की सहभागिता थी, द्वारा मार-पीट की गयी और ग्रामीणों का कथन था कि मंदिर से होने वाली आय का दोहन लगातार निजी हित में किया जा रहा है और किसी प्रकार का कोई विकास का कार्य नहीं किया गया है। ग्रामीणों द्वारा यह भी बताया गया कि अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश में पिछले 08 माह से मंदिर में दान-पेटी, मंदिर के मेले में लगने वाले दुकानों से किराया आदि से संबंधित पंजी पर्षद के समक्ष उपस्थापित की गयी, जिससे स्पष्ट होता है कि मंदिर की वार्षिक आय 5,00,000/-रु० से अधिक की है, परन्तु उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण ही मंदिर में कोई विकास का कार्य नहीं किया गया और इसीलिए न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक है, जैसा कि वसीयत में भी उल्लेख है।

उक्त तिथि पर उपस्थित श्रीमति अर्पणा सिंह द्वारा यह कथन किया गया कि वह दान-दाता परिवार की वंशज हैं और मंदिर के अधिकांश भाग को वन-विभाग के द्वारा अपने अधिपत्य में ले लिया गया है। उसी तिथि को पर्षद द्वारा यह मत व्यक्त किया गया कि दोनों पक्ष पांच-पांच व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दें, जिससे कि 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया जा सके।

अगली तिथि 27.03.2023 निर्धारित थी। उक्त तिथि पर ग्रामीणों के द्वारा एक आमसभा की बैठक दिनांक 20/03/2023 को करके 05 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया तथा ललन दास की तरफ से श्रीमति अर्पणा सिंह के हस्ताक्षर से एक लिखित प्रार्थना-पत्र में 06 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव न्यास समिति गठन किये जाने हेतु दिया गया और उक्त दोनों सूची को अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा को पर्षदीय पत्रांक- 143 दिनांक- 13.04.2023 भेजते हुए यह निर्देश दिया गया कि दोनों सूचियों में से 10 व्यक्तियों के नामों का चयन करके पर्षद को भेजें और यदि उनके ध्यान में यदि कोई अन्य धार्मिक एवं अच्छे चरित्र के व्यक्ति हों तो उनका नाम भी जोड़ा जा सकता है, जिस आलोक में दिनांक- 23.05.2023 निर्धारित की गयी और अस्थायी न्यासधारी श्री ललन दास की तरफ से उनके अधिवक्ता श्री नरेशचंद्र वर्मा, श्री नटराज वर्मा एवं श्री अरुण कुमार लाल ने वकालतनामा दाखिल किया तथा एक प्रार्थना-पत्र दाखिल किया गया, जिसमें उल्लेख किया है कि उक्त भूमि को लेकर के पक्षों के बीच में 107 द० प्र० सं० की कार्यवाई चली

है तथा नौरंगिया थाना कांड सं०-81/22 अन्तर्गत धारा 379 व अन्य धाराओं में दर्ज किया गया है, जो ग्रामीणों के द्वारा प्रस्तावित नामों में 03 व्यक्ति उक्त मामले में अभियुक्त हैं। श्रीमती अर्पणा सिंह द्वारा एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया कि पूर्व में जो 06 नामों की सूची पर्षद को दी गयी थी, उनमें से 02 (दो) व्यक्ति क्रम सं०-03 एवं 06 के स्थान पर क्रमशः श्री सुधीर चौधरी एवं श्री सोनू केवट को रखे जाने का प्रस्ताव दिया गया।

अतः वर्णित तथ्यों पर विचार करते बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्षद प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं० 43(द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए आदेश दिनांक- 23.05.2023 द्वारा मंदिर में नियमित पूजा-पाठ, राग-भोग की व्यवस्था, आय के दुरुपयोग से बचाने एवं उसकी सम्पत्तियों सुरक्षा और समुचित विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है।

योजना

01. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री श्री माँ भगवती देवी मंदिर, ग्राम+पो०-मदनपुर, थाना- नौरंगिया, जिला- पश्चिम चम्पारण” न्यास योजना होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री श्री माँ भगवती देवी मंदिर, ग्राम+पो०-मदनपुर, थाना- नौरंगिया, जिला- पश्चिम चम्पारण” होगी जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

02. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

03. न्यास परिसर में जगह-जगह दान-पात्र रखे जायें और निर्धारित तिथि को न्यास समिति के सदस्यों के समक्ष दान-पेटी खोल कर राशि की गणना की जायेगी और उस राशि और किराये आदि मद से प्राप्त सभी प्रकार की राशि (न्यास की समग्र आय) को न्यास के बचत खाता में जमा की जायेगी।

04. न्यास का बचत खाता राष्ट्रीयकृत बैंक में खोला जायेगा। और खाता का संचालन दो सदस्यों (सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा। 10,000/-रुपयें या उससे अधिक का व्यय का भुगतान चेक द्वारा किया जायेगा एवं अन्य व्यय भी मंदिर के खाते से निकासी कर ही किया जायेगा।

05. न्यास समिति यदि किसी प्रकार का कोई धार्मिक आयोजन/निर्माण/विकास आदि का कार्य करता है और उसमें 05 लाख से अधिक राशि व्यय होने का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्षद से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अंदर आती है तो भी उसकी सूचना पर्षद को दी जायेगी।

06. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास का आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त एवं पर्षद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

07. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक का कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

08. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जाएगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

09. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के किसी भी सदस्य को न्यास की अचल सम्पत्ति को बिक्री करने, बदलाने करने एवं तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए किराया देने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक कि लिखित रूप में इस संबंध में पूर्व सहमति पर्षद से प्राप्त नहीं कर लिया जाय। साथ ही न्यास समिति के सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1990 (पी0सी0ए0) की धारा-11, भारतीय दंड संहिता (I.P.C) की धारा-428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। अतः न्यास/मठ/मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता एवं वध" होता हो या उक्त कार्यो का बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी/सेवायत/महंत/न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

श्री ललन दास मंदिर के संरक्षक/पुजारी के रूप में कार्य करते रहेंगे और समिति उनको सभी प्रकार के धार्मिक कार्यो के आयोजन के लिए आर्थिक सहयोग समय-समय पर देती रहगी। पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए किया जाता है :-

- | | |
|--|--------------|
| 1. अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा, प0 चम्पारण - | पदेन अध्यक्ष |
| 2. श्रीमति अर्पणा सिंह, "बहुरानी", पति-श्री करुनेन्द्र कुमार सिंह | उपाध्यक्ष |
| डुमरिया फार्म हाउस, ग्राम- मेंहुडा, थाना-बगहा 1, जिला- प0 चम्पारण। | |
| 3. श्री मुलायम कुमार, | सचिव |
| ग्राम-गोबरहिया, थाना- लौकरिया | |
| 4. श्री सुधीर चौधरी, पिता-श्री सीताराम चौधरी | कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री गम्हा सहनी | सदस्य |
| 6. श्री सोनु केवट, पिता-स्व0 कुश केवट | सदस्य |
| 7. थानाध्यक्ष, नौरंगिया | सदस्य |

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तांतरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लिज आदि पर देने या किसी भी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शून्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

23 जून 2023

सं0 919—मौ भगवती मंदिर, ग्राम- बड़गौव, पोस्ट- बिन्जी, थाना- कोढा, जिला- कटिहार पर्षद में सार्वजनिक धार्मिक न्यास के रूप में 60 वर्ष पूर्व से निबंधित है जिसकी निबंधन संख्या- 629 है। जिसकी व्यवस्था हेतु समय-समय पर पर्षद द्वारा न्यास समिति का गठन किया जाता रहा है। वर्ष 2007 में जो न्यास समिति का गठन किया गया था, उसका कार्यकाल पुनः 05 वर्षों के लिए पर्षद के आदेश दिनांक-01.09.2011 द्वारा विस्तारित किया गया। पुनः उन्ही नामों को अगले 05 वर्ष के लिए 02 सदस्यों की मृत्यु होने के उपरांत 02 अन्य सदस्य श्री चंदन कुमार एवं श्री अशोक उरांव को जोड़ते हुए न्यास समिति का गठन दिनांक-17.11.2016 को किया गया। वर्तमान में इस न्यास समिति के अध्यक्ष द्वारा त्याग-पत्र दिया गया है और सचिव का स्वर्गवाश हो चुका है। कोषाध्यक्ष पर्षद के समक्ष उपस्थित हैं और उनसे पृच्छा किये जाने पर कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया जा रहा है। उक्त न्यास समिति के विरुद्ध ग्रामीणों द्वारा काफी गंभीर आरोप लगाया गया है, इस संबंध में अंचलअधिकारी से न्यास समिति गठन हेतु नामों की मांग की गयी थी। अंचल अधिकारी ने पत्रांक- 732 दिनांक- 09.04.2021 द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया, उन प्रस्तावित नामों में भी कुछ व्यक्तियों के विरुद्ध ग्रामीणों के द्वारा आरोप लगाया गया।

दिनांक-22.05.2023 को पर्षद के समक्ष स्थानीय श्री राजीव कुमार सिंह, न्यास समिति के कोषाध्यक्ष तथा प्रस्तावित न्यास समिति के तीन सदस्य एवं पर्षद के नोटिस के आलोक में न्यास भूमि पर व्यवसाय कर रहे 10 व्यवसायियों तथा मंदिर की भूमि लीज पर खेती कर रहे 10 व्यक्तियों को नोटिस जारी की गयी थी, के आलोक में 07 व्यवसायी आज उपस्थित हैं

और इन लोगों के द्वारा पूर्व में जो राशि जमा की गयी थी, उसकी रसीद दाखिल की गयी है, जिससे स्पष्ट होता है कि सभी दुकानदारों के विरुद्ध 05 माह से लेकर 08 माह तक के किराये की राशि बकाया है, इस संबंध में सभी दुकानदारों को निर्देश दिया गया कि बकाया राशि को दिनांक-15.06.2023 के पूर्व मंदिर के बैंक खाते में जमा कर रसीद अपने पास सुरक्षित रखें और न्यास समिति गठनों परांत रसीद कोषाध्यक्ष को उपलब्ध करावें। न्यास समिति का कार्यकाल संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है, यद्यपि उनके द्वारा वर्ष 2020-21 तक की आय-व्यय विवरणी एवं बकाया शुल्क दाखिल किया गया है। कोषाध्यक्ष पर भी न्यास भूमि को अतिक्रमण कर रखने और खेती करने का आरोप आ रहा है। इसके विपरीत श्री लालबाबू सिंह, कोषाध्यक्ष द्वारा कथन किया गया कि उनके पास कोई भूमि नहीं है। इस संबंध में उन्हें शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया है।

मंदिर में लगभग 22 ए0 65 डि0 जमीन है। पूर्व में समिति के द्वारा कुछ फोटोग्राफ दाखिल किये गये थे और उनका कथन है कि पूर्व में मंदिर काफी जर्जर और प्राचीन थी, जिसे पुनर्निर्माण कर बनाया गया है और जिसका गुम्बद का निर्माण होना बाकी है।

स्थानीय लोगों के द्वारा कुछ नामों का प्रस्ताव दिया गया है और अंचल अधिकारी के द्वारा जो नामों का प्रस्ताव आया है, उनमें से कुछ के विरुद्ध आपराधिक इतिहास है, उन नामों पर विचार किया जाना उचित नहीं है।

अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों पर विचार करते बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्वद प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं0 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए आदेश दिनांक- 22.05.2023 द्वारा मंदिर का प्रबंधन, उसकी सम्पत्तियों सुरक्षा और समुचित विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “मौभगवती मंदिर, ग्राम- बड़गाँव, पो0- बिन्जी, थाना- कोढ़ा, जिला- कटिहार” न्यास योजना होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “मौभगवती मंदिर, ग्राम- बड़गाँव, पो0- बिन्जी, थाना- कोढ़ा, जिला- कटिहार” होगी जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

2. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास परिसर में जगह-जगह दान-पात्र रखे जायें और निर्धारित तिथि को न्यास समिति के सदस्यों के समक्ष दान-पेटी खोल कर राशि की गणना की जायेगी और उस राशि और किराये आदि से प्राप्त सभी राशि को न्यास के बचत खाता में जमा की जायेगी।

04. न्यास के खाता का संचालन दो सदस्यों (सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा। न्यास की समग्र आय इस बचत खाता में जमा की जायेगी।

05. न्यास समिति यदि किसी प्रकार का कोई धार्मिक आयोजन/निर्माण/विकास आदि का कार्य करता है और उसमें 05 लाख से अधिक राशि व्यय होने का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्वद से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अंदर आती है तो भी उसकी सूचना पर्वद को दी जायेगी।

06. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास का आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त एवं पर्वद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।

07. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक का कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

08. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जोगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

09. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के किसी भी सदस्य को न्यास की अचल सम्पत्ति को बिक्री करने, बदलाने करने एवं तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए किराया देने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक कि लिखित रूप में इस संबंध में पूर्व सहमति पर्वद से प्राप्त नहीं कर लिया जाय। साथ ही न्यास समिति के सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1990 (पी0सी0ए0) की धारा-11, भारतीय दंड संहिता (I.P.C) की धारा-428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। अतः न्यास/मठ/मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता एवं वध” होता हो या उक्त कार्य का बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी/सेवायत/महंत/न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए किया जाता है :-

01. श्री सुरेश राम, पिता- श्री अर्जुन राम	—	अध्यक्ष
02. श्री लाल बाबु सिंह, पिता- स्व0 बिहारी सिंह (निवर्तमान)	—	उपाध्यक्ष
03. श्री राजीव कुमार सिंह, पिता-स्व0 महेन्द्र प्र0 सिंह	—	सचिव
04. श्री महेन्द्र प्रसाद, पिता-स्व0 परमेश्वर प्रसाद साह	—	कोषाध्यक्ष
05. श्री संजय सिंह, पिता- श्री भोला सिंह	—	सदस्य
06. श्री अशोक कुमार सिंह, पिता-श्री हरिनारायण सिंह	—	सदस्य
07. श्री प्रेमलाल मुण्डा, पिता- श्री गोरख मुण्डा	—	सदस्य
08. श्री मनीष कुमार, पिता- श्री धर्मेन्द्र कुमार	—	सदस्य
09. श्री मुन्ना सहनी, पिता- श्री उपेन्द्र सहनी	—	सदस्य
10. श्री नवीन मिश्रा, पिता- श्री अजयकांत मिश्रा	—	सदस्य
11. श्री सियाराम सिंह, पिता- श्री जोगेश्वर सिंह	—	सदस्य

सभी ग्राम- बड़गाँव, पोस्ट- बिन्जी, थाना- कोढ़ा, जिला- कटिहार।

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तांतरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लिज आदि पर देने या किसी भी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शून्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

26 जून 2023

सं0 973—श्री शंकर भगवान जी धर्मशाला, पुस्तकालय, (भीमल महतो का मंदिर) नोनिया टोली, लाल बाजार, ग्राम+पो0- बेतिया जिला- पश्चिम चम्पारण पर्षद के अंतर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास के रूप में निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या-3119 है। समर्पणनामा दिनांक-18.6.1962 द्वारा भिमल महतो ने श्री शंकर भगवान जी धर्मशाला, पुस्तकालय के नाम 02क0 05 धुर अराजी अर्पित की थी तथा उस समर्पणनामा के माध्यम से ही स्वयं को शामिल करते हुए 07 सदस्यीय न्यास समिति का भी गठन किया था, जो उक्त मंदिर, धर्मशाला एवं पुस्तकालय का देखभाल करती थी। विलेख में उल्लेखित अधिकांश सदस्यों के स्वर्गवास हो जाने तथा उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पर्षद के आदेश द्वारा 05 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया जिसका प्रकाशन जिला गजट में दिनांक-16.05.1988 को प्रकाशित किया गया जिसमें अंचलाधिकारी को अध्यक्ष रखते हुए अन्य 04 सदस्यों को समिति में रखा गया था। अंचल अधिकारी ने पत्रांक- 1389 दिनांक- 10.12.91 द्वारा पर्षद को सूचित किया कि भीमल महतो के स्वर्गवास के पश्चात् श्री लक्ष्मण प्रसाद श्री शिवजी प्रसाद, श्री भिखारी प्रसाद एवं श्री जगरनाथ प्रसाद उसकी व्यवस्था देखते थे। जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा बिहारी प्रसाद को दिनांक-25.06.1987 को व्यवस्थापक के पद से हटाकर श्री भोला प्रसाद को व्यवस्थापक के रूप में रखा गया। उक्त भोला प्रसाद ने अपने प्रार्थना पत्र दिनांक-20.01.1991 में यह स्वीकार किया कि वर्ष 1988 से उनकी देखरेख में मंदिर पुस्तकालय, धर्मशाला एवं दुकान है और वर्ष 1989 में 9000/- रुपये खर्च करके धर्मशाला का जीर्णोद्धार किया गया और चंदा लेकर दुकान को पक्का बनाया गया, परंतु पूर्व का हिसाब का कोई लेखा-जोखा नहीं है। बिहारी लाल प्रसाद द्वारा दिनांक-03.10.1991 को एक प्रार्थना पत्र दिया गया कि प्रार्थी को पर्षद द्वारा उक्त ट्रस्ट का व्यवस्थापक नियुक्त किया गया। समय-समय पर पर्षद द्वारा बिहारी लाल प्रसाद एवं गोपाल महतो से मंदिर की आय-व्यय विवरणी, बजट, पर्षद शुल्क आदि के संबंध में नोटिस जारी की जाती रही परंतु उनके द्वारा किसी प्रकार की कोई प्रत्युत्तर नहीं दाखिल किया गया। एक लंबेअंतराल के बाद दिनांक- 01.11.2022 को श्री शंभू प्रसाद द्वारा एक प्रार्थना पत्र दिया गया कि वह दानकर्त्ता परिवार के वंशज हैं। दानकर्त्ता भीमल महतो के भाई सरयुग महतो थे और सरयुग महतो की पुत्री गेना देवी और पुत्र गुलवचन महतो और गुलवचन महतो की एक पुत्री मीना देवी तथा एक पुत्र (प्रार्थी) शंभु प्रसाद महतो हैं और वर्ष 1962 के वक्फनामा द्वारा 2.5 (दो कट्टा पौंच धुर) जमीन, जिसका तौजी सं0- 951, थाना नं0- 128, वार्ड नं0- 01, हो0 नं0- 134, 776, खेसरा सं0- 6076, 6077 व 6005 है। वर्तमान में उक्त मंदिर पर पूर्ण रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है। अपने प्रार्थना पत्र के साथ वंशावली, समर्पणनामा की छायाप्रति तथा हिन्दी प्रति दाखिल की है, जिस पर अंचलाधिकारी से एक रिपोर्ट की मांग पर्षदीय पत्रांक-3472 दिनांक- 07.01.2023 द्वारा की गयी। प्रार्थी शंभू प्रसाद द्वारा दिनांक-27.03.2023 मंदिर के कुछ फोटोग्राफ दाखिल किये गये थे, जिससे स्पष्ट होता है कि मंदिर, धर्मशाला जर्जर अवस्था में है और कभी भी धाराशायी हो सकता है।

दिनांक-24.05.2023 को श्री शंभु महतो अपने अधिवक्ता के साथ उपस्थित होकर एक प्रार्थना पत्र दिया कि उक्त मंदिर के प्रांगण में 06 व्यक्ति द्वारा व्यवसाय किया जा रहा है उनके द्वारा किसी प्रकार का कोई राशि नहीं दी जाती है जिससे की मंदिर का विकास किया जा सके। साथ ही उनके द्वारा 06 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव न्यास समिति बनाये जाने हेतु दिया गया।

उपरोक्त वर्णित तथ्यों से स्पष्ट होता है कि निबंधन के पश्चात् मंदिर की व्यवस्था पूर्ण रूप से अस्त-व्यस्त हो गयी है और न्यास समिति के द्वारा भी उसका दुरुपयोग किया गया और किसी भी प्रकार अधिनियम की धारा 59, 60, 70 का पालन नहीं किया गया।

अतःवर्णित तथ्यों पर विचार करते बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्वद प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं० 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए आदेश दिनांक—24.05.2023 द्वारा मंदिर में नियमित पूजा—पाठ, राग—भोग की व्यवस्था, आय के दुरुपयोग से बचाने एवं उसकी सम्पत्तियों सुरक्षा और समुचित विकास हेतु एक योजना का निरूपण किया जाता है।

योजना

01. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “ श्री शंकर भगवान जी धर्मशाला, पुस्तकालय, (भीमल महतो का मंदिर) नोनिया टोली, लाल बाजार, ग्राम+पो०— बेतिया जिला— पश्चिम चम्पारण” न्यास योजना होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री शंकर भगवान जी धर्मशाला, पुस्तकालय, (भीमल महतो का मंदिर) नोनिया टोली, लाल बाजार, ग्राम+पो०— बेतिया जिला— पश्चिम चम्पारण” होगी जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

02. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा—पाठ एवं साधु—सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

03. न्यास परिसर में जगह—जगह दान—पात्र रखे जायें और निर्धारित तिथि को न्यास समिति के सदस्यों के समक्ष दान—पेटी खोल कर राशि की गणना की जायेगी और उस राशि और किराये आदि से प्राप्त सभी राशि को न्यास के बचत खाता में जमा की जायेगी।

04. न्यास के खाता का संचालन दो सदस्यों (सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा। न्यास की समग्र आय इस बचत खाता में जमा की जायेगी।

05. न्यास समिति यदि किसी प्रकार का कोई धार्मिक आयोजन/निर्माण/विकास आदि का कार्य करता है और उसमें 05 लाख से अधिक राशि व्यय होने का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्वद से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अंदर आती है तो भी उसकी सूचना पर्वद को दी जायेगी।

06. न्यास समिति अधिनियम एवं उप—विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास का आय—व्यय की विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त एवं पर्वद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।

07. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक का कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

08. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जाएगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

09. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

11. न्यास समिति के किसी भी सदस्य को न्यास की अचल सम्पत्ति को बिक्री करने, बदलाने करने एवं तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए किराया देने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक कि लिखित रूप में इस संबंध में पूर्व सहमति पर्वद से प्राप्त नहीं कर लिया जाय। साथ ही न्यास समिति के सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप—पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

13. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1990 (पी०सी०ए०) की धारा—11, भारतीय दंड संहिता (I.P.C) की धारा—428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। अतः न्यास/मठ/मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता एवं वध” होता हो या उक्त कार्य का बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी/सेवायत/महंत/न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए किया जाता है :-

01. अंचल अधिकारी, बेतिया, जिला—पश्चिम चम्पारण	—	पदेन अध्यक्ष
02. श्री शंभू प्रसाद महतो, पिता—स्व० गुलवचन महतो	—	सचिव
03. श्री रामझा महतो, पिता— श्री सहदेव महतो		
पता— वार्ड नं०—33, लाल बाजार, नोनिया टोली	—	कोषाध्यक्ष
04. श्री रंगी महतो, पिता—स्व० बिगा महतो	—	सदस्य
संत माईकल स्कूल के पास, कमलनाथ नगर		
05. श्री रजा महतो, पिता—श्रीविश्वनाथ महतो	—	सदस्य
पता— वार्ड नं०—33, लाल बाजार, गुरुद्वारा रोड		
06. श्री राकेश कुमार, पिता—श्री रामजी महतो	—	सदस्य
लाल बाजार, नोनिया टोली		

सभी पो0+थाना- बेतिया, जिला- प0 चम्पारण, पिनकोड-845438.

नोट:-न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तांतरण/बदलान/विक्रय/पट्टा/लिज आदि पर देने या किसी भी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शून्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

17 जून 2023

सं0 851—श्री कबीर मठ, ग्राम+पोस्ट-रतनपट्टी, अंचल+थाना-मुरलीगंज, जिला-मधेपुरा, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं0-3802/07 है।

पूर्व में उक्त मठ की देखभाल कबीर मठ के सन्यासी द्वारा की जाती थी, परन्तु पर्वद में किसी भी प्रकार का कोई पत्राचार, आय-व्यय विवरणी, बजट नहीं समर्पित किया जाता है। दिनांक- 11/12/2008 को श्री विद्यानंद गोस्वामी को अध्यक्ष नियुक्त करते हुए ग्यारह सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया, परन्तु विद्यानंद गोस्वामी द्वारा षड्यंत्र के तहत पूर्व से मठ की भूमि जो रैयत के रूप में सदगुरु कबीर के नाम से इन्द्राज थी, उस भूमि का इन्द्राज विद्यानंद गोस्वामी द्वारा अपने नाम करा लिया। मठ की खाता सं0- 813 की बहुत सी भूमि को विभिन्न व्यक्तियों को विक्रय और दान करना प्रारंभ कर दिया, जो पूर्ण रूप से शून्य दस्तावेज है, क्योंकि अधिनियम की धारा- 44 के अन्तर्गत बिना पर्वद की अनुमति के किया गया कार्य था। उक्त आरोपों के संबंध में श्री विद्यानंद गोस्वामी से स्पष्टीकरण की मांग की गई, उनके द्वारा लिखित कथन किया गया कि विक्रय-पत्र वापस लिया जा चुका है, परन्तु उक्त कथन के समर्थन में कोई दस्तावेजी साक्ष्य की प्रति प्रस्तुत नहीं की गई। अंचलाधिकारी को भी पूर्व की भांति रैयत के रूप में सदगुरु कबीर के नाम का इन्द्राज करने का निर्देश दिया गया, क्योंकि श्री विद्यानंद गोस्वामी रैयत के रूप में इन्द्राज पूर्ण रूप से क्षेत्राधिकार के बाहर और अवैध है। न्यासधारी (महंत) जी के विरुद्ध यह भी शिकायत प्राप्त हुयी कि वह मठ पर नहीं रहते हैं। ग्रामीणों द्वारा एक बैठक करके 11 व्यक्तियों की एक न्यास समिति का गठन, महंत जी के साथ मिलकर कार्य करने हेतु प्रस्तावित की गई, जिसकी प्रति संलग्न करते हुए न्यासधारी से उनके मतव्य की मांगी की गई, परन्तु न्यासधारी श्री विद्यानंद गोस्वामी द्वारा आज तक किसी प्रकार का कोई मतव्य पर्वद को उपलब्ध नहीं कराया गया। रैयत के इन्द्राज और संशोधन हेतु अनुमंडल पदाधिकारी को भी दिनांक- 10/03/2023 को पत्र लिखा गया, परन्तु किसी प्रकार की कोई कार्यवाई की सूचना पर्वद को अभी तक नहीं प्राप्त हुई है। विगत 01 वर्ष से मंदिर की भूमि की बंदोबस्ती की राशि ग्रामीणों द्वारा स्थानीय न्यास समिति को दी जा रही है।

उक्त राशि से मठ को सुरक्षित करने हेतु चहारदिवारी का निर्माण और एक पानी का मोटर तथा कबीर सत्संग का आयोजन किया गया, जिसमें 01 लाख रु0 से अधिक की राशि व्यय की गई है। आम सभा की बैठक दिनांक- 27/02/2022 द्वारा प्रस्तावित नामों पर विचार करते हुये अतिक्रमणकारियों व भू-माफियाओं से मठ की भूमि को सुरक्षित करने हेतु एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

उपरोक्त परिस्थिति में आम सभा की बैठक दिनांक- 27/02/2022 द्वारा प्रस्तावित नामों पर विचार करते हुए मठ की व्यवस्था एवं पुजा-पाठ, राग-भोग हेतु एक योजना का निरूपण करते हुए इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक-18/05/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्वद की उपविधि सं0- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री कबीर मठ, ग्राम+पोस्ट-रतनपट्टी, अंचल+थाना-मुरलीगंज, जिला-मधेपुरा के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री कबीर मठ न्यास योजना, ग्राम+पोस्ट-रतनपट्टी, अंचल+थाना-मुरलीगंज, जिला-मधेपुरा” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री कबीर मठ न्यास समिति, ग्राम+पोस्ट-रतनपट्टी, अंचल+थाना-मुरलीगंज, जिला-मधेपुरा” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास समिति एक बैंक खाता मंदिर के नाम से खोले, जिसका संचालन सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

11. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ/मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

12. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

13. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

14. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।

15. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

16. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिकवियर्स की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष हेतु गठित की जाती है:-

01. अंचल पदाधिकारी, मुरलीगंज	—	अध्यक्ष
02. श्री विद्यानंद गोस्वामी	—	उपाध्यक्ष
03. श्री रामदेव मंडल	—	उपाध्यक्ष
04. श्री अमोल मंडल	—	सचिव
05. श्री शशिभूषण दास	—	कोषाध्यक्ष
06. श्री मनोज मंडल	—	सदस्य
07. श्री चन्दन मंडल	—	सदस्य
08. श्री दिनेश मंडल	—	सदस्य
09. श्री लड्डू ठाकुर	—	सदस्य
10. श्री देवनारायण साह	—	सदस्य
11. श्री योगेन्द्र मंडल	—	सदस्य

पता—“श्री कबीर मठ, ग्राम+पोस्ट— रतनपट्टी, अंचल+थाना— मुरलीगंज, जिला— मधेपुरा”।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री कबीर मठ, ग्राम+पोस्ट—रतनपट्टी, अंचल+थाना—मुरलीगंज, जिला—मधेपुरा” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि को एक वर्ष से अधिक बंदोवस्ती के अतिरिक्त हस्तान्तरण / बदलै / विक्रय / पट्टा / बंधक / दान / लीज आदिपर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

13 जून 2023

सं० 795—श्री राम जानकी मन्दिर, ग्राम+पो०—मुरली, थाना—भपटियाही, अंचल—सरायगढ़—भपटियाही जिला—सुपौल बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा-34 के अन्तर्गत निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या—4659 है।

उक्त मन्दिर के संबंध में ग्रामीणों द्वारा तथा अंचलाधिकारी द्वारा स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट दी गयी थी। पूर्व में मन्दिर को ध्वस्त करके मन्दिर में पूजा-पाठ करने वाले अनंत लाल मुखिया द्वारा अपने मकान का निर्माण किया जा रहा है। उक्त अनंत लाल मुखिया को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने हेतु सूचना दी गयी एवं निर्माण कार्य पर पूर्ण रूप से रोक लगाते हुए यथास्थिति कायम करने का निर्देश दिया गया। पर्वद में दाखिल दस्तावेज से यह स्वीकृत तथ्य है कि उक्त मन्दिर खाता संख्या-110 खेसरा संख्या-2 का कुल 01 ए0 89 डी0 जमीन समर्पणनामा द्वारा भगवान राम जानकी को समर्पित की गयी थी, जिसपर अनंत लाल मुखिया पर्वद के समक्ष उपस्थित हुए और कथन किया कि उक्त मन्दिर में लगभग 03 बी0 जमीन है, परन्तु कागजात उनके पास उपलब्ध नहीं है, जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है और कथन करते हैं कि उक्त मन्दिर की खाता संख्या-110 की भूमि पर भी मन्दिर का निर्माण कर रहे हैं और वह कोई अपना निवास स्थान नहीं बना रहे हैं। इस संबंध में उन्हें निर्देश दिया गया है कि एक शपथ-पत्र दाखिल करें कि मन्दिर के नाम जो उपरोक्त खाते की भूमि है, उसमें किसी प्रकार का पक्का स्थायी निवास नहीं बनायेगे और यदि मन्दिर का निर्माण करते हैं तो उसमें सभी ग्रामीणों से सहयोग लेकर निर्माण करें तथा उक्त मन्दिर की भूमि की सुरक्षा हेतु अंचलाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि मापी करके पोल तथा कटिले तार लगाकर उसकी घेराबन्दी करा ली जाए, जिससे किसी प्रकार का कोई निवास स्थान किसी भी व्यक्ति का नहीं बनाया जा सके। उक्त मन्दिर के निर्माण हेतु ग्रामीणों द्वारा दिनांक-15.11.2022 को बैठक कर 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया, जिसमें 03 ऐसा नाम है जो एक ही परिवार से आते हैं, बाप, बेटा या कुछ अन्य व्यक्ति हैं, जिनका आचरण उचित नहीं है तथा अनंत लाल मुखिया द्वारा भी सूची के कुछ व्यक्तियों का प्रस्ताव दिया।

अतः ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित नामों पर विचार करते हुए मन्दिर के विकास, सुव्यवस्था हेतु पर्वदीय आदेश दिनांक-12.05.2023 के आलोक बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्वद प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं0 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री राम जानकी मन्दिर, ग्राम+पो0-मुरली, अंचल-सरायगढ़-भपटियाही, थाना-भपटियाही, जिला-सुपौल” की सम्पत्तियों की सुरक्षा, सम्यक प्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति अस्थायी रूप से गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी मन्दिर, ग्राम+पो0-मुरली, अंचल-सरायगढ़-भपटियाही, थाना-भपटियाही, जिला-सुपौल” न्यास योजना होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “ श्री राम जानकी मन्दिर, ग्राम+पो0-मुरली, अंचल-सरायगढ़-भपटियाही, थाना-भपटियाही, जिला-सुपौल न्यास समिति” होगा जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

2. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास परिसर में जगह-जगह दान-पात्र रखे जायेंगे और निर्धारित तिथि को न्यास समिति के सदस्यों के समक्ष दान-पेटी खोल कर राशि की गणना की जायेगी और उस राशि का न्यास के बचत खाता में जमा की जायेगी। न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक्, संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा और आवश्यकतानुसार राशि की निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाता का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव में से एक एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा। न्यास की समग्र आय इस बचत खाता में जमा की जायेगी।

5. न्यास समिति यदि किसी प्रकार का कोई धार्मिक आयोजन/निर्माण/विकास आदि का कार्य करता है और उसमें 05 लाख से अधिक राशि व्यय होने का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्वद से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अंदर आती है तो भी उसकी सूचना पर्वद को दी जायेगी।

6. न्यास समिति चाहे तो मेला का आयोजन के संबंध में कार्यकारिणी समिति के रूप में कुछ व्यक्तियों को नियुक्त कर मेले का आयोजन करने हेतु स्वतंत्र रहेगी, लेकिन मेला के आयोजन से प्राप्त आय को पारदर्शिता पूर्वक और पूरी ईमानदारी/सत्यता के साथ जो बचत होगी उसे न्यास के बैंक खाता में जमा की जायेगी और प्रत्येक वर्ष का हिसाब मंदिर के प्रांगण में भी प्रदर्शित किया जायेगा कि कितनी आय हुयी और कितना खर्च हुआ और उसकी एक प्रति पर्वद को भी भेजी जायेगी।

7. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास का आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त एवं पर्वद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।

8. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक का कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

09. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

10. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

11. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

12. कार्यकारणी समिति के किसी भी सदस्य को न्यास की अचल सम्पत्ति को बिक्री करने, बदलाने करने एवं तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए किराया देने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक कि लिखित रूप में इस संबंध में पूर्व सहमति पत्र से प्राप्त नहीं कर लिया जाय। साथ ही न्यास समिति के सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

13. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

14. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1990 (पी0सी0ए0) की धारा-11, भारतीय दंड संहिता (I.P.C) की धारा-428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। अतः न्यास/मठ/मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता एवं वध" होता हो या उक्त कार्य का बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी/सेवायत/महंत/न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

15. समिति आपस में मिलकर शीघ्र मन्दिर का निर्माण का कार्य प्रारम्भ करें। मुखिया का सहयोग लेकर मन्दिर निर्माण का करायेगे।

उपरोक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित न्यास समिति का गठन 01 वर्ष के लिए अस्थायी रूप से किया जाता है :-

- | | |
|--|--------------|
| 1. श्री महेन्द्र मुखिया, पिता-स्व0 गर्भू मुखिया | — अध्यक्ष |
| 2. श्री अनंत लाल मुखिया, पिता-स्व0 लक्ष्मी मुखिया | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री रामशरण पाण्डे | — सचिव |
| 4. श्री रमेश मुखिया, पिता- स्व0 गोपाली मुखिया | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री कमल नारायण, पूर्व सरपंच | — सदस्य |
| 6. श्री सुबोध कुमार यादव, पिता-श्री योगेन्द्र यादव | — सदस्य |
| 7. श्री वासुदेव मेहता पिता-स्व0 राजाराम मेहता | — सदस्य |

सभी ग्राम+पो0-मुरली, थाना-भपटियाही, जिला-सुपौल

नोट:-1. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तांतरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लिज आदि पर देने या किसी भी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शून्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

2. उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेखों में संबंधित भूमि "श्री राम जानकी मन्दिर, ग्राम+पो0-मुरली, अंचल-सरायगढ़-भपटियाही, थाना-भपटियाही, जिला-सुपौल" के नाम में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

आदेश से,

अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

13 जून 2023

सं0 792—श्रीश्री 108 तिलहेश्वर स्थान, ग्राम+पो0-सुखपुर जिला-सुपौल बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा-34 के अन्तर्गत निबंधित है, जिसकी निबंधन संख्या-3849 है।

निबंधन के पश्चात कुछ व्यक्तियों के द्वारा स्वयं-भू समिति बनाकर मन्दिर का संचालन कर, उसकी आय को निजी रूप से प्रयोग किया जा रहा है। पर्वद में कभी भी अधिनियम की धारा 59, 60, 70 के प्रावधानों का कभी पालन नहीं किया गया। प्रशासनिक पदाधिकारी से भी नयी समिति बनाये जाने हेतु नामों की मांग की जाती रही, लेकिन कोई प्रस्ताव नहीं प्राप्त हुआ। दिनांक-27.05.2021 को लगभग 20 से अधिक व्यक्तियों के हस्ताक्षर से एक प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुआ। स्वयं भू न्यास समिति के कार्य से असंतुष्ट होकर आमसभा दिनांक-29.03.2021 को की गयी, जिसमें 04 व्यक्तियों को मन्दिर की देख-भाल हेतु नियुक्त किया गया। उक्त चारों व्यक्ति द्वारा पर्वद में पहली बार 04 माह (अप्रैल, मई, जून, जुलाई) मन्दिर और भक्तों से प्राप्त आय 1,11,409/- रुपये मन्दिर से प्राप्त हुआ और यह कथन किया कि मन्दिर की आय कम से कम 05 लाख रुपये है, जिससे विकास समिति सारी आय को बंदरबॉट कर लेती है। दिनांक-06.08.2021 को पर्वद की सुनवाई के समय यह मामला उठाया गया कि स्वयं-भू न्यास समिति पिछले 10 वर्षों से मन्दिर की आय के संबंध में रजिस्टर, बजट, आय-व्यय विवरण कभी नहीं दाखिल किया है, जो उनकी कार्यवाही पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

पुनः दिनांक-08.11.2021 को सभी पक्षों को सुनने के पश्चात् निर्देश दिया गया कि दोनों पक्ष अंचलाधिकारी की अध्यक्षता में उपस्थित होकर सर्वसम्मति से 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्वद को भेजे तथा पूर्व न्यास समिति द्वारा कथन किया गया कि 04 प्रभारी सदस्य पूर्व सभी रजिस्टर दस्तावेज अपने आधिपत्य में ले लिया है, जिससे पूर्व की आय-व्यय, बजट दाखिल करने में असमर्थ है। उन्हें निर्देश दिया गया कि एक लिखित प्रार्थना-पत्र देकर जो कागजात प्राप्त करना चाहते हैं प्रभारी कमिटी से प्राप्त करें या उसकी फोटोप्रति पूर्व स्वयं-भू न्यास समिति को उपलब्ध करा दें।

इसी बीच प्रभारी 04 सदस्यीय कमिटी ने अप्रैल, 2021 से दिसम्बर, 2021 तक कोरोना होने के कारण 2,45,960/- रुपये आय दर्शित की तथा यह भी उल्लेख किया कि उस राशि से 02 कमरे, 01 हॉल, लगभग 2.5 लाख रुपये निर्माण में खर्च किया गया तथा पिछले 08 वर्षों में मन्दिर के विकास के रूप में किये गये कार्य का उल्लेख करते हुए, उसका फोटो भी

दाखिल किया और अंचलाधिकारी से दुरभाष पर बात होने पर उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि शीघ्र एक प्रस्ताव समिति हेतु भेज देंगे।

दिनांक-28.10.2022 को समिति द्वारा पर्षद के संज्ञान में लाया गया कि स्वयं-भू न्यास समिति द्वारा जो रजिस्टर संधारित किया था, रजिस्टर अप्रैल, 2017 से जुलाई 2019 तक लगभग 3.5 लाख रुपये और अगस्त, 2019 से फरवरी, 2019 तक 03 लाख रुपये प्रदर्शित किया। उपरोक्त के आलोक में स्वयं-भू न्यास समिति के सचिव को पत्र भेजकर उक्त राशि के संबंध में तदनुसार लेखा-जोखा की मांग की गयी। दिनांक-02.02.2023 को दोनों पक्षों को सुना गया। पूर्व न्यास समिति के कुछ सदस्य उपस्थित थे। उनके द्वारा पुनः वही प्रार्थना की गयी उनके पास उनके द्वारा संधारित रजिस्टर वगैरह नहीं है। प्रभारी समिति को निर्देश दिया गया कि दिनांक-05.02.2023 को स्वयं-भू न्यास समिति के सदस्यों को जो पूर्व के रजिस्टर है, उन्हें उपलब्ध करा दें और उन्हें अंतिम अवसर दिया गया कि पिछले 07 वर्षों की आय-व्यय, विकास आदि के कार्य के संबंध में लिखित प्रार्थना-पत्र, विकास कार्यों का फोटो आदि दाखिल करें।

उपरोक्त आदेश का पालन करने हेतु दिनांक-12.05.2023 की तिथि निर्धारित की गयी थी। निर्धारित तिथि को स्वयं-भू न्यास समिति का कोई भी सदस्य न तो उपस्थित हुए और न उनके द्वारा पिछले 07 वर्षों का आय-व्यय, खर्च राशि कहाँ है, इस संबंध में कोई भी प्रत्योत्तर नहीं दाखिल किया। इसी बीच अनुमण्डल पदाधिकारी के द्वारा 13 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्षद को दिनांक-02.02.2023 को प्राप्त हुआ। जिस संबंध में 04 सदस्यीय प्रभारी समिति के द्वारा तथा कुछ ग्रामीणों के द्वारा दिनांक-04.03.2023 के प्रस्ताव समिति के विरुद्ध आरोप दाखिल कर, उसमें आरोपित किया है कि पूर्व स्वयं-भू न्यास समिति के सचिव, अरुण कुमार झा, मुन्ना द्वारा पिछले 07 वर्षों की आय-व्यय का निजी हित में प्रयोग कर आजतक हिसाब नहीं दाखिल किया तथा प्रस्तावित सूची में 04 सदस्यीय प्रभारी समिति में से मात्र एक व्यक्ति दुर्गेश महतो को ही स्थान दिया, जबकि ग्रामीणों द्वारा 04 सदस्यीय समिति को प्रभार दिया गया है, उनका कार्य पूर्ण रूप से सराहनीय है, क्योंकि उनके द्वारा वर्ष 2021-22 में लगभग 04 लाख रुपये की आय तथा वर्ष 2022-23 में 8.5 लाख रुपये की आय विभिन्न स्त्रोतों से मन्दिर के संबंध में दस्तावेज के साथ अपना पत्र दाखिल किया है। यह भी उल्लेख किया कि इस वर्ष मन्दिर के सामने काफी गडढा को, पोखर, सीढ़ी आदि की व्यवस्था के लिए सिमेन्ट, बालू गिट्टी तथा दानपेटी, स्टील का गेट मन्दिर के चारो तरफ विकास संबंधी कार्य किया गया, परन्तु उपरोक्त 04 प्रभारी समिति के सदस्यों के नाम अनुमण्डल पदाधिकारी के प्रस्ताव में नहीं रखे जाने का कोई कारण स्पष्ट नहीं किया है।

अतः अनुमण्डल पदाधिकारी के प्रस्ताव तथा ग्रामीणों द्वारा प्रस्तावित नामों पर विचार करते हुए मन्दिर के विकास, सुव्यवस्था हेतु पर्षदीय आदेश दिनांक-12.05.2023 के आलोक बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्षद प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “श्री श्री 108 तिल्लेश्वर स्थान, ग्राम+पो0-सुखपुर जिला-सुपौल” की सम्पत्तियों की सुरक्षा, सम्यक प्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति अस्थायी रूप से गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री श्री 108 तिल्लेश्वर स्थान, ग्राम+पो0-सुखपुर जिला-सुपौल” न्यास योजना होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री श्री 108 तिल्लेश्वर स्थान, ग्राम+पो0-सुखपुर जिला-सुपौल न्यास समिति” होगा जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

2. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास परिसर में जगह-जगह दान-पात्र रखे जायें और निर्धारित तिथि को न्यास समिति के सदस्यों के समक्ष दान-पेटी खोल कर राशि की गणना की जायेगी और उस राशि का न्यास केबचत खाता में जमा की जायेगी। न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक्, संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा और आवश्यकतानुसार राशि की निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाता का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव में से एक एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा। न्यास की समग्र आय इस बचत खाता में जमा की जायेगी।

5. न्यास समिति यदि किसी प्रकार का कोई धार्मिक आयोजन/निर्माण/विकास आदि का कार्य करता है और उसमें 05 लाख से अधिक राशि व्यय होने का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्षद से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अंदर आती है तो भी उसकी सूचना पर्षद को दी जायेगी।

6. न्यास समिति चाहे तो मेला का आयोजन के संबंध में कार्यकारिणी समिति के रूप में कुछ व्यक्तियों को नियुक्त कर मेले का आयोजन करने हेतु स्वतंत्र रहेगी, लेकिन मेला के आयोजन से प्राप्त आय को पारदर्शिता पूर्वक और पूरी ईमानदारी/सत्यता के साथ जो बचत होगी उसे न्यास के बैंक खाता में जमा की जायेगी और प्रत्येक वर्ष का हिसाब मंदिर के प्रांगण में भी प्रदर्शित किया जायेगा कि कितनी आय हुयी और कितना खर्च हुआ और उसकी एक प्रति पर्षद को भी भेजी जायेगी।

7. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास का आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त एवं पर्षद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

8. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक का कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

09. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

10. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

11. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

12. कार्यकारणी समिति के किसी भी सदस्य को न्यास की अचल सम्पत्ति को बिक्री करने, बदलाने करने एवं तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए किराया देने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक कि लिखित रूप में इस संबंध में पूर्व सहमति पर्षद से प्राप्त नहीं कर लिया जाय। साथ ही न्यास समिति के सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

13. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

14. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1990 (पी0सी0ए0) की धारा-11, भारतीय दंड संहिता (I.P.C) की धारा-428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। अतः न्यास/मठ/मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता एवं वध" होता हो या उक्त कार्य का बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी/सेवायत/महंत/न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

15. न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि शीघ्र बैंक खाता खोलकर सभी राशि जो पिछले 02 वर्षों में बचत हुई है, उसे बैंक में जमा कराये। 10000/- से अधिक की राशि चेक के माध्यम से ही भुगतान किया जायेगा। बैंक खाता का संचालन कोषाध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष या सचिव में से किसी एक व्यक्ति के संयुक्त हस्ताक्षर से ही किया जायेगा।

16. न्यास समिति को यह अधिकार रहेगा कि मंदिर में पूजा-पाठ आदि के लिए वह किसी व्यक्ति को रख सकती है और उसके लिए एक निर्धारित राशि मासिक के रूप में उसको भुगतान की जायेगी, उसके अलावा नियुक्त पुजारी को किसी प्रकार का कोई अधिकार मंदिर के चढ़ावा, दान-पेटी, भूमि की आय से कोई संबंध नहीं रहेगा।

उपरोक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित न्यास समिति का गठन 01 वर्ष के लिए अस्थायी रूप से किया जाता है :-

- | | |
|--|--------------|
| 1. अनुमण्डल पदाधिकारी, सुपौल | — अध्यक्ष |
| 2. अंचलाधिकारी, सुपौल | — उपाध्यक्ष |
| 3. श्री वंशमणि सिंह | — सचिव |
| 4. श्री मनु कुमार झा पुत्र-रविकान्त झा | — कोषाध्यक्ष |
| 5. श्री विजय मंडल | — सदस्य |
| 6. श्री सुबोध कुमार झा | — सदस्य |
| 7. श्री रविन्दर पाण्डे | — सदस्य |
| 8. श्री रामाशंकर सिंह उर्फ गोपाल सिंह | — सदस्य |
| 9. श्री अमरेन्द्र सिंह | — सदस्य |
| 10. श्री धीरेन्द्र कामत | — सदस्य |
| 11. श्री रामचन्द्र चौधरी | — सदस्य |

सभी ग्रामीण ग्राम+पो0-सुखपुर जिला-सुपौल।

नोट:-1. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तांतरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लिज आदि पर देने या किसी भी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शून्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

2. उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेखों में संबंधित भूमि " श्री श्री 108 तिलहेश्वर स्थान, ग्राम+पो0-सुखपुर जिला-सुपौल " के नाम में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

16 जून 2023

सं0 823—श्री श्री 108 शिव पार्वती मंदिर, ग्राम— इसराइनपुर, पो0— यदुआपट्टी, अंचल— कुमारखंड, जिला— मधेपुरा, पर्षद के अर्न्तगत अधिनियम की धारा-34 के तहत एक निबंधित सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या-4660 है।

इस न्यास के संबंध में निबंधित समर्पणनामा दिनांक— 05.08.1972 तथा वर्तमान में मंदिर की फोटोग्राफ दाखिल किया गया। दान—पात्र से स्पष्ट है कि मौजा इसराइन में शिव पार्वती का एक मंदिर है और दानकर्ता ने अपने 08 ए० 71 डी० पुराना खाता सं०— 222, नया खाता सं०— 352, खेसरा सं०— 1311 जो मौजा गुड़िया में स्थित है, उसकी राग—भोग, पूजा—पाठ के लिए दान किया।

उक्त विलेख के द्वारा ही सीताराम सिंह, पिता— स्व० सूर्य नारायण प्रसाद सिंह को मंदिर की व्यवस्था हेतु सेवायत नियुक्त किया और उक्त सेवायत सीताराम सिंह का स्वर्गवास वर्ष— 2000 के आस—पास हो चुका है। ग्रामीणों द्वारा सूचित किया गया है कि ग्रामीणों के आपसी सहयोग चंदे तथा दान से मौजा गुड़िया में खाता सं०— 352, खेसरा सं०— 1311, 1419, 1433 पर भी मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। आगे यह भी सूचित किया गया है कि इसराइन में स्थित मंदिर में पूजा—पाठ नारायण शेखर झा द्वारा किया जाता है और चूंकि गुड़िया की भूमि फर्जी व्यक्तियों के द्वारा क्रय—विक्रय किया जा रहा था, जिस संबंध में एक ह० वाद— 394/2021 की ग्रामीणों के द्वारा उक्त पंजी क्रेता—विक्रेता को पत्रकार बनाते हुए दाखिल किया गया है।

विक्रय पत्र के क्रेता शशि भूषण सिंह द्वारा विक्रय निर्गत किया गया है, जबकि शशि भूषण सिंह न तो दानकर्ता परिवार से आते हैं और न ही सेवायत परिवार से आते हैं। ग्रामीणों के एक आम बैठक दिनांक— 15.01.2023 को की गई और उक्त बैठक में लगभग 200 से अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति में 11 व्यक्तियों का चयन किया गया, परन्तु उक्त प्रस्ताव में दानकर्ता श्रीमती सीता देवी के पुत्रगण कालु सिंह व शेखर सिंह के नाम पर विचार नहीं किया गया है अतः समर्पणकर्ता के बड़े पुत्र कालु सिंह को सदस्य के रूप में मान्यता दिया जाना आवश्यक है, साथ ही इसराइन में स्थित शिव पार्वती मंदिर की देखभाल पुजारी नारायण शेखर झा द्वारा किया जाना स्वीकृत है। उनको भी न्यास समिति में रखा जाना उचित होगा।

अतः उक्त दोनों नामों पर विचार करते हुए मन्दिर के विकास, सुव्यवस्था हेतु पर्षदीय आदेश दिनांक—18.05.2023 के आलोक बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में धार्मिक न्यास पर्षद प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं० 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “ श्री श्री 108शिव पार्वती मंदिर, ग्राम— इसराइनपुर, पो०— यदुआपट्टी, अंचल— कुमारखंड, जिला— मधेपुरा ” की सम्पत्तियों की सुरक्षा, सम्यक प्रबंधन हेतु नीचे लिखे योजना का निरूपण किया जाता है तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति अस्थायी रूप से गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा—32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “**श्री श्री 108शिव पार्वती मंदिर, ग्राम— इसराइनपुर, पो०— यदुआपट्टी, अंचल— कुमारखंड, जिला—मधेपुरा** ” न्यास योजना होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “**श्री श्री 108शिव पार्वती मंदिर, ग्राम— इसराइनपुर, पो०— यदुआपट्टी, अंचल— कुमारखंड, जिला— मधेपुरा न्यास समिति** ” होगा जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार होगा।

2. इस न्यास समिति का प्रमुख कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा, विकास एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा—पाठ एवं साधु—सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास परिसर में जगह—जगह दान—पात्र रखे जायें और निर्धारित तिथि को न्यास समिति के सदस्यों के समक्ष दान—पेटी खोल कर राशि की गणना की जायेगी और उस राशि का न्यास के बचत खाता में जमा की जायेगी। न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक्, संधारण किया जायेगा और समीप के किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा किया जायेगा और आवश्यकतानुसार राशि की निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाता का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष/सचिव में से एक एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा। न्यास की समग्र आय इस बचत खाता में जमा की जायेगी।

5. न्यास समिति यदि किसी प्रकार का कोई धार्मिक आयोजन/निर्माण/विकास आदि का कार्य करता है और उसमें 05 लाख से अधिक राशि व्यय होने का अनुमान हो तो खर्च करने से पूर्व पर्षद से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा और यदि उपरोक्त राशि निर्धारित सीमा के अंदर आती है तो भी उसकी सूचना पर्षद को दी जायेगी।

6. न्यास समिति चाहे तो मेला का आयोजन के संबंध में कार्यकारिणी समिति के रूप में कुछ व्यक्तियों को नियुक्त कर मेले का आयोजन करने हेतु स्वतंत्र रहेगी, लेकिन मेला के आयोजन से प्राप्त आय को पारदर्शिता पूर्वक और पूरी ईमानदारी/सत्यता के साथ जो बचत होगी उसे न्यास के बैंक खाता में जमा की जायेगी और प्रत्येक वर्ष का हिसाब मंदिर के प्रांगण में भी प्रदर्शित किया जायेगा कि कितनी आय हुयी और कितना खर्च हुआ और उसकी एक प्रति पर्षद को भी भेजी जायेगी।

7. न्यास समिति अधिनियम एवं उप—विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास का आय—व्यय की विवरणी, अंकक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त एवं पर्षद शुल्क आदि ससमय सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।

8. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक का कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी। अध्यक्ष के अनुपलब्ध रहने की स्थिति में उपाध्यक्ष बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

09. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जोगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।

10. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।

11. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

12. कार्यकारणी समिति के किसी भी सदस्य को न्यास की अचल सम्पत्ति को बिक्री करने, बदलाने करने एवं तीन वर्ष से अधिक अवधि के लिए किराया देने का कोई अधिकार नहीं होगा जबतक कि लिखित रूप में इस संबंध में पूर्व सहमति पर्षद से प्राप्त नहीं कर लिया जाय। साथ ही न्यास समिति के सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

13. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो सदस्य बने रहने की उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

14. न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि मंदिर की भूमि पर जिनके द्वारा अवैध रूप से क्रय-विक्रय या अतिक्रमण किया गया है, उन सभी के विरुद्ध बिहार हिन्दू धार्मिक न्यायाधिकरण में शीघ्र वाद दायर करें।

15. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1990 (पी0सी0ए0) की धारा-11, भारतीय दंड संहिता (I.P.C) की धारा-428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। अतः न्यास/मठ/मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के पशुओं (गोवंश/गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना/भोजन नहीं देना/ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता एवं वध" होता हो या उक्त कार्यों का बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी/सेवायत/महंत/न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

16. न्यास समिति के सचिव को जो मंदिर की भूमि के संबंध में वाद और मुकदमें हैं, उसमें पैरवी करने के लिए अधिकृत किया जाता है।

उपरोक्त योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से किया जाता है :-

01. श्री जीवनेश्वर मंडल	—	अध्यक्ष
02. श्री कालू सिंह	—	उपाध्यक्ष
03. श्री राजेन्द्र यादव	—	उपाध्यक्ष (2)
04. श्री जर्नादन मंडल	—	सचिव
05. श्री मनोज कुमार	—	कोषाध्यक्ष
06. श्री अरविन्द यादव	—	उप सचिव
07. श्री लक्ष्मण मंडल	—	सदस्य
08. श्री ललित नाथ मंडल उर्फ पूरण मंडल	—	सदस्य
09. श्री शंकर मंडल	—	सदस्य
10. श्री बद्री पासवान	—	सदस्य
11. श्री नारायण शेखर झा	—	सदस्य (सह पुजारी)

सभी निवासी-ग्राम-गुड़िया, पो0-कुमारखण्ड, अंचल-मुरलीगंज, जिला-मधेपुरा।

नोट:-1. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति/भूमि का हस्तांतरण/बदलाने/विक्रय/पट्टा/लिज आदि पर देने या किसी भी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शून्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

2. उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेखों में संबंधित भूमि " श्री श्री 108शिव पार्वती मंदिर, ग्राम-इसराइनपुर, पो0- यदुआपट्टी, अंचल- कुमारखंड, जिला- मधेपुरा " के नाम में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

24 मई 2023

सं0 619—श्री श्री उदासीन संगत,ग्राम-तारापुर, पोस्ट-थाना-एकंगरसराय, जिला-नालंदा,बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं0-3911/09 है।

पूर्व में उक्त मठ की देखभाल न्यासधारी श्री द्वारिका दास द्वारा की जाती रही है। पर्षद द्वारा दिनांक- 24/11/1980 को श्री द्वारिका दास को उक्त मठ का न्यासधारी नियुक्त किया गया और महंती प्रमाण-पत्र भी निर्गत किया गया। तत्पश्चात् श्री मौनी दास को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया।श्री मौनी दास द्वारा प्रार्थना-पत्र समर्पित किया गया, जिसमें उल्लेख किया गया कि वह काफी वृद्ध हो गये हैं और जमीन का अतिक्रमण किया जा रहा है। उनके अनुरोध पर 11 सदस्यीय न्यास समिति का गठन दिनांक- 21/05/2009 को किया गया। उक्त मठ में पूर्व में लगभग 62 बीघा भूमि निबंधन के समय थी। लेकिन तत्कालिन कुछ महंतों द्वारा बिना पर्षद की अनुमति के अवैध रूप से बहुत सी भूमि हस्तान्तरित कर दी गयी। स्थानीय लोगों द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में उक्त मठ की लगभग 26 एकड़ भूमि मठ के आधिपत्य में है। पर्षद द्वारा गठित न्यास समिति भी पूर्ण रूप से निष्क्रिय रही। इसी बीच दिनांक- 30/09/2015 को श्री मौनी दास के स्वर्गवास के पश्चात् श्री सागर दास नामक व्यक्ति ने दिनांक- 16/10/2015 को एक प्रार्थना-पत्र दिया। एक अन्य व्यक्ति श्री नित्यानंद द्वारा भी उक्त मठ में स्वयं को न्यासधारी/महंत नियुक्त किये जाने हेतु एक प्रार्थना-पत्र दिया

गया। दोनों पक्षों को विस्तारपूर्वक दिनांक— 01/02/2021 को सुना गया। दोनों पक्षों के द्वारा अपने-अपने दावा के समर्थन में कुछ दस्तावेज भी प्रस्तुत किये गये जो बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 के अन्तर्गत महंत के विषय में निर्णय लेने का अधिकार पर्वद को नहीं है। तदनुसार दोनों पक्षों को निर्देश दिया गया कि अपने विवाद के संबंध में सक्षम न्यायालय में मुकदमा दाखिल कर सकते हैं। चूंकि उक्त संगत में महंत/न्यासधारी का दावा कर रहे श्री सागर दास द्वारा अवैध रूप से जमीन का विक्रय प्रारंभ कर दिया था तथा जमीन को राजस्व कर्मचारी के मेल से अपने नाम भी करा लिया जो उनकी मानसिक स्थिति स्पष्ट करता है। तत्पश्चात् उक्त संगत की सुरक्षा हेतु न्यास समिति गठित किये जाने का निर्णय लिया गया।

न्यास समिति गठन हेतु अंचलाधिकारी से 10 धार्मिक अच्छे चरित्र के व्यक्तियों के नामों की मांग की गयी। साथ ही उदासीन बड़ी पंचायत, इलाहाबाद को भी पत्र भेज कर किसी अच्छे साधु के नाम की मांग की गयी, परन्तु खेद की बात है कि बार-बार पत्र जारी किये जाने के पश्चात् भी अंचलाधिकारी के द्वारा कोई भी नाम का प्रस्ताव नहीं दिया गया और न ही पंचायती अखाड़ा, इलाहाबाद का कोई पत्र प्राप्त हुआ। ऐसी असमंजस की स्थिति का लाभलेकर श्री सागर दास द्वारा लगातार संगत की भूमि को दुरुपयोग करने की शिकायत प्राप्त हो रही है।

स्थानीय ग्रामीणों द्वारा दिनांक— 16/04/2023 को एक आम सभा कर 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है तथा ई-मेल के माध्यम से भी एक आम सभा दिनांक— 25/03/2023 को 10 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव पर्वद में प्राप्त हुआ है। प्राप्त दोनों सूची में से विचारोपरान्त उक्त संगत के सुगम व्यवस्था, पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन व भूमि की सुरक्षा व बदोबस्ती के उद्देश्य से एक योजना का निरूपण करते हुए **श्री राकेश कुमार रौशन, स0वि0स0, बिहार को संरक्षक के रूप में मनोनित करते हुये** न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए किया जाता है।

उपरोक्त परिस्थिति में मंदिर की व्यवस्था नियमित रागभोग, पूजा-पाठ हेतु एक योजना का निरूपण करते हुये इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष के लिए किया जाता है।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक—26/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात् बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्वद की उपविधि सं0— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए **श्री श्री उदासीन संगत, ग्राम—तारापुर, पोस्ट+थाना—एकंगरसराय, जिला—नालंदा** के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री श्री उदासीन संगत न्यास योजना, ग्राम—तारापुर, पोस्ट+थाना—एकंगरसराय, जिला—नालंदा”** होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री श्री उदासीन संगत न्यास समिति, ग्राम—तारापुर, पोस्ट+थाना—एकंगरसराय, जिला—नालंदा”** जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. **न्यास समिति एक बैंक खाता मंदिर के नाम से खोले, जिसका संचालन सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।**

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

11. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा— 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा— 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

12. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्वद को सम्यक प्रेषण करेगी।

13. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

14. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।

15. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

16. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष हेतु गठित की जाती है:-

श्री राकेश कुमार रौशन, स0वि0स0,	—	संरक्षक
1. अनुमंडल पदाधिकारी, हिलसा, नालंदा	—	पदेन अध्यक्ष
2. श्री आजाद कुमार, पिता- जनार्दन प्रसाद	—	कार्यकारी अध्यक्ष
3. श्री ललन कुमार, पिता- कामनन्दन प्रसाद	—	सचिव
4. श्री सुरज कुमार, पिता- इन्द्रदेव प्रसाद	—	कोषाध्यक्ष
5. श्री महेश प्रसाद, पिता- स्व0 वालदेव राउत	—	सदस्य
6. श्री कुमार चंद्रकांत सिंह, पिता- स्व0 चन्द्रशेखर सिंह	—	सदस्य
7. श्री कुमार प्रभाकर, पिता- स्व0 रामाशीष सिन्हा	—	सदस्य
8. श्री दिलीप चौहान, पिता- स्व0 रामविलास सिन्हा	—	सदस्य
9. श्री उदय कुमार, पिता- देवनन्दन प्रसाद	—	सदस्य
10. श्रीमती रीता कुमारी, पिता/पति- देवनन्दन प्रसाद	—	सदस्य

पता-श्री श्री उदासीन संगत, ग्राम- तारापुर, पोस्ट+थाना- एकंगरसराय, जिला- नालंदा ।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री श्री उदासीन संगत, ग्राम-तारापुर, पोस्ट+थाना-एकंगरसराय, जिला-नालंदा” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

27 मई 2023

सं0 652—श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, (शिवगंज कुटिया), ग्राम-शिवगंज, पोस्ट-डिहरी-ऑन- सोन, थाना-डिहरी, जिला-रोहतास, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं0-2033 है।

उक्त मंदिर में लगभग 09 एकड़ भूमि है, परन्तु समिति का कहना है कि 6.52 एकड़ भूमि श्री जगदीश यादव और 02 एकड़ भूमि श्री शिवपूजन सिंह द्वारा अवैध रूप से कब्जा करके रखा हुआ है और कोई राशि का भुगतान नहीं किया जाता है। इस संबंध में निबंधित डाक द्वारा नोटिस भेज कर श्री जगदीश यादव से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री जगदीश यादव द्वारा दिनांक- 23/06/2022 को अपना स्पष्टीकरण/प्रार्थना-पत्र दाखिल किया गया, जिसमें उल्लेख किया है कि यदि समिति के पास प्रार्थी को बंदोबस्ती 6,000/-रु0 प्रति बीघा देने का हिसाब हो, तो समर्पित करें। यह भी अवगत कराते हैं कि उनके पास मात्र 4.10 एकड़ जमीन अधिपत्य में है और 12,200/-रु0 बंदोबस्ती देते हैं और वर्ष 2012-13 तक लगान दे दिया है तथा शेष जो बचा है, उसे जोड़ कर तीन-चार किस्तों में दे देंगे, परन्तु न तो वह कभी पर्वद के समक्ष उपस्थित हुए और न ही किसी प्रकार का कोई दस्तावेज दाखिल किया गया और न ही उनके द्वारा स्वयं स्वीकृत राशि जमा की गयी तथा समिति पर प्रश्न उठाते हैं कि बंदोबस्ती संबंधी कोई कागज हो तो दें। पूर्व में किसी न्यासधारी द्वारा उनको जमीन दी गयी थी, तो वह मात्र 03 वर्ष से अधिक के लिए नहीं दी जा सकती है। उनके द्वारा स्वीकृति यह स्पष्ट करती है कि पूर्ण रूप से अतिक्रमण करके मंदिर की भूमि से होने वाली आय को निजी उपयोग कर रहे हैं। कभी पर्वद के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं। ऐसी स्थिति में न्यास समिति को निर्देश दिया जाता है कि उक्त भूमि की बंदोबस्ती खुली डाक द्वारा अपने स्तर से करायी जाए। न्यास समिति द्वारा मंदिर का कुछ फोटोग्राफ भी दाखिल किया गया है, जिससे स्पष्ट होता है कि मंदिर वर्तमान में

साफ-सुथरा और आकर्षक है। मंदिर के प्रांगण में एक कोचिंग संस्थान भी चलता है, जिसके द्वारा 1,500/-रु० प्रतिमाह किराया का भुगतान किया जाता है।

मंदिरमें कुछ दान-चढ़ावा भी आता है, जो मंदिर का रागभोग, पूजा-पाठ और सफाई वगैरह में व्यय किया जाता है। न्यास समिति का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है। कुछ सदस्यों को स्वर्गवास भी हो गया है। नवीन न्यास समिति के गठन हेतु दिनांक— 01/03/2023 को आम सभा का प्रस्ताव पर्वद में उपलब्ध कराया गया, जबकि इसी संबंध में श्री चंद्रगुप्त मेहरा द्वारा वर्तमान न्यास समिति के विरुद्ध कुछ आरोप लगाते हुए 07 सदस्यीय नामों का प्रस्ताव दिया गया, जिसमें 13 ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं, जबकि पर्वदीय आदेश दिनांक— 25/09/2012 द्वारा श्री मनोहर दास को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया था, जो वर्तमान में वर्ष 2014 में गठित न्यास समिति के कोषाध्यक्ष हैं। दिनांक— 31/03/2023 को श्री अशोक कुमार मौर्य के हस्ताक्षर से प्राप्त प्रस्ताव में कुछ ऐसे व्यक्ति हैं जो वर्ष 1996 में समिति के सदस्य थे। वर्तमान समिति के विरुद्ध जो आरोप लगाये गये थे, उस संबंध में कोई साक्ष्य नहीं है। समिति द्वारा समय-समय पर आय-व्यय विवरणी जमा की जाती है, बैंक का खाता भी खोला गया है जिसका खाता सं०—460210110011628, बैंक ऑफ इण्डिया में मंदिर के नाम से संचालित है। किसी स्थानीय महिला के द्वारा न्यास समिति के विरुद्ध कोई आरोप पर्वद में आज तक नहीं दिया गया है। मंदिर की अधिकांश भूमि लगभग 8.50 एकड़ जो अवैध रूप से अधिपत्य में है, उसके उपरांत भी मंदिर में केवल कोचिंग के किराया और चढ़ावे आदि से प्राप्त आय से मंदिर की जो व्यवस्था, जैसा कि फोटोग्राफ से स्पष्ट होता है कि समिति के प्रयास से ही किया जा रहा है।

उपरोक्त परिस्थिति में कार्यरत न्यास समिति तथा दिनांक— 12/03/2023 को प्रस्तावित नामों तथा समिति में से और श्री अशोक कुमार मौर्य द्वारा प्रस्तावित नामों में से विचारोपरांत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से 01 वर्ष हेतु करने का निर्णय लिया गया।

अतः पर्वदीय आदेश दिनांक—24/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्वद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, (शिवगंज कुटिया), ग्राम—शिवगंज, पोस्ट—डिहरी—ऑन— सोन, थाना—डिहरी, जिला— रोहतास के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, (शिवगंज कुटिया) न्यास योजना, ग्राम—शिवगंज, पोस्ट—डिहरी—ऑन— सोन, थाना—डिहरी, जिला— रोहतास” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, (शिवगंज कुटिया) न्यास समिति, ग्राम—शिवगंज, पोस्ट—डिहरी—ऑन— सोन, थाना—डिहरी, जिला— रोहतास” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास समिति एक बैंक खाता मंदिर के नाम से खोले, जिसका संचालन सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

11. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा— 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा— 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ/मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य “पशु की क्रूरता या वध” होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

12. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

13. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

14. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।

15. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय—व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

16. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप—पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति अस्थायी रूप से एक वर्ष हेतु गठित की जाती है:—

1. अंचल अधिकारी	पदेन अध्यक्ष
2. श्री चितरंजन मिश्र	कार्यकारी अध्यक्ष
3. श्री रामदेव चौधरी	सचिव
4. श्री चन्द्रगुप्त मेहरा	उप सचिव
5. महंत मनोहर दास	कोषाध्यक्ष
6. श्री कामेश्वर पटेल	सदस्य
7. श्री दीपक यादव	सदस्य
8. श्री राकेश दास	सदस्य
9. श्री रवि कुमार	सदस्य
10. श्री चंद्रमौली पाण्डेय, अधिवक्ता	सदस्य

पता—श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, (शिवगंज कुटिया), ग्राम— शिवगंज, पोस्ट— डीहरी—ऑन— सोन, थाना—डिहरी, जिला— रोहतास।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी, (शिवगंज कुटिया), ग्राम—शिवगंज, पोस्ट—डीहरी—ऑन— सोन, थाना—डिहरी, जिला— रोहतास” के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:—न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलान / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि—सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

5 जून 2023

सं0 733—श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, जमुआंव, जिला—औरंगाबाद, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं0—2121 है।

पूर्व में उक्त मंदिर की स्थापना श्री मथुरा प्रसाद द्वारा की गयी थी। उनके स्वर्गवास के पश्चात उनके परिवार द्वारा न्यासी के रूप में मंदिर की देखभाल की जा रही है। कालान्तर में उनके वंशजों क्रमशः 1. श्री रामनन्दन प्र0 सिंह 2. श्री वैदेही बल्लभ प्र0 सिंह 3. श्री शशांक कुमार सिंह 4. श्री किशोर सिंह द्वारा पर्षद को प्रार्थना—पत्र दिया गया कि मंदिर की व्यवस्था अपने स्तर से करायी जाये क्योंकि उक्त व्यक्ति बाहर रहते हैं। उनके प्रार्थना—पत्र पर विचारोपरांत पर्षद के ज्ञापांक— 2915, दिनांक— 14/08/2001 द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को धारा— 33 के अन्तर्गत अस्थायी रूप से न्यासधारी नियुक्त किया गया। उक्त मंदिर में कुल 09.28 एकड़ भूमि है।

दिनांक— 02/04/2002 को श्री त्रिवेणी मिश्र द्वारा एक प्रार्थना—पत्र दिया गया कि दानदाता की पत्नी रामदुलारी कुंअर द्वारा दिनांक— 17/11/1952 को प्रार्थी श्री त्रिवेणी मिश्र, पिता—स्व0 शिवशरण मिश्र को उक्त मंदिर की देखभाल, पूजा—पाठ करने हेतु सेवायत के रूप में नियुक्त किया। खतियान की प्रति भी दाखिल की गयी, जिससे भी स्पष्ट होता है कि उक्त श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर के सेवायत के रूप में श्री त्रिवेणी मिश्र पिता—शिवशरण मिश्र के नाम का इन्द्राज है। तत्कालिन मुखिया द्वारा भी दिनांक— 02/03/2002 को एक पत्र उपलब्ध कराया गया कि अंचलाधिकारी के पत्र के आलोक में कमिटी का गठन कर अंचलाधिकारी से अनुरोध किया गया है, परन्तु दिनांक— 17/11/1952 को दानदाता की पत्नी के

द्वारा बनाये गये दस्तावेज के आधार पर सेवायत के रूप में श्री त्रिवेणी मिश्र के नाम का इन्द्राज खतियान में भी है। उपरोक्त पत्रों पर विचारोपरान्त पर्वद के पत्रांक— 823, दिनांक— 13/05/2002 द्वारा श्री त्रिवेणी मिश्र को उक्त मंदिर में पूजा—पाठ, रागभोग आदि हेतु अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया। पर्वद के पत्रांक— 822, दिनांक— 13/05/2002 द्वारा अस्थायी न्यासधारी से संबंधित आदेश दिनांक— 14/08/2001 को वापस लिया गया। तत्पश्चात उक्त न्यासधारी श्री त्रिवेणी मिश्र के द्वारा नियमानुसार आय—व्यय विवरणी, बजट, पर्वद शुल्क आदि समय—समय पर जमा किया जाता रहा है।

दिनांक— 08/07/2002 को श्री विशुनधारी यादव द्वारा एक प्रार्थना—पत्र दिया गया कि अंचलाधिकारी के द्वारा जांचोपरान्त जो न्यास समिति गठित की गयी है, उसे मान्यता दी जाए। अंचलाधिकारी ने प्रतिवेदन दिनांक— 09/04/2002 समर्पित करते हुये उल्लेख किया है कि अनुमंडल पदाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए अद्योहस्ताक्षरी (अंचलाधिकारी) को प्राधिकृत किया और उनके द्वारा अपने प्रतिवेदन में छः सदस्यीय न्यास समिति के गठन का प्रस्ताव दिया। उक्त प्रस्ताव में अनुमंडल पदाधिकारी तथा अंचल पदाधिकारी, राजस्व कर्मचारी एवं अनिल मिश्र, पुजारी तथा विशुनधारी यादव बराहील, श्री लोकेश कुमार का उल्लेख है। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि उपरोक्त प्रस्ताव को अभी तक पर्वद द्वारा मान्यता नहीं दी गयी है। चूंकि अनुमंडल पदाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी, दिनांक— 14/08/2001 को नियुक्त किया गया था, उसे पर्वदीय आदेश दिनांक— 13/05/2002 द्वारा वापस लिया जा चुका है। इस कारण अंचलाधिकारी को उपरोक्त प्रतिवेदन का न तो कोई प्रभाव है और न ही वह कभी प्रभाव में आया। इसी बीच लगातार श्री त्रिवेणी मिश्र द्वारा मंदिर की रागभोग, पूजा—पाठ व्यवस्था हेतु कार्य करता रहा गया और अपनी आय—व्यय विवरणी भी दाखिल करते रहें। दिनांक— 30/09/2013 को श्री विशुनधारी यादव द्वारा एक प्रार्थना—पत्र दिया गया कि मंदिर की स्थापना एवं सेवायत मो० बहुरिया रामदुलारी कुंअर के स्वर्गवास के पश्चात उनके वारिसान उसकी व्यवस्था करते रहें, परन्तु कालान्तर में संस्थापक न्यासधारी के स्वर्गवास के पश्चात उनके वारिसान विभिन्न महानगर में निवास करने लगे, जिससे व्यवस्था में कठिनाई होने लगी। तब गांव के श्री विशुनधारी यादव प्रार्थी के नेतृत्व में मंदिर की रागभोग, रख—रखाव हेतु नियमित रूप से कार्य करने लगे। इस संबंध में उन्होंने वर्ष 1994 में भी आवेदन दिया है। अंचल अधिकारी के द्वारा उक्त भूमि का बराहील बनाया गया और समिति का भी गठन किया गया है, परन्तु श्री त्रिवेणी मिश्र, प्रार्थी को काम नहीं करने दे रहे हैं। अपने प्रार्थना—पत्र के साथ अंचलाधिकारी की पूर्व प्रतिवेदन दिनांक— 09/04/2002 संलग्न किया और प्रार्थना किया कि जांच कर बराहील (व्यवस्थापक) को वहां रहने की इजाजत दी जाए। इसी बीच दिनांक— 16/06/2014 को मंदिर की व्यवस्था कर रहे श्री अशोक कुमार मिश्र द्वारा प्रार्थना—पत्र दिया गया कि श्री विशुनधारी यादव व कुछ अन्य अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति सम्पत्ति को हड़पने के उद्देश्य से साजिश रच रहे हैं। आज दोनों पक्ष उपस्थित हैं और श्री विशुनधारी यादव के पुत्र श्री तारकेश्वर यादव उपस्थित हैं और उनके उक्त मंदिर में बराहील के रूप में दावा करने का दो अधिकार है। (1) अंचलाधिकारी की रिपोर्ट दिनांक— 09/04/2002, जो विविध वाद सं०—12/02 में दाखिल की गयी है तथा (2) अनुमंडल पदाधिकारी, दाउदनगर के यहां विविध वाद सं०—1727/14 में पारित आदेश दिनांक— 21/04/2015, जहां तक प्रश्न अंचलाधिकारी के उपरोक्त रिपोर्ट दिनांक— 09/04/2002 का संबंध है, जिसमें उपर ही विचार कर यह निर्णय दिया जा चुका है कि अंचल अधिकारी ने उक्त रिपोर्ट अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा प्राधिकृत किये जाने पर समर्पित की थी और यह प्रार्थना की थी कि बि० हि० धा० पर्वद के अनुमोदनार्थ भेजा जा सकता है, जबकि अनुमंडल पदाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी के पद को ही पर्वद द्वारा उपरोक्त आदेश द्वारा वापस ले लिया गया था, अतः उक्त रिपोर्ट का कोई प्रभाव नहीं है और न ही उक्त प्रस्ताव पर कोई अनुमति पर्वद द्वारा कभी दी गयी है।

अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा निर्णित वाद सं०—1727/14, दिनांक— 21/04/2015 में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा पर्वद के उसी आदेश दिनांक— 14/08/2001, जिसके द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया था और उनके द्वारा अंचल अधिकारी को प्राधिकृत करने पर जांच रिपोर्ट दी गयी है, जिस पर विचार कर पारित किया गया, अर्थात् अनुमंडल पदाधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया कि अंचल अधिकारी की रिपोर्ट पर पर्वद द्वारा कभी अनुमति नहीं दी गयी और अनुमंडल पदाधिकारी को ही पर्वद के ज्ञापांक— 822, दिनांक— 13/05/2002 द्वारा अस्थायी न्यासधारी नियुक्ति संबंधी पत्र वापस लेते हुए श्री त्रिवेणी मिश्र को अस्थायी न्यासधारी की मान्यता दी जा चुकी थी, अतः उक्त आदेश का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। श्री विशुनधारी यादव व अन्य द्वारा मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जा करने के संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी के यहां न्यासधारी त्रिवेणी मिश्र द्वारा प्रार्थना—पत्र दिया गया, जिस पर अनुमंडल पदाधिकारी ने अंचलाधिकारी से रिपोर्ट की मांग की। अंचलाधिकारी ने अपनी रिपोर्ट दिनांक— 14/07/2014 समर्पित की, जिसमें उल्लेख किया है कि मंदिर की भूमि पर विशुनदेव यादव, पिता— भिखारी यादव व उनके पुत्रों द्वारा अवैध रूप से उपरोक्त भूमि जोत—बो रहे हैं तथा मंदिर की भूमि को हड़पने एवं दखल—कब्जा करने के आरोप में नियमानुसार कार्यवाई करने हेतु प्रतिवेदन समर्पित की।

पर्वद में दिनांक— 30/03/2017 को श्री विशुनधारी यादव द्वारा प्रार्थना—पत्र दिया गया कि मंदिर के पुजारी त्रिवेणी मिश्र का स्वर्गवास हो चुका है और वर्तमान में उनके पुत्र श्री अशोक कुमार मिश्र बिना किसी अधिकार के कब्जा किये हुए हैं और निजी उपयोग कर रहे हैं, जिस संबंध में श्री अशोक मिश्र को नोटिस जारी की गयी। उनके द्वारा दिनांक— 13/06/2017 को एक प्रार्थना—पत्र दिया गया कि उक्त मंदिर की स्थापना फाल्गुन वर्ष 1318 फसली में किया गया था और दानदाता बहुरिया रामदुलारी कुंअर द्वारा प्रार्थी के पिता श्री त्रिवेणी मिश्र को दिनांक— 17/11/1952 में सेवायत नियुक्त किया गया और पर्वद द्वारा भी उन्हें मान्यता दी गयी थी। नियमानुसार वह वर्ष 2014 तक आय—व्यय विवरणी, बजट, पर्वद शुल्क जमा करते रहे हैं। श्री विशुनधारी वह उनके अन्य पुत्रों द्वारा मंदिर की भूमि को हड़पने के उद्देश्य से अवैध रूप से कब्जा बना लिया है और प्रार्थी को परेशान कर रहे हैं। वह पर्वद के सभी नियम—कानून का पालन करने के लिए तैयार हैं। मंदिर में 9.28 एकड़ जमीन है, जो अवैध रूप से कब्जा कर ली गयी है और निजी प्रयोग में ले रहे हैं। पर्वद में गलत सूचना उनके द्वारा दी जा रही है, जिसकी जांच करायी जाए और श्री विशुनधारी यादव का अवैध कब्जा वहां से हटाया जाए, जिस

अंचल अधिकारी द्वारा अपनी रिपोर्ट समर्पित की गयी है, जिसमें वर्णित है कि मंदिर के पुजारी श्री आदित्य मिश्र की मृत्यु हो गयी है और उनके बाद उनके पुत्र अनिल मिश्र पूजा-पाठ करते हैं और श्री अशोक मिश्र का मंदिर की भूमि पर कब्जा नहीं है।

श्री विशुनधारी यादव द्वारा वर्ष 2014-15 से वर्ष 2017-18 की आय-व्यय विवरणी दिनांक- 07/12/2018 को दाखिल की है तथा वर्ष 2018-19 से वर्ष 2019-20, 2020-21 का दिनांक- 08/07/2021 को दाखिल की है और दिनांक- 08/03/2022 को प्रार्थना-पत्र दिया गया कि वह काफी वृद्ध हो गये हैं, उनका पुत्र तारकेश्वर यादव सहयोग करता है। उपरोक्त सभी दस्तावेजों पर विचारोपरान्त यह स्पष्ट होता है कि दानकर्ता द्वारा निबंधित विलेख द्वारा श्री त्रिवेणी मिश्र को मंदिर का रागभोग, पूजा-पाठ आदि हेतु नियुक्त किया गया था। पर्षद द्वारा भी इनको वर्ष 2002 में न्यासधारी के रूप में मान्यता दी गयी है और वर्ष 2014 तक वह नियमित रूप से कार्य करते रहे हैं और आय-व्यय विवरणी भी दाखिल करते रहे हैं। इसी बीच अंचलाधिकारी की रिपोर्ट दिनांक- 09/04/2002 जिसको कभी पर्षद द्वारा मान्यता नहीं दी गयी है, उसी आधार पर श्री विशुनधारी यादव व उनके पुत्रों द्वारा मंदिर की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, जो उन्होंने स्वयं भी किया है, परन्तु श्री विशुनधारी यादव को भी पर्षद द्वारा या दाता परिवार के द्वारा कभी कोई मान्यता न्यासी/पुजारी/पुरोहित के रूप में नहीं दी गयी है और श्री त्रिवेणी मिश्र का भी स्वर्गवास हो गया है।

मंदिर में नियमित रागभोग, पूजा-पाठ तथा व्यवस्था हेतु एक न्यास समिति का गठन किया जाना आवश्यक प्रतीत हुआ। इस संबंध में ग्रामीणों ने एक प्रस्ताव बैठक दिनांक- 21/12/2022 द्वारा पर्षद को प्राप्त कराया गया, तदनुसार मंदिर की व्यवस्था हेतु एक योजना का निरूपण करते हुए न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से करने का निर्णय लिया गया।

उपरोक्त परिस्थिति में उक्त न्यास की सुव्यवस्था हेतु एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक- 28/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०- 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, जमुआंव, जिला- औरंगाबाद के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर न्यास योजना, जमुआंव, जिला- औरंगाबाद” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर न्यास समिति, जमुआंव, जिला- औरंगाबाद” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ-साथ पूजा-अर्चना, राग-भोग, अतिथि-सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह-जगह भेंट-पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा- 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय-व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

11. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

12. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा- 11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ / मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्रियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।

18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

1. अंचल अधिकारी, दाउदनगर, जिला- औरंगाबाद	अध्यक्ष
2. श्री शिवपुजन यादव, पिता-स्व० शिवदेवी यादव	उपाध्यक्ष
3. श्री अशोक कुमार मिश्र, पिता-स्व० त्रिवेणी मिश्र	सचिव
4. श्री चन्दन कुमार, पिता-मीरचंद राम	कोषाध्यक्ष
5. श्री सियाराम साव, पिता-स्व० रघुनंदन साव	सदस्य
6. श्री रामजी यादव, पिता-श्री चन्द्रदेव यादव	सदस्य
7. श्री उदय राम, पिता-श्री सुगेश्वर राम	सदस्य
8. श्री कृष्ण साव, पिता-श्री कईल साव	सदस्य
9. श्री राम प्रसाद यादव, पिता-स्व० भुसन यादव	सदस्य
10. श्री तारकेश्वर यादव	सदस्य
11. श्री रामप्रवेश यादव, पिता-श्री रामबली यादव	सदस्य

सभी का पता-श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, जमुआंव, जिला- औरंगाबाद।

उक्त आदेश के आलोक में राजस्व अभिलेख में "श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, जमुआंव, जिला- औरंगाबाद" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:- न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलाने / विक्रय / पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य, अप्रभावी एवं क्षेत्राधिकार से बाहर होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

8 जून 2023

सं० 761-—श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी (पिरोजा मठ), ग्राम- पिरोजा, थाना+पोस्ट-एकंगरसराय, बिहारशरीफ, जिला-नालंदा, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा- 34 के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है। इसकी निबंधन सं०-286 है।

पूर्व में उक्त मठ की देखभाल महंतों / न्यासियों द्वारा की जाती रही, परन्तु शिकायत प्राप्त होने पर वर्ष 1987 में अंचलाधिकारी को अस्थायी न्यासधारी नियुक्त किया गया था। पर्षद के आदेश दिनांक- 25/04/1994 के द्वारा 07 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष के रूप में श्री मुंशी दास थे। पर्षद के निरीक्षक को उक्त ठाकुरबाड़ी का स्थल निरीक्षण कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। पुनः दिनांक- 23/11/1998 के पत्र द्वारा 09 सदस्यीय न्यास समिति का गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष-श्री मुंशी प्र० सिंह एवं सचिव- श्री बैकुण्ठ सिंह थे। संचिका से स्पष्ट होता है कि न्यास समिति ने नियमित रूप से न तो आय-व्यय विवरणी, बजट दाखिल किया गया और न ही मंदिर के विकास के संबंध में किसी प्रकार की कोई सूचना पर्षद को दी। पर्षद द्वारा बारम्बार पत्राचार के उपरान्त वर्ष 2005-06 से लेकर के वर्ष 2016-17 तक की आय-व्यय विवरणी दिनांक- 14/09/2017 को समर्पित करते हुए पर्षद शुल्क वर्ष 2022 में जमा किया गया। नई न्यास समिति गठन किए जाने के संबंध में कार्यरत न्यास समिति के सचिव द्वारा 11 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव दिया गया। अपने प्रार्थना-पत्र के साथ वर्ष 2016-17 से वर्ष 2021-22 तक की आय-व्यय विवरणी भी समर्पित की गयी। उपरोक्त आय-व्यय विवरणी दाखिल करने में भी सचिव द्वारा पूर्ण रूप से लापरवाही की गई है, क्योंकि आय-व्यय विवरणी स्पष्ट नहीं है, बल्कि अनुमान के आधार पर आय उल्लेख कर दिया गया। पर्षद शुल्क का भुगतान भी नियमानुसार नहीं किया गया। मंदिर के भूमि के संबंध में खतियान की प्रति समर्पित की है। खाता सं०- 186 के खतियान की प्रति समर्पित की है, जिसमें कुल 11 खाता और कुल भूमि 7 एकड़ 70 डी० है, जो अभिलेख में रैयत के रूप में राम जानकी

ठाकुरबाड़ी के नाम से इन्द्राज है, जो गाँव फिरोजा, मौजा— दनियावां, जिसका कुल एरिया 7.17 ए० अंकित किया गया है। मौजा रक्सा में थाना सं०— 117, खाता— 116 एरिया 1.50 ए० भूमि का खतियान भी समर्पित किया गया।

उक्त मंदिर के प्रबंधन हेतु ग्रामीणों के द्वारा वर्तमान न्यास समिति के विरुद्ध असंतोष व्यक्त करते हुए एक बैठक दिनांक— 29/01/2023 को की गई, जिसके प्रस्ताव सं०— 02 में उल्लेख है कि कार्यरत न्यास समिति के अध्यक्ष, सचिव और सदस्यों द्वारा विगत वर्षों में मंदिर की भूमि की आय का गबन कर निजी स्वार्थ में प्रयोग किया जाता है। मंदिर में विकास कार्य नहीं किया गया है। उक्त सभी व्यक्ति गाँव दनियावां के रहने वाले हैं। प्रस्ताव सं०— 03 में उल्लेख है कि पूजा—पाठ में उनका कोई लगाव नहीं है और ग्रामीणों को मंदिर में प्रवेश से रोका जाता है। न्यास समिति द्वारा वर्ष 2013—17 और 2017—23 तक की भुगतान भी पर्षद में नहीं किया गया। उक्त बैठक में 12 व्यक्तियों के नामों का प्रस्ताव चयन कर भेजा गया। उक्त प्रस्ताव तथा प्रार्थना—पत्र दिनांक— 31/01/2023 को पर्षद में उपलब्ध कराया गया। उक्त प्राप्त सूची को अनुमंडल पदाधिकारी के यहाँ उनके मंतव्य या कुछ नामों को जोड़ने या कुछ नामों को हटाने के संबंध में पत्र दिनांक— 27/12/2022 को भेजा गया, परन्तु कोई प्रतिउत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

ऐसी परिस्थिति में उक्त विषय और लंबित रखना उचित प्रतीत नहीं होता है, क्योंकि वर्ष 1998 में गठित न्यास समिति का कार्य भी पूर्ण रूप से असंतोषजनक रहा है क्योंकि न तो विकास के संबंध में कोई सूचना और न ही किसी प्रकार का कोई फोटोग्राफ या क्या राशि खर्च की गई, की कोई जानकारी नहीं दी गई तथा वर्ष 2016—17 से आय—व्यय विवरणी भी अस्पष्ट है और उसका पर्षद शुल्क भी नहीं जमा है, क्योंकि पूर्व में वर्ष 2005—06 से वर्ष 2016—17 तक की आय—व्यय विवरणी एक दिन में दाखिल कर दी है, जो स्पष्ट करता है कि न्यास समिति अधिनियम के प्रावधानों का पालन भी नहीं कर रही है।

उपरोक्त परिस्थिति में प्राप्त दोनों सूची, आम—सभा बैठक दिनांक— 29/01/2023 एवं पूर्व न्यास समिति के सचिव द्वारा प्रस्तुत सूची दिनांक— 20/08/2022 पर विचारोपरान्त उक्त मंदिर, उसकी भूमि की सुरक्षा, पूजा—पाठ, राग—भोग आदि के लिए एक योजना का निरूपण करते हुए उसके कार्यान्वयन हेतु एक न्यास समिति का गठन अस्थायी रूप से करने का निर्णय गठन लिया गया।

अतः पर्षदीय आदेश दिनांक—26/04/2023 द्वारा अनुमोदन के पश्चात बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा— 32 में एवं धार्मिक न्यास पर्षद की उपविधि सं०— 43 (द) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए का प्रयोग करते हुए “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी (पिरोजा मठ), ग्राम— पिरोजा, थाना+पोस्ट— एकंगरसराय, बिहारशरीफ, जिला— नालंदा” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

योजना

1. अधिनियम की धारा— 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी (पिरोजा मठ) न्यास योजना, ग्राम— पिरोजा, थाना+पोस्ट— एकंगरसराय, बिहारशरीफ, जिला— नालंदा” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी (पिरोजा मठ) न्यास समिति, ग्राम— पिरोजा, थाना+पोस्ट— एकंगरसराय, बिहारशरीफ, जिला— नालंदा” जिसमें न्यास की समग्र चल—अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. न्यास समिति न्यास के सुचारु प्रबंधन के साथ—साथ पूजा—अर्चना, राग—भोग, अतिथि—सेवा आदि समस्त धार्मिक आचारों का सम्यक संचालन सुनिश्चित करेगी।

3. न्यास की समग्र आय के लेखा का सम्यक् संधारण किया जायेगा और राष्ट्रीयकृत बैंक में न्यास के नाम से खाता खोलकर जमा तथा आवश्यकतानुसार राशि निकासी कर व्यय किया जायेगा।

4. न्यास के खाते का संचालन दो सदस्यों (अध्यक्ष / सचिव एवं कोषाध्यक्ष) के संयुक्त हस्ताक्षर से किया जायेगा।

5. मठ परिसर में जगह—जगह भेंट—पात्र रखे जायेंगे, जिसमें दान एवं चढ़ावे की राशि डाली जायेगी, जो निर्धारित तिथि को न्यास समिति द्वारा अधिकृत दो सदस्यों के समक्ष खोली जायेगी और सही गणना कर प्राप्त राशि को बैंक में जमा किया जायेगा।

6. दाताओं से प्राप्त होने वाले राशि के लिए उन्हें रसीद दी जायेगी और सत्यापित पंजी में दर्ज कर उन्हें बैंक में जमा की जायेगी।

7. मंदिर परिसर में स्वच्छता एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और मंदिर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जायेगा। महिला दर्शनार्थियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जायेगा।

8. न्यास समिति द्वारा मठ / मन्दिर के पुजारी की अर्हता का निर्धारण एवं नियुक्ति की जायेगी एवं उनके वेतन का भुगतान न्यास कोष से होगा।

9. न्यास समिति यह सुनिश्चित करेगी कि मठ / मन्दिर परिसर में भक्तों का शोषण नहीं हो और पूजा के नाम पर उनसे जबरन बसूली नहीं हो।

10. न्यास की आय—व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।

11. न्यास समिति, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप विधि में वर्णित नियमों, धारा— 59, 60 एवं 70 का अनुपालन करते हुए बजट, आय—व्यय विवरणी, अंकेक्षित प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि का पर्षद को सम्यक प्रेषण करेगी।

12. न्यास समिति के कोई सदस्य यदि न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे या न्यास की परिसम्पत्तियों से प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ उठाते हुए पाये जायेंगे अथवा आपराधिक पृष्ठभूमि के होंगे, तो उनके सदस्य बने रहने की अर्हता समाप्त हो जायेगी।

13. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव प्रत्येक तिमाही में बैठक बुलायेंगे। बैठक की अध्यक्षता, अध्यक्ष करेंगे और निर्णय बहुमत के आधार पर होगा। यदि अध्यक्ष अनुपस्थित हों, तो उनके दायित्वों का निर्वहन उपाध्यक्ष करेंगे।

14. सचिव, समिति द्वारा पारित प्रस्तावों / निर्णयों को मूर्त रूप देने के लिए उत्तरदायी होंगे और कोषाध्यक्ष आय-व्यय के लेखा संधारण एवं पर्यवेक्षण के उत्तरदायी होंगे।

15. जिन विषयों का उल्लेख इस योजना में नहीं हो और मंदिर के हित में आवश्यक हो, तो उन बिन्दुओं पर न्यास समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर पक्ष के पास अनुमोदन हेतु भेजेगी।

16. गोवंश एवं अन्य पशुओं और उनके प्रति होने वाली क्रूरता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 (पी०सी०ए०) की धारा-11, भारतीय दण्ड विधान (I.P.C.) की धारा- 428, 429 के तहत दंडनीय अपराध बनाया गया है। न्यास / मठ/मंदिर परिसर में रहने वाले पशुओं (गोवंश / गोधन) को बेसहारा खुला छोड़ना / भोजन नहीं देना / ऐसा कोई कृत्य, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः करना, जिसका उद्देश्य "पशु की क्रूरता या वध" होता हो या उक्त कार्य को बढ़ावा मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य न्यासधारी / सेवायत / महंत / न्यास समिति के सदस्यों द्वारा नहीं किया जायेगा।

17. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिवित्तियों की पूर्ति का अधिकार पक्ष में निहित होगा।

18. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पक्ष द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति अस्थायी रूप से गठित की जाती है:-

1. श्री महादेव चौधरी, पिता-स्व० रामप्यारे चौधरी	—	अध्यक्ष
2. डॉ० मृत्युंजय कुमार, पिता-श्री बिरेन्द्र कुमार	—	उपाध्यक्ष
3. श्री धर्मदेव कुमार, पिता-श्री हरिजन प्रसाद	—	कोषाध्यक्ष
4. श्री माधव जी, पिता-स्व० अशोक कुमार	—	सचिव
5. श्री धर्मेन्द्र चौहान, पिता-श्री हरीचरण चौधरी	—	सदस्य
6. श्री जितेन्द्र कुमार, पिता-श्री गौरीशंकर सिंह	—	सदस्य
7. श्री विदेशी चौहान, पिता-श्री राजदेव चौहान	—	सदस्य
8. श्री राजकुमार साह	—	सदस्य
9. श्री ओम प्रकाश, पिता-श्री धीर गोप	—	सदस्य
10. थानाध्यक्ष, एकंगरसराय	—	सदस्य

क्रमांक-1-9 का पता-ग्राम-पिरोजा, पोस्ट-एकंगरसराय, थाना-बिहार शरीफ, जिला-नालंदा।

न्यास समिति मठ की सुरक्षा करेगी तथा उसकी बंदोबस्ती खुले डाक द्वारा अधिकतम 01 वर्ष के लिए करेगी और पक्ष को भी सूचित करेगी। यदि मठ की भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण हो, तो उसकी जानकारी नाम-पता के साथ दी जाय, जिससे उनके विरुद्ध कार्रवाई की जा सके।

उक्त आदेश के आलोक में "श्री राम जानकी ठाकुरबाड़ी (पिरोजा मठ), ग्राम-पिरोजा, थाना+पोस्ट-एकंगरसराय, बिहारशरीफ, जिला-नालंदा" के नाम में किसी प्रकार को कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।

नोट:-न्यास समिति / पदाधिकारी / सदस्य को न्यास की किसी भी सम्पत्ति / भूमि का हस्तान्तरण / बदलान/विक्रय/ पट्टा / लीज आदि पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा। अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा तथा न्यास समिति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा सकती है।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन, अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 25-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>